समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

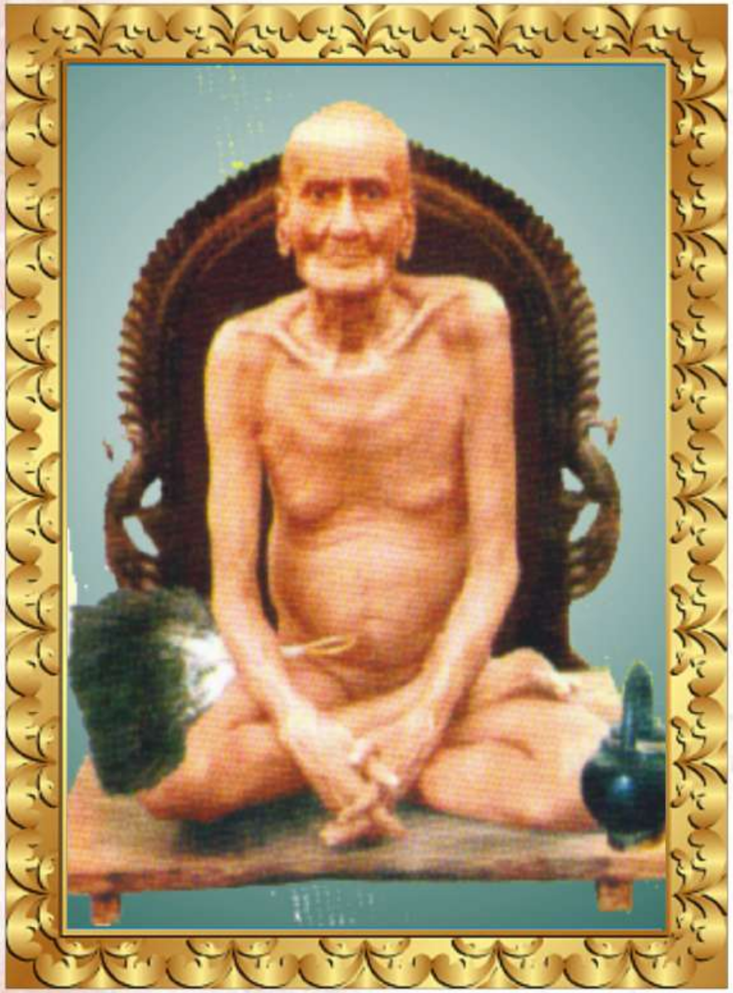

समाधिस्थ आचार्य १०८ श्री शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

भारी प्रभाव मुझ पै तब भारती का,
देखो पड़ा इसलिये मुनि हूँ अभी का ।। 33 ।।

पूर्व का नाम	श्री सातगौड़ा पाटील (जैन)
पिता का नाम	श्री भीमगौड़ा जी पाटील (जैन)
माता का नाम	श्रीमती सत्यवती जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	(१) श्री आदिगौड़ा (२) श्री देवगौड़ा (३) आपका क्रम (४) श्री कुम्भगौड़ा (५) श्रीमती कृष्णा बाई
जन्म दिनाँक / दिन / तिथि / दिन / स्थान	२५/७/१८७२ बुधवार, आषाढ़ शुक्ल षष्ठी, वि.सं.१९२९ रात्रि, येरगुल (नाना के घर), येरगुल बेलगांव कर्नाटक (भोजग्राम के समीप)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	१६-०६-१९१३, शुक्रवार, ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी वि.सं. १९७२, उत्तूर ग्राम, तहसील सुधोल जिला- बागलकोट (कर्नाटक)
एलक दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	१५-०१-१९१६ शनिवार, पौष शुक्ल १४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनारजी, जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	२-३-१९२० मंगलवार, फाल्गुन शुक्ल, चतुर्दशी, वि.सं. १९७६, यरनाल, बेलगांव (कर्नाटक)
दीक्षा गुरु	मुनि श्री देवेन्द्रकीर्ति जी महाराज
आचार्य पद दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	८-१०-१९२४ बुधवार अश्विन शुक्ल एकादशी वि.सं. १९८१, समडोली, जिला-सांगली (महा.)
समाधि दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	१८-०९-१९५५, रविवार, द्वितीयभाद्रपद शुक्ल २, वि.सं. २०१२, प्रातः ६.५० पर, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरी, उस्मानाबाद (महा.)

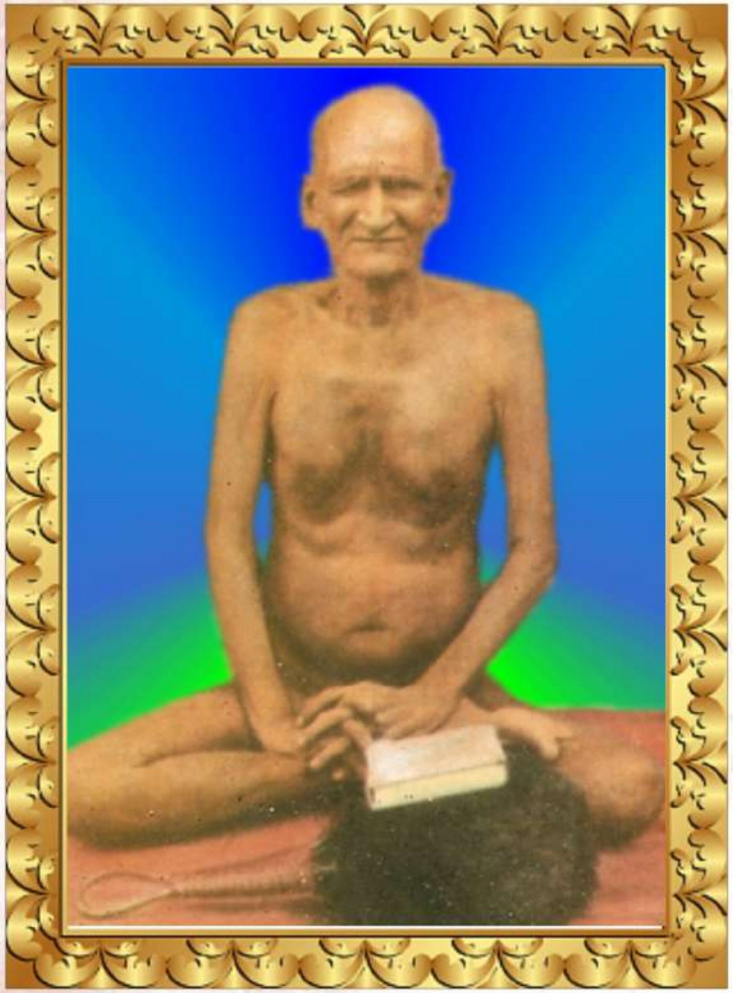

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

श्री वीरसागर सुभाष-सरोज बन्धु।
मैं बार-बार तव-पाद पयोज वंदूँ॥

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी गंगवाल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी गंगवाल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती भागूबाईजी (भाग्यवतीबाई) (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान	:	आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, वि.सं. १९३३, सन् १८७६ ईरगांव (औरंगाबाद) (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा तिथि/स्थान	:	०८-०३-१९२४ शनिवार, फाल्गुन शुक्ल तृतीया वि.सं. १९८०, कुम्भोज बाहुबली, कोल्हापुर (महा.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	दीक्षा नहीं ली।
मुनि दीक्षा तिथि/स्थान	:	आश्विन शुक्ल एकादशी, वि.सं. १९८१ ०८-१०-१९२४, समडोली, जिला-सांगली (महा.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज (दक्षिण)
आचार्य पद दिन/तिथि/दिन/ स्थान	:	०८-०९-१९५५, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण सप्तमी, वि.सं. २०१२, गुरुवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-९-१९५७, सोमवार, आषाढ़ कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०१४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानिया जी), जयपुर (राजस्थान)

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

ये है मुनि 'आचार्य' हमारे पूज्य-पाद पालक प्यारे।
ध्यान इन्हीं का करें रात-दिन विनीत हम बालक सारे॥ ५२॥

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी रावका (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी रावका (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती दगड़ाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन (जन्म के क्रम से)	:	तीन भाई, दो बहिन
जन्म तिथि/स्थान	:	वि.सं. १९५८, सन् १९०१, अड़गाँव, तहसील औरंगाबाद (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा तिथि/स्थान	:	वि.सं. २०००, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट, जिला-खरगौन (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	संयोग नही बना
मुनि दीक्षा तिथि/स्थान	:	१४-०७-१९४९, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी, वि.सं. २००६, नागौर (राजस्थान)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज
आचार्य पद तिथि/स्थान	:	०३-११-१९५७, रविवार, कार्तिक शुक्ल एकादशी, वि.सं. २०१४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०२-१९६९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०२५, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, करौली (राजस्थान)

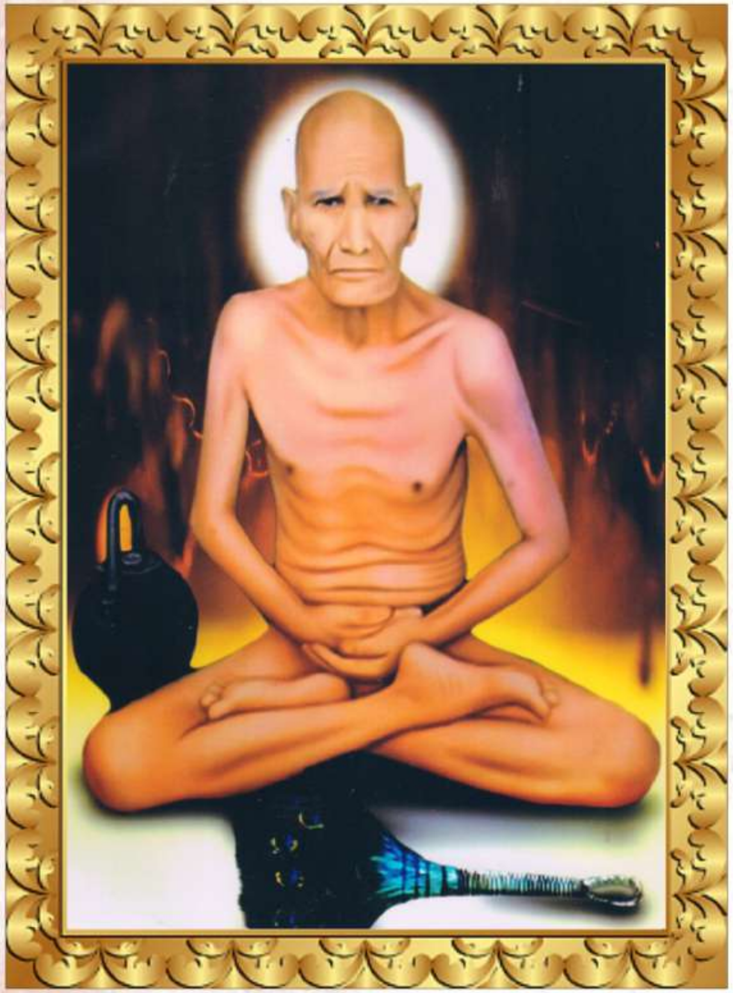

समाधिस्थ महाकवि आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

जय हो ज्ञान सागर ऋषिराज!
तुमने मुझे सफल बनाया आज॥

समाधिस्थ महाकवि आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	: **पं. श्री भूरामल जी जैन छाबड़ा** (शांतिकुमार भी था)
पिता का नाम	: श्री चतुर्भुज जी छाबड़ा (जैन)
माता का नाम	: श्रीमती घृतवरी जी छाबड़ा (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	: १) श्री छगनलाल २) आपका क्रम ३) श्री गंगाप्रसाद जी ४) श्री गौरीलाल जी ५) श्री देवीलाल जी
जन्म दिनांक/तिथि/ स्थान/समय	: २४-०८-१८९७ भाद्र पद कृष्ण ११, वि.सं. 1954 राणोली, जिला-सीकर (राजस्थान)
शिक्षा	: प्रारंभिक शिक्षा गांव के विद्यालय में, शास्त्री-संस्कृत साहित्य एवं जैन दर्शन की उच्च स्तर की शिक्षा स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस में
ब्रह्मचर्य व्रत	: २६-०६-१९४७, वि.सं. २००४
सातवीं प्रतिमा	: आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २००४ ई.सन् २६-०६-१९४७ अजमेर में आ. श्री वीर सागर जी से
क्षुल्लक दीक्षा क्षुल्लक दीक्षा गुरु	: वैशाख कृष्ण तृतीया, वि.सं. २०१२, २५-०४-१९५५ अक्षय तृतीया के दिन मन्सूरपुर, मुजफ्फर नगर (उ.प्र.) :
नामकरण	: क्षुल्लक श्री ज्ञानभूषण जी महाराज
एलक दीक्षा तिथि	: सन् १९५७, वि.सं. २०१४
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज से
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	: २२-०६-१९५९ सोमवार, आषाढ़ कृष्ण २ में वि.सं. २०१६ श्री दिगम्बर जैन क्षेत्र खानियाजी, जयपुर (राज.)
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज (के प्रथम शिष्य के रूप में)
आचार्य पद दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	: ०७-०२-१९६९, शुक्रवार, फाल्गुन वदी ५, वि.सं. २०२५ नसीराबाद, अजमेर (राजस्थान)
चारित्र चक्रवर्ती पद	: २० अक्टूबर १९७२, नसीराबाद में क्षु. श्री स्वरूपानंद जी की दीक्षा के समय।
आचार्य पद त्याग	: मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया, २२ नवम्बर १९७२ नसीराबाद अजमेर, (राज.)
समाधि	: ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या, वि. सं. २०२३, १ जून १९७३ शुक्रवार को प्रात: १०:५० मिनट पर नसीराबाद अजमेर, (राज.)।
दीक्षित शिष्यगण	: आचार्य श्री विद्यासागर जी, आ. कल्प विवेकसागर जी, क्षुल्लक श्री विजयसागर जी, क्षु. श्री आदिसागर जी, क्षु. श्री स्वरूपानंद जी, एलक श्री सन्मतिसागर जी, क्षु. श्री सुखसागर जी, क्षु. श्री संभवसागर जी महाराज थे।

साहित्य सृजन : संस्कृत ग्रंथ - महाकाव्य - जयोदय (दो भाग), वीरोदय, सुदर्शनोदय, भद्रोदय, दयोदय (चम्पू काव्य), मुनि मनोरंजनाशीति (मुक्तक काव्य) ऋषि कैसा होता है? (मुक्तक काव्य), सम्यक्त्वसार शतक, प्रवचनसार प्रतिरूपक, शांतिनाथ पूजन विधान। हिन्दी ग्रंथ-ऋषभावतार, गुणसुन्दर वृतान्त, भाग्योदय जैन विवाह विधि, तत्वार्थसूत्र टीका, कर्त्तव्यपथ प्रदर्शन विवेकोदय, सचित्त विवेचन, सचित्त विचार, देवागम स्तोत्र पद्यानुवाद नियमसार, अष्टपाहुड, पवित्र मानव जीवन, स्वामी कुंदकुंद और सनातन जैन धर्म, इतिहास के पन्ने, मानव धर्म, समयसार तात्पर्य वृत्ति टीका।

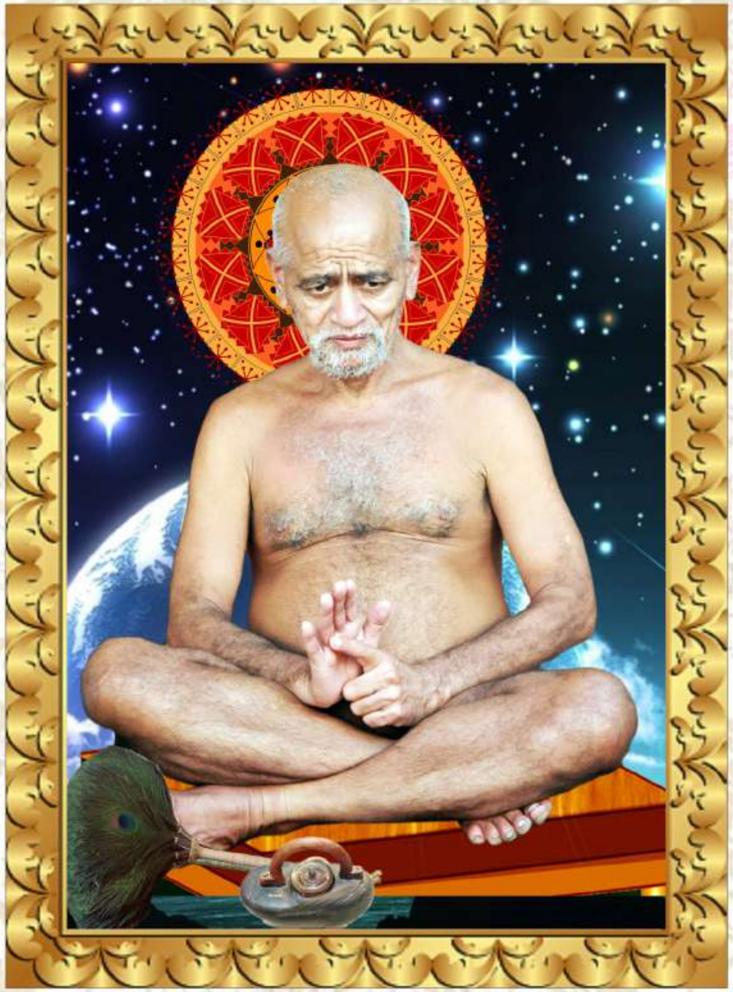

राष्ट्रहित चिंतक बालब्रह्मचारी संघनायक

आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

बाबा बड़े बड़ी कृपा, की मुझ पे आदीश।
पूर्ण हुई मम कामना, पाकर जिन आशीष ॥

प. पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	**बालब्रह्मचारी विद्याधर जी जैन** (अष्टगे गोत्र)
पिता का नाम	:	श्री मल्लप्पाजी जैन अष्टगे गौत्र (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी)
माता श्री	:	श्रीमती श्रीमंतीजी (समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमतिजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी (वर्तमान में मुनिश्री उत्कृष्टसागर जी) २) आपका क्रम ३) बा.ब्र. बहिन शांता जी ४) बा.ब्र. बहिन स्वर्णा जी ५) बा.ब्र. अनन्तनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी) ६) बा.ब्र. शान्तिनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	आश्विन शुक्ल १५, (शरद पूर्णिमा), संवत् २०२३ दि. १०-१०-१९४६, गुरुवार, रात्रि ११.३० बजे सदलगा, चिक्कौड़ी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा	:	९ वीं कक्षा (कन्नड़ से)
मातृभाषा	:	कन्नड
अन्य भाषा	:	मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी, प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत आदि
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९६६ में, आचार्य श्री देशभूषणजी महाराज से
सातवीं प्रतिमा	:	आचार्य श्री देशभूषण जी से सन् १९६६ में श्रवण बेलगोला हासन (कर्नाटक)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३० जून १९६८, रविवार, आषाढ़ शुक्ल ५, वि.सं. २०२५ अजमेर (राज.)
दीक्षा गुरु	:	महाकवि आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज
आचार्य पद दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-११-१९७२ बुधवार, मार्ग शीर्ष कृष्ण २, वि.सं. २०२९, नसीराबाद (राज.) में महाकवि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी ने अपना आचार्य पद प्रदान किया।
दीक्षित शिष्य	:	१० निर्यापक मुनि, १३१ मुनि, १७२ आर्यिकाएँ, २४ एलक, १०० क्षुल्लक, ३ क्षुल्लिका, (दीक्षा २१ दिसम्बर २०२३ तक) बा.ब्र. भाई १००० से अधिक, १००० से अधिक (प्रतिभा मंडल की ब्र. बहिनें शामिल)।

आचार्य श्री के विशेष त्याग - नमक, मीठा सन् 1969 से, चटाई सन् 1985 से (आहारजी), हरी फल साग सन् 1994 (रामटेक से), 9 उपवास लगातार (मुक्तागिरी सन् 1990 में)।

आचार्य श्री विद्यासागर जी के प्रेरणा/मार्गदर्शन, सान्निध्य में प्रभावक कार्य

- मूकमाटी मीमांसा (भाग 1,2,3) लगभग 283 संस्कृत, हिन्दी जैन-जैनेतर विद्वानों के लेख जो भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित हो चुकी हैं।
- मूकमाटी पर 4 डी. लिट., 50 पी.एच.डी., 8 एम.फिल., 2 एम.एड. तथा 6 एम.ए. आदि पर शोधप्रबंध लिखे जा चुके हैं, मूकमाटी के मराठी, अंग्रेजी, बंगला, कन्नड़, गुजराती में अनुवाद हुये हैं/हो रहे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी के द्वारा रामटेक में मूकमाटी के उर्दू अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील जी के द्वारा 14-06-2012 को राष्ट्रपति भवन में 'द साइलेंट अर्थ मूकमाटी' के अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन हुआ था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा भोपाल में मूकमाटी के गुजराती अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- आचार्यश्री का साहित्य अनेक विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हो चुका है/कई जगह प्रक्रिया चल रही हैं।
- जबलपुर-जयपुर ट्रेन का नाम ''दयोदय एक्सप्रेस'' हुआ था।
- श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र (बड़े बाबा का मंदिर) कुण्डलपुर जिला - दमोह (म.प्र.)
- नव निर्माण श्री समवशरण दि. जैन मंदिर सिलवानी जिला - रायसेन (म.प्र.)
- बिलासपुर में मंदिर निर्माण। शीतलधाम, हबीबगंज, पटनागंज, रहली, बीना बारहा, कोनी जी, बहोरीबंद, पनागर, थूवोन जी, ईशुरवारा का विकास।
- श्री पार्श्वनाथ मंदिर तेंदूखेड़ा (पाटन) में मार्बल का प्रथम चौबीसी जिन मंदिर।
- श्री दिग. जैन ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली (राज.)
- श्री दिग. जैन पुण्योदय तीर्थक्षेत्र (हरियाणा)
- श्री दिग. जैन महावीर धाम रायपुर (छ.ग.)
- श्री दिग. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर (राज.)
- श्री विद्यासागर बी.एड. कालेज विदिशा (म.प्र.)
- श्री शांति विद्या छात्रावास उमरगा (महा.)
- श्री पार्श्वनाथ दिग. जैन गुरुकुल हैदराबाद (आ.प्र.)
- पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय जबलपुर (म.प्र.)
- प्रतिभास्थली पंचम शाखा, इंदौर (म.प्र.), प्रतिभास्थली ललितपुर (उ.प्र.)
- श्री नंदीश्वर दीप पिसनहारी मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- श्री शांतिनाथ दिग. (चौबीसी एवं पंचबालयति) जैन मंदिर, रामटेक जिला नागपुर (महा.) एवं प्रतिभास्थली तृतीय शाखा एवं परवारपुरा, नागपुर में पाषाण मंदिर का निर्माण।
- श्री सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र (त्रिकाल चौबीसी एवं पंचबालयति), नेमावर, तह. खातेगांव, जिला - देवास (म.प्र.)
- श्री दिगम्बर जैन चौबीसी सहस्रकूट जिनालय, आनंदधाम खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
- श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चंद्रगिरि डोंगरगढ़ (म.प्र.), त्रिकाल चौबीसी एवं (प्रतिभास्थली द्वितीय शाखा)
- श्री ''सर्वोदय तीर्थ'' दि. जैन मंदिर अमरकंटक, जि. अनूपपुर (म.प्र.) (नवीन तीर्थ)
- सर्वतोभद्र जिनालय श्री ''भाग्योदयतीर्थ'' (मानव सेवा एवं शिक्षा) फार्मेसी कालेज, नर्सिंग कालेज, सागर
- श्री शांतिनाथ दि. जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बीना बारह, देवरी, जिला- सागर (म.प्र.) में शांतिधारा दुग्ध योजना 500 गाय का पालन, हथकरघा प्रशिक्षण।
- हथकरघा प्रशिक्षण केन्द्र विकास व स्वरोजगार, प्रतिभा प्रतिक्षा (कन्या आवासीय विद्यालय, इंदौर) 'अनुशासन' नाम से दिल्ली में बालकों का प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पूरी मैत्री स्वरोजगार योजना जबलपुर।
- पपौरा जी तीर्थक्षेत्र प्रतिभास्थली चतुर्थ शाखा।
- श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाषाण जिनालय रामपुरा एवं गोपालगंज सागर (म.प्र.)
- श्री दिगम्बर जैन समवशरण मंदिर ''शीतलधाम, हरीपुरा'' विदिशा (म.प्र.)
- श्री दि. जैन चौबीसी मंदिर टड़ा, जिला - सागर (म.प्र.)
- श्री दयोदय तीर्थ एवं प्रतिभा स्थली प्रथम शाखा (शिक्षा संस्कार के लिए) तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
- भारतवर्षीय प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान (विभिन्न पदों की कोचिंग) जबलपुर (म.प्र.)
- आचार्य श्री विद्यासागर जी 'शोध संस्थान' भोपाल (म.प्र.)
- सुप्रीम कोर्ट से 7 जजों की बैंच से ऐतिहासिक गौ वध पर प्रतिबंध का फैसला हुआ।
- बैलों की रक्षा एवं गरीबों को रोजगार हेतु ''दयोदय जहाज'' का गंजबासौदा एवं विदिशा में वितरण।
- म.प्र. सरकार द्वारा पूरे म.प्र. में 'आचार्य विद्यासागर जी गौ संवर्द्धन योजना' लागू।
- पूरे देश में लगभग135 गौशालाओं में1,00,000 पशुओं का संरक्षण।
- पूरे देश में लगभग 350 पाठशालाओं में 40,000 बच्चों को धर्म की शिक्षा।
- ''ब्राह्मी विद्या आश्रम'' मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- www.vidyasagar.net, vidyasagar.guru इन Site पर सभी जानकारी उपलब्ध।

60 से अधिक पंच कल्याणक, अनेक विधान आदि, कुण्डलपुर के बड़े बाबा का नये मंदिर में विहार (जैन समाज का ऐतिहासिक कार्य) उपराष्ट्रपति श्री भैरौसिंह शेखावत से अमरकंटक में चर्चा, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से गोम्टगिरि इन्दौर में चर्चा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से 14-10-2016 को भोपाल में चर्चा, केन्द्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी से जबलपुर में चर्चा, अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से कुण्डलपुर में चर्चा, सुमित्रा महाजन, लोकसभा अध्यक्ष से (कुण्डलपुर) 2016 में चर्चा, अनेक मुख्यमंत्रियों से चर्चा, श्री दिग्विजय सिंह, सुश्री उमाभारती, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री सुन्दरलाल पटवा, श्री बाबूलाल गौर, अशोक गहलोत, अजीत योगी, डॉ. रमन सिंह आदि से चर्चा, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से चर्चा विदिशा में, विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी से चर्चा, राजस्थान के राज्यपाल श्री निर्मल चन्द्रजी जैन (जबलपुर) म.प्र. के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ से जबलपुर में, श्रीमती सुषमा स्वराज से सागर में चर्चा एवं अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जजों, हाईकोर्ट के जजों, आयोग अध्यक्षों एवं विशिष्ट पदों वाले व्यक्तियों से चर्चा के दौरान अनेक धार्मिक प्रभावना के कार्य हुए और अनेक संतों से आचार्य श्री की चर्चायें हुई। राजनेता, चिंतक, विचााक, साहित्यकार, शिक्षाविद्, न्यायाधीश, धर्माचार्य, डॉक्टर, संपादक, अधिवक्ता, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक, कुलपति आदि ने मार्गदर्शन प्राप्त किया। आचार्य श्री के म.प्र., उ.प्र., महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार आदि राज्यों में प्रवास से अत्यंधिक प्रभावना हुई।

निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

मुक्ति वधु को पाने हेतु, भेष दिगम्बर को धारा।
रत्नत्रय के आभूषणों से, तुमने निज को श्रृंगारा॥

प. पू. निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम :	**बा.ब्र.श्री शांतिनाथ जी जैन** (अष्टगे) (सुकमाल)
पिता का नाम :	श्री मलप्पाजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम :	श्रीमती श्रीमंतिजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१) श्री महावीरजी (वर्तमान में मुनिश्री उत्कृष्टसागर जी) २) बा.ब्र.विद्याधरजी(वर्तमान में आ. श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र.बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णा जी ५) बा.ब्र. अनंतनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनिश्री योगसागर जी) ६) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय :	२७-१०-१९५८, सोमवार (शरद पूर्णिमा), आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, २०१५, सदलगा, बेलगांव (कर्नाटक) समय दोपहर - २ से २.३० बजे के बीच
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	हाई स्कूल (मराठी से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	३१-१०-१९७८, मंगलवार, कार्तिक कृष्ण, अमावस्या, दीपावली, वि.सं. २०३५, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि, छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	०८-०३-१९८०, शनिवार, चैत्र कृष्ण ६, वि.सं. २०३६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि :	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण षष्ठी वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७५ गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता :	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महा.

विशेष : आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्टसागर जी महाराज आप चारों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप चारों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, महाविधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुये।

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागरजी महाराज

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागर जी महाराज

भावना दिन-रात मेरी, सब सुखी संसार हो।
सत्य संयम शील का, व्यवहार हर घर-द्वार हो॥

पूर्व का नाम	:	**बा.ब्र. श्री अनंतनाथ जी जैन** (अष्टगे)
पिता का नाम	:	श्री मलप्पा जी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंतीजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी (वर्तमान में मुनिश्री उत्कृष्टसागर जी) २) बा.ब्र. विद्याधरजी (वर्तमान में आ.श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र. बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णाजी ५) आपका क्रम ६) श्री शांतिनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनिश्री समयसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०९-१९५६, गुरुवार, भाद्रपद शुक्ल नवमीं, वि.सं. २०१३, दोप. १२ बजे, सदलगा, बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल (मराठी माध्यम से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-११-१९७७, सोमवार, कार्तिक शुक्ल नवमीं, वि.सं. २०३४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०३७, मोराजी सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	०८-०३-२०१९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण १२ वी. नि. सं. २५४५, वि.सं. २०७५, श्री १००८ शांतिधाम, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा तहसील देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्टसागर जी महाराज आप चारों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप चारों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता एवं दोनों बहिनें भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे। मुनिश्री अच्छे लेखक, कवि, साहित्यकार, तपस्वी, अध्यात्मयोगी, चिंतक, विचारक है। आपने आ. श्री शांतिसागर जी, आ. श्री शिवसागर जी, आ. श्री ज्ञानसागर जी, आ. श्री विद्यासागर जी की पूजन, बारह भावना, चौबीस तीर्थंकर स्तुति, काव्य, कवितायें आपकी प्रेरणास्पद कृति 'आत्म शिल्पी आ. श्री विद्यासागर' है। द्रव्य संग्रह की गाथानुसार कई करोड़ जाप कर चुके हैं और कर रहे हैं। आपकी उपवास की साधना भी उत्कृष्ट है। १९९३ के गोम्टेशवर में महामस्तकाभिषेक में आपकी सहभागिता रही हैं। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, महाविधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुये।

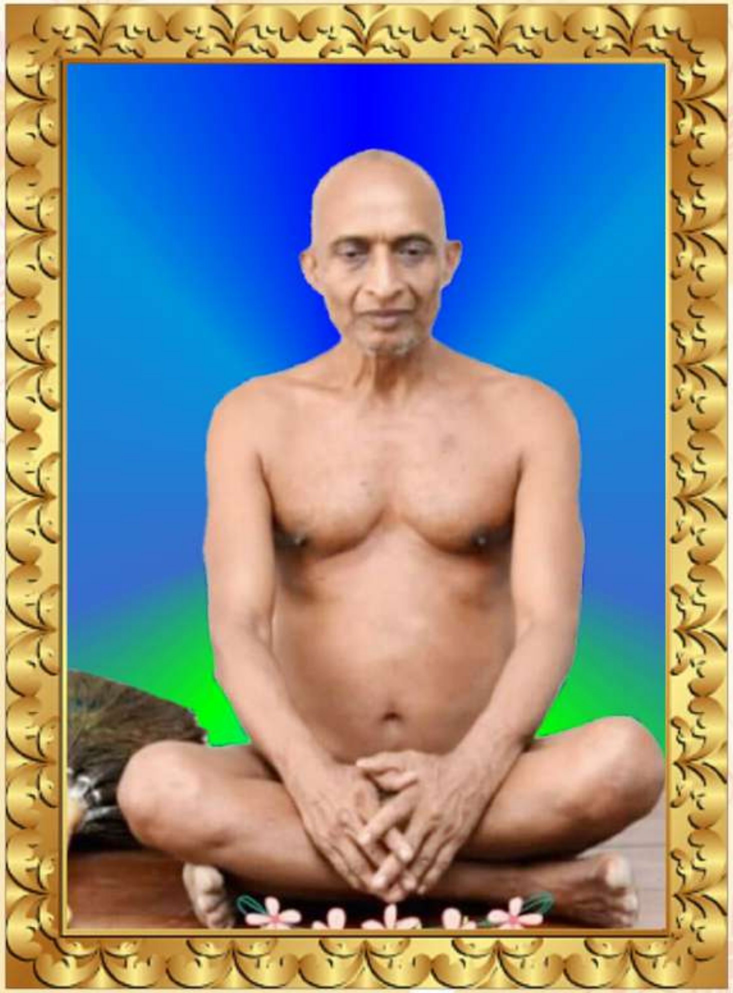

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागर जी महाराज

धूप और छाँव का मेला है जिंदगी।
बहते हुए जल का रेला है जिंदगी ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महावीर जी प्रधाने (जैन)
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी प्रधाने (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सोनाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री जिनप्पा जी ३) श्री आदिनाथ जी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०१-१९५७, बुधवार, वैशाख शुक्ल द्वितीया वि.सं. २०१४, सदलगा, बेलगाम (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पी.यू.सी. (हायर सेकेण्डरी) (कन्नड़)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	जनवरी, १९७५, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर (राजस्थान)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जी, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-१०-१९७८, बुधवार, आश्विन शुक्ल १० वि.स. २०३५, दशमी (दशहरा) श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या वि.सं. २०३७, मोराजी सागर, जिला सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिगंबर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके द्वारा प्रसिद्ध कृतियों का संस्कृत, हिन्दी में सृजन हुआ है। अनेक पंचकल्याणक, विधान, वेदी शिलान्यास मंदिर निर्माण हुए, पाठशाला, शिविर के आयोजन हुए एवं अनेक प्रभावक कार्य हुए।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

छाया, माया, देह का, मत करना विश्वास।
क्षणभंगुर है ये सभी विद्युत, विभा, विलास॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	श्री जीवनलाल जी जैन (सिंघई)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती आशा देवी जी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष जी २. श्री अरूण जी ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०९-१९५७, शुक्रवार, आश्विन कृष्ण11 वि.सं. २०१४ जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.टेक.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०१-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा		१०-११-१९८०, माघ कृष्ण ८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-११-१९८० कार्तिक कृष्ण ३० (दीपावली) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल २, शुक्रवार, वि.सं. २०३९ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१३ मार्च २०१५ दिन शुक्रवार चैत्र कृष्ण ७ ज्येष्ठा नक्षत्र वि.सं. २०७१ प्रात: ५ बजे सागर (म.प्र.)
विशेष	:	आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, अनुष्ठान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुये। मैत्री समूह के द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरुष्कार प्रदान किये गये, आपने अनेक कृतियों का सृजन किया।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागर जी महाराज

कोई हस के मरा दुनिया में, कोई रो के मरा।
जिंदगी पाई मगर उसने जो कुछ हो के मरा।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सतीश कुमार जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री पन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सरस्वती देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री रमेशचंद २. श्री महेश ३. स्व. श्री कैलाशचंद ४. श्री संतोष ५. आपका क्रम ६. श्री अतीष ७. श्रीमती आशा ८. बा.ब्र. प्रभा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	वि.सं. २०१२, कटंगी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०२-११-१९७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०१-१९८० माघ कृष्ण ११ वि.सं. २०३६ सोमवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल ०२ शुक्रवार वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१४ जून १९८४ मंगलवार ज्येष्ठ शुक्ल १४ वि.सं. २०४१ भेलपुर, वाराणसी (उ.प्र.)

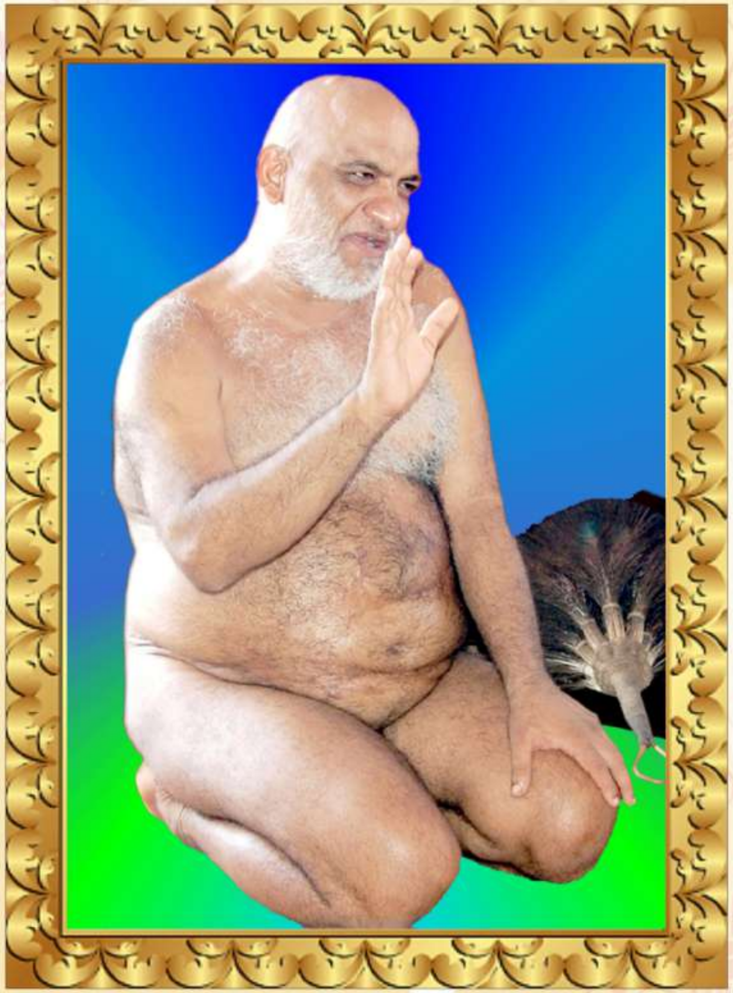

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागर जी महाराज

वह थकते हैं और चैन पाती है दुनिया।
कमाते हैं , वह और खाती है दुनिया॥

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री रूपचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांतिदेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ऋषभ जी २. आपका क्रम ३. श्री ज्ञानचंद जी ४. श्रीमती निरंजना जी ५. श्रीमती कंचनमाला जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२१-०८-१९५८, श्रावण शुक्ल सप्तमी (मोक्ष सप्तमी) अथवा (अगहन कृष्ण द्वितीया) वि.सं. २०१५, ईशुरवारा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-१०-१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०१-१९८०, गुरुवार, माघ कृष्ण ०८, वि.सं. २०३६, श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८२, गुरुवार, वैशाख कृष्ण ७ वि.सं. २०३९ मोरा जी सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, रविवार, आश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४०, ईसरी बाजार, जिला-गिरिडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम परमसागर जी महाराज था। मुनि दीक्षा के बाद आपका नाम मुनि श्री सुधासागर जी हो गया। आपने अनेक पंचकल्याणक, मंदिरों का जीर्णोद्धार, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, श्रावक संस्कार शिविर, गौशाला आदि कार्य में मार्गदर्शन, प्रेरणा, सानिध्य प्रदान किया हैं। आपकी प्रवचन शैली सभी को लाभकारी होती है आपके मार्गदर्शन में बहुत से ग्रंथों का प्रकाशन हुआ हैं।

निर्यापक श्री १०८ समतासागर जी महाराज

निर्यापक श्री १०८ समतासागर जी महाराज

तन मन की सब प्यास मिटाने, सागर भर जल पी डाला।
फिर भी प्यास शांत न हुई, धधक रही इच्छा ज्वाला॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रवीण कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र कुमार जी २. श्रीमती माया ३. आपका क्रम ४. बा.ब्र. ममता जी (वर्तमान में आर्यिका श्री संयममति माता जी) ५. बा.ब्र. सुनीता जी (वर्तमान में आर्यिका श्री स्वभावमति माता जी) ६. बा.ब्र. बबीता जी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१३-०७-१९६२ शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ११ वि.सं. २०१९, नन्हीं देवरी, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८० श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३ गुरूवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी मधुवन, जिला-गिरडीह, (झार.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३ रविवार, आश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४० ईशरी, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी। आपके गृहस्थ

जीवन की बहिन आर्यिका संयममति माता जी एवं आर्यिका स्वभावमति माता जी हैं, जो आपके गुरू से ही दीक्षित है। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, महाविधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला आदि कार्य हुए। आपने अनेक कृतियों का सृजन किया हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभाव सागर जी महाराज

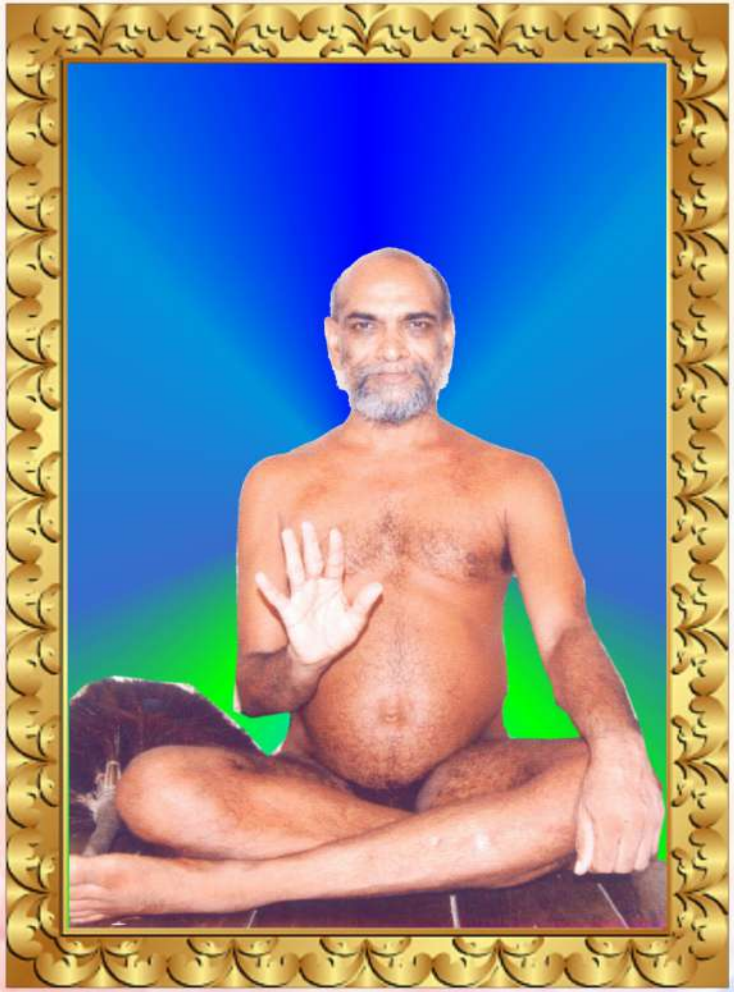

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभावसागर जी महाराज

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में।
है जीत तुम्हारे हाथों में और हार तुम्हारे हाथों में॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अशोक कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुलाबरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती चंपा २. श्री मना ३. श्री कंछेदीलाल ४. श्रीमती मीना ५. श्री भागचंद ६. आपका क्रम ७. श्री प्रकाशचंद्र ८. श्री महेन्द्र ९. श्रीमती सहोदरा १०. श्री विजय ११. श्रीमती सविता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	११-०७-१९५७, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल १५
दिन/ स्थान	:	वि.सं. २०१४, नन्हीं देवरी (नाहरमऊ) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (अपराध शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१७-०६-१९८०, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
एलक दीक्षा	:	१०-०२-१९८३ गुरुवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर ती मधुवन, जिला-गिरडीह, (झारखंड)
मुनि दीक्षा	:	२५-०९-१९८३, रविवार आश्विन कृष्ण तृतीया
तिथि/स्थान		वि.सं. २०४० ईसरी बाजार जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	११-०८-२०१७ शुक्रवार, भाद्रपद कृष्ण 4 वि.सं. २०७४ मालथौन जिला-सागर (म.प्र.)

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

इन्द्रिय सुख ही अक्षय सुख है, ऐसा अब तक माना था।
इन्द्रियों के वश होकर के निज को नहिं पहिचाना था॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री श्रीमती सुशीला बाई २. स्व. श्रीमती सुगंधी बाई ३. श्री कैलाश चंद्र ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-१०-१९५७, वि.सं. २०१४, कार्तिक कृष्ण १२ शहपुरा (भिटौनी) नीमखेड़ा जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०१-१९८० शुक्रवार माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०३६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, नैनागिरी जी, जिला छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा जी, जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, अश्विन कृष्ण ०३, रविवार वि.सं. २०४० ईसरी बाजार, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम भावसागर जी महाराज था।

समाधिस्थ मुनि श्री 108 वैराग्यसागरजी महाराज

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ वैराग्यसागर जी महाराज

गुरू ज्ञानी गुरू पारखी, गुरू उदार गंभीर।
रहस्य उद्घाटक गुरू, गुरू प्रभु की तस्वीर।।

पूर्व का नाम	:	श्री बदामीलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मंगलजीत जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मिश्री बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९०३ सिरौंज, जिला-विदिशा (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९८५ आषाढ़ शुक्ला १४ सोमवार वि.सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि दिनांक/दिन तिथि/स्थान	:	०९-०९-१९८५ भाद्रपद कृष्ण दशमी वि.सं. २०४२ सायं ५:५० बजे श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
विशेष	:	आप २८ जून १९८५ को आये ३० जून १९८५ को निवेदन किया १ जुलाई १९८५ चातुर्मास स्थापना के दिन आचार्य श्री के द्वारा मुनि दीक्षा दी गयी संलेखना विधि प्रारंभ २९ जुलाई १९८५ को अन्न त्याग, ७ अगस्त १९८५ लौकी पानी का त्याग, ९ सितम्बर १९८५ को मठा एवं जल के त्याग पूर्वक ८२ वर्ष की आयु में आपकी समाधि हुई।

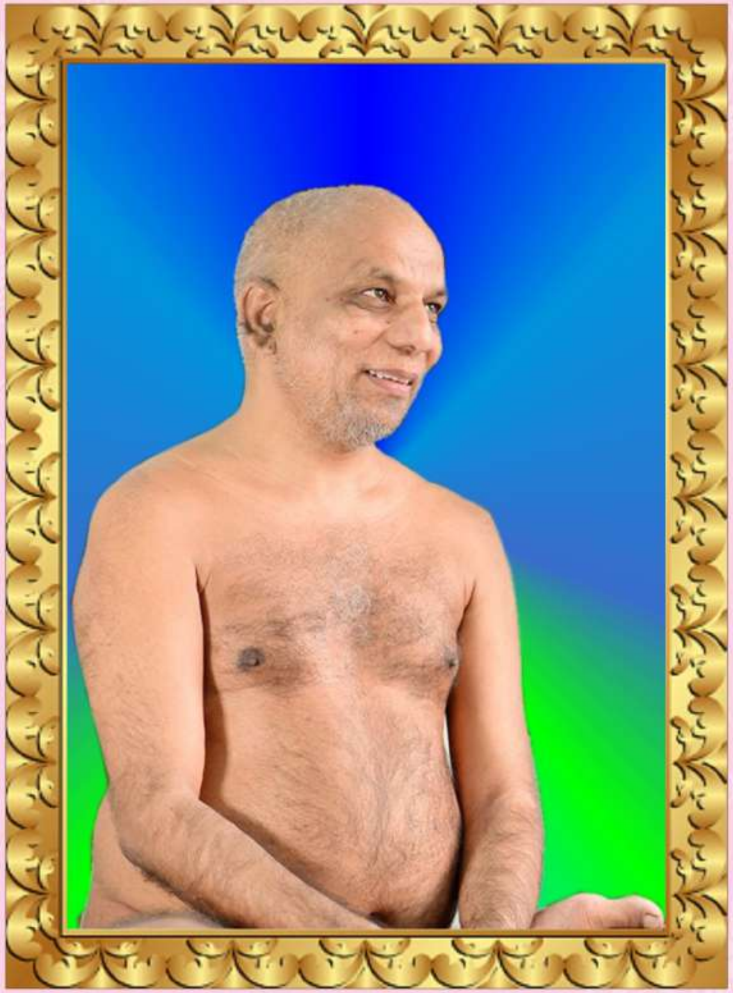

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

जब साहित्य पढ़ो तब पहले पढ़ो ग्रंथ प्राचीन।
पढ़ना हो विज्ञान अगर तो पोथी पढ़ो नवीन ।।

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. नवीन कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन (सेठी)
माता का नाम	:	श्रीमती सोहनी देवी जी जैन (सेठी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. आपका क्रम ३. श्री अरविंद ४. श्रीमती नीता
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२७-०७-१९६७, सोमवार, आषाढ़ कृष्णा ०५ वि.सं. २०२४, हजारीबाग (झारखंड)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इन्टरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/स्थान	:	०४-०३-१९८४, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५ कार्तिक कृष्णा १० शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४, शुक्रवार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, गुरुवार, चैत्र शुक्ल १३ वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आप अग्रिम पंक्ति के साधु है आपकी प्रवचन शैली प्रभावक है आपने जैन तत्त्वविद्या जैसे ग्रन्थों के लेखन का कार्य किया है अनेक प्रभावक कार्य किये हैं। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर, गौशाला आदि के प्रभावक कार्य हुये हैं। शंका समाधान के द्वारा विश्व के लोगों को लाभ मिलता है।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

हमने गुरू दर पे लुटा दी है, सब तमन्नाएँ।
लोग कहते हैं कि ये खुद को मिटा बैठे है।।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी सिंघई (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती शीलारानी जी सिंधई (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री पं. लक्ष्मीचंद ३. श्री सुभाषचंद ४. श्री राजकुमार ५. श्री महेन्द्र ६. आपका क्रम ७. श्री प्रेमचंद ८. ब्र. राजेन्द्र ९. श्रीमती कमला बाई
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-०६-१९६२ बुधवार, आषाढ़ कृष्ण ३ वि.सं. २०१९ पठा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पाँचवीं संस्कृत (माध्यम) शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०३-१९८५ महावीर जयंती खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५, कार्तिक कृष्ण १३, शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

यही हमारी श्रमण संस्कृति भारत की पूँजी है।
सत्य, अहिंसा परमोधर्मः ध्वनि जहाँ गूँजी है।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कमलेश कुमार जी जैन (दानपति)
पिता का नाम	:	श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (दानपति)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम देवी जी जैन (दानपति)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम, २. श्री के.के. जैन, ३. श्री अभय कुमार, ४. श्रीमती पद्मा, ५. श्री भूपेन्द्र, ६. श्रीमती अंजना, ७. श्री रूपेन्द्र, ८. श्रीमती वंदना, ९. श्री हेमन्त, १०. श्रीमती श्रृद्धा, ११. श्री विक्रांत
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	३१-०१-१९६१ माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा मंगलवार वि.सं. 2017, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जिला-जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ल १२ मंगलवार वि.सं.२०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास वेदी प्रतिष्ठा, शिविर, पाठशाला आदि प्रभावक कार्य हुये।

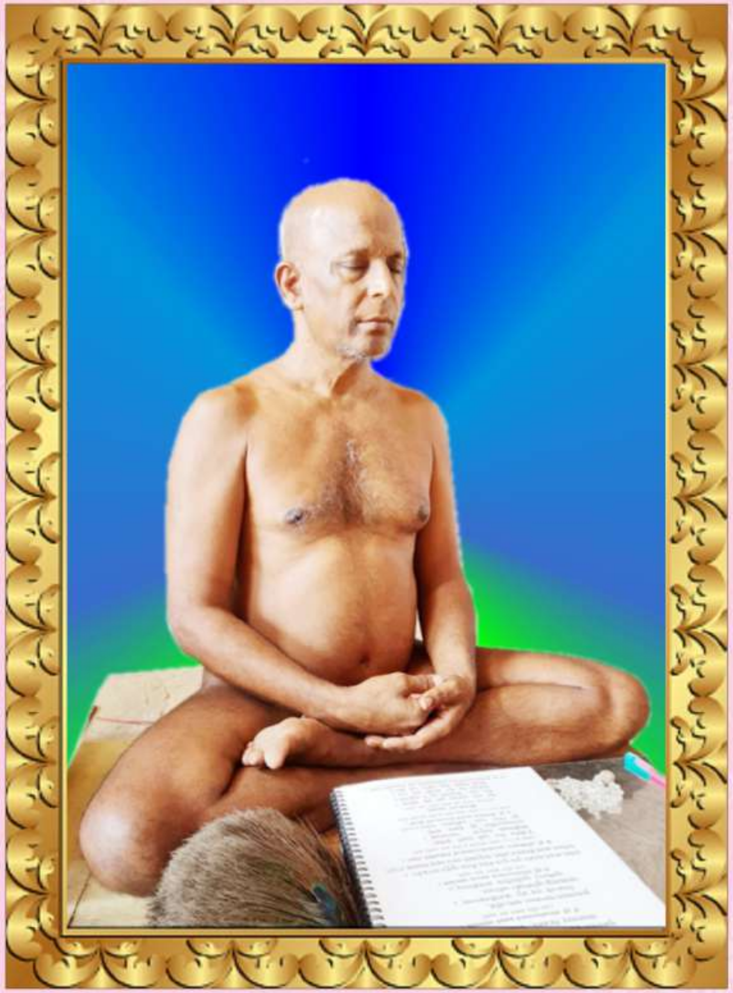

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

रहती नहीं जहाँ आशाएँ अभिलाषा।
सत्यं, शिवम्, सुंदरम् का यह अद्भुत संगम।।

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्रीपाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बाला साहेब जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती हौसा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुशीला २. श्रीमती राजमति ३. श्री भूपाल ४. श्री कलल्पपा ५. श्री अक्का ताई ६. श्री सागर ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०६-१९६० बुधवार, ज्येष्ठ शुक्ल ७ वि.सं. २०१७, अब्दुल्ला लाट, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०५-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी में स्वयं
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२, मंगलवार वि.सं. २०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३, गुरुवार, वि.सं.२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी। आपने अनेक पूजन, कवितायें आदि की रचना की हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

निज आतमा को साधते हैं, ज्ञान दर्शन चरित्र से।
वे साधु गिरने से बचाते, थामते व्रत त्वरित से॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. धर्णेन्द्र जी जैन (भोले)
पिता का नाम	:	स्व. श्री अण्णाप्पा जी जैन (भोले)
माता का नाम	:	श्रीमती हीरादेवी जी जैन (भोले)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री जितेन्द्र ३. सरस्वती ४. पद्मावती
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०८-१९६१, आषाढ़ कृष्ण ११, रविवार वि.सं. २०१८ गणेशवाड़ी, जिला-कोल्हापुर (महा.) बाद में निवास जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) स्वयं श्री जी के सामने
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	१८-१०-२०१९, आश्विन शुक्ल ५, शुक्रवार वि.सं. २०२६ जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
विशेष	:	आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

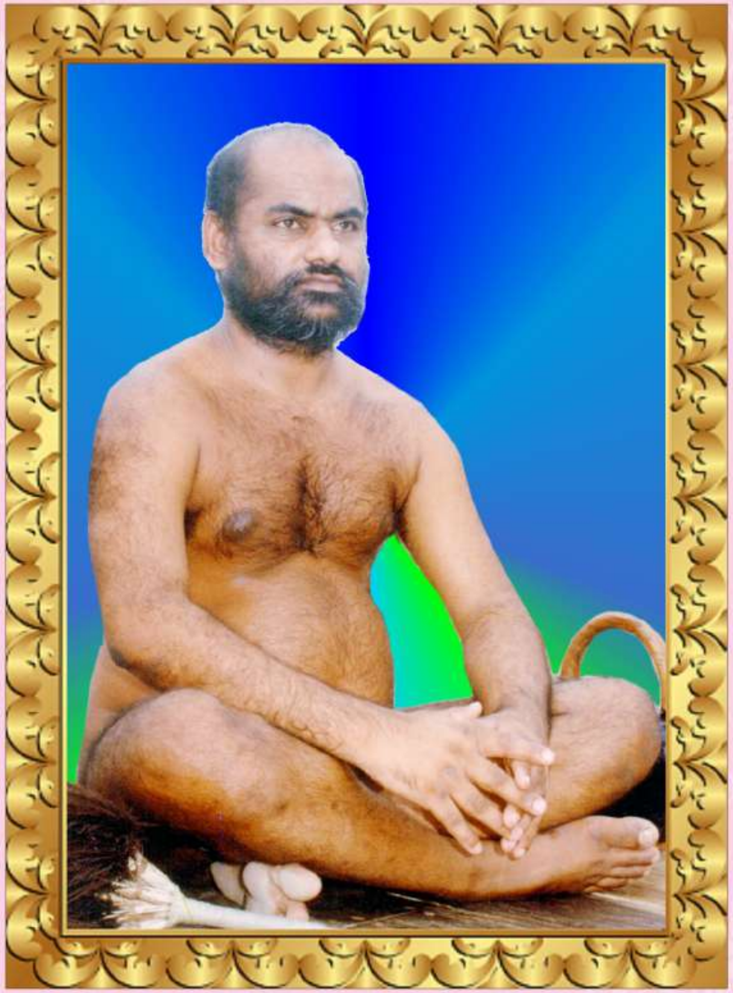

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

नहीं अतिथि की तिथि हैं, निश्चित कल का कुछ भी पता नहीं।
आज यहाँ हैं, कल वहाँ हैं, कोई सकता बता नहीं।।

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयपाल जी जैन (खोत)
पिता का नाम	:	श्री परिप्पा जी जैन (खोत)
माता का नाम	:	श्रीमती शाला ताई जैन (खोत)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री भारत २. श्रीमती माणिक ३. ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१३-०८-१९६६, द्वितीय श्रावण कृष्णा १२ शनिवार वि.सं. २०२३ कानड वाड़ी (साँगली) (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-१०-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रमोद कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री ताराचंद जी नायक (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला देवी नायक (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती प्रभा देवी २. श्रीमती शशि ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता ५. श्रीमती सविता ६.श्री प्रवीण जी ७. श्री संजीव जी ८. श्री राजीव जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०१-१९६३, रविवार माघ कृष्ण १० वि.सं. २०१९, मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. फायनल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३ में क्षुल्लक श्री सन्मतिसागर जी से गृह त्याग १९८७ में
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, विधान आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

संसार के सब सहारे जब छूट जाते हैं।
तब संत चरण ही काम आते हैं।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागर जी महाराज

जीवन के हर मोड़ पर आशा और निराशा है।
मिलकर के बिछुड़ना, यही जीवन की परिभाषा है।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महावीर जी पाटिल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री नेमगोंडा जी पटिल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला देवी जी पाटिल (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. श्री चंद्रकांत ३. श्रीमती लीलावती ४. श्रीमती जय श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०४-१९५९ मंगलवार धामनी, समडोली, जिला-सांगली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१ वैशाख शुक्ल ०३, गुरूवार, वि.सं. २०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१ आषाढ़ शुक्ल १४, गुरुवार वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२० अक्टूबर २००५, गुरूवार, तृतीया समडोली, जिला सांगली (महाराष्ट्र)

समाधिस्थ निर्यापक श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

जागन लाल वहीं है सुखिया जो इच्छा का त्यागी।
राग-द्वेष तज सकल परिग्रह भये परम अनुरागी।।

समाधिस्थ निर्यापक श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश जी जैन
पिता का नाम	:	समाधिस्थ श्री देवचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मालती २. श्री विनोद ३. श्री अनिल ४. आपका क्रम ५. श्रीमती मंजू ६. श्रीमती मणी ७. श्रीमती रश्मि
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०३-०१-१९६१ मंगलवार, माघ कृष्ण द्वितीय वि.सं. २०१७ गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०२-१९८९, गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१, वैशाख शुक्ल ०३ गुरूवार वि.सं. २०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी , रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने जिन सरस्वती, सूर्त्रोदय, कथोदय आदि ग्रन्थों का संकलन, संपादन किया हैं। पाठशालाओं का भी शुभारंभ करवाया हैं। अनेकों पंचकल्याणक, अनुष्ठान प्रभावक कार्य हुए हैं आपके सान्निध्य में।
समाधि	:	१३ फरवरी २०२३, सोमवार, फाल्गुन कृष्ण ७, श्री सिद्धक्षेत्र चम्पापुर जी , भागलपुर (बिहार)

मुनि श्री १०८ निर्वेंगसागर जी महाराज

सजदे के सिलसिले में फिरदौस मुझे मंजूर नहीं।
वैलौस बंदा हूँ कोई मजदूर नहीं।।

मुनि श्री १०८ निर्वेंगसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. दिलीप कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनीता ३. श्रीमती विनीता ४. श्रीमती बवीता ५. श्री दीपक ६. आपका क्रम ७. बा.ब्र. श्वेता दीदी (वर्तमान में आ. श्री संतुष्टमति जी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१०-१२-१९७३, पौष शुक्ल ११, गुरुवार, वि.सं. २०३०, छिंदवाडा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र (प्रथम बार १९८९ में) कुण्डलपुर, जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, वि.सं. २०५२, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ बुधवार, वि.सं. २०५३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री संतुष्ट मति माता जी आपके ही गुरू द्वारा दीक्षित हैं। (आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी संघ में है) आपके द्वारा मूकमाटी महाकाव्य पर उपाश्रम की छाँव और अनेक कृतियों का सृजन हुआ। अनेक पाठशालाओं का शुभारंभ, अनेक पंचकल्याणक, वेदी प्रतिष्ठायें, मंदिर शिलान्यास आदि कार्य हुए।

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

जिन धर्म को जिसने धरा वह, उठा संसार से।
शाश्वत् सुखी हो मुक्ति पायी, सर्वथा दुख क्षार से॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कुलभूषण जी वारे (जैन)
पिता का नाम	:	श्री गणपत राव जी वारे (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी वारे (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री देशभूषण ३. श्री सकल भूषण ४. श्री वीर भूषण
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०२-१९६१, फाल्गुन कृष्ण ८ वि.सं. २०१७ महातपुर, जिला-सोलापुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०९-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ (शरदपूर्णिमा) गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, विधान आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

सूरज से कीरत बड़ी, बिना पंख उड़ जाये।
सूरत तो जल जात है, कीरत यहाँ रह जाये॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. रंजन कुमार जी 'निरंजन'
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मल कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वर्णलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती निशा २. श्री भूपेन्द्र ३. श्री सुनील ४. आपका क्रम ५. श्रीमती कल्पना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१२-०९-१९६९ शुक्रवार, भाद्र शुक्ल-१ वि.सं. २०२६, मुरारिया (सिरोंज) जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०१-१९९०, सिरोंज (पंचकल्याणक के बाद)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, अश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर, पाठशाला के प्रभावक कार्य हुए एवं संस्कृत में लेखन कार्य हुये हैं।

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

वह चाल चल कि उम्र खुशी से कटे तेरी।
वह काम कर कि याद सबको रहे तेरी॥

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रदीप कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
पिता का नाम	:	श्री प्रबोध कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीबाई जी जैन 'विद्यार्थी'
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुधेश २. श्री राजकुमार ३. श्री मुकेश ४. श्री पंकज ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१३-११-१९६९ गुरुवार, कार्तिक शुक्ल ४ वि.सं. २०२६, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-१०-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए एवं कृतियों का सृजन हुआ।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागरजी महाराज

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागर जी महाराज

ये जमाना तो मेरा हो न सका, मुद्दत से।
हम ही अब दूर जमाने से चले जाते हैं॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. चन्द्रशेखर जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती फूलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विपद २. स्व. श्री अरविंद ३. श्रीमती सुषमा ४. श्री सतीश ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२९-१०-१९६० कार्तिक शुक्ल १२, मंगलवार वि.सं. २०१७ बेगमगंज जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९ अक्टूबर १९८७, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी, गुना (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०४-१९९६ वैशाख शुक्ला ०३ शनिवार वि.सं.२०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुज.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६ मार्ग शीर्ष १० वि.सं. २०५३, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९ नवम्बर २००३, शनिवार, दिन ११:२० बजे मगसिर शुक्ल ६, कटनी (म.प्र.)
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री निर्मद सागर जी आपके दीक्षा गुरू से दीक्षित हुये है।

मुनि श्री १०८ पुण्यसागरजी महाराज

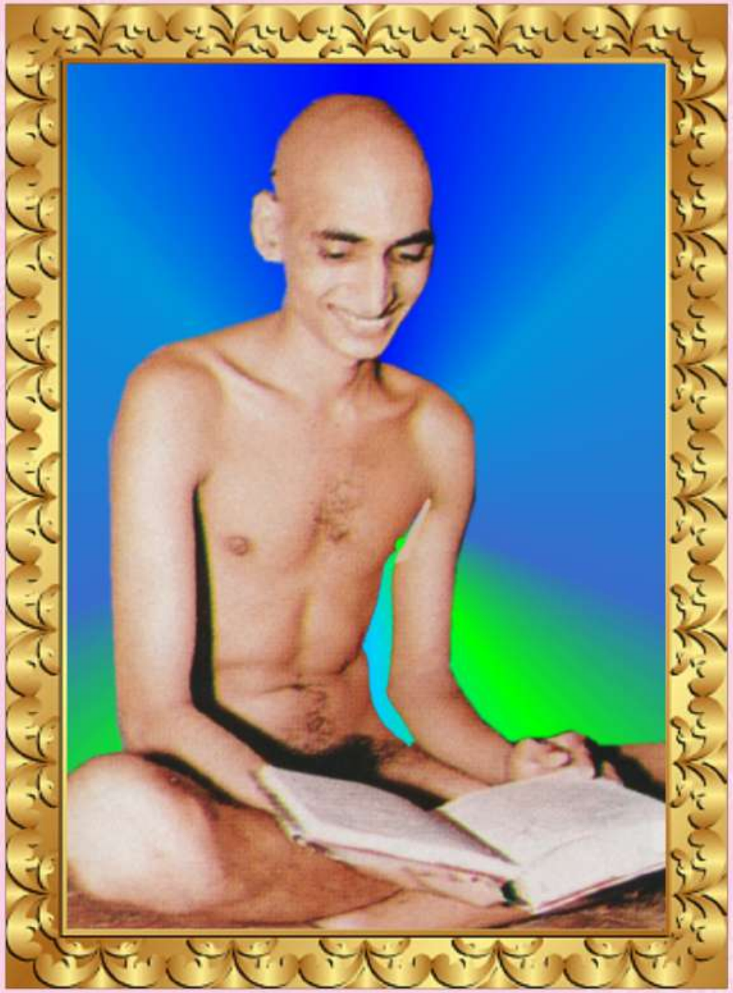

मुनि श्री १०८ पुण्यसागर जी महाराज

अजर अमर यह आत्म तत्व है, ध्रुव अक्षय अविनाशी है।
तन तो है पुद्‌गल अध्रुव, क्षयी अविनाशी है।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री शान्तिनाथजी जैन
पिता का नाम	:	श्री नागप्पा जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरोज बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री २. श्री ३. श्री ४. ५. ६. ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६८ येलबट्टी, जिला-धारवाड़ (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९०, सिरगुप्पी (कर्नाटक) में मुनि श्री नियमसागर जी से
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ अक्षय तृतीया, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६, मार्गशीर्ष शुक्ल १०, गुरूवार वि.सं.२०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ पायसागर जी महाराज

कोई ऐसा संयोग नहीं जिसके पीछे हो वियोग नहीं।
है कोई ऐसा भोग नहीं जिसके पीछे हो रोग नहीं॥

मुनि श्री १०८ पायसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री पायप्पा जी जैन
पिता का नाम	:	श्री दानप्पा जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मंजम्मा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री एम.डी. बाबू जैन २. श्री एम.डी. पद्मराज जैन ३. श्री एम.डी. राजकुमार जैन ४. एम.डी. कुबेर जैन ५. एम.डी. संतोष जैन ६. आपका क्रम ७. स्वदारी यशोदा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०३-१९६९ शनिवार, चैत्र कृष्ण १२, वि.सं. २०२५ हड़ससीग्राम (शिवमोग्गा) (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०४-१९९६, रविवार तारंगा जी (कर्नाटक)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ अक्षय तृतीया, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६, मार्गशीर्ष शुक्ल १० गुरूवार वि.सं. २०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

निर्यापक श्री १०८ प्रसादसागर जी महाराज

निर्यापक श्री १०८ प्रसादसागर जी महाराज

तुम जिन मेघमयूर मैं, गरजो बरसो नाथ।
चिर प्रतीक्षित हूँ खड़ा, ऊपर करके माथ॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. अजित कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री पदमचंद जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सरला देवीजी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीर जी २) आपका क्रम ३) श्री सन्मति जी ४) श्रीमती सरिता ५) श्रीमती वर्षा ६) श्रीमती रीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०३-१९६६, चैत्र कृष्ण १४,रविवार वि.सं. २०२२, सिहोरा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियर)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-११-१९९५, बुधवार सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६, वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला- देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	संयोग नही बना
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, गुरूवार, आश्विन शुक्ल १५ शरद पूर्णिमा, वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी , रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप ब्रह्मचारी अवस्था में विभिन्न कार्य करते हुए प्रभावना करते रहे वैय्यावृत्ति और संघ, गुरु जिनवाणी की सेवा में तत्पर रहते हैं। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, प्रभावक कार्य हुये।

निर्यापक श्री १०८ अभयसागर जी महाराज

निर्यापक श्री १०८ अभयसागर जी महाराज

अभिनन्दनीय होते हैं वही संसार में।
अंधेरे को हरने जो देते हैं दीप जला॥

पूर्व का नाम	:	**बा. ब्र. श्री बाहुबली जी सांधेलिया**
पिता का नाम	:	स्व. श्री सिंघई हुकुमचंद्र जी सांधेलिया
माता का नाम	:	श्रीमती चन्द्रानी देवी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री अभिनंदन २) श्रीमती ममता ३) श्री श्रेयांस ४) श्रीमती समता ५) आपका क्रम
जन्म दिनाँक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३०-०१-१९६०, माघ सुदी तृतीया, शनिवार वि.सं. २०१६, पाटन, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०८-१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरजी, छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	क्षुल्लक दीक्षा नहीं हुई।
एलक दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३, गुरुवार, वि.सं. २०३९, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखरजी मधुबन, जिला-गिरडीह (बिहार)
मुनि दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, वि.सं. २०५४, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरिजी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आपके द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन, प्रेरणा, सान्निध्य में अहिंसा के क्षेत्र में विभिन्न ऐतिहासिक कार्यं हुए हैं। मूकमाटी संबंधी विभिन्न कार्यों में आपका योगदान हैं। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुये।

मुनि श्री १०८ अक्षयसागरजी महाराज

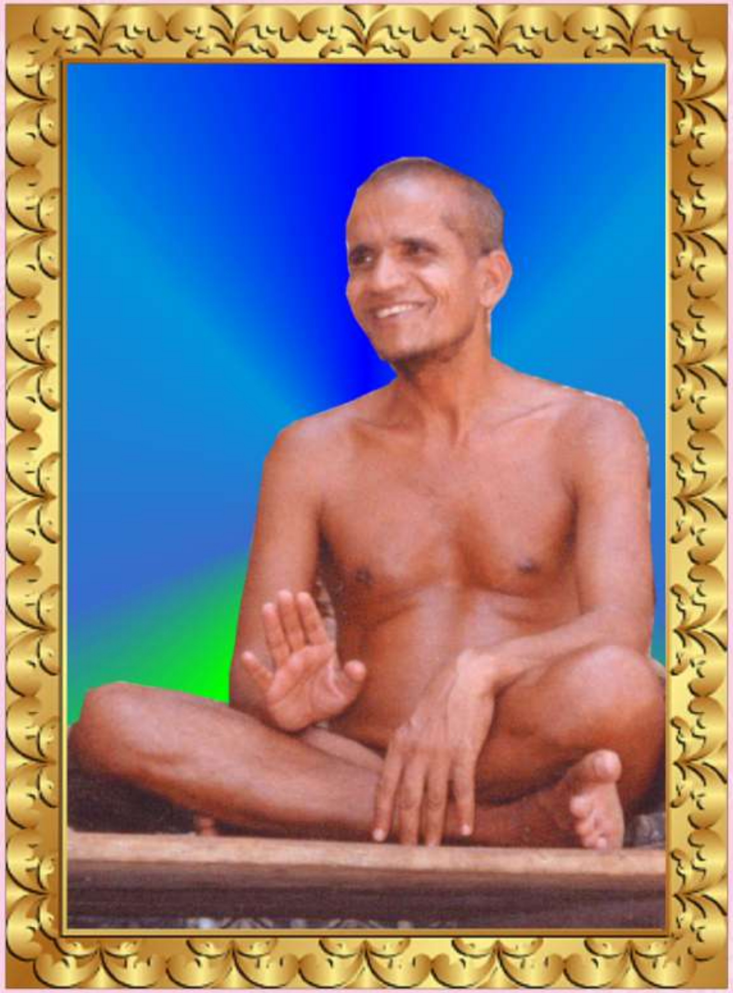

मुनि श्री १०८ अक्षयसागर जी महाराज

हम दरिया हैं, अपना हुनर मालूम है।
जिधर भी चल देंगे, रास्ता हो जायेगा॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री बकुल जी कांते (जैन)
पिता का नाम	:	श्री तात्यासाहिब पुरंदर जी कांते (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुवर्णा तात्यासाहिब जी कांते (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती विजया २. श्री जवाहर ३. श्री राजेन्द्र ४. श्री सुभाष ५. आपका क्रम ६. श्रीमती सुरेखा ७. श्रीमती जय श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०६-१९६२, ज्येष्ठ शुक्ल १४, शुक्रवार वि.सं. २०१९ शिरोल, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं (कॉमर्स), मराठी माध्यम से
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ थूवौन जी, जिला अशोक नगर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४, वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिक्षण शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन आपने किया हैं।

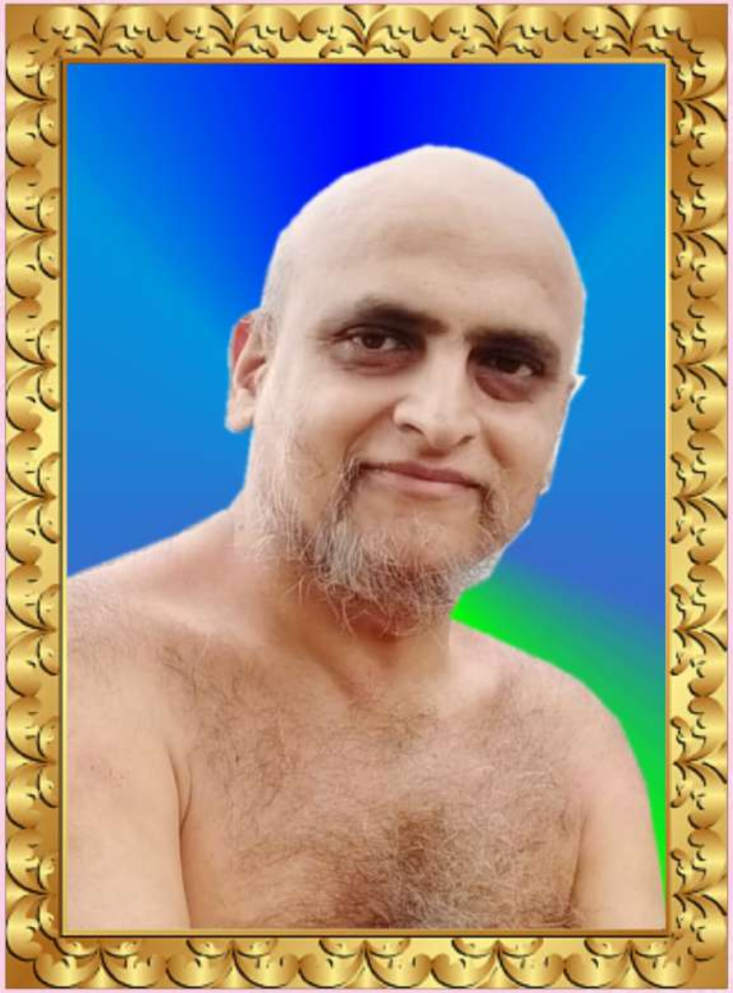

मुनि श्री १०८ प्रशस्तसागर जी महाराज

जिनको देखा था हमने तस्वीर में।
बस गये आज हमारी वह तकदीर में।।

मुनि श्री १०८ प्रशस्तसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री स्वतंत्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती जीवनलता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री रोजेश २) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१५-०८-१९७५, शुक्रवार, श्रावण शुक्ल ९, वि.सं. २०३२, सनावद, जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी/ पॉलीटेक्निक (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०२-१९९४, गुरुवार, श्री दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक, जिला अनुपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०४-१९९६, शनिवार, वैशाख शुक्ल ३, वि.सं. २०५३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगाजी जिला-मेहसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १०, वि.सं. २०५३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनारजी जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ प्रयोगसागर जी महाराज

यह माल दौलत कोठियाँ, नाज जिस पर दोस्तों।
संग कुछ जाना नहीं, फालतू एतबार है॥

मुनि श्री १०८ प्रयोगसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री श्रेयांस कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुधीर कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती डिसेन्ट बाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती महिमा ३. श्री प्रशांत
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-२-१९७४, फाल्गुन कृष्ण ३० (अमावस्या) शुक्रवार, वि.सं. २०३० सनावद् जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०२-१९९४, श्री दिगम्बर सर्वोदय तीर्थ, अमरकंटक, अनूपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, श्रावण शुक्ल ०६ शनिवार वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, पौष शुक्ल ०७, सोमवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, शिविर के कार्य हुए एवं धर्मध्यान दीपक आदि कृतियों का सृजन हुआ हैं

मुनि श्री १०८ प्रबोधसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री संदेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री धीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरलादेवी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती भारती २) आपका क्रम ३) स्व. श्री जिनेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	३१-०७-१९७४, बुधवार, श्रावण सुदी १३ वि.सं. २०३१, सनावद, जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पॉलीटेक्निक (मेकेनिकल इंजी.)
ब्रह्मचर्य व्रत कब/कहाँ दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-२-१९९४, बुधवार, श्री दिगम्बर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र, अमरकंटक, जिला-अनुपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६, वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, सोमवार, पौष शुक्ल ७, वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघु शुक्ल १५, पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

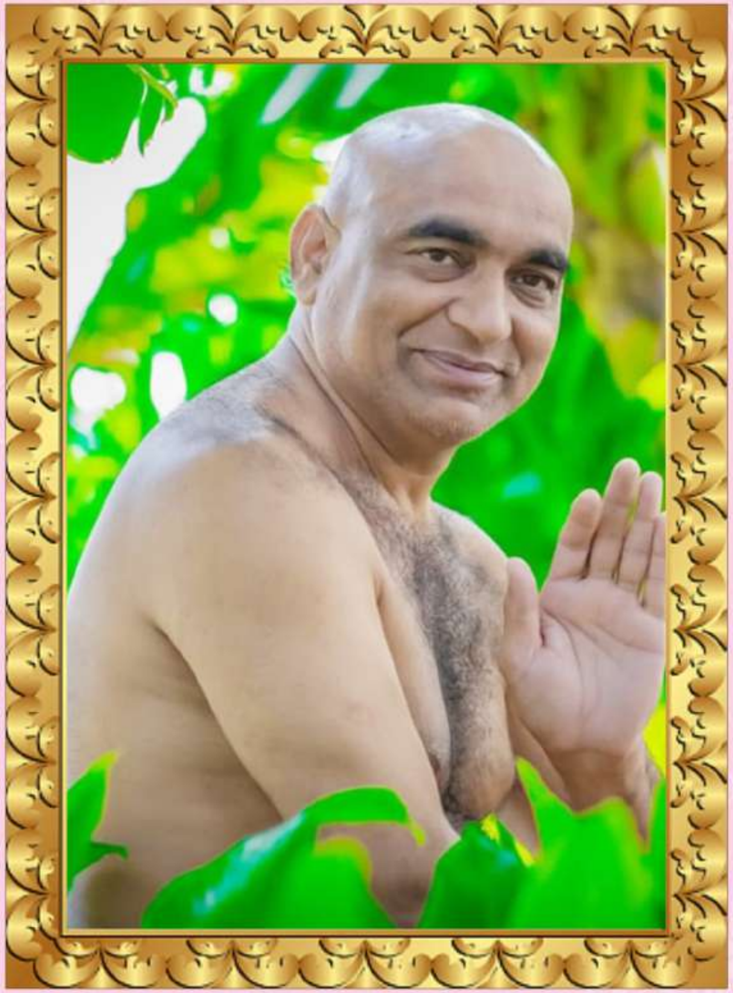

मुनि श्री १०८ प्रबोधसागर जी महाराज

दिखाने के हैं सब ये दुनिया के मेले।
भरी बज्म में हम रहे है अकेले॥

मुनि श्री १०८ प्रणम्यसागरजी महाराज

मुनि श्री १०८ प्रणम्यसागर जी महाराज

धरती सेज, ओढ़ना अम्बर चिंतन है इनका भोजन।
जिओ और जीने दो सबको, इनका है जीवन दर्शन॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सर्वेश जी जैन
पिता का नाम	:	श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरितादेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती सपना ३. श्री सचिन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०२-१९७५, शनिवार, भाद्र शुक्ल ९, वि.सं. २०३२ भोगांव, जिला-मैनपुरी (म.प्र.) (बाद में सिरसागंज निवास) फिरोजाबाद (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (अंग्रेजी माध्यम)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०४-१९९६ (गृहत्याग) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र तारंगा जी गुजरात
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, श्रावण शुक्ल ०६ शनिवार वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय क्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, पौष शुक्ल ०७ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने कई ग्रन्थों की संस्कृत टीकायें लिखी हैं टीका की हिन्दी की है, पद्यानुवाद किये हैं अर्हंमयोग की शुरूआत की अंग्रेजी, प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी आदि भाषाओं का ज्ञान रखते हैं आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य हुये।

मुनि श्री १०८ प्रभातसागर जी महाराज

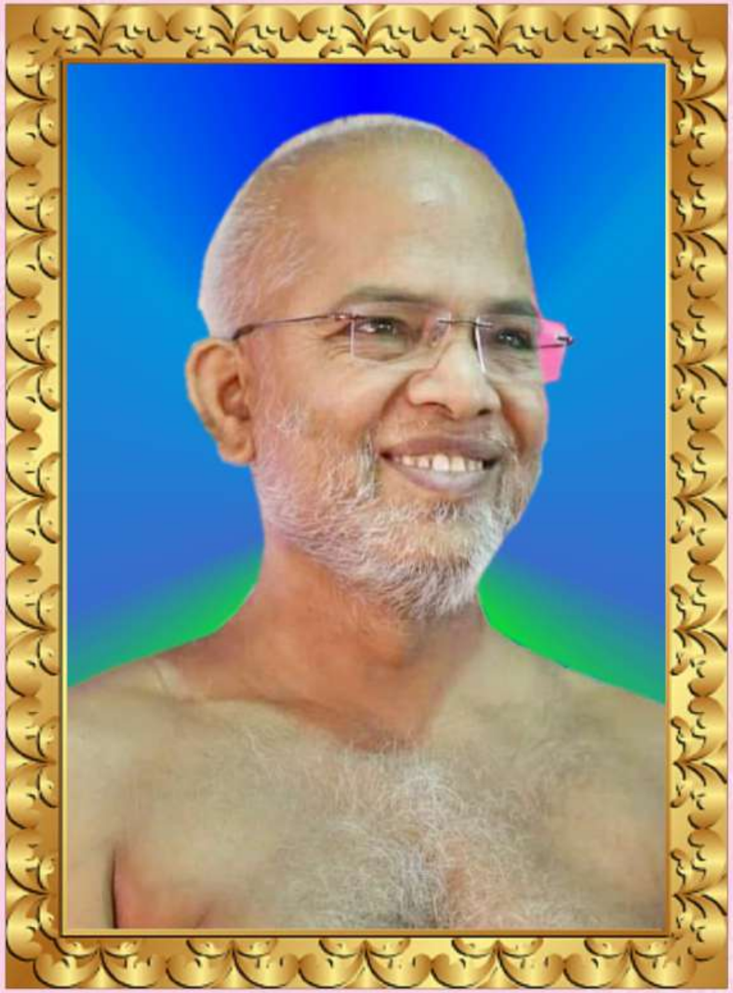

मुनि श्री १०८ प्रभातसागर जी महाराज

व्यर्थ नहीं वह साधना, जिसमें नहीं अनर्थ ।
भले मोक्ष हो देर से, दूर रहे अघ-गर्त॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१२-१९७१, गुरूवार, मार्गशीर्ष सुदी पूर्णिमा वि.सं. २०२८, दर्शनी सिहोरा (वर्तमान में जबलपुर) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित) पॉलीटेक्निक सिविल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-१०-१९९२, शनिवार, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर, जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६, वि.सं. २०५४ श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, सोमवार, पौष शुक्ल ७, वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप सिद्धान्त, अध्यात्म, व्याकरण के कुशल हैं।

मुनि श्री १०८ चन्द्रसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ चन्द्रसागर जी महाराज

जिनवचन अमृत औषधी सम, मानकर जिसने पिये।
उसने विषय सुख कर विरेचित, आत्मसुख अपने किये॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. चन्द्रकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुमतरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कैलाश २. श्रीमती सरला ३. डॉ. सुभाषचंद्र ४. श्री सरस चंद्र ५. श्रीमती माया ६. श्री राजकुमार ७. आपका क्रम ८. श्री अशोक ८. श्रीमती विनोद
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-१०-१९५६, मंगलवार, अश्विन कृष्ण ०६ वि.सं. २०१३, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०५-१९८६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ल १२ मंगलवार वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा वि.सं.२०५४ (प्रात:काल) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, पूर्णिमा वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा प्रात: काल एवं शाम को मुनि दीक्षा एक ही दिन हुई। आपने अनेक कृतियों का सृजन किया हैं। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए।

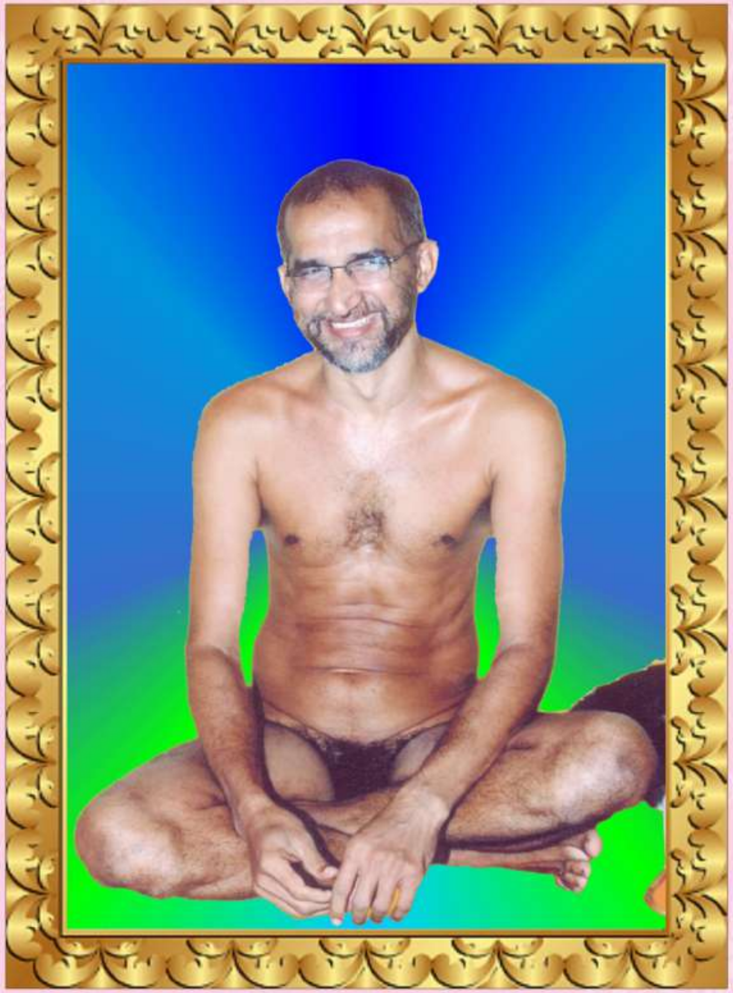

मुनि श्री १०८ वृषभसागर जी महाराज

जिनवचन अमृत औषधी सम, मानकर जिसने पिये।
उसने विषय सुख कर विरेचित, आत्मसुख अपने किये॥

मुनि श्री १०८ वृषभसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अक्षय जी (चित्तसेन) जी जैन
पिता का नाम	:	श्री धर्मराज जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुनंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री २. श्री ३. श्री ४. श्री ५. श्री ६. श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६९, नेल्लिकारू, मंगलूर (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८६,(मुनि नियमसागर जी से) हासन (कर्नाटक)
क्षुल्लक दीक्षा	:	(मुनि नियमसागर जी से) तुमकूर (कर्नाटक)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०४-१९९७, खरगौन, सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जी जिला-खण्डवा (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९,वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	एलक अवस्था का नाम शैलसागर जी एवं क्षुल्लक अवस्था का नाम चारित्रसागर जी महाराज था।

मुनि श्री १०८ अजितसागर जी महाराज

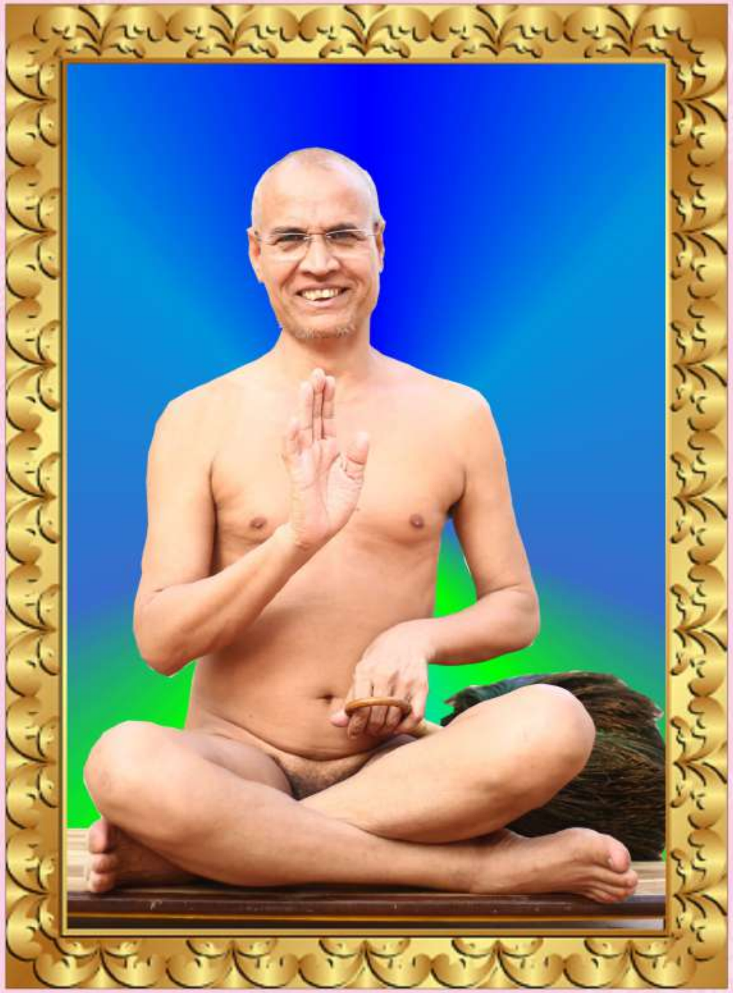

मुनि श्री १०८ अजितसागर जी महाराज

विद्यासागर गुरु रहे, सब जग के आधार।
भगवन् सम जयवन्त हों, हमें करें भव पार॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री विनोद कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कोमल चन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती तारा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मालती, २. श्री भागचंद्र, ३. आपका क्रम, ४. श्री बालचंद्र, ५. श्रीमती ममता, ६. श्रीमती राजुल
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१७-०४-१९६८ बुधवार वैशाख कृष्ण ५ वि.सं.२०२५, सिमरिया, गढ़ाकोटा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में निवास गढ़ाकोटा)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-१२-१९८७, श्री अभिनंदननाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल द्वार ललितपुर (उ.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०४-१९९६, शनिवार अक्षय तृतीया वि.सं. २०५३ सिद्ध क्षेत्र तारंगा जी, महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार, वैशाख शुक्ला सप्तमी वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक एवं एलक अवस्था का नाम प्रज्ञासागर जी महाराज था। आपने अनेक ग्रंथों का संपादन, संकलन किया है, अनेकों पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, गौशाला, शिविर, वेदी प्रतिष्ठा, अनुष्ठान आदि कराये हैं।

निर्यापक मुनि श्री १०८ संभवसागर जी महाराज

निर्यापक मुनि श्री १०८ संभवसागर जी महाराज

थकता, रुकता कब कहाँ, ध्रुव में नदी प्रवाह ।
आह वाह परवाह बिन, चले सूरि शिव-राह ॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री रजनीश जी जैन (बड़कुल)
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुरेशचंद जी जैन (बड़कुल)
माता का नाम	:	श्रीमति चमेलीबाई जैन (बड़कुल)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री रवि २) श्रीमती सुषमा ३) श्री राकेश ४) श्री राजेन्द्र ५) श्रीमती नीलिमा ६) आपका क्रम ७) श्रीमती वंदना ८) श्री राकेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१६-०६-१९७१, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण ८, वि.सं. २०२८, पनागर, जिला जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०९-१९९३, मंगलवार, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, जिला-नागपुर (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९६, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६, वि.सं. २०५४, श्री दिगंबर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	संयोग नहीं बना।
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६, श्री दिगम्बर सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास
दीक्षा गुरु	:	प. पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी , रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था में आपका नाम श्री परीतसागर

जी महाराज था आपका क्षुल्लक से सीधी मुनि दीक्षा हुई है आप सिद्धांत, व्याकरण, अध्यात्म ग्रंथों में विशेष प्रवीण हैं। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ अभिनन्दनसागर जी महाराज

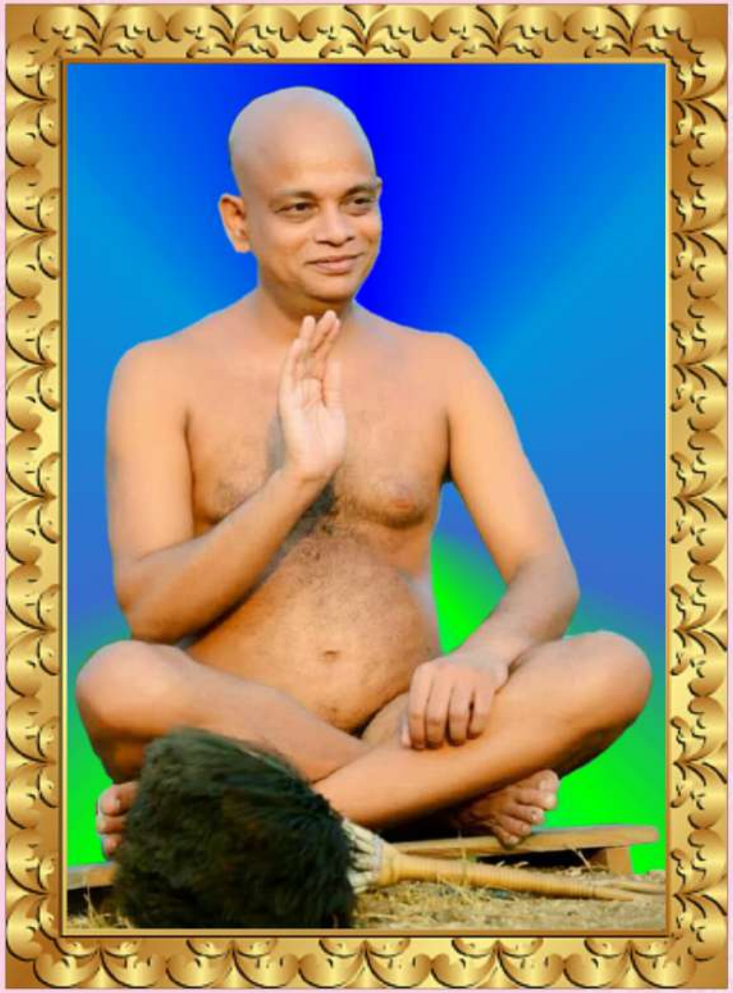

मुनि श्री १०८ अभिनंदनसागर जी महाराज
पूज्य मुनिराज का हृदय से अभिनन्दन।
जिनके चरणों की माटी बनी है चन्दन॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सुकौशल कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	सिघई. श्री पदमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मीरा देवी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्रीमती प्रीति, ३) श्री अंकुश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-०२-१९७५, मंगलवार, माघ वदी १४, वि.सं. २०३१, सिरसागंज जिला-फिरोजाबाद (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	गृहत्याग, ०९-०८-१९९४, ब्र.व्रत २५-०४-१९९६ तारंगा जी, महेसाणा (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिक्षण शिविर संपन्न हुये हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ सुमतिसागर जी महाराज

आदमी सोया जमीं पर, लोग कहते मर गया।
था बेचारा सफर में, आज अपने घर गया।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ सुमतिसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अरविंद कुमार जी जैन (लोहिया)
पिता का नाम	:	श्री झलकन लाल जी जैन (लोहिया)
माता का नाम	:	श्रीमती जानकी बाई जी जैन (लोहिया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती शकुन २. श्री जिनेन्द्र ३. श्री नरेन्द्र ४. आपका क्रम ५. श्रीमती साधना ६. श्री सतेन्द्र ७. श्रीमती मीना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-०६-१९६५, आषाढ़ कृष्ण ८, वि.सं. २०२२ दलपतपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२ अक्टूबर १९८७, दीपावली श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. 2056 गुरुवार, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी
समाधि	:	०८ मार्च २००९, रविवार फाल्गुन शुक्ल १२ वि.सं. २०६५ (रवि पुष्य योग) दोपहर 11:45 बजे, अशोकनगर (म.प्र.)

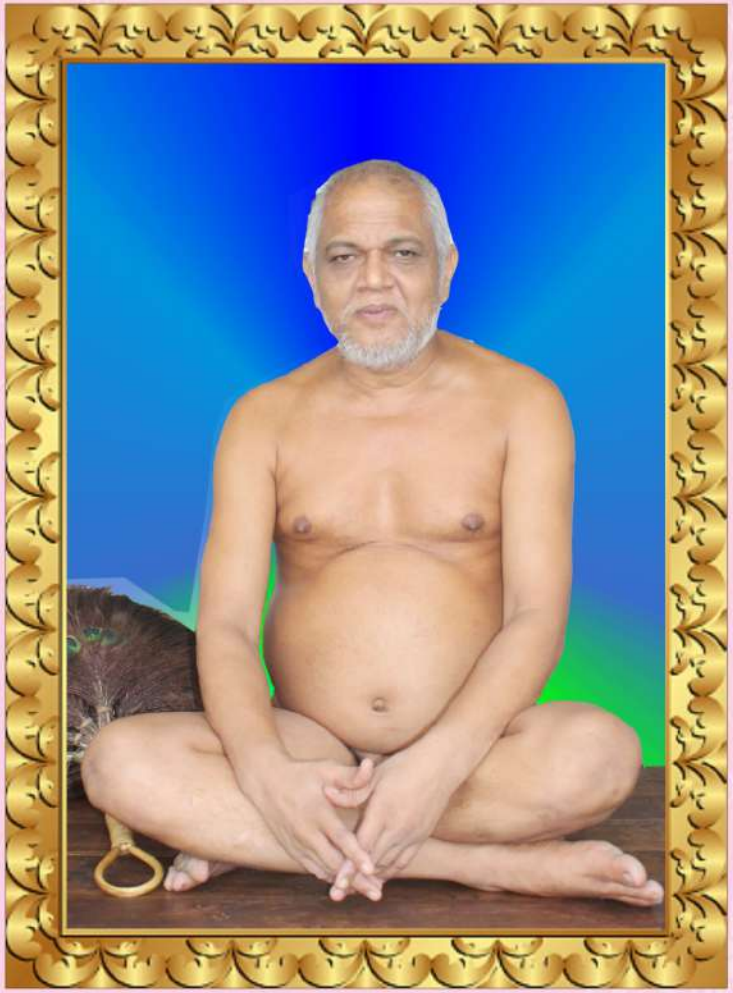

मुनि श्री १०८ पद्मसागर जी महाराज

बूँद-बूँद के मिलन से, जल में गति आ जाय।
सरिता बन सागर मिले, सागर बूँद समाय ॥

मुनि श्री १०८ पद्मसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री प्रफुल्ल कुमार जी जैन (दिवाकर)
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रकाशचंदजी जैन (दिवाकर)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुमबाई दिवाकर
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री पुलिनकांत २) श्रीमती प्रमिला ३) श्री प्रमोद ४) श्री प्रदीप ५) आपका क्रम ६) श्री प्रशांत ७) श्री प्रसन्न ८) श्री पंकज ९) श्रीमती प्रीति
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९-०७-१९६३, शुक्रवार, आषाढ़ कृष्ण १४, वि.सं. २०१९, पिपरिया, पचमढ़ी (म.प्र.) (वर्तमान में सागर निवासी)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.एड., शास्त्री साहित्याचार्य, प्रतिष्ठाचार्य
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	सन् १९८० बीना बारहा अतिशय क्षेत्र, देवरी, जिला-सागर (म.प्र.) में एवं ६/३/९९ को सात प्रतिमा कुण्डलपुर में।
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं.२०५६श्री दिगम्बर सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी, तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ पद्मसागर जी महाराज ने गृहस्थ जीवन में २० वर्ष तक शासकीय प्राध्यापक के पद पर कार्य किया। इतने ही वर्ष तक रात्रि पाठशाला में अध्यापन कार्य कराया। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिक्षण शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ सुपार्श्वसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ सुपार्श्वसागर जी महाराज
गुरूपद में विश्राम हो, गुरूपद का हो ध्यान।
धन्य-धन्य जीवन बने, और मिले शिवधाम॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री कुमार जी पाटिल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री नेमीगोंडा जी पाटिल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुमति जी पाटिल (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री नेमगोंडा ३. श्री सुरगोंडा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०७-१९५५ गुरुवार, श्रावण कृष्ण २ वि.सं. २०१२ समडोली, सांगली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९४, अमरकंटक जिला-शहडोल (म..प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ चन्द्रप्रभसागर जी महाराज

निज गुरू के तुम गुरू बने, भक्तों के गुरू ईश।
सब पूजें 'विद्यागुरू', मान इष्ट जगदीश॥

मुनि श्री १०८ चन्द्रप्रभसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. शशिकांत जी केम्प्राणे (जैन)
पिता का नाम	:	श्री धनपाल जी केम्प्राणे (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती रत्नमाला जी केम्प्राणे (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री कांत ३. श्रीमती सुरेखा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०६-१९६६ बुधवार, ज्येष्ठ शुक्ल १३ वि.सं. २०२३ नेज, तह.-चिक्कोड़ी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम., एल.एल.बी.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-१०-१९९६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपकी उपवास की साधना उत्कृष्ट है। आप सिंह निष्क्रीडित व्रत कर चुके हैं, आपके सान्निध्य में अनेक विधान, पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ पुष्पदन्तसागर जी महाराज

जो निज गुरू के गुरू बने, अरु संतो के संत।
ऐसे विद्या महाकवि, रहे सदा जयवंत॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ पुष्पदंतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजकुमार जी जैन (डियोढ़िया)
पिता का नाम	:	स्व. श्री भालचंद्र जी जैन (डियोढ़िया)
माता का नाम	:	श्रीमती गिरजा देवी जी जैन (डियोढ़िया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अभय २. श्रीमती किरण ३. श्री कैलाश ४. आपका क्रम ५. श्रीमती सुधा ६. श्रीमती शोभा ७. श्री दिलीप ८. श्रीमती आभा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०४-1955 बुधवार, वैशाख कृष्ण १३ वि.सं. २०१२, बुढ़ार, जिला-शहडोल (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८८, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज हैं जो आपके ही गुरू से दीक्षित हैं।
समाधि	:	२५-०४-२०१९ गुरुवार, वैशाख कृष्ण ६ वीर निर्वाण संवत् २५४५ वि.सं. २०७५-७६ श्री सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी (झारखंड)

मुनि श्री १०८ श्रेयांससागर जी महाराज

डूबना है तो इतने सूकून से डूबों।
कि आस-पास लहरों को भी पता न चलें॥

मुनि श्री १०८ श्रेयांससागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सुमत जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री अनिल २) आपका क्रम ३) श्री संजय ४) श्रीमती मीना ५) श्रीमती सीमा ६) श्री धर्मेन्द्र ७) श्री प्रसन्न ८) श्री प्रदीप
जन्म दिनाँक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५-१०-१९६७, गुरुवार, आश्विन शुक्ल २ वि.सं. २०२४, कवराटा, जिला-ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	नवम्बर १९८७, थूवौन जी अतिशय क्षेत्र जिला अशोकनगर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार, वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०६६, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

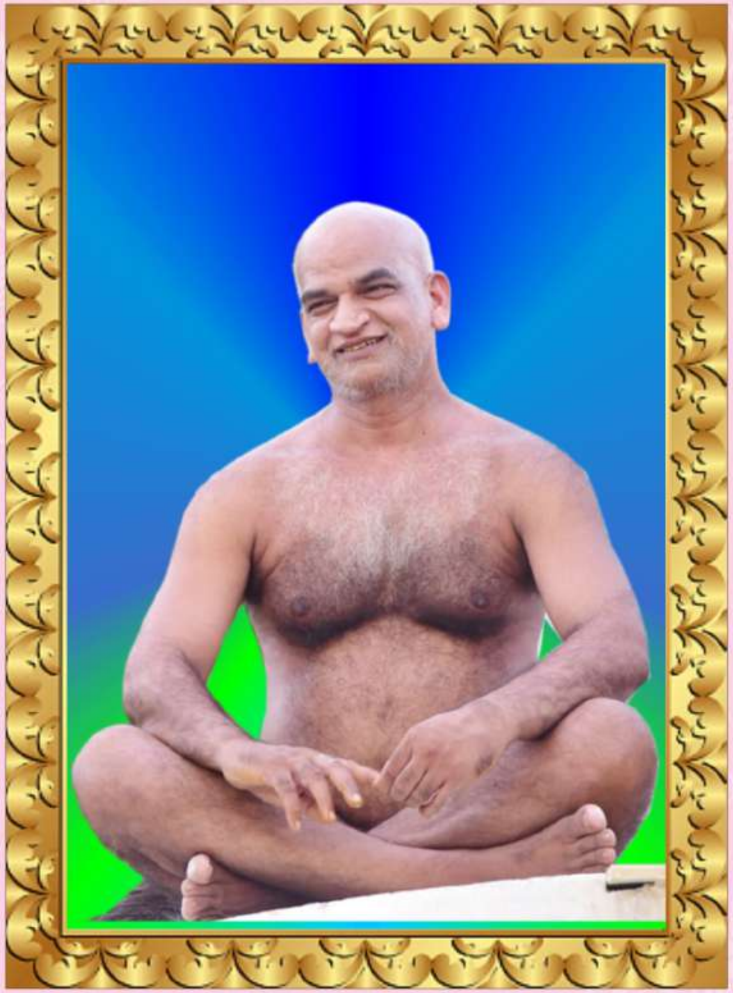

मुनि श्री १०८ पूज्यसागर जी महाराज

चरण धूल अनमोल है, आज लगाँऊ माथ।
जन्म सफल हो जायेगा, हमें दिखाओं पाथ।।

मुनि श्री १०८ पूज्यसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री रमेश जी जैन (बड़कुल)
पिता का नाम	:	श्री हजारीलाल जी जैन (बड़कुल)
माता का नाम	:	श्रीमती कमलाबाई जैन (बड़कुल)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री शिखरचंद २) श्री विजय ३) आपका क्रम ४) श्री प्रकाश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-१०-१९७०, बुधवार, आश्विन शुक्ल १५ वि.सं.२०२७ (शरद पूर्णिमा), ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	शास्त्री, बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९९८, मंगलवार, माघ शुक्ल १४, वि.सं. २०५५ श्री दिगंबर जैन मुक्तागिरि जी सिद्धक्षेत्र (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगंबर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी, तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, रजत के विशेष कार्य एवं प्रभावना के क्षेत्र में महती भूमिका निभाई हैं।

मुनि श्री १०८ विमलसागर जी महाराज

अपनी काया की सुध-बुध, भूल कहीं खो जाता है।
योग परायण योगी वह तो, एकाकी हो जाता है ॥ 42 ॥

मुनि श्री १०८ विमलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री ब्रजेश जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कपूरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गोमतीबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती आशा २) श्री मुन्नालाल ३) श्री राजकुमार ४) श्री अशोक ५) आपका क्रम ६) श्रीमती रजनी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०४-१९७५, मंगलवार, चैत्र वदी ४, वि.सं. २०३१, बरौदिया, सागर (म.प्र.) (बाद में ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी शास्त्री (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०४-१९९८, वैशाख शुक्ल ६, वि.सं. २०५५, भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगंबर सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी, तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री सुधासागर जी गृहस्थ जीवन की मौसी के लड़के है एवं आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री अनुगममती माता जी है। आपके सान्निध्य में अनेकों पंचकल्याणक, मंदिर के जीर्णोद्धार, नवीन मंदिर निर्माण, वेदी शिलान्यास, विधान, अनुष्ठान आदि कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ अनंतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री मनोज जी मोदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री कपूरचंद जैन (मोदी)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती धोखाबाई जैन (मोदी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री विनोद २) श्रीमती राजकुमारी ३) स्व. श्री कल्याणचंद ४) श्रीमती सुमन ५) श्रीमती कुसुम ६) श्रीमती चंदा ७) आपका क्रम ८) बा.ब्र. मनीषजी (वर्तमान में मुनि श्री भावसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२८-०३-१९७१, रविवार, चैत्र शुक्ल २ वि.सं. २०२८ ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०४-१९९८, वैशाख कृष्ण ६ ,शनिवार, वि.सं. २०५५ भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७ वि. सं. २०५६, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ अनंतसागरजी महाराज और मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज ये दोनों गृहस्थ जीवन के भाई हैं, आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे क्षुल्लक श्री १०५ तन्मयसागर जी है और ये एक ही गुरु से दीक्षित हैं। आप हमेशा वैयावृत्ति के कार्य कुशलतापूर्वक करते है और अनेक ग्रंथों के बिन्दु तैयार किये है। संस्मरण में विशेष रुचि है। आपके सान्निध्य में अनेकों पंचकल्याणक, मंदिर के जीर्णोद्धार, नवीन मंदिर निर्माण, वेदी शिलान्यास, विधान, अनुष्ठान आदि कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ अनंतसागर जी महाराज

बनो तपस्वी तप करो, करो न ढीला शील।
भू-नभ-मण्डल जब तपें, बरसे मेघा नीर॥

मुनि श्री १०८ धर्मसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ धर्मसागर जी महाराज

धर्म बिना संसार में, कोई न वस्तु सार है।
धर्म बिना तू जान ले, जीवन तेरा बेकार है॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री पंकज जी जैन
पिता का नाम	:	श्री विनोदकुमार जी जैन (पूर्व लेखापाल)
माता का नाम	:	श्रीमती सावित्री देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती मीना २) बा.ब्र. मंजू दीदी ३) स्व. श्री प्रदीप जैन ४) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०७-१९७६, शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल १३ वि.सं. २०३३ ललितपुर (उ.प्र.) रात्रि ८ बजे
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (बायो.), एम.ए. (प्री.) रेडियो/टी.वी. मेकेनिकल डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०९-१९९७ (उत्तम संयम धर्म के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६, श्री दिगम्बर सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की कवितायें, पूजन आदि का सृजन किया गया हैं। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर के जीर्णोद्धार, नवीन मंदिर निर्माण, वेदी शिलान्यास, विधान, अनुष्ठान आदि कार्य हुए हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज

धर्मामृत की धर्म धार को, इस युग में यूँ बहा दिया।
ऐसे गुरुवर विद्यासागर, मेरा उर में वास किया॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री आनंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री रघुनंदन प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती कुसुमबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री अरविन्द २) श्री आलोक ३) श्रीमती मनोरमा ४) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	३०-११-१९७३, शुक्रवार, अगहन सुदी ५, वि.सं. २०३०, अनौरा, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	१२वीं, उत्तर मध्यमा नैचुरो पैथी डिप्लोमा सिद्धांत शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९०, मंगलवार, फाल्गुन कृष्ण १०, नरसिंहपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी, तह. खातेगांव, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।
समाधि दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-८-२०१४, बुधवार, भाद्रपद कृष्ण-३ वि.सं. २०७१ प्रातः ९ बजे, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र विदिशा (म.प्र.)

मुनि श्री १०८ कुंथुसागर जी महाराज

परमोत्तम पद पाकर भी, लगा रहे हो आतम ध्यान।
परम गुरुवर विद्यासागर, तुम हो जग में संत महान॥

मुनि श्री १०८ कुंथुसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	**बा.ब्र. प्रसन्न कुमार जी जैन**
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुरेन्द्र चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती संतोष जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री लज्जावति २. श्री आलोक ३. श्री नवीन ४. श्री विनय ५. श्री संजय ६. श्री मनोज ७. श्री पवन ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२४-१०-१९७७, समनापुर (रहली) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९५, बरेली जिला-रायसेन (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ अरहसागर जी महाराज

विषयों से क्यों खेलता, देता मन का साथ।
वाँमी में क्या डालता? भूल कभी निज हाथ।।

मुनि श्री १०८ अरहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (रानू)
पिता का नाम	:	श्री ताराचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री अशोक २) श्री विनोद ३) श्री अभय ४) आपका क्रम ५) श्री पवन ६) श्रीमती मनोरमा ७) श्रीमती सुनीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१०-०४-१९७६, शनिवार, चैत्र शुक्ल १०, वि.सं. २०३३, मालथौन, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०६-१९९८, रविवार, भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी, तह. खातेगांव, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ मल्लिसागर जी महाराज

क्या क्यों किस विध कब कहें, आत्म ध्यान की बात।
पल में मिटती चिर बसी, मोह अमा की रात॥

मुनि श्री १०८ मल्लिसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री अतिवीर जी जैन (राजू)
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदन जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महेन्द्र २) श्रीमती सुधा ३) श्री प्रमोद ४) श्री अजय ५) श्री आदेश ६) श्रीमती सुरक्षा ७) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९-०१-१९७२, बुधवार, माघ शुक्ल ३, वि.सं. २०२८, बड़वाह, जिला- खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	९-०२-१९९९ सिर्फ ड्रेस चेंज हुई, ब्रह्मचर्य व्रत का निमित्त नही बना कुण्डलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी, तह. खातेगांव, जिला- देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आप मुनि श्री प्रबोधसागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन के संबंधी है। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा विधान आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए हैं।

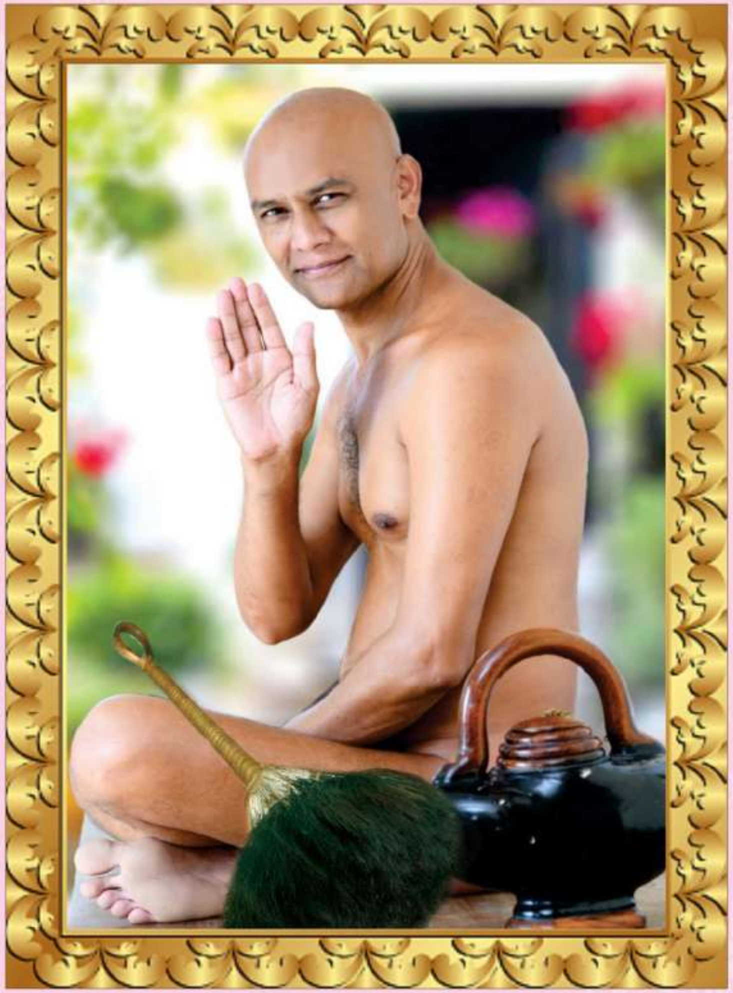

मुनि श्री १०८ सुव्रतसागर जी महाराज

पीछे बंधे है हाथ और शर्त है सफर।
किससे कहें कि पाँव के काँटे निकाल देना।।

मुनि श्री १०८ सुव्रतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री राजेश जी जैन (नायक)
पिता का नाम	:	स्व. श्री शिब्बूलाल जी जैन (नायक)
माता का नाम	:	श्रीमती चंद्ररानी जैन (नायक)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती राजकुमारी २) श्रीमती सुनीता ३) श्री सुनील ४) आपका क्रम ५) श्रीमती अर्चना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०१-१९७३, सोमवार, पौष शुक्ल ११, वि.सं. २०२९, पीपरा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी., एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-०८-१९९८, भाग्योदय तीर्थ में (२वर्ष का) २१-४-१९९९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला देवास (म.प्र.) (आजीवन)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरुवार, वैशाख शुक्ल ७, वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी, तह. खातेगांव, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने अनेक पूजा विधान आदि का लेखन किया हैं। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला के प्रभावक कार्य संपन्न हुए हैं।

मुनि श्री १०८ नेमिसागर जी महाराज

अष्टकर्म के नष्ट करन को, गुरूवर इसमें लगे हुए।
अष्टम वसुधा प्राप्त करेंगे, ऐसे गुरूवर भाव लिए॥

मुनि श्री १०८ नेमिसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अनिल कुमार जी जैन (चराटे)
पिता का नाम	:	स्व. श्रीमंत जी जैन (चराटे)
माता का नाम	:	श्रीमती चित्रा बाई जी जैन (चराटे)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री आरपा सो
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२३-०७-१९७६ शनिवार, श्रावण कृष्ण २ वि.सं. २०३३, अडगवाड़ी (मामा के घर) सिरगुप्पी (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०२-१९९९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-१९९९, गुरूवार वैशाख शुक्ल ७ वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

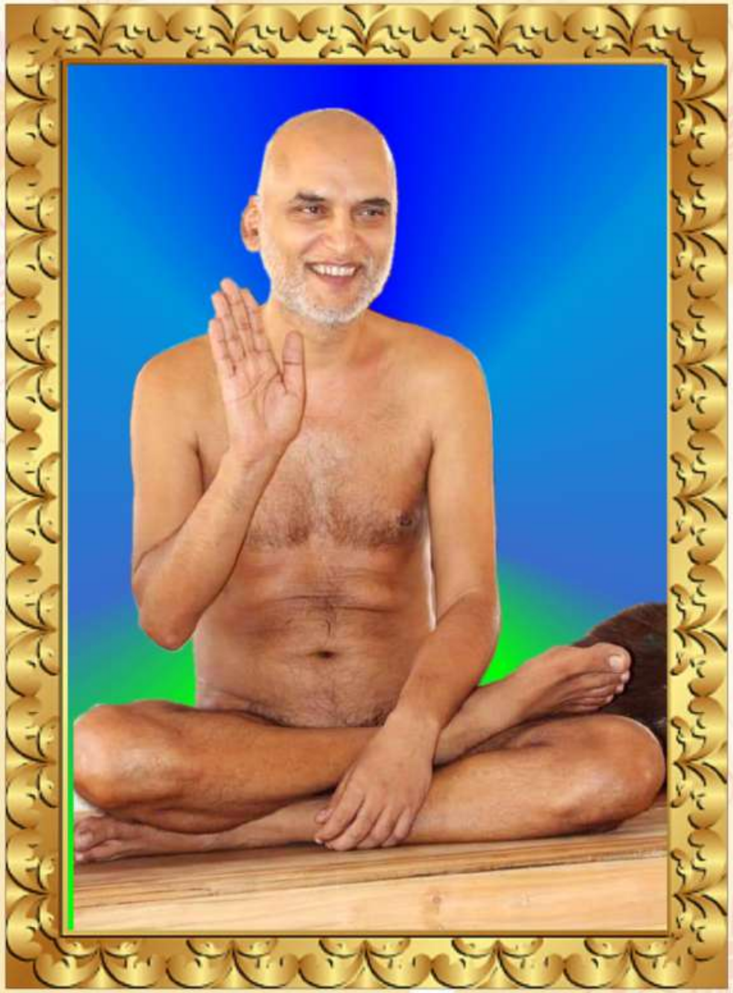

निर्यापक मुनि श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

लौकिक सुख पाने कभी, श्रमण बनो मत भ्रात ।
मिले धान्य जब कृषि करें, घास आप मिल जात ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री शैलेष जी जैन (नायक)
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंदजी जैन (नायक)
माता का नाम	:	श्रीमती सुषमादेवी जैन (नायक)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री नीलेश (बी.ई.,एम.बी.ए.) ३) श्री रूपेश ४) श्री धर्मेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३१-०५-१९७३ (३०-०५-१९७३) बुधवार, ज्येष्ठ कृष्ण १३, वि.सं. २०२९, नागपुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.टेक. (केमिकल इंजी.), एम.बी.ए. सी.एफ.ए. (तीसरा लेवल), पी.जी.डी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०७-१९९६, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण १, वि.सं. २०५२, गुरु पूर्णिमा १९९६, सिद्धक्षेत्र महुआजी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, "दयोदय तीर्थ (गौशाला)," तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी , रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

विशेष : आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ वीरसागर जी महाराज गृहस्थ जीवन में बिरला वी. एक्स. एल. लि. पोरबंदर (गुजरात) में सर्विस करने के साथ ही साथ एस.ए.एस. एडवाइजर सर्विस कम्पनी में (एडवाइजर सोना- चाँदी ट्रेडिंग में) पार्टनर भी थे। आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक विधान, वेदी प्रतिष्ठा, मंदिर वेदी शिलान्यास, शिविर आदि सम्पन्न हुए हैं।

समाधिस्थ मुनि श्री 108 धीरसागर जी महाराज

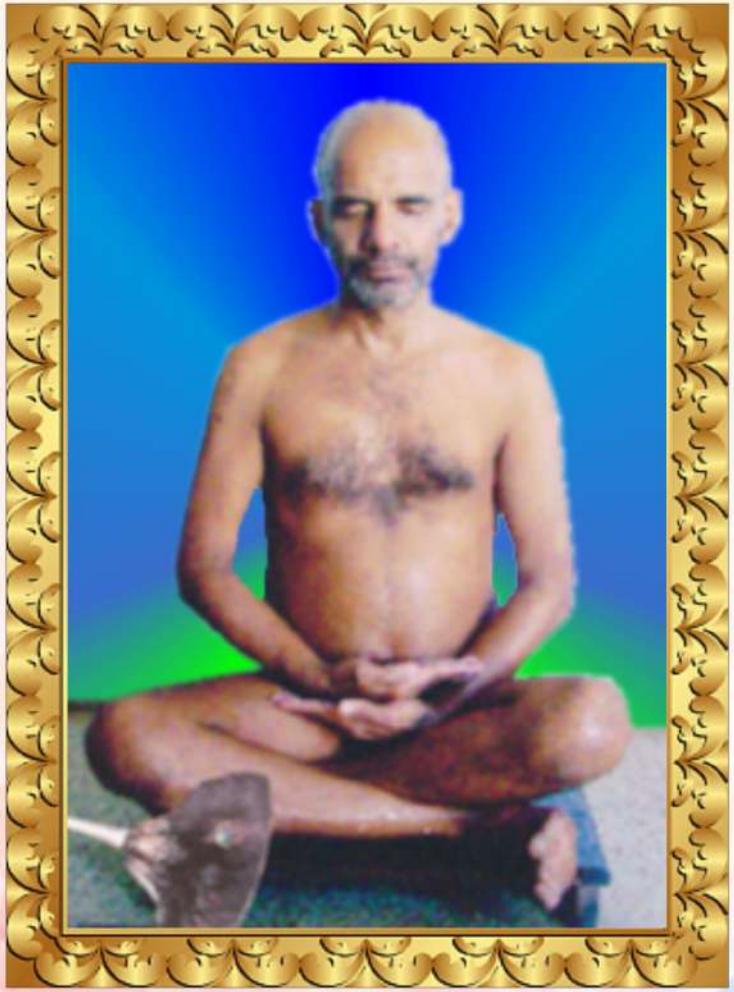

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ धीरसागर जी महाराज

दृष्टि मिली पर कब बनूँ दृष्टा सब का धाम।
सृष्टि मिली पर कब बनूँ, सृष्टा निज का राम ।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री राजकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री गुलाबचंदजी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती रूपाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री विजय २) श्रीमती आशा ३) श्रीमती विनोद ४) आपका क्रम ५) श्रीमती सुनीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०९-१९६२, शनिवार, भाद्र शुक्ल ५,वि.सं. २०१९ इन्दौर (म.प्र.) (पर्यूषण पर्व में उत्तम क्षमा धर्म दिन)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.बी.ए.(मार्केटिंग एवं सिस्टम, डबल स्पेशिलाईजेशन) एम कॉम., एम.ए. (संस्कृत), एल.एल.बी., योग प्रमाण पत्र कोर्स (ए ग्रेड) व विभिन्न प्रशिक्षण कोर्स
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९८, श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, 'दयोदय तीर्थ गौशाला,' तिलवारा घाट, जबलपुर
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।
	:	मुनि श्री १०८ धीरसागर जी महाराज गृहस्थ जीवन में विभिन्न व्यवसायिक, शासकीय विभागों में प्रमुख पदों पर लगभग २० वर्षों तक मार्केटिंग, वित्त, वाणिज्य एवं आयात-निर्यात विभागों में रह चुके थे।
समाधि	:	१०-०१-२०१७ मंगलवार, पौष शुक्ल १३ रोहिणी/ मृग नक्षत्र प्रात: ११ बजे मुनि श्री समयसागर जी आदि ६ मुनिराजों के सानिध्य में गुना (म.प्र.) में हुई थी।

मुनि श्री १०८ आगमसागर जी महाराज

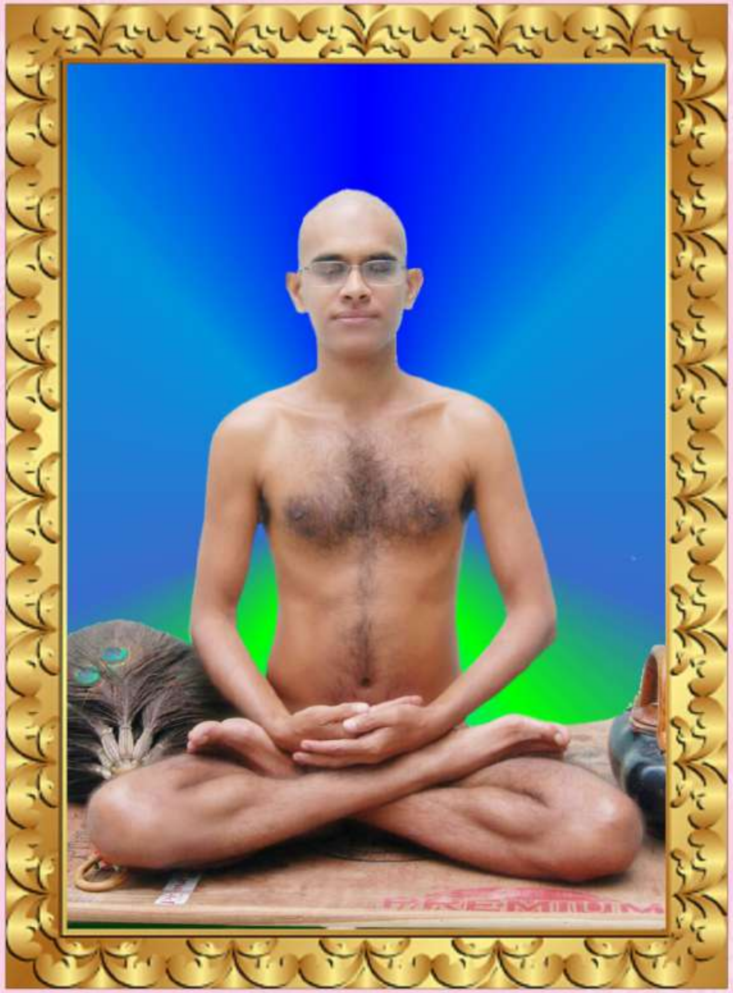

मुनि श्री १०८ आगमसागर जी महाराज

अन्त किसी का कब हुआ? अनंत सब हे संत ।
पर, सब मिटता सा लगे, पतझड़ पुनः बसन्त॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री भूपेन्द्र जी जैन
पिता का नाम	:	श्री अशोककुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मुन्नीबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री हेमंत २) आपका क्रम ३) श्रीमती नीति
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/समय/ स्थान	:	२३-११-१९७६, मंगलवार, मार्ग शीर्ष शुक्ल २, वि.सं. २०३३, मंडी बामौरा (परिजन का बाद में इंदौर में निवास) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.(प्रीवियस)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-०३-२००१, शनिवार, कुण्डलपुर सिद्धक्षेत्र जिला-दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी 6 वि.सं. २०६१ भ. नेमीनाथ जन्म-तप कल्याणक, 'दयोदय तीर्थ गौशाला,' तिलवाराघाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर आदि संपन्न हुए।

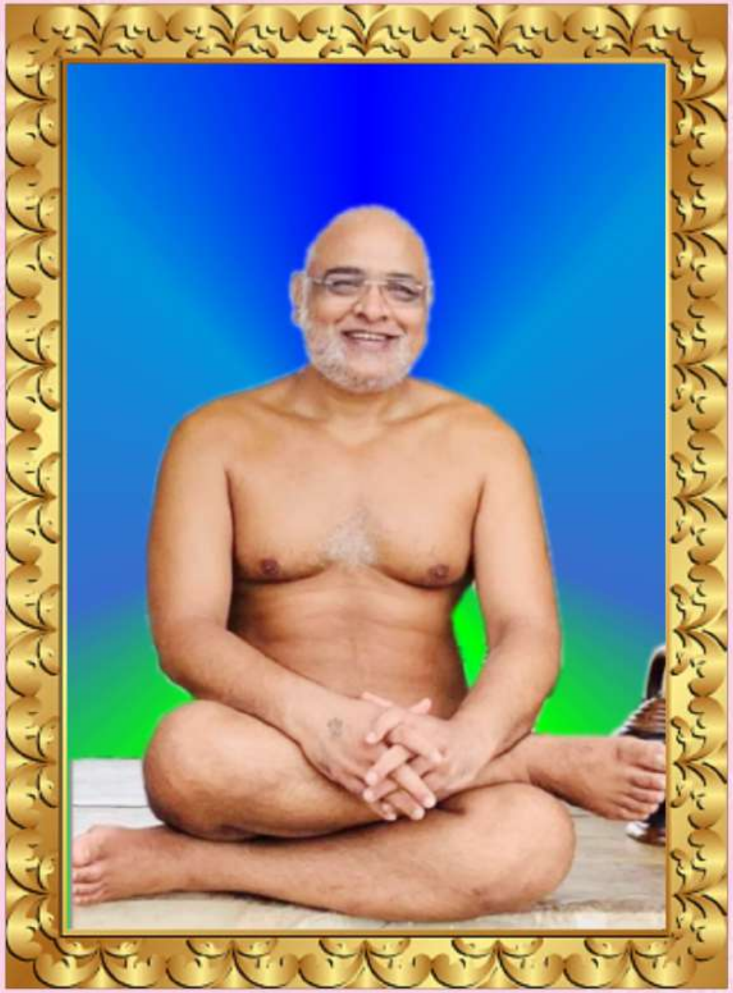

मुनि श्री १०८ महासागर जी महाराज

प्रभु - दर्शन फिर गुरु कृपा, तदनुसार पुरूषार्थ ।
दुर्लभ जग में तीन ये, मिले सार परमार्थ॥

मुनि श्री १०८ महासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री अजितकुमार जी जैन (रानू)
पिता का नाम	:	स्व. श्री स.सि. त्रिलोकचंद जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती राजकुमारी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) स.सि.आनंद २) श्री अशोक ३) श्रीमती अर्चना ४) श्री आलोक ५) आपका क्रम
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/ स्थान/समय	:	२१-०३-१९७३, बुधवार, चैत्र कृष्ण ३, वि.सं. २०२९, जबलपुर (म.प्र.) प्रात: ४ बजे (बाद में बुढ़ार, जिला शहडोल)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डबल एम.ए. (समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत कब/कहाँ दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०२-२००१,सोमवार, पंचकल्याणक महोत्सव में, कुण्डलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि. सं. २०६१ भगवान नेमीनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर आदि संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ विराटसागर जी महाराज

क्या था क्या हूँ क्या बनूँ? रे मन! अब तो सोच।
वरना मरना वरण कर, बार-बार अफसोस॥

मुनि श्री १०८ विराटसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अमित जी जैन (टोंग्या)
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जैन (टोंग्या)
माता का नाम	:	श्रीमती हेमलता जैन (टोंग्या)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती सपना २) श्रीमती चेतना ३) आपका क्रम
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/ स्थान/समय	:	१९-०५-१९७४, रविवार, ज्येष्ठ कृष्ण १२/१३, वि.सं. २०३१, हाटपीपल्या, जिला-देवास (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/स्थान	:	०२-०६-२०००, शुक्रवार, सर्वोदय तीर्थक्षेत्र अमरकंटक (आ. श्री ज्ञानसागर जी के समाधि दिवस के दिन)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर आदि संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ विशालसागर जी महाराज

जीवन जिंए तो ऐसे जियें, जिसमें कुछ आस हो।
थोड़ी परेशानी हो, थोड़ा दु:ख का एहसास हो।।

मुनि श्री १०८ विशालसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री रवि जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कैलाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इन्द्रा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री हेमंत २) श्री संजय ३) आपका क्रम
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	१९-०६-१९७७, रविवार, आषाढ़ शुक्ल ३, वि.सं. २०३४, हाटपीपल्या, जिला-देवास, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत कब/कहाँ दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०६-२०००, शुक्रवार, सर्वोदय तीर्थक्षेत्र अमरकंटक (म.प्र.) (आ. श्री ज्ञानसागर जी के समाधि दिवस के दिन)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, वेदी प्रतिष्ठा, मंदिर शिलान्यास, शिविर,पाठशाला आदि के प्रभावना पूर्ण कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ शैलसागर जी महाराज

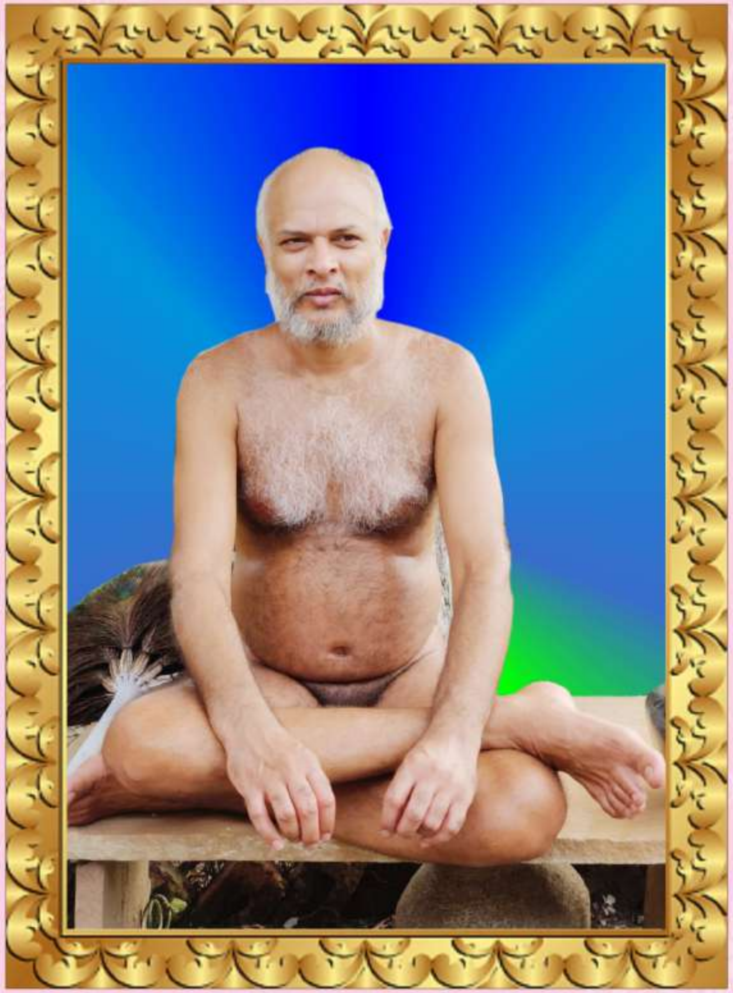

मुनि श्री १०८ शैलसागर जी महाराज

ओर छोर शुरूआत ना, घनी अंधेरी रात।
विषयों की बरसात है, युगों-युगों की बात।।

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री राकेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री शांतकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री संजय २) श्रीमती संगीता ३) श्री स्वतंत्र ४) आपका क्रम ५) श्री संदीप ६) श्री पंकज
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	२८-०८-१९७७, रविवार, श्रावण शुक्ल पूर्णिमा ४ वि.सं. २०३४ (रक्षाबंधन) टडा (केसली), जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (राजनीति शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०२-२००३, मंगलवार (पंचकल्याणक महोत्सव में तप कल्याणक), सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला आदि के प्रभावना पूर्ण कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ अचलसागर जी महाराज

अगर तुम मुस्कुराओगे तो आलम मुस्कुरायेगा।
चलोगे जिस तरफ तुम जमाना सर झुकायेगा।।

मुनि श्री १०८ अचलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री प्रदीप जी जैन
पिता का नाम	:	श्री ज्ञानचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती अल्पना २) आपका क्रम ३) बा.ब्र. जूली (वर्तमान में आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी ४) श्री आलोक
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	२३-१०-१९७६, शनिवार, कार्तिक कृष्ण ३० वि.सं. २०३३ (अमावस्या) (दीपावली) सागर
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-०३-२००१, शनिवार, सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ अचलसागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माताजी है (आर्यिका श्री गुरुमति माताजी संघ में) आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं। आपके मार्गदर्शन, प्रेरणा, सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, गौशाला, मंदिर निर्माण कार्य हुए हैं और हो रहे हैं।

मुनि श्री १०८ पुनीतसागर जी महाराज

आत्मबोध घर में तनक, रागादिक से पूर।
कम प्रकाश अति धूम्र ले, जलता अरे कपूर॥

मुनि श्री १०८ पुनीतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अतुल जैन (सुगंधी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री अरुणकुमार जैन (सुगंधी)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती उषा जैन (सुगंधी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती मनीषा २) श्री अमोल ३) श्रीमती सोनाली ४) आपका क्रम
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/ स्थान/समय	:	१२-०६-१९७९, मंगलवार, आषाढ़ कृष्ण २, वि.सं. २०३६, औरंगाबाद (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (सिविल इंजीनियरिंग) गोल्ड मेडलिस्ट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०७-२०००, शनिवार, सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक जिला- अनूपपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेद्घमनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, गौशाला, मंदिर निर्माण कार्य हुए हैं।

मुनि श्री १०८ अविचलसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ अविचलसागर जी महाराज

हाथ देख मत देख लो, मिला बाहुंबल-पूर्ण।
सदुपयोग बल का करो, सुख पाओ संपूर्ण॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अमोल जैन (बिरनाले)
पिता का नाम	:	श्री देवगोड़ा जैन (बिरनाले)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमति जैन (बिरनाले)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री मनोज ३) श्रीमती सविता
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	१७-०५-१९८१, रविवार, वैशाख शुक्ल ४, वि.सं. २०३८, दानोली, तहसील शिरोल, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डिप्लोमा इन हार्टीकल्चर, बी.एच.सी. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०७-२००१, गुरूवार, भाद्र शुक्ल ५ (पर्यूषण उत्तम क्षमा धर्म) दयोदय तीर्थ, ''गौशाला'' तिलवारा, जबलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेद्धमनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ विशदसागर जी महाराज

भक्त लीन जब ईश में, यूँ कहते ऋषि लोग ।
मणि कांचन का योग ना, मणि-प्रवाल का योग ।।

मुनि श्री १०८ विशदसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री राजेशकुमार जी जैन (सर्राफ) (राजू)
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जी जैन (सर्राफ)
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जैन (सर्राफ)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती रजनी २) आपका क्रम ३) श्री नीतेश ४) बा.ब्र. रूबी दीदी
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/ स्थान/समय	:	०१-१२-१९७३, शनिवार, मार्गशीर्ष शुक्ल ६, वि.सं. २०३०, मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-०३-२००१, शनिवार, श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जिला-दमोह, (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई । आपके मार्गदर्शन, प्रेरणा में अनेक पंचकल्याणक,वेदी प्रतिष्ठा, मंदिर शिलान्यास,पाठशाला,गौशाला के प्रभावना व कार्य हुये हैं ।

मुनि श्री १०८ धवलसागर जी महाराज

मैं जबसे चला हूँ, मेरी मंजिल पर नजर है।
आँखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा।।

मुनि श्री १०८ धवलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री विनोद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती यशोदाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती पुष्पा २) श्री संतोष ३) श्रीमती गिन्दादेवी ४) आपका क्रम ५) श्रीमती सुषमा
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	०८-०६-१९७२, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल२/३, वि.सं. २०२८, चाँदामऊ (म.प्र.) (बाद में बेगमगंज)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाजशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०८-२००१, गुरुवार, भाद्रपद शुक्ल ५, पर्यूषण में उत्तम क्षमा धर्म दयोदय तीर्थ, तिलवारा, जबलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भगवान नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला,'' तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर आदि संपन्न हुए।

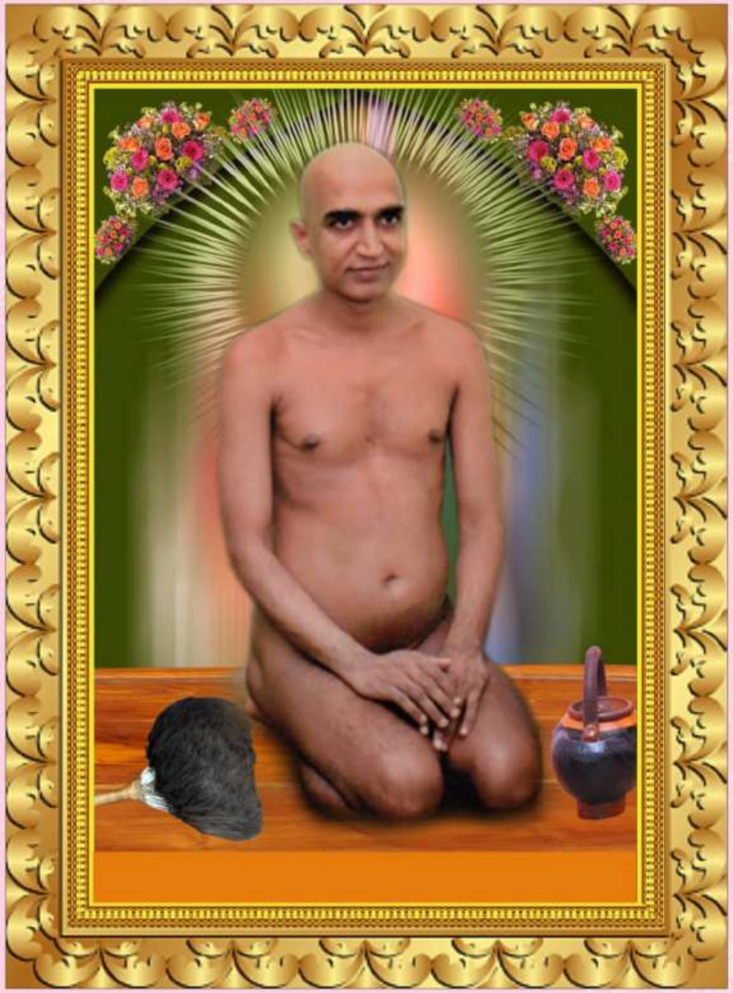

मुनि श्री १०८ सौम्यसागर जी महाराज

दिल के आइने में है प्रभो! की तस्वीर।
थोड़ा गर्दन झुका ली औंर देख ली।।

मुनि श्री १०८ सौम्यसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री नीतेश जी जैन (सर्राफ)
पिता का नाम	:	श्री देवकुमार जैन (सर्राफ)
माता का नाम	:	श्रीमती विजया जैन (सर्राफ)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री नीलेश ३) श्री नीरज सर्राफ
जन्म दिनांक/दिन/ तिथि/ स्थान/समय	:	०५-०९-१९७८, मंगलवार, भाद्रपद शुक्ल ३, वि.सं. २०३५, मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम, एल.एल.बी., आयुर्वेद रत्न
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-११-२००२, सोमवार, कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमीनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला'', तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा विधान आदि प्रभावक कार्य हुये हैं। आपने अनेक कविताओं का लेखन किया हैं।

मुनि श्री १०८ दुर्लभसागर जी महाराज

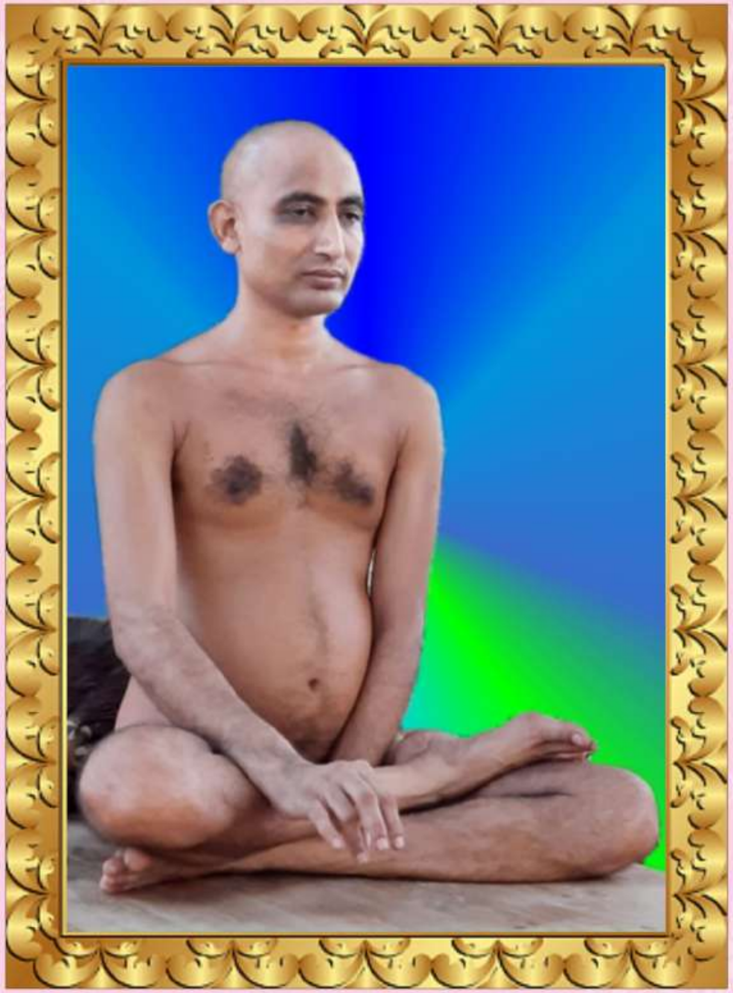

मुनि श्री १०८ दुर्लभसागर जी महाराज

तन मन को तप से तपा, स्वर्ण बनूँ छविमान ।
भक्त बनूँ भगवान को-भजूँ बनूँ भगवान॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री नीतेश जी जैन (बड़जात्या)
पिता का नाम	:	श्री मदनलाल जैन (बड़जात्या)
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जैन (बड़जात्या)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री हितेश २) आपका क्रम ३) श्री प्रीतेश
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	२२-०४-१९७८, शुक्रवार, चैत्र सुदी १३ वि.सं २०३५ (महावीर जयंती) अजनास, तहसील खातेगांव जि.देवास (म.प्र.) (जन्म नाना के घर खण्डवा में)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-१०-२००२, रविवार (शरदपूर्णिमा), सिद्धोदय क्षेत्र नेमावर, जिला देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं.२०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक ''दयोदय तीर्थ गौशाला'', तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आप अनेक विधाओं में प्रवीण्य है, वैयावृत्ति में विशेष संलग्न रहते हैं। आपके सान्निध्य में पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए हैं।

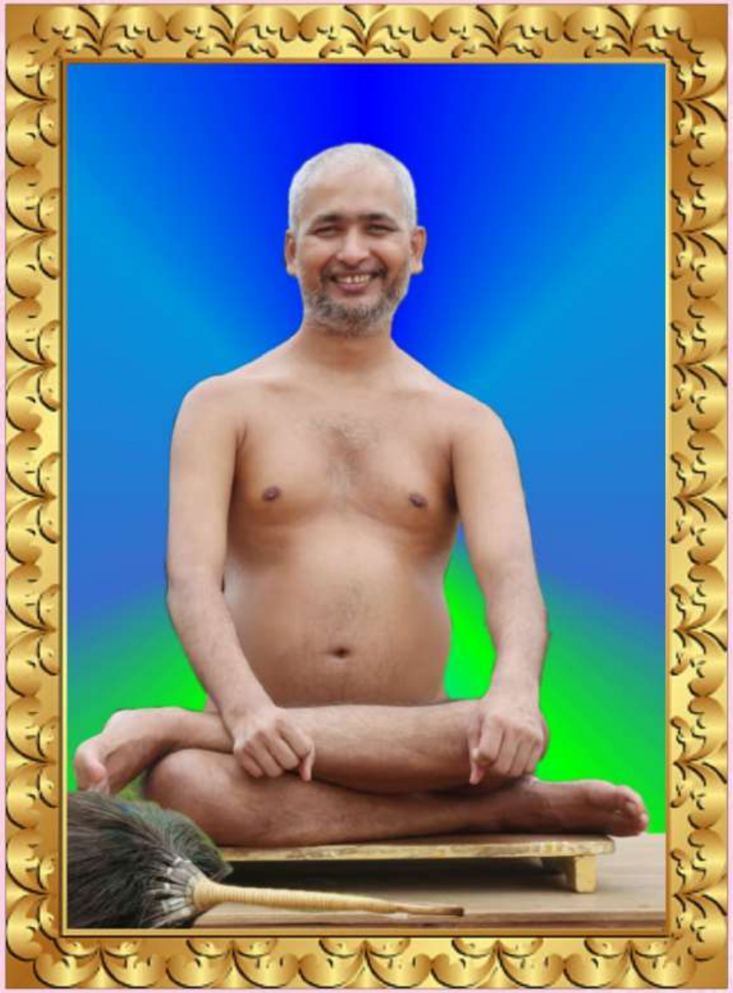

मुनि श्री १०८ विनम्रसागर जी महाराज

अमीरी की तो ऐसी की, कि सारा घर लुटा बैठे।
फकीरी की तो ऐसी कि, कि प्रभु के दर पे जा बैठे॥

मुनि श्री १०८ विनम्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अमित जी जैन (डयोढ़िया)
पिता का नाम	:	स्व. श्री अभयकुमार जैन (डयोढ़िया)
माता का नाम	:	श्रीमती किरणबाला जैन (डयोढ़िया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री नितिन ३) श्रीमती नेहा जैन
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	१४-०८-१९७९, मंगलवार, कृष्ण जन्माष्टमी, बुढ़ार शहडोल (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इंटरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-२०००, मंगलवार (श्रुत पंचमी) ''सर्वोदय तीर्थ'', अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, श्री ''दयोदय तीर्थ गौशाला'', तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री१०८विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ विनम्रसागरजी महाराज के गृहस्थ जीवन के चाचा मुनि श्री १०८ पुष्पदंतसागर जी महाराज थे। ये दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हुए हैं। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, आदि संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ अतुलसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ अतुलसागर जी महाराज

राम रहे अविराम निज में रमते अभिराम।
राम-नाम लेता रहूँ, प्रणाम-आठों याम॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री राजीव जी जैन
पिता का नाम	:	श्री धन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमलादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री संजीव २) आपका क्रम ३) श्रीमती निर्मला ४) श्री विजय
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	२१-१०-१९७१, गुरुवार, कार्तिक शुक्ल २, वि.सं. २०२८, मंडीबामौरा, जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-११-२००२, सोमवार, कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, "दयोदय तीर्थ गौशाला", तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने सिद्धांत, व्याकरण, अध्यात्म ग्रंथों का विशेष स्वाध्याय किया हैं। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर, गौशाला आदि के कार्य संपन्न हुए हैं। ताम्रपत्र , रजत पत्र पर मूलग्रंथ उत्कीर्ण कार्य में आपने विशेष मार्गदर्शन दिया है।

मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज

जय-जय गुरू विद्या के सागर, जिनशासन के दिव्य दिवाकर।
चेतन हित के तुम अनुरागी, तन मन धन से पूर्ण विरागी॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री मनीष जी जैन (मोदी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री मोदी कपूरचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती धोखाबाई जैन (मोदी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री विनोद, २) श्रीमती राजकुमारी ३) स्व. श्री कल्याणचंद ४) श्रीमती सुमन ५) श्रीमती कुसुम ६) श्रीमती चंदा ७) श्री मनोज (वर्तमान में मुनि श्री अनंतसागर जी) ८) आपका क्रम
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	२८-०७-१९७६, बुधवार, श्रावण शुक्ल २, वि.सं. २०३३ ललितपुर (उ.प्र.) (भगवान सुमतिनाथ गर्भकल्याणक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए., रेडियो / टी.व्ही. कोर्स
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२३-०८-२००१, गुरुवार, भाद्र शुक्ल ५, 'दयोदय तीर्थ गौशाला' जबलपुर (म.प्र.) (प्रथम बार में सीधा आजीवन व्रत हुआ)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं.२०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, 'दयोदयतीर्थ गौशाला', तिलवारा घाट, जबलपुर
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ अनंतसागर जी महाराज और मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज ये दोनों गृहस्थ जीवन के भाई हैं, आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे क्षु. श्री तन्मयसागर जी है और आप सभी एक गुरु से दीक्षित हैं। आपके सान्निध्य, मार्गदर्शन प्रेरणा से सूतक पर विश्व का अनूठा संकलन हुआ, स्वर्ण, रजत, पीतल एवं ताम्रपत्र पर ग्रंथ उत्कीर्ण हुये, अनेक मंदिर शिलान्यास, गौशाला, वेदी शिलान्यास, पंचकल्याणक संपन्न हुये। आपके मार्गदर्शन प्रेरणा से साधु जीवन दर्शन भाग १,२,३, आहारदान महादान, सूतक समाधान आदि कृतियों का सृजन हुआ।

मुनि श्री १०८ आनंदसागर जी महाराज

ध्यानानल कर भस्म किये सब, ज्यों दवाग्नि करती वन ध्वस्त।
धन्य हुआ मैं आज ग्रहण कर उस जिनेन्द्र की शरण प्रशस्त॥

मुनि श्री १०८ आनंदसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सुधीर जी जैन (सोनू)
पिता का नाम	:	श्री रमेशचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मुन्नी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री संजय, २) श्री संदीप, ३) श्रीमती सीमा, ४) आपका क्रम, ५) श्रीमती रश्मि, ६) श्री सिंपल जैन, ७) श्रीमती रागिनी जैन
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/ स्थान/समय	:	१६-०१-१९७९, मंगलवार, पौष कृष्ण ३, वि.सं. २०३५, बण्डा, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इंटरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-०२-२००२, बुधवार, माघ शुक्ल १५ पंचकल्याणक में मोक्ष कल्याणक के दिन बण्डा, सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमिनाथ जन्म-तप कल्याणक, "दयोदय तीर्थ गौशाला", तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर, गौशाला आदि के कार्य संपन्न हुए हैं।

मुनि श्री १०८ सहजसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ सहजसागर जी महाराज

सागर का जल क्षार क्यों, सरिता मीठी सार।
बिन श्रम संग्रह अरूचि है, रूचिकर श्रम उपकार।।

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री पवन जी जैन (फरांडे)
पिता का नाम	:	श्री भाउसो जैन (फरांडे)
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभावती जैन (फरांडे)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) कु. शेवंती ३) श्री कीर्ति
जन्म दिनांक/दिन/तिथि/स्थान/समय	:	१३-०८-१९८०, बुधवार, श्रावण शुक्ल ३, वि.सं. २०३६, कवठेसार, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०७-२००३, गुरुवार, सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-२००४, शनिवार, द्वितीय श्रावण सुदी ६ वि.सं. २०६१ भ. नेमीनाथ जन्म-तप कल्याणक, ''दयोदय तीर्थ गौशाला'', तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर वेदी प्रतिष्ठा, शिलान्यास, शिविर, आदि के कार्य संपन्न हुए हैं।

मुनि श्री १०८ पुराणसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ पुराणसागर जी महाराज

सत्कार्यों का कार्य है, शांति मिले सत्कार।
दुष्कार्यों का कार्य है, दुस्सह दुख - दुत्कार॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री मनोज कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री जीवनलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री संतोष २) श्री अजय ३) आपका क्रम ४) श्री संजीव ५) श्रीमती प्रीति ६) श्री आशीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०४-०१-१९६७, बुधवार, पौष कृष्ण ८/९, वि.सं.२०२३, बरेली, जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाजशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०३-१९९५, शनिवार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना (बारह) देवरी, जिला-सागर
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६ वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०१-१९९८, सोमवार, पौष शुक्ल ७, वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघु शुक्ल १५, पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निःस्वार्थसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निःस्वार्थसागर जी महाराज

सूरि बहुश्रुत साधु की, तपश्चरण युत देह।
सभी द्रव्य मंगल कहे, रत्नत्रय के गेह ।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अजय जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री विजय कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कांतीदेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री संजय ३. श्री सचिन ४. श्रीमती सपना ५. श्रीमती सुमन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०२-१९७३, गुरुवार, माघ शुक्ल १३ वि.सं. २०२९, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-२००० मंगलवार (श्रुतपंचमी) अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने अमरकंटक सर्वोदय तीर्थ में निर्माण में सहयोग दिया एवं विकलांगों को कृत्रिम पैर की सेवायें दी चंद्रगिरि तीर्थ क्षेत्र में भी योगदान दिया। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, अनुष्ठान, मांगलिक महोत्सव संपन्न हुय है।

मुनि श्री १०८ निर्दोषसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्दोषसागर जी महाराज

रत्नत्रय पर्याय से, परिणत भाव सजीव।
पूर्ण ज्ञान युत सिद्ध जिन, मंगल भाव सदीव।।

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. पवन जी जैन
पिता का नाम	:	श्री हुकुमचंद जैन (देवडिया)
माता का नाम	:	श्रीमती पुत्ती बाई जैन (देवडिया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री चन्द्र कुमार २. श्री कैलाश ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-१०-१९६७, सोमवार, आश्विन कृष्ण १३ वि.सं. २०२४, तारादेही जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. सिद्धांत रत्न, न्याय रत्न, साहित्य रत्न
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०६-१९९० पिपरई जि.-अशोकनगर (म.प्र.) (समा. मुनि श्री निर्वाण सागर जी से)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने ईसरी आश्रम में अधिष्ठाता के रूप में शिविर लगाकार सभी को ज्ञानामृत कराया एवं न्याय व्याकरण सिद्धांत का अध्ययन, अध्यापन कार्य संपन्न कराया । अनेक स्थानों पर साधुओं को अध्ययन कराकर जैन धर्म की महती प्रभावना की। जिनेन्द्र व्याकरण का सूत्रानुवाद किया। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, अनुष्ठान, मांगलिक महोत्सव संपन्न हुये है।

मुनि श्री १०८ निर्लोभसागर जी महाराज

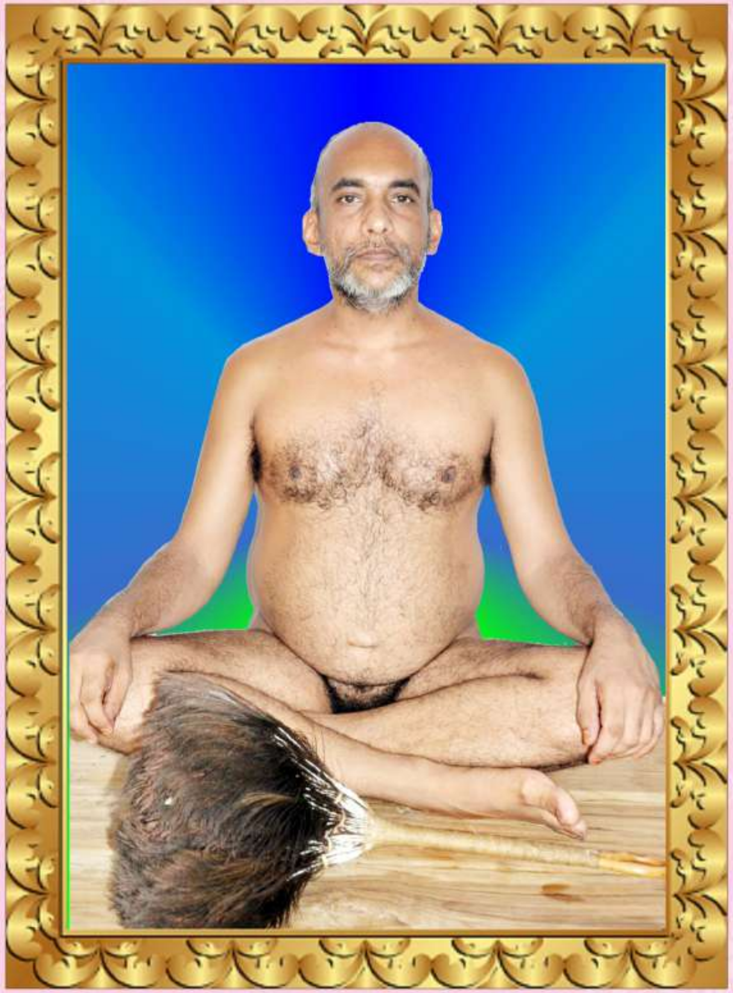

मुनि श्री १०८ निर्लोभसागर जी महाराज

श्रमण नाम के पूर्व में, प्रयुक्त इक सौ आठ।
वे शत वसु गुण श्रमण के, उनका पूजन पाठ॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कमल जी जैन (बड़कुल)
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन (बड़कुल)
माता का नाम	:	श्रीमती मालती बाई जैन (बड़कुल)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुशीला २. आपका क्रम ३. श्री अखिलेश ४. श्रीमती संगीता ५. श्री प्रवीण
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५-०४-१९७० रविवार, चैत्र कृष्ण १४, वि.सं. २०३६, तारादेही जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. सिद्धांत रत्न, न्याय रत्न, साहित्य रत्न
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०६-१९९० पिपरई जिला-अशोकनगर (म.प्र.) (समा. मुनि श्री निर्वाण सागर जी से)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने ईसरी आश्रम में अधिष्ठाता के रूप में सहयोग दिया है एवं कई जगह शिविर लगाकर सभी को अध्यात्म, व्याकरण सिद्धांत का अध्ययन, अध्यापन कार्य कराया एवं अनेक स्थानों पर साधुओं को अध्यापन कार्य कराकर जैन धर्म की महती प्रभावना की। जिनेन्द्र व्याकरण का सूत्रानुवाद किया। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी महाराज

पंचाचार प्रभेद युत, मूलगुणों के संग।
धर्म परीषह भावना, मुनि के शत वसु अंग॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. उपेन्द्र जी जैन
पिता का नाम	:	श्री गुलाबचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती वंदना ३. ब्र. विनीता ४. इंजी. जितेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-०८-१९७६, सोमवार, श्रावण शुक्ल ७, मोक्ष सप्तमी वि.सं. २०३३ पिपरिया (बाद में बंडा में निवास) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी., एम.ए., डी.एड., डी.सी.ए., बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३०-०४-२००७ कुण्डलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०, श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने म.प्र. गवर्मेन्ट में अध्यापन कार्य भौतिकी विषय में १३ वर्षो तक अध्यापन कार्य किया आपकी गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री सूत्रमति माताजी जी एवं आर्यिका श्री कर्तव्यमति माता जी है। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

मुनि श्री १०८ निर्मोहसागर जी महाराज

वृषभादिक से वीर का, तीर्थ प्रवर्तन काल।
श्रमण संघ के रूप में, वर्ते यह चिरकाल॥

मुनि श्री १०८ निर्मोहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. सुनील बाजाज (जैन)
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मल जी बजाज (जैन)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती श्यामादेवी बजाज (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संजय २. श्री शैलेन्द्र ३. श्री सुधीर ४. श्रीमती नीलम ५. आपका क्रम ६. श्रीमती नंदा
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२०-०४-१९७३, चैत्र सुदी १३ (महावीर जयंती) दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम., एल.एल.बी., एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-११-२०१०, गुरुवार बीना बारहा जी (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

मुनि श्री १०८ निष्पक्षसागर जी महाराज

अभ्युदयी निःश्रेय सुख, बिना श्रमण ना होय।
मुनि श्रद्धा से साधु बन, भवि इक दिन दुख खोय॥

मुनि श्री १०८ निष्पक्षसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. आलोक जैन (खजांची)
पिता का नाम	:	श्री कैलाशचंद जी जैन (खजांची)
माता का नाम	:	श्रीमती विमलरानी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अलका २. आपका क्रम ३. श्री अभिषेक
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-१०-१९७५, आश्विन शुक्ल ७ वि.सं. २०३२ पनागर जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (राजनीति शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-१२-२००७ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में पंचकल्याणक, वेदी प्रतिष्ठा, मंदिर शिलान्यास आदि प्रभावक कार्य हुये हैं।

मुनि श्री १०८ निष्पृहसागर जी महाराज

कुन्दकुन्द आचार्य की, परम्परा के आर्य।
'शान्ति"वीर"वीर"ज्ञान' के, 'विद्योदधि' आचार्य॥

मुनि श्री १०८ निष्पृहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अनुराग जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री शीलचन्द जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती कीर्तिलता २. श्रीमती बबीता ३. श्रीमती सविता, ४. श्रीमती कविता ५. आपका क्रम ६. श्री दुष्यंत जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२३-१२-१९७६ गुरुवार, आश्विन कृष्ण ३० अमावस्या वि.सं. २०३३, पनागर जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-१२-२००७ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निश्चलसागर जी महाराज

बाल ब्रह्मचारी गणी, विद्यासागर संत।
महामनीषी महाकवि, गणनायक गुणवंत॥

मुनि श्री १०८ निश्चलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सचिन जी जैन (बंटी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुगमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरोज जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती अंजली ३. श्रीमती सारिका
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	११-०२-१९७२ शुक्रवार, फाल्गुन कृष्ण ११ वि.सं. २०२८, अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०४-१९९९ नेमावर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य संपन्न हुए। तेंदूखेड़ा (पाटन) में आपके मार्गदर्शन से देश की अग्रणी गौशाला बनी।

मुनि श्री १०८ निष्कंपसागर जी महाराज

मुक्तिरमा वरने को निकले, श्रमण संघ अविकारी।
इससे बढ़कर नहीं जगत में, अद्वितीय शिवनारी।।

मुनि श्री १०८ निष्कंपसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. प्रदीप जी जैन (चौधरी)
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन (चौधरी)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती ज्योति २. श्री दीपक ३. आपका क्रम ४. श्रीमती भावना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२१-०२-१९८२, फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३८ गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-२००६ (आदिनाथ जयंती) विदिशा (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। भाग्योदय तीर्थ सागर में ३ वर्ष तक सेवाएं प्रदान की। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, श्रावक संस्कार शिविर आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ निरामयसागर जी महाराज

इस जग की नारी नश्वर है, दुखकारी कलिकारी।
उसे छोड़ जो व्याहन निकले, मुक्ति रमा अधिकारी।।

मुनि श्री १०८ निरामयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. प्रमेश जी जैन
पिता का नाम	:	श्री पूरनचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. ब्र. प्रगति ३. श्री पुनीत
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	३१-०३-१९७६ बुधवार, चैत्र शुक्ल १ वि.सं. २०३३] बंडा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी., एम.ए. (ए.आइ.एच.)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-०३-२००७ गुरुवार (पंचकल्याणक में तप कल्याणक के दिन) पथरिया (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के मामा मुनि श्री १०८ पद्मसागर जी है एवं चचेरी बहिन आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माताजी आपके ही गुरू से दीक्षित हैं।

मुनि श्री १०८ निरापदसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निरापदसागर जी महाराज

आज इन्हीं श्रमणों की पूजा, करते भक्त पुजारी।
मेरे उर में आन विराजों, श्रमण चक्र सुखकारी।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सुनील जी जैन (वैसाखिया)
पिता का नाम	:	श्री निहालचंद जी जैन (वैसाखिया)
माता का नाम	:	श्रीमती सुखवती देवी जैन (वैसाखिया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती रेखा २. श्रीमती पिंकीअर्चना ३. श्रीमती ४. आपका क्रम ५. श्रीमती श्वेता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०६-०८-१९८२ वैशाख शुक्ल चतुर्दशी वि.सं. २०३९ टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (दर्शनशास्त्र), डिप्लोमा (प्राकृत भाषा), एम.कॉम., एम. ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	अनंत चतुर्दशी २००९ अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने गवर्मेन्ट शिक्षा विभाग में कार्य किया है।

मुनि श्री १०८ निराकुलसागर जी महाराज

विषयों का जल तुमने त्यागा, जो विषमय था खारा।
भव तन भोग विरक्त सुधा का, पान किया सुखकारा॥

मुनि श्री १०८ निराकुलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. चन्दन जी जैन (गुरहा)
पिता का नाम	:	श्री मुन्नालाल जी जैन (गुरहा)
माता का नाम	:	श्रीमती रजनी जैन (गुरहा)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री अंशुल
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-०८-१९८२ मंगलवार, भाद्रपद ६ (चन्दन षष्ठी) वि.सं. २०३९, खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (दर्शन शास्त्र), एम.कॉम, सी.पी.एल. (प्राकृत भाषा), डिप्लोमा एम. ए. (संस्कृत) गोल्ड मेडलिस्ट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३०-०९-२०१० अनंत चतुर्दशी अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के चाचा मुनि श्री १०८ निर्माणसागर जी महाराज है। आपके गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री १०५ विनीतमति माता जी आर्यिका श्री १०५ निकलंक मति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

मुनि श्री १०८ निरुपमसागर जी महाराज

तन से मोह तजा जब तुमने, तब चंदन को त्यागा।
सुख दुख में समता अपनाकर, अपने मन को पागा।।

मुनि श्री १०८ निरुपमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. संजीव कुमार जी जैन (हीरा)
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रेमचंद जी जैन (हीरा)
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जैन (हीरा)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विनोद, २. श्रीमती सरोज, ३. श्रीमती विजय, ४. श्री संतोष, ५. श्रीमती राजकुमारी, ६. कु. अनीता, ७. ब्र. संगीता, ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	३०-०३-१९७८, चैत्र कृष्ण ६ वि.सं. २०३४ गुरुवार बीना, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में जबलपुर)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए., बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०५-२००८ बुधवार सिलवानी जिला-रायसेन (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निष्कामसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निष्कामसागर जी महाराज

मुक्ताफल के हार त्यागकर, रत्नत्रय को धारा।
चारित्र के लख चौरासी गुण, पाने किया विचारा।।

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. संतोष कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मगनलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विद्यादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती शशिकांता २. श्री सतीश ३. श्री आजाद ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२३-१०-१९८० आश्विन कृष्ण १५ वि.सं. २०३७ रांझी जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०९-२००९ (पर्यूषण पर्व उत्तम संयम धर्म के दिन) रामटेक (महाराष्ट्र)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ निरीहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्रवण जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुरेशचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती किरण जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री स्वतंत्र २. श्रीमती स्वर्णलता
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१८-०८-१९७८ शुक्रवार (रक्षाबंधन)
दिन/स्थान/समय		श्रावण शुक्ल १५ वि.सं. २०३५
		रांझी जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१६-०९-२००८
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		रामटेक (महाराष्ट्र)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ निरीहसागर जी महाराज

घ्राण अक्ष मन वश में करके, पुष्प सुगन्धी त्यागी।
दश धर्मों के फूल खिलाकर, रमते स्वात्म परागी।।

मुनि श्री १०८ निस्सीमसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निस्सीमसागर जी महाराज

कामजयी इन श्रमण गणों को, पूजें भक्त पुजारी।
मैं पुष्पों से करूँ अर्चना, बनने शिव अधिकारी॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. हेमंत जी जैन
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मुन्नीदेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री तरूण २. श्री दीपक ३. बा.ब्र. भारत विजय जी (वर्तमान में मुनि श्री १०८ सुव्रतसागर जी) ४. श्रीमती प्रीति ५. श्रीमती नीतू ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२-१२-१९८३ सोमवार मार्गशीर्ष शुक्ल ८ वि.सं. २०४०, आरोन जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०२-०४-२०११
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		जबलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। मुनि श्री १०८ निस्सीमसागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ सुव्रतसागर महाराज अन्य संघ में दीक्षित है।

मुनि श्री १०८ निर्भीकसागर जी महाराज

षट् रस व्यंजन त्याग बन गये, रसनेन्द्रिय जय धारी।
एक बार भोजन करते हैं, या अनशन तपधारी॥

मुनि श्री १०८ निर्भीकसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अनुराग जी जैन (रिंकू)
पिता का नाम	:	श्री रतनचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मनोरमा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विजय जी २. आपका क्रम ३. श्रीमती स्मिता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-०३-१९७७ बुधवार, फाल्गुन १२, वि.सं. २०३३ रहली जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (दर्शनशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-१२-२००७, (भ.महावीर तप कल्याणक) पटनागंज, रहली जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

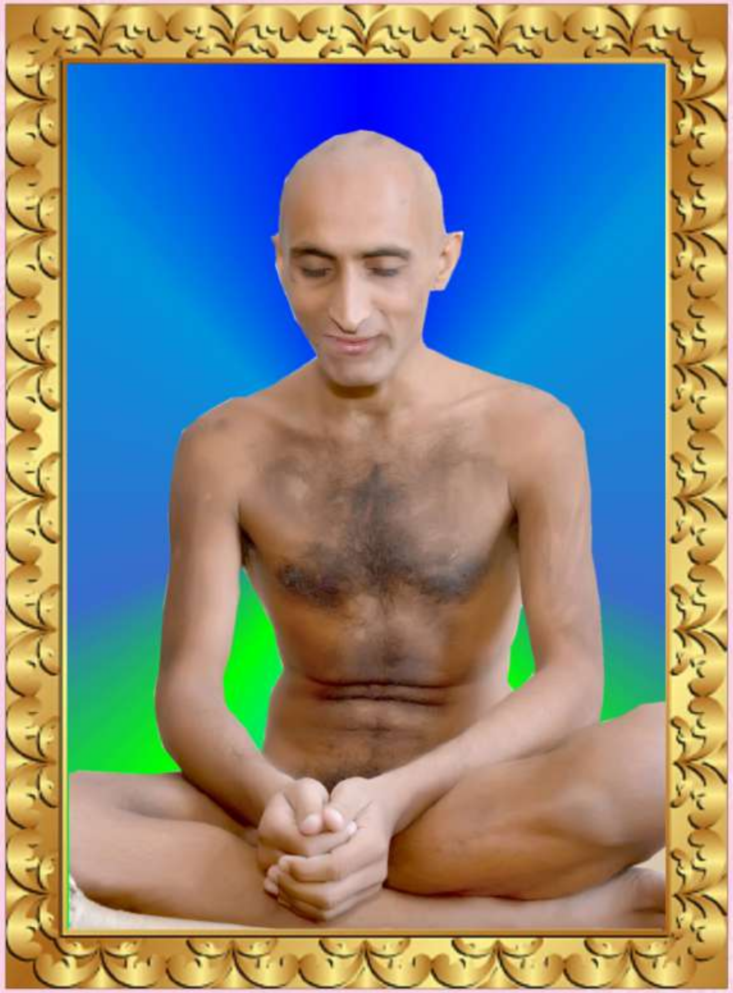

मुनि श्री १०८ नीरागसागर जी महाराज

क्षुधा विजेता इन मुनिवर को, पूजें भक्त पुजारी।
मैं शुचि चरू से करूँ अर्चना, बनने शिव अधिकारी।।

मुनि श्री १०८ नीरागसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. अमित जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बालचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मुकेश २. आपका क्रम ३. श्री निखलेश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१६-०७-१९८२ गुरुवार, श्रावण कृष्ण २ वि.सं. २०३९, पथरिया जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम., एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७-०७-२००९ शुक्रवार अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७० श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ नीरजसागर जी महाराज

अर्थ काम का लक्ष्य दुखद है, धर्म मोक्ष सुखकारी।
रत्नत्रय दीपक लख भागा, मोह तिमिर दुखकारी।।

मुनि श्री १०८ नीरजसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. नीरज जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती नेहा २. श्री नितिन
(जन्म के क्रम से)		३.आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१२-०८-१९८६ मंगलवार, श्रावण शुक्ल ७
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०४३, छपारा जिला-सिवनी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	जून २०१३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		अमरकंटक (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ निकलंकसागर जी महाराज

मोह विजेता ऋषि मुनियों को, पूजें भक्त पुजारी।
शुचि दीपों से करूँ अर्चना, बनने शिव अधिकारी।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ निकलंकसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. पुनीत जी जैन
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती आशा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती संगीता २. श्री संदीप ३. श्री सुदीप ४. श्रीमती सपना ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२८-०२-१९८४ मंगलवार (महाशिवरात्रि) फाल्गुन कृष्ण १२, वि.सं. २०४० शाढौरा जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०४-२०११ शनिवार जबलपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।
समाधि	:	२६-०४-२०२१, चैत्र शुक्ल १४, सोमवार वी.नि.सं. २५४७, वि.सं. २०७८ रात्रि ११.३० बजे, श्री १००८ दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र बजरंगगढ़ जिला-गुना (म.प्र.)

मुनि श्री १०८ निर्मदसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्मदसागर जी महाराज

अगर तगर की धूप त्याग कर, वसुविधि धूप बनायी।
ध्यान अग्नि में उसे जलाने, यम समिधा अपनायी॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. सौरभ जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सतीश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ऊषा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती समीक्षा ३. ब्र. सुलभ
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२७-१०-१९८४, शनिवार, कार्तिक शुक्ल ३ वि.सं. २०४१
दिन/स्थान/समय		बेगमगंज जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी., बी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	३१-१२-२००९ गुरुवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सतना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के चाचा समाधिस्थ मुनि श्री प्रवचनसागर जी आपके ही गुरू से दीक्षित थे। आप चारित्र शुद्धि उपवास के साधक है। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ निसर्गसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निसर्गसागर जी महाराज

मोह जीतने उद्यत मुनि को, पूजें भक्त पुजारी।
वसु धूपों से करूँ अर्चना, बनने शिव अधिकारी॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. शैलेन्द्र जी जैन (शेरू)
पिता का नाम	:	स्व. श्री मन्नूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती अंजना २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री सौरभ ४. श्रीमती श्वेता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-०७-१९७७ सोमवार, प्रथम श्रावण शुक्ल ९
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३४ बरगी जिला-जबलपुर (म.प्र.) बाद में जबलपुर
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	३०-११-२०११, बुधवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		दुर्ग (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निस्संगसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निस्संगसागर जी महाराज

पूर्व पाप कृत फल में समता, रखते मुनि हितकारी।
पूर्व पुण्य कृत फल को त्यागें, बना लक्ष्य अधिकारी॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. पवन जी जैन
पिता का नाम	:	श्री अशोक कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री पंकज २. श्रीमती अलका
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती शिल्पा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२५-११-१९८१ बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण १४
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३८ नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम
ब्रह्मचर्य व्रत	:	११-१२-२००८ (प्रथम बार)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०१० आजीवन दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१०-०८-२०१३, शनिवार श्रावण शुक्ल ४ वी.नि.सं. २५३९ वि.सं. २०७०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ भगवान शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ शीतलसागर जी महाराज

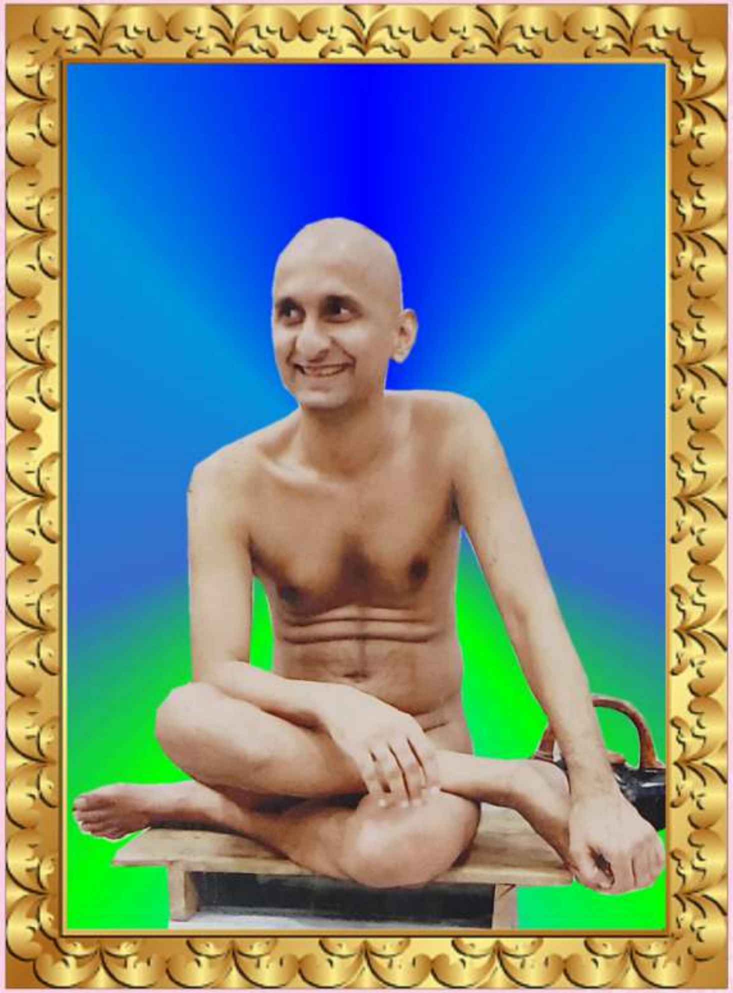

मुनि श्री १०८ शीतलसागर जी महाराज

पाप कर्म को पूर्ण त्याग कर, धर्म धरें सुखकारी।
मैं श्रीफल से करूँ अर्चना, बनने शिव अधिकारी॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. इंजी. हृषीकेश जी जैन (सतभैया)
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद्र जी जैन (सतभैया)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम जैन (सतभैया)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनामिका २. श्रीमती आराधना ३. आपका क्रम ४. डॉ. आशीष जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०८-१९७६ सोमवार, श्रावण शुक्ल १५ (रक्षाबंधन) वि.सं. २०३३ विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीई (सिविल), एम.टेक (स्ट्रक्चर) एम.ए. (शिक्षा शास्त्र), पी.एच.डी. (अपूर्ण)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०९-२००७ शनिवार बीना वारहा अतिशय क्षेत्र (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१६-१०-२०१४, गुरुवार कार्तिक कृष्ण ८ (गुरूपुष्य योग) वि.सं. २०७१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थ ''शीतलधाम'' विदिशा (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपने कई वर्षों तक एस.ए.टी.आई. इंजीनियरिंग कालेज में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया है। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ शाश्वतसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ शाश्वतसागर जी महाराज

धन धान्यादिक मूल्य अर्घ है, त्याग दिया वह सारा।
पिच्छि कमण्डलु शास्त्र शेष है, नहीं वस्त्र तन धारा॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. विनोद जी जैन (लम्हेटा वाले)
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुभाष जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांतिदेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री कैलाश २. श्रीमती माया ३. श्री प्रकाश ४. आपका क्रम ५. श्री नवीन ६. श्रीमती अनीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२७-०१-१९५७ रविवार, माघ शुक्ल १२ वि.सं. २०१३ लम्हेटा जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाज शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५, आहार जी आजीवन व्रत, १९९३ कुण्डलपुर सिद्धक्षेत्र जिला-दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-२०१४, गुरूवार कार्तिक कृष्ण ८ (गुरूपुष्य योग) वि.सं. २०७१ श्री दिगम्बर जैन तीर्थ ''शीतलधाम'' विदिशा (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आप कई वर्षो से ब्रह्मचारी अवस्था में पद विहार करते रहे हैं।

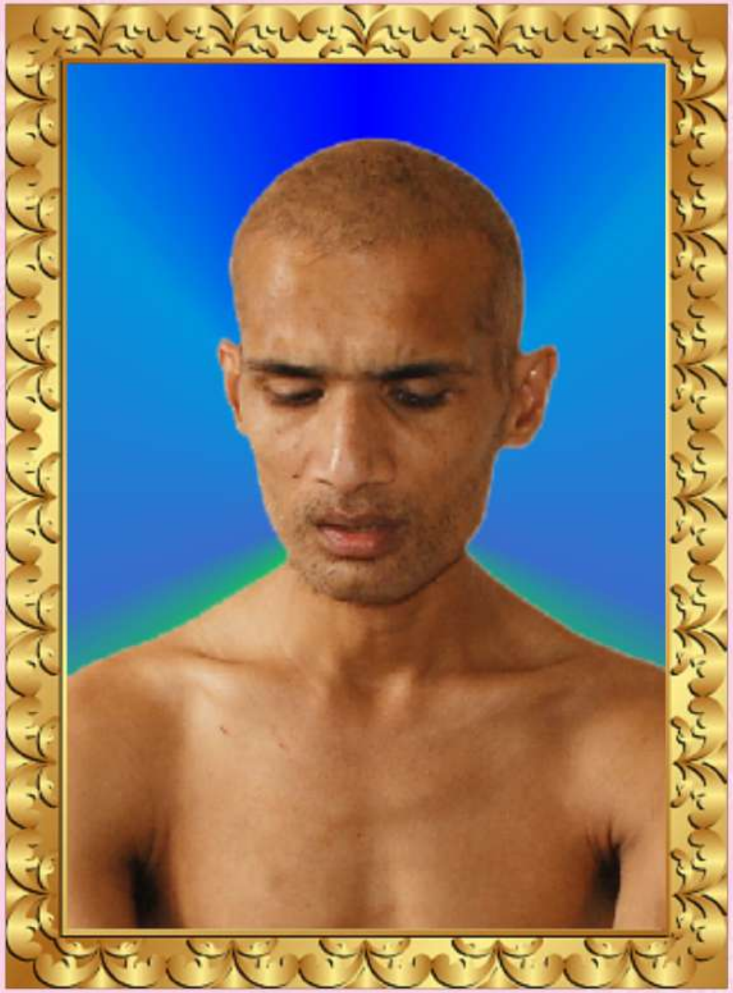

मुनि श्री १०८ श्रमणसागर जी महाराज

श्रमण आज बन्ना बने, मुक्ति लिए वरमाल।
अद्वितीय संबंध की, अमर रहे जयमाल।।

मुनि श्री १०८ श्रमणसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. मनीष जी जैन (सिहोरा)
पिता का नाम	:	श्री रवीन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मैना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री बसंत ३. ब्र. राहुल भैया
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०१-१९८१ गुरुवार, पौष कृष्ण ११ वि.सं. २०३७ सिहोरा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत/प्रतिमा	:	२ प्रतिमा, ०८-११-२०११ मंगलवार, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		७ प्रतिमा का व्रत १६-०२-२०१३ द्रौणागिरी ८वीं प्रतिमा २४-०९-२०१४ द्रोणागिरी
मुनि दीक्षा	:	१६-१०-२०१४, गुरूवार कार्तिक कृष्ण ८ (गुरूपुष्य योग) वि.सं. २०७१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थ ''शीतलधाम'' विदिशा (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ संधानसागरजी महाराज

मुनि श्री १०८ संधानसागर जी महाराज

है वही सूरमा इस जग में, जो अपनी राह बनाता है।
कोई चलता पद चिन्हों पर, कोई पद चिन्ह बनाता है।।

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. रोहित भैया जी जैन (काला)
पिता का नाम	:	श्री अशोक जी जैन (काला)
माता का नाम	:	श्रीमती आशा देवी जी जैन (काला)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मौनिक २. आपका क्रम ३. श्री मोहित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-०९-१९७६ शनिवार (भाद्र शुक्ल) वि.सं. २०३३ जयपुर (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम. एन.डी.डी.वाय.एन.सी.सी. डिप्लोमा प्राकृतिक चिकित्सा (ए ग्रेड)
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)	:	२८-०२-२००२ गुरुवार, बंडा (म.प्र.)
प्रतिमा	:	तीन प्रतिमा २००५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	सप्तम प्रतिमा सन् २००८ (सिलवानी) म.प्र.
मुनि दीक्षा	:	३१-०७-२०१५, शुक्रवार, द्वितीय आषाढ़ शुक्ल १५ (गुरूपूर्णिमा) वि.सं. २०७२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री १००८ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना वारहा तह. देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई । मुनि श्री प्रमाण

सागर जी महाराज के संघस्थ रहते हुये कई कृतियों का संपादन, ध्यान शिविर, विधान आदि प्रभावक कार्य किये है फिर सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर में रहें इसके पूर्व में भाग्योदय तीर्थ में भी सेवा के कार्य किये है। (केशलोंच का नियम २००६ सिलवानी से, गृह का त्याग १६-११-२००१ से। आपके सान्निध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

मुनि श्री १०८ संस्कारसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ संस्कारसागर जी महाराज

हंस भले ही एक हो, सरोवर लगे सुरम्य।
पुण्य प्रतापी एक ही, होता सदा प्रणम्य॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. रंजीत जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला देवी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुधा २. बा.ब्र. उषा जी (वर्तमान में आर्यिका श्री निर्णयमति माता जी) ३. श्री विजय ४. श्री अजय ५. श्री अनिल ६. बा.ब्र. निशा दीदी ७. श्री रजनीश ८. आपका क्रम ९. श्रीमती सुमन १०. श्री संजीत
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१८-०२-१९७८ शनिवार, माघ शुक्ल १ वि.सं.२०३४ महाराजपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	सन् २००८, बेगमगंज जिला-रायसेन (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०७-२०१५, शुक्रवार, द्वितीय आषाढ़ शुक्ल १५ (गुरूपूर्णिमा) वि.सं. २०७२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना वारहा तह. देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भांजे मुनि श्री ओंकारसागर जी है और आर्यिका श्री निर्णयमति माता जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन है जो आपके ही गुरू से दीक्षित हैं।

मुनि श्री १०८ ओंकारसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ ओंकारसागर जी महाराज

कुलवान की पहचान होती उसकी शान से।
विद्वान की पहचान होती उसकी जुवान से॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. सुधीर भैया (मोनू) जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती कल्पना २. श्री सोनू
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०६-१९८२ मंगलवार, ज्येष्ठ शुक्ल १० वि.सं. २०३९
दिन/स्थान/समय		महाराजपुर (जिला-सागर) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन	:	०१-०९-२००५, बीना बारहा (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
मुनि दीक्षा	:	३१-०७-२०१५, शुक्रवार, द्वितीय आषाढ़ शुक्ल १५ (गुरूपूर्णिमा) वि.सं. २०७२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा तह. देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के मामा मुनि श्री संस्कारसागर जी है एवं गृहस्थ जीवन की मौसी आर्यिका श्री निर्णयमति माता जी है ये दोनों आपके ही गुरू से दीक्षित है।

मुनि श्री १०८ निर्ग्रन्थसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्ग्रन्थसागर जी महाराज

वचन गुप्ति पालनहारे मुनि, सब विकल्प को दूर करें।
मनकृत सुदृढ़ व्रत को धरकर, चेतन गुण भरपूर रहें ॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. श्रेयांस भैया जी
पिता का नाम	:	श्री श्रीकांत कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरिता जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	(१) आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		(२) ब्र. श्रुति दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२६-११-१९८९ मार्गशीर्ष कृष्ण १४
दिन/स्थान/समय		बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. टेक (आई. टी.)
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन	:	०७-०८-२०१२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		डोगरगढ़ (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निर्भ्रान्तसागर जी महाराज

वचन गुप्ति रथ पर सवार हो, मोक्षमहल तक पहुँच रहें।
वचकृत विकृति नाशक मुनि के, दर्शन को हम तरस रहें॥

मुनि श्री १०८ निर्भ्रान्तसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. अभिषेक (मोनू) भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री राजेश कुमार जी सिंघई
माता का नाम	:	श्रीमती सविता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अमित जी २. श्रीमती अमृता जी ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२५-०१-१९८७ पनागर जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०५-२०१०
मुनि दीक्षा	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

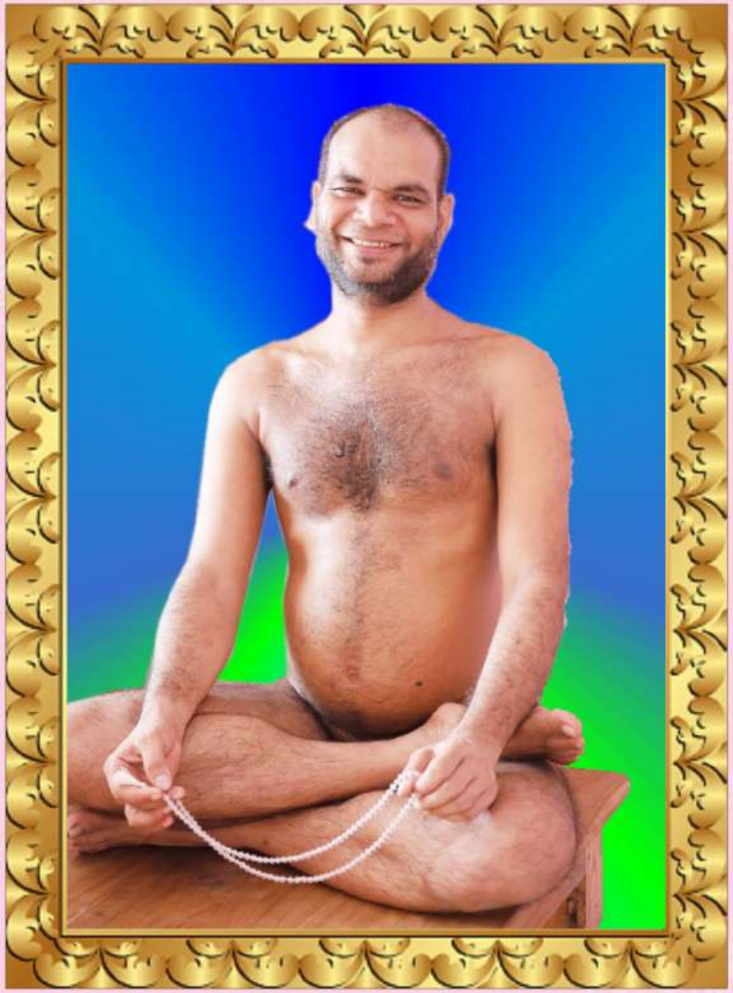

मुनि श्री १०८ निरालससागर जी महाराज

वचकारित दूषण विमुक्त जो, वचन गुप्ति के धारक है।
ऐसे महाव्रति मुनि मेरे, जीवन के प्रतिपालक हैं॥

मुनि श्री १०८ निरालससागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. दीपेन्द्र भैया जी
पिता का नाम	:	श्री कोमल कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती तेजाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री देवेन्द्र जी २. ब्र. कल्पना दीदी ३. श्री बृजेन्द्र जी ४. आपका क्रम ५. श्री सौरभ जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२९-०३-१९८३ केरबना जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (कम्प्यूटर)
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-१०-२०१५
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निराश्रवसागर जी महाराज

निष्प्रमाद हो कायगुप्ति पर, अचल मेरु सम खड़े हुए।
वचकारित ना दोष लगाते, वे ही मुनिगण वच हुए।।

मुनि श्री १०८ निराश्रवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. नितेन्द्र भैया जी
पिता का नाम	:	श्री तुलसीराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रेमलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती रीना जी २. श्री राहुल जी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८-०४-१९८१
दिन/स्थान/समय		नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन	:	१६-०७-२०१५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
मुनि दीक्षा	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निराकारसागर जी महाराज

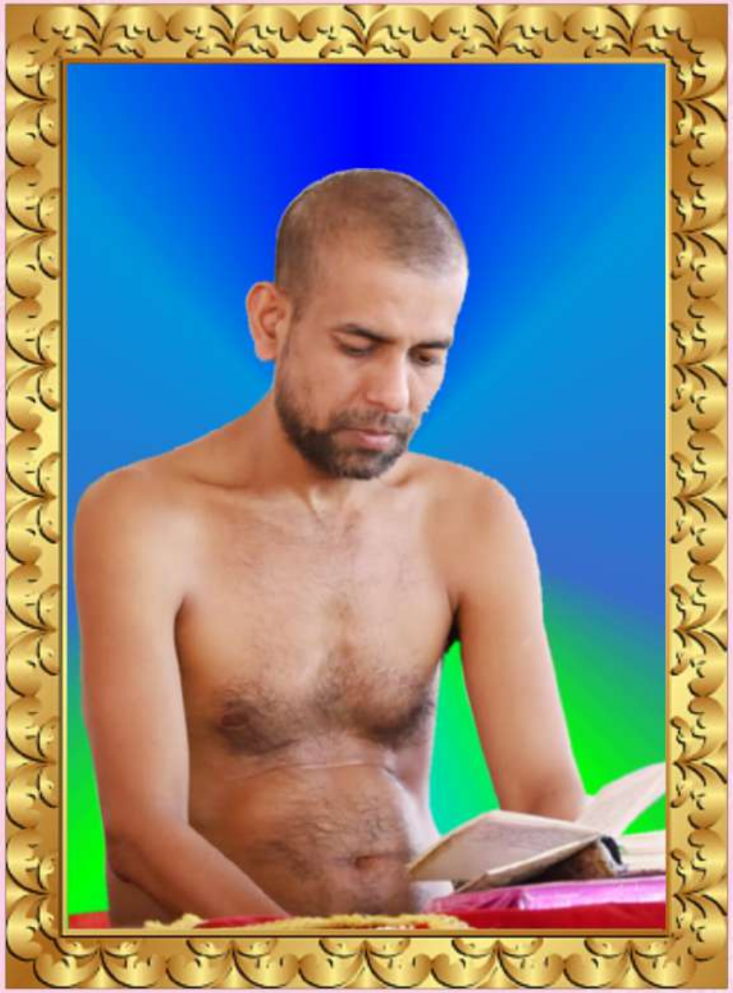

मुनि श्री १०८ निराकारसागर जी महाराज

वचन शुभाशुभ तजकर मुनिवर, वचनगुप्ति तनकृत पालें।
सब जीवों के प्रति दयाकर, जिनशासन के उजयाले॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. पिंकेश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री पवन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती हेमलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. रूपेश जी २. श्री नीलेश जी ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०९-१९८५ हाटपिपल्या जिला-देवास (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-११-२००५
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निश्चिन्तसागर जी महाराज

वचोनुमोदित दोष रहित मुनि, वचन गुप्ति में बसते हैं।
इसलिए उनके चरणों में, नर सुरगण नमते हैं॥

मुनि श्री १०८ निश्चिन्तसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. आकाश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती आशा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. विकास कुमार जी २. आपका क्रम ३. श्री अभिषेक जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०९-१९८७ सागर (म.प्र.
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०५-२००७
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

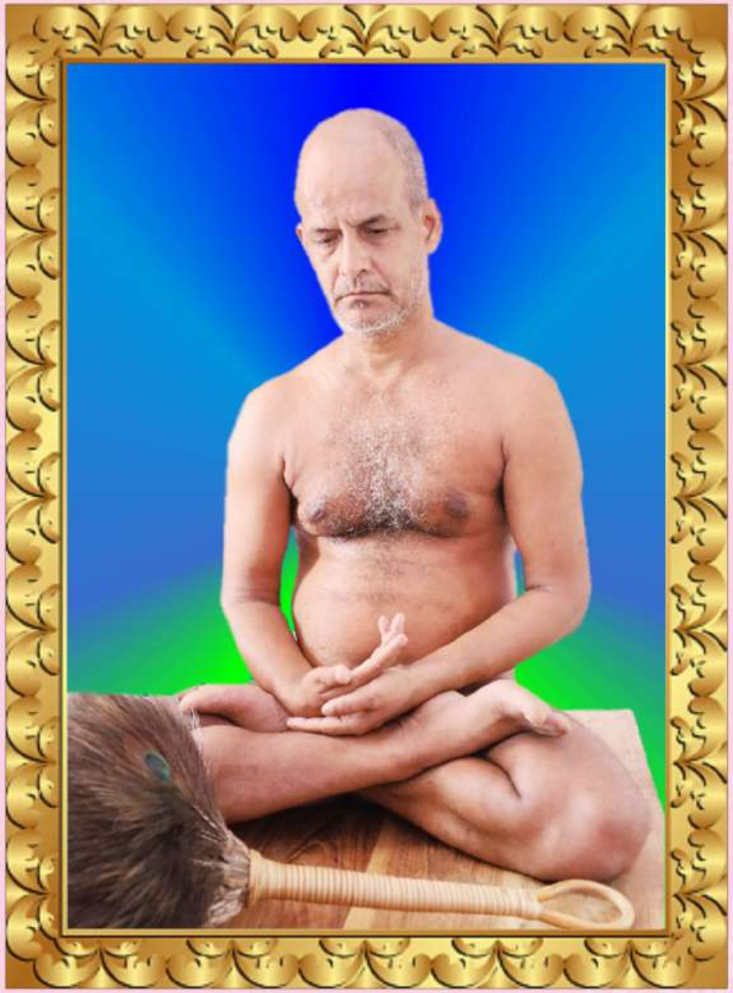

मुनि श्री १०८ निर्माणसागर जी महाराज

तन से अनुमति दोष विनाशक, वचन गुप्ति से रहित हैं।
ऐसे मुनिवर का निश्चित ही, मोक्षनगर आरक्षित हैं।।

मुनि श्री १०८ निर्माणसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. सतीश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जी जैन (गुरहा)
माता का नाम	:	श्रीमती नर्मदा बाई जी जैन (गुरहा)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मुन्नालाल जी २. श्री विनोद कुमार जी ३. श्री कमलेश कुमार जी ४. श्री मुकेश जी ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०५-०७-१९७१ खुरई, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०६-२०१७
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ निराकुलसागर जी महाराज है एवं आर्यिका निकलंकमति माता जी, आर्यिका विनीतमति माता जी बहिन हैं जो आपके गुरु से ही दीक्षित हैं।

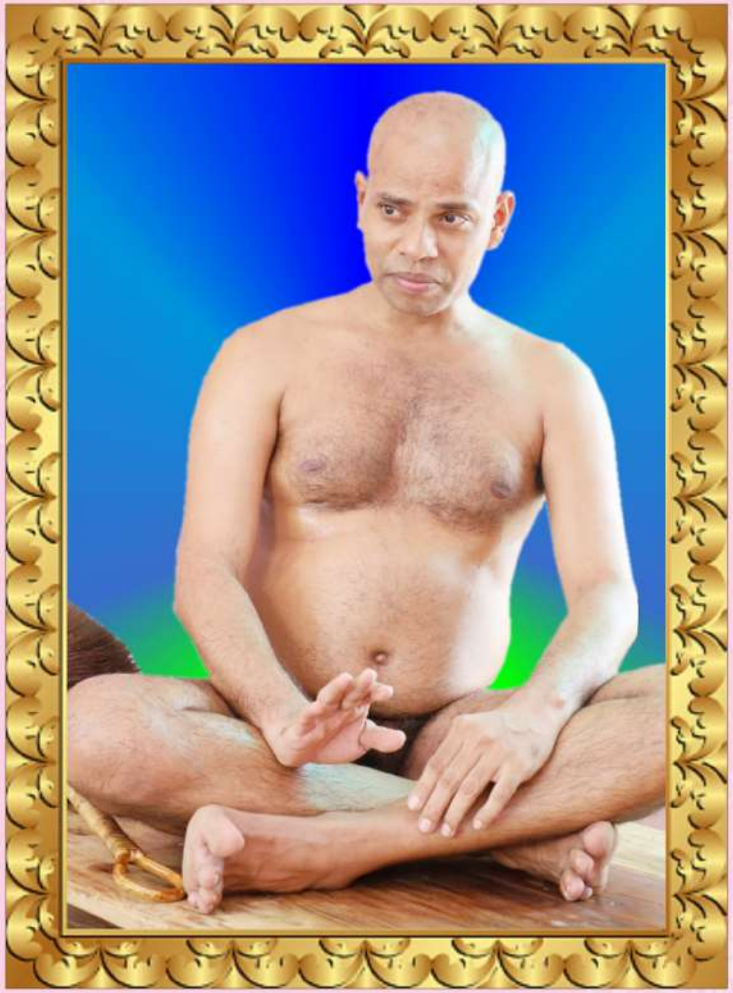

मुनि श्री १०८ निशंकसागर जी महाराज

शूल समान शब्द नहीं बोले, वचनों में मिश्री घोले।
वही साधु वचगुप्ति धारें, तनकारित व्रत को पालें॥

मुनि श्री १०८ निशंकसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. दीपक भैया जी
पिता का नाम	:	श्री अशोक कुमार जी
माता का नाम	:	श्रीमती फूलकुमारी जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्री नवनीत जी
(जन्म के क्रम से)		३. श्री नीरज जी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-११-१९८४
दिन/ स्थान/समय		संदलपुर, तह. खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन	:	२८-११-२०१८, बुधवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
मुनि दीक्षा	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निरंजनसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निरंजनसागर जी महाराज

कायगुप्ति के पालन हारे, ज्ञान शरीरी होते हैं।
अघ की मन से अनुमति ना दे, त्रिविध कर्ममल धोते हैं॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. मनीष भैया जी
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती किरन जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ऋषभ जी २. आपका क्रम ३. श्री जितेन्द्र जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०५-१९८३ इन्दौर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम., एम. बी. ए.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	मई २०१४
मुनि दीक्षा	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ निर्लेपसागर जी महाराज

अडिग मेरु सम अङ्कप रहकर, कायगुप्ति के पालक हैं।
मनकृत दूषण त्यागे मुनिवर, मोक्षमार्ग के संचालक हैं॥

मुनि श्री १०८ निर्लेपसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. अर्पित भैया जी
पिता का नाम	:	श्री अनिल कुमार जी
माता का नाम	:	श्रीमती मीना जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती रैना २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-१२-१९९० राधौगढ़ जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. टेक.
ब्रह्मचर्य व्रत प्रथम/आजीवन दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-२०१७
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण ६ वी.नि.सं. २५४५, वि.सं. २०७५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई।

मुनि श्री १०८ उत्कृष्टसागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ उत्कृष्टसागर जी महाराज

विद्या गुरु ही अंक है, उन बिन है सब सून।
विद्यासागर मिलत ही, अंतस मिले सुकून॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. महावीर भैया जी
पिता का नाम	:	श्री मल्लप्पाजी जैन अष्टगे (समाधिस्थ मुनिश्री मल्लिसागर जी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंती जैन (समाधिस्थ आर्यिकाश्री समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) आपका क्रम (२) ब्र.विद्याधरजी (वर्तमान में प.पू. आ. श्री विद्यासागर जी महाराज) (३) ब्र .शांता दीदी (४) ब्र. सुवर्णा दीदी (५) ब्र.अनंतनाथजी (वर्तमान में निर्यापक मुनिश्री योगसागर जी महाराज) (६) ब्र. शांतिनाथजी (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१/०७/१९४० सदलगा जिला बेलगाम (कनार्टक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२४/०८/२०२२, सात प्रतिमा श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला वाशिम (महाराष्ट्र)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम(महा.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के पिता समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागर जी थे एवं प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, प.पू निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज, प.पू. निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज आपके गृहस्थ जीवन के भाई है एवं माता श्री समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमति जी थी। आपने मूकमाटी पर आधारित उपाश्रम की छाँव का कन्नड़ में अनुवाद किया है।

आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी

साधु गृही सम न रहे, स्वाश्रित-भाव समुद्र।
बालक सम ना नाचते, मोदक खाते वृद्ध ॥३२॥

आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रभाचंद जी जैन (चौधरी)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. बा.ब्र.सतीश (वर्तमानमें एलक दयासागर जी) ३. श्री सुशील ४. श्री सुरेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	३०-०७-१९५६, सोमवार संवत् २०१३ श्रावण कृष्ण ७ खटौरा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में बंडा में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०७-१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९८३ (शिखर सम्मेद जी)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ल १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई, आपके गृहस्थ जीवन के भाई एलक श्री दयासागर जी महाराज हैं जो आपके ही गुरू से दीक्षित हैं। आपके सानिध्य में अनेक विधान, अनुष्ठान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

आर्यिका श्री १०५ दृढ़मती माता जी

पानी भरते देव हैं, वैभव होता दास।
मृग मृगेन्द्र मिल बैठते, देख दया का वास॥२९॥

आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री गुलाब चंद जी जैन(पटना वाले)
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अशोक २. श्री विनोद ३. आपका क्रम ४. सविता जी ५. ब्र. अनीता जी ६. श्री प्रमोद
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१८-०५-१९६१, ज्येष्ठ शुक्ल-४, संवत २०१८, गुरुवार सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२१-११-१९७९, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
प्रतिमा (कब/कहाँ) दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	दस प्रतिमा १९८३ (सम्मेद शिखर जी)। अतिशय क्षेत्र थूवौन जी, जिला- गुना (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक महाविधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला, पाठशाला, शिविर आदि प्रभावक कार्य हुए एवं अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

आर्यिका श्री १०५ मृदुमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ मृदुमति माता जी

हुआ प्रकाशित मैं छुपा, प्रभु है प्रकाश पुन्ज।
हुआ सुभाषित, महकते तुम पद विकास कुन्ज ॥१९॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कुसुम जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन (भारिल्य)
माता का नाम	:	श्रीमती रेवतीरानी जी जैन (भारिल्य)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती विद्यावती २. आपका क्रम ३. बा.ब्र. पुष्पा दीदी ४. श्री अरविंद कुमार जी ५. श्रीमती अनीता ६. श्रीमती संध्या ७. श्री सुरेन्द्र जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२७-०२-१९५९ गुरूवार, फाल्गुन कृष्ण सं.४ वि.सं. २०१५, रात्रि ४.४० बलेह, रहली, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पांचवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०-०३-१९७८ आजीवन, रहली, फाल्गुन सुदी ११, रहली जिला-सागर
प्रतिमा (कब/कहाँ) दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	दो प्रतिमा १९७८, सात-आठ प्रतिमा १९८१, नौ प्रतिमा १९८२, दस प्रतिमा १९८३ (सम्मेद शिखर जी)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर के प्रभावक कार्य एवं अनेक पूजन, विधान, भजन, स्तुति, पद्यानुवाद, अनुवाद आदि लेखन कार्य हुए हैं।

आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री चुन्नी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती भागवती जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. माणिक चंद जी २. श्रीमती विद्या ३. पदम्चंदजी ४. हेमचंद ५. ब्र. दरबारीलालजी ६. अभय जी ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-०७-१९६१, आषाढ़ कृष्ण ५, सं. २०१८, रविवार, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. प्रीवियस (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१२-१९७९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि जी जिला-छतरपुर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९८३ (सम्मेद शिखर जी)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, आदि प्रभावक कार्य हुए।

आर्यिका श्री १०५ ऋजुमति माता जी

उन्नत बनने नत बनो, लघु से राघव होय।
कर्ण बिना भी धर्म से, विजयी पाण्डव होय॥८८॥

आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी

अंधेर कब दिनकर तले, दिया तले वह होत।
दुःखी अधूरे हम सभी, प्रभु पूरे सुख स्त्रोत॥१७॥

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी किरण जी**
पिता का नाम	:	श्री कोमल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंद्ररानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विनोद २.श्रीमती ऊषा ३. आपका क्रम ४.श्रीमती आशा ५. श्रीमती मीना ६.श्रीमती अनीता ७. संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०५-०३-१९५८फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा, वि.सं. 2014] जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८०,जबलपुर, म.प्र.।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९८३ (सम्मेद शिखर जी)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए।

आर्यिका श्री १०५ सत्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सत्यमति माता जी

दया धर्म के कथन से, पूज्य बने ये छन्द।
पापी तजते पाप हैं, दृग पा जाते अन्ध ॥३४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कमलेश जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गिरजा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. इमरती बाई २. श्रीमती काशी बाई ३. स्व. श्री विनीता ४. श्रीमती तारा बाई ५.स्व. श्री संतोष ६. श्री कस्तूर चंद ७. श्रीमती भारती ७. आपका क्रम ९. आशा जी (वर्तमान में आ. श्री सकलमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-०९-१९६० बुधवार, भाद्रपद, शुक्ल २ , वि.सं. २०१९ हिनौती, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	प्रायमरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-११-१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह, म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९८३ (नैनागिरी, छतरपुर में)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री सकलमति माताजी है एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी

भद्र बनू बस भद्रता जीवन का श्रृंगार।
द्रव्य दृष्टि में निहित है, सुख का वह संचार ॥४॥

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी कमला जी
पिता का नाम :	श्री पन्ना लाल जी जैन
माता का नाम :	श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१. श्री कपूरचंद २. श्री गुलाबचंद ३. श्री अशोक ४. श्रीमती विमला ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय :	०२-०५-१९६४, वैशाख कृष्ण ५ (अक्षय तृतीया) वि. सं. २०२१ गुरुवार, शाहगढ़ जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१५-११-१९८२, सोमवार कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरि जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	दो प्रतिमा १९८३ में ईसरी जी में, तीसरी प्रतिमा १९८४ में आहार जी में, सातवीं प्रतिमा १९८६ (पपौरा जी, अतिशय क्षेत्र टीकमगढ़ में)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पुरानी पिच्छिका लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसी दिन ब्रह्मचर्य व्रत लिया था। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य हुए। आपने अनेक भजन, पूजन, स्तुति आदि की रचना की है।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ जिनमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ जिनमति माता जी

मरने से मफर नहीं है, जब ये अकबर।
बेहतर यही है खुशी से मरना सीखो॥

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी मीना जी जैन (गीतमाला)
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन मोदी
माता का नाम	:	श्रीमती चिंतादेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अंगूरी २. श्रीमति आशा ३. आपका क्रम ४. श्री जिनेन्द्र मोदी ५. श्रीमती संध्या ६. श्रीमती नीलम ७. श्री मनोज ८. श्रीमती अभिलाषा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०८-१०-१९६३, मंगलवार द्वितीय आश्विन कृष्ण ६ वि.सं. २०२० शाहगढ़, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-११-१९८२, (दीपावली) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, सन् १९८६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, मंगलवार माघ शुक्ल १२ वि.सं २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२९-११-२००१, गुरूवार, रात्रि २.४५ बजे कार्तिक शुक्ल १४ वि.सं. २०५६ खिमलासा जिला-सागर (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ निर्णयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ निर्णयमति माता जी

साधु बने समता धरो, समय सार का सार।
गति पंचम मिलती तभी, मिटती है गति चार ॥८॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी उषा जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सुधा २. आपका क्रम ३. श्री विजय ४. श्री अजय ५. श्री अनिल ६. ब्रा.ब. निशा दीदी ७. रजनीश ८. ब्रा.ब. रंजीत (वर्तमान में मुनि श्री संस्कारसागर जी) ९. श्रीमति सुमन १०. श्री संजीत जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-१२-१९५८ मार्गशीर्ष शुक्ल १४ विं.सं. २०१४ सीतापार (करेली) जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.) (बाद में महाराजपुर जिला-सागर), (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०६-१९८०, सागर में
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा १९८५ (अहार जी, टीकमगढ़)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ संस्कारसागर जी महाराज है एवं बहनोता मुनि श्री १०८ ओंकारसागर जी महाराज है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ उज्जवलमति माता जी

माँ से दूर चले जब कन्या, अखियाँ छलकत जावें।
दुनिया के इस नाटक घर में, प्राणी खेल दिखावें।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ उज्जवलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शारदा जी
पिता का नाम	:	श्री मंगल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती शशिप्रभा २. आपका क्रम ३. श्री पवन ४. श्री सुरेश ५. श्री अशोक ६. श्री मुकेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०५-०५-१९६४, वैशाख कृष्ण ४ मंगलवार वि.सं. २०२१ दुर्ग (छ.ग.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-०३-१९८४, गुरुवार राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठवीं प्रतिमा
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	११-१२-२०१९ बुधवार मार्गशीर्ष शुक्ल १४ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला नागपुर (महा.)

आर्यिका श्री १०५ पावनमति माता जी

ज्ञान दुःख का मूल है, ज्ञान ही भव का मूल।
राग सहित प्रतिकूल है, राग रहित अनुकूल ॥२६॥

आर्यिका श्री १०५ पावनमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी लक्ष्मी जी
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चम्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री श्रेयांस २. श्री चक्रेश ३. श्री आशा ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६१ मेढ़ी, जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए., बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४, लार्डगंज, जबलपुर, (म. प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा १९८६ में (पपौरा जी, टीकमगढ़)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ल १२ मंगलवार, वि.सं. २०४३, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ प्रशांतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ प्रशांतमति माता जी

रवि सम पर उपकार मैं, करूँ समझ कर्तव्य।
रखूँ न मन में मान-मद, सुन्दर हो भवितव्य ॥३०॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री उदयचंद जी जैन (बड़कुल)
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी जैन (समाधिस्थ क्षुल्लिका सौम्यमति माता जी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री कस्तूरचंद २. श्रीमती कुसुम ३. श्रीमती अंगूरी ४. श्री भानुकुमार 5. श्रीमती मुन्नी ६. आपका क्रम ७. श्री प्रमोद ७. श्री पवन (वर्तमान में आ. सिद्धांतसागर जी) ९. श्री शशिकांत जी १०. श्रीमती प्रतिभा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२०-०८-१९५९ पटेरा जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९७७, रविवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला दमोह
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	३ प्रतिमा थूवौन जी, ७ प्रतिमा नैनागिरी जी, ८ प्रतिमा कोनी जी १० प्रतिमा १९८३ में (सम्मेद शिखर जी)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ला ०६ सोमवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई आचार्य श्री १०८ सिद्धांतसागर जी महाराज है एवं माँ क्षुल्लिका १०५ सौम्यमति जी थी। आपने सर्वप्रथम ब्रह्मचर्य व्रत लेने की शुरूआत की। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य हुए। अनेक कृतियों का सृजन हुआ है।

आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ पूर्णमति जी माता जी

विवेक हो ये एक से, जीते जीव अनेक।
अनेक दीपक जल रहे, प्रकाश देखो एक ॥ ८२ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वीणा जी
पिता का नाम	:	श्री अमृतलाल जी जैन (समा. मुनि हेमंत सागर जी)
माता का नाम	:	श्रीमती रुक्मणी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजेन्द्र २. श्री अशोक ३. श्री अकलंक ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०६-०५-१९६२ रविवार अक्षय तृतीया डूंगरपुर, (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९६७, जबलपुर में (आचार्य श्री शिवसागर जी से)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९८३ में (अहार जी टीकमगढ़)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ला ०६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के पिता समाधिस्थ मुनि श्री हेमन्त सागर जी थे। आपके सानिध्य में अनेक विधान, शिविर, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य हुए। आपने अनेक विधान, पूजन, भजन, स्तुति आदि की रचना की एवं अनेक कृतियों का सृजन किया है।

आर्यिका श्री १०५ अनन्तमति माता जी

यही तत्व दर्शन रहा, निज दर्शन का हेतु।
सब वादो को खुश करें।।

आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुन्दर बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति चंदा २. श्रीमति पुष्पा ३. श्रीमति शकुन्तला ४. श्री नरेन्द्र ५. श्री शशि ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०७-१९५८ मंगलवार, श्रावण कृष्ण १४ वि.सं. २०१५ सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (पूर्वार्द्ध)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ला ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, शिविर, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य हुए। आपने अनेक विधान, पूजन की रचना की एवं अनेक कृतियों का सृजन किया है।

आर्यिका श्री १०५ विमलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विमलमति माता जी

रागादिक के हेतु को, तजते अंवर छाँव।
रागादिक पुनि मुनि मिटा, भजते संवर भाव ॥२४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निरंजना जी
पिता का नाम	:	श्री पन्ना लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कान्ता बेन जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति लीला २. श्री मनोहर ३. श्री निर्भय ७. आपका क्रम ५. श्री अजित ६. श्री नरेन्द्र ७. वीर बाला ८. श्री धर्मेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-०५-१९५७, वैशाख शुक्ल ७, सं. २०१४ प्रातः ११.४५ बजे सोमवार, थांदला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०२-१९७५, आचार्य कल्प ज्ञानभूषण महाराज से थांदला
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा (सम्मेद शिखर जी)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ल ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शुभ्रमति माता जी

आस्था का बस विषय है, शिव पथ सदा अमूर्त।
वायु यान पथ कब दिखा, शेष सभी पथ मूर्त॥ ६८॥

आर्यिका श्री १०५ शुभ्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पम्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कमल २. श्री अशोक ३. श्रीमति शकुन ४. ब्र. कुसुम (वर्तमान में आर्यिकाश्री केवल्यमति माता जी) ५. श्री राकेश ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१०-०७-१९६७, सोमवार, आषाढ़ कृष्ण अष्टमी, वि. सं. २०२४, गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.) (बाद में जबलपुर में)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	११ वीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७-०४-१९८४, मंगलवार (मढ़िया जी), जबलपुर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा १९८८ में (जबलपुर, म.प्र.)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ल ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका केवल्यमति जी और आर्यिका शुभ्रमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं, और आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ कुशलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ कुशलमति माता जी
सब कुछ लखते पर नहीं, प्रभु में हास-विलास।
दर्पण रोया कब हंसा ? कैसा यह सन्यास॥ ६४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मणी जी
पिता का नाम	:	श्री सुमत चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मुन्नी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. ब्र. सुनीता दीदी ३. श्री मुकेश ४. श्री सुधीर ५. श्रीमती कविता ६. श्री सुबोध
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०५-०८-१९६१, शनिवार, श्रावण कृष्ण १०, सं. २०१८ पिंडरई ,जिला-मण्डला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाज शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-१२-१९८४, जबलपुर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा १९८८ में (मढ़िया जी जबलपुर)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ल ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निर्मलमति माता जी

प्रभु दर्शन फिर गुरु कृपा, तदनुसार पुरूषार्थ।
जग में तीन ये, मिले सार परमार्थ॥ ६३॥

आर्यिका श्री १०५ निर्मलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सरला २. श्री सनत ३. श्री नरेन्द्र ४. श्री वीरेन्द्र ५. श्रीमति मुन्नी ६.आपका क्रम ७. बा.ब्र. आभा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०५-०७-१९६३, आषाढ़ कृष्ण-१४, वि.सं. २०२० शुक्रवार, कटंगी, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष में)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-१२-१९८२, मंगलवार मार्गशीष कृष्ण १४ वि.सं. २०३९, श्री बहोरीबंद जी अतिशय क्षेत्र जिला-कटनी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा १९८९ में (कटंगी जबलपुर)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ल ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ साधुमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्यामा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विजय २. श्री मदन ३. श्री विष्णु ४. ब्र. उमा जी (वर्तमान में आर्यिका साधना मति जी) ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०८-१९६७, रविवार, श्रावण शुक्ल ५ वि.सं. २०२२ रायपुर, छत्तीसगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३,ईसरी (बिहार)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा १९८८ में (मढ़िया जी जबलपुर)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९८९ श्रावण शुक्ल ६ मंगलवार, वि.सं. २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ साधुमति माता जी और आर्यिका श्री १०५ साधना मति माता जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहनें हैं एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ साधुमति माता जी

चन्दन घिसता चाहता, मात्र गंध का दान।
फल की बांछा कब करे, मुनिजन जग कल्याण॥ ७५॥

आर्यिका श्री १०५ शुक्लमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ शुक्लमति माता जी

रहस्य खुलता आप जब, सहज मिटे संघर्ष।
वस्तु धर्म के दरश से, विषाद क्यों हो हर्ष॥ ६७॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती जमुना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमति सरोज २. श्रीमति निर्मला ३.आपका क्रम ४. ब्र. सीमा दीदी ५. स्व. श्रीमति सरिता ६. श्रीमति संचिता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९६४, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण ६ वि.सं. २०२० पिण्डरई, जिला-मण्डला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (फायनल)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-१०-१९८४,जबलपुर, म.प्र. (मढ़िया जी)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा १९८८ मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९८९ श्रावण शुक्ला ०७ मंगलवार, २०४६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ उदारमति माताजी आपके गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन हैं जो आपके ही गुरु से दीक्षित हैं। (संघस्थ आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी)

आर्यिका श्री १०५ साधनामति माता जी

भले कूर्म गति से चलो, चलो कि ध्रुव की ओर।
किंतु कर्म के धर्म को, पालो पल-पल और ॥८३॥

आर्यिका श्री १०५ साधनामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी उमा जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्यामा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विजय २. श्री मदन ३. श्री विष्णु ४. आपका क्रम ५. बा.ब्र.मीना (वर्तमान में आर्यिका श्री १०५ साधुमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०८-११-१९६३ शुक्रवार कार्तिक शुक्ल ८ वि.सं. २०२०, रायपुर (छत्तीसगढ़)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२, तीसरी प्रतिमा नैनागिरी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा १९९० (पपौरा जी, टीकमगढ़)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९० फाल्गुन कृष्ण १० मंगलवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका १०५ साधुमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं एवं आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ विलक्षणामति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विलक्षणामति माता जी

चिन्तन से चिंता मिटे, मिटे मनो मल-मार।
प्रसाद मानस में भरे, उभरें भले विचार॥ ५३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अर्चना जी
पिता का नाम	:	श्री शीतल प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सतेन्द्र २. श्री सुदर्शन ३. श्री राजेश ४. ब्र. सुषमा दीदी ५. सुभाषिणी ६. आपका क्रम ७. ब्र. श्री राजेश जी (वर्तमान मे एलक श्री संपूर्णसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०३-०७-१९६४ शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २०२१ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में सागर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१०-१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरि जी जिला- छत्तरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	नौ प्रतिमा १९८९ (कुण्डलपुर दमोह)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १० मंगलवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई एलक श्री संपूर्णसागर जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ धारणामति माता जी

बनूँ निरापद शारदे। वर दे ना कर देर।
देर खड़ा कर-जोड़ के, मन से बनूँ सुमेर॥ ६॥

आर्यिका श्री १०५ धारणामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कांतीजी
पिता का नाम	:	स्व. श्री सेठ बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विद्या देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री देवेन्द्र २. श्री सुभाष ३. स्नेहलता ४. आपका क्रम ५. सरोज ६. श्री चक्रेश ७. बा.ब्र. मनोज (वर्तमान में क्षुल्लक विचारसागर जी) ८. बा.ब्र. दीप्ति ९. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	मई १९६४ शाहगढ़ (सागर) म.प्र.
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७-०१-१९८४, मढ़िया जी, जबलपुर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा १९९० में (कुण्डलपुर दमोह)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १० मंगलवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ प्रभावनामति माता जी

पूज्य पाद गुरु पाद में, प्रणाम हो सौ बार।
पाप ताप संताप घट और बढ़े वैराग्य॥ २॥

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ प्रभावनामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी हेमलता जी
पिता का नाम	:	श्री सेठ हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती फूलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति प्रभा (आ. श्री भक्तिमति जी) २. श्रीमति क्रांति ३. श्रीमति सरोज ४. श्रीमति सुशीला ५. श्रीमति विनोद ६. श्रीमति सुधा ७. आपका क्रम ८. श्री राकेश ९. बा.ब्र. राजुल (आ. श्री भावनामति जी) १०. श्री सुनील ११. श्रीमति अंतिम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-०२-१९६२, माघ शुक्ल १२, सं. २०१८ शुक्रवार, खुरई जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/स्थान	:	१९८५ खुरई जिला- सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा १९९० में (कुण्डलपुर दमोह)।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १० मंगलवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ प्रभावनामति जी, आर्यिका श्री १०५ भावनामति जी, आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं और एक ही गुरु से दीक्षित हैं। आपके सानिध्य में अनेक विधान, अनुष्ठान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, शिविर आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।
समाधि	:	०८-०५-२०१८ मंगलवार, प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण ८ वी.नि.सं. २५, शाम ४.१२ पर अशोकनगर (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ भावनामति माता जी

आर्यिका श्री १०५ भावनामति माता जी

सब को मिलता कब कहाँ, अपार श्रुत का वार।
पर-श्रुत पूजन से मिले, अमार भव दधि पार।। ७१।।

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी राजुल जी
पिता का नाम	:	श्री सेठ हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती फूलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमति प्रभा (आ.श्री भक्तिमति माता जी) २. श्रीमतिक्रांति ३. श्रीमति सरोज ४. श्रीमति सुशीला ५. श्रीमति विनोद ६. श्रीमति सुधा ७. ब्र. हेमलता (आ. श्री प्रभावना मति माता जी) ८.श्री राकेश ९. आपका क्रम १०. श्री सुनील ११. श्रीमति अंतिम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२५-०७-१९६६, श्रावण शुक्ल ०८,सं.२०२३, सोमवार, खुरई जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/स्थान	:	०९-०५-१९८५ खुरई जिला- सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा, १९८९ कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १० मंगलवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका प्रभावना मति जी, आर्यिका भावनामति जी, आर्यिका भक्तिमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं और एक ही गुरु से दीक्षित हैं। आपके सानिध्य में अनेक विधान,मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए।

आर्यिका श्री १०५ चिंतनमति माता जी

नम्र बनो मानी नहीं, जीवन वरना मौत।
वेत बनो ना वट बनो, सुर-शिव-सुख का स्तोत॥ ३२॥

आर्यिका श्री १०५ चिंतनमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शिखा जी
पिता का नाम	:	श्री सेठ वीरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरस्वती जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री रमेश ३. श्री अभय ४. श्री सुदर्शन ५. ब्र. प्रभा दीदी ६. ब्र. मीना दीदी ७. आपका क्रम ८. ब्र. भैया (वर्तमान में श्री मुनि प्रज्ञासागर जी महा.)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०३-०१-१९६८, पौष शुक्ल ४, गुरूवार वि. सं. २०२४, प्रात: ४ बजे, पिंडरई जिला-मंडला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०१-१९८४ शहपुरा, (भिटौनी) जिला-जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा, कुण्डलपुर, दमोह १९८९ में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १३ शुक्रवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ प्रज्ञासागर जी महाराज जो अन्य संघ से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ वैराग्यमति माता जी

भटकी अटकी कब नदी? लोटी कब अधबीच।
रे मन! तू क्यों भटकता? अटका क्यों अधबीच॥ ८२॥

आर्यिका श्री १०५ वैराग्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नीलू जी	
पिता का नाम	:	श्री सिंघई मगनलाल जी देरखा	
माता का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी	
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री प्रकाश	२. स्व. रमेशचंद
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती मधुलता	४. श्रीमती कुसुम
		५. श्री सुरेश	६. श्री मुकेश
		७. श्रीमती सुनीता	८. आपका क्रम
		९. श्री राकेश	१०. श्री उमेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१०-०७-१९६७, आषाढ़ शुक्ल ३, सोमवार वि.सं. २०२४ अशोकनगर, म.प्र.।	
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.	
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-१२-१९८७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल द्वार, ललितपुर (उ.प्र.)	
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०२-१९९० फाल्गुन कृष्णा १३ शुक्रवार, वि.सं. २०४६, नरसिंहपुर (म.प्र.) पंचकल्याणक के दौरान	
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज	
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।	

आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी

गुण ही गुण पर मे सदा, खोजू निज मे दाग।
दाग मिटे गुण कहां, तामस मिटते राग॥ ११॥

आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्नेह जी
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती विमला देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुलोचना, २. श्री अशोक, ३. श्री अभय, ४. आपका क्रम, ५. श्रीमती इन्द्रेश लता, ६. श्री चक्रेश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	मई १९६३ बंडा (बेलई) जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७८ श्री दिगम्बर सिद्ध क्षेत्र नैनागिरि जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, शिखर जी बिहार में १९८३
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, अनुष्ठान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, पाठशाला, शिविर आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए। प्रतिभा मंडल प्रतिभा स्थली के लिए आपका विशेष मार्गदर्शन प्राप्त होता है

आर्यिका श्री १०५ दुर्लभमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नमिता जी
पिता का नाम	:	श्री चांदमल जी पाटनी
माता का नाम	:	श्रीमती चंदाबाई जी पाटनी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती चंद्रकांता २. श्री अश्विनी जी ३. श्री अनिल ४. श्रीमती आशा ५. श्री सतीश ६. आपका क्रम ७. अजय ८. श्रीमती आरती ९. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	0०५-०५-१९६४,चैत्र कृष्ण८ वि.सं. २०२१ दुर्ग (छ.ग.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (प्रीवियस)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४ दुर्ग (छ.ग.)।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल 5 वि.सं. २०४९ शनिवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह में
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपने आचार्य श्री की अनेक पूजन, स्तुति आदि की रचना की हैं।

आर्यिका श्री १०५ दुर्लभमति माता जी

एक नजर तो मोहनी, जिससे निरिवल अशांत।
एक नजर तो डाल दो, प्रभु अब सब हो शान्त॥ ४॥

आर्यिका श्री १०५ अंतरमति माता जी

विराग समकित मुनि लिए, जीता जीवन सार।
कर्मास्रव से तब बचे, निज में करे विहार॥२३॥

आर्यिका श्री १०५ अंतरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संगीता जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती संध्या जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संजय कुमार २. श्रीमती कल्पना ३. श्री आलोक ४. आपका क्रम ५. ब्र. सपना दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-०७-१९६७, रविवार आषाढ़ कृष्ण १० वि. सं. २०२४, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डबल एम.ए. (अंग्रेजी)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८८ जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपने आचार्य श्री की अनेक पूजन, स्तुति की रचना की हैं एवं अनेक कृतियों का सृजन किया हैं।

आर्यिका श्री १०५ अनुनयमति माता जी

पाप प्रथम मिटता प्रथम, तजो पुण्य फल भोग।
पुनः पुण्य मिटता धरो, आतम निर्मल योग॥२१॥

आर्यिका श्री १०५ अनुनयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी किरण जी
पिता का नाम	:	श्री सुखानंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजा बाई जी जैन (गुलाबरानी जी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती जयंती २. श्रीमती ममता ३. श्री राजकुमारी ४. श्री चक्रेश ५. आपका क्रम ६. श्रीमती मंजू
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२३-०२-१९६८ आश्विन शुक्ल १०, वि.सं. २०२५ मंगलवार लार, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, मढ़िया जी जिला- जबलपुर
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह में
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनुग्रहमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना जी
पिता का नाम	:	श्री आलमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती उर्मिला २. श्रीमती प्रेमलता ३. आपका क्रम ४. श्री राजकुमार ५. श्रीमती मंजू ६. श्री सतीश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१८-०८-१९६७, रविवार भाद्रपद कृष्ण १० वि. सं. २०२५ अशोक नगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५, गंजबासौदा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल १९९० में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनुग्रहमति माता जी

तजो रजो गुण साम्य को, सजो भजो निजधर्म।
शर्म मिले भव दुख मिटे, आशु मिटे बसु कर्म॥ १५॥

आर्यिका श्री 105 अक्षयमति माता जी

मेरे वाद विवाद को निर्विवाद स्याद्वाद।
सब वादो को खुश करे, पुनि पुनि कर संवाद ॥ १४॥

आर्यिका श्री १०५ अक्षयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योत्सना जी
पिता का नाम	:	श्री कोमल चंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गोरा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती साधना २. श्रीमती वंदना ३. श्री धर्मेन्द ४. श्रीमती अर्चना ५. आपका क्रम ६. श्री जितेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२५-०२-१९६६, रविवार माघ कृष्ण १ फाल्गुन कृष्ण १२ वि. सं. २०२४, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा पिंडरई १९९० में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अमूर्तमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अमूर्तमति माता जी

यही तत्व दर्शन रहा, निज दर्शन का हेतु।
जिन दर्शन का सार है, भव सागर का सेतु॥१ ३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुमेर चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अरविंद २. श्री पप्पू
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०८-१९६८, श्रावण शुक्ल १५,वि. सं.२०२५
दिन/ स्थान/समय		गुरुवार नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०५-१२-१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह १९९० में।
आर्यिका दीक्षा	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अखण्डमति माता जी

बिना भीति विचरूँ सदा, वन में ज्यों मृगराज।
ध्यान धरूँ परमात्म का, निश्चल हो गिरीराज॥ २९॥

आर्यिका श्री १०५ अखण्डमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री धर्म चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुलोचना देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुधा २. श्रीमती मंजू ३. आपका क्रम ४. बा.ब्र. अनीता जी (वर्तमान में आ. श्री अभेदमति माता जी) ५. श्री प्रदीप ६. ब्रा.ब्र. रविता दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०५-१९७०, गुरुवार वैशाख शुक्ल ६ वि.सं. २०२७ गोटेगाँव नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ खुरई, जिला सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	चार प्रतिमा, कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह १९९० में।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई आर्यिका श्री अखण्डमति जी एवं आर्यिका श्री अभेदमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ आलोकमति माता जी

दिन का हो या रात का, सपना सपना होय।
सपना अपना सा लगे, किन्तु न अपना होय।। ८३।।

आर्यिका श्री १०५ आलोकमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अलका जी
पिता का नाम	:	श्री प्रेम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती फूलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.ज्ञानमति २. गुणवती ३. श्री नरेन्द्र ४. श्री सुमेर ५. श्री वीरेन्द्र ६. मीना ७. सुनीता ८. आपका क्रम ९. श्री चक्रेश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२०-०८-१९६६ शनिवार, श्रावण शुक्ल ५ वि.सं. २०२३ शाहपुर, गनेशगंज जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०३-१९८७ बंडा बेलई, जिला-सागर म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९९०, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनुपममति माता जी

जो कुछ अपने आप है, नहीं किसी पर रूढ़।
अनेकांत से ज्ञात हो, जिसे न जाने मूढ़॥ ८४॥

आर्यिका श्री १०५ अनुपममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी माया जी
पिता का नाम	:	श्री सुखानंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री नरेन्द्र ३. श्रीमती मधु ४. श्रीमती मनोरमा
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०४-०६-१९६८ मंगलवार, ज्येष्ठ शुक्ल ८ वि.सं. २०२५ कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ कुण्डलपुर, दमोह, म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	छह प्रतिमा, १९९२ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 अपूर्वमति माता जी

अपने-अपने धर्म को, छोड़े नहीं पदार्थ।
रक्षक-भक्षक जनक सो, कोई नहीं यथार्थ ॥ ८५ ॥

आर्यिका श्री १०५ अपूर्वमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	श्री गुलाब चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बसंती बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री राकेश २. श्री मुकेश ३. श्री चक्रेश ४. श्रीमति माया ५. आपका क्रम ६.श्रीमति मनीषा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२०-०१-१९७० मंगलवार, पौष शुक्ल १३ वि.सं. २०२६, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०५-१९८६ श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, जिला-टीकमगढ़,म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १९९१, मुक्तागिरि जी जिला- बैतूल १९९१ (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, अनुष्ठान, वेदी प्रतिष्ठा, मंदिर शिलान्यास आदि प्रभावना कार्य हुए हैं।

आर्यिका श्री १०५ अनुत्तरमति माता जी

खण्डन मण्डन में लगा, निज का ना ले स्वाद।
फूल महकता नीम का, किन्तु कटुक हो स्वाद॥ ८६॥

आर्यिका श्री १०५ अनुत्तरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सविता जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. ब्र. विमल भैया जी २. ब्र.ममता जी (वर्तमान में ओंकार मति माता जी) ३. आपका क्रम ४. ब्र.अंजू जी (वर्तमान में अगाध मति माता जी) ५. श्री विनोद जी ६. श्रीमती सुनीता ७. ब्र. मीना दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-०८-१९७१ शनिवार, श्रावण कृष्ण ५ वि.सं. २०२६ पिपरिया, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०४-१९८६ श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, जिला-टीकमगढ़
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १९९२ मुक्तागिरि जी, जिला- बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री अनुत्तरमति जी, आर्यिका श्री उँकारमति, आर्यिका श्री अगाधमति जी, आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं और आपके पिता श्री क्षु. अनुग्रह सागर जी है, आप सभी एक ही गुरू से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ अनर्घमति माता जी

पक्षपात बिन रवि यथा, देता सदा प्रकाश।
सबके प्रति मुनि एक हो, रिपु हो या हो दास ॥ ८८ ॥

आर्यिका श्री १०५ अनर्घमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजना जी
पिता का नाम	:	श्री राधेलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती उषा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. बा.ब्र. अर्चना दीदी, २. आपका क्रम, ३. श्रीमती अनीता, ४. बा.ब्र. गुड़िया, ५. श्रीमती आरती, ६.बा.ब्र. मुनिया जी, ७. बा.ब्र. चंचल जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०७-०७-१९७५,आषाढ़ कृष्ण १३, सोमवार, वि.सं. २०३२ अशोकनगर, जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, थुवौन जी, जिला-गुना (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १९८९ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. ०४९ शनिवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अतिशयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना जी
पिता का नाम	:	श्री सिद्धूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती हीरा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सितास २. श्रीमती सविता ३. श्री सुदेश ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१७-०८-१९६२, शुक्रवार भाद्रपद कृष्ण २ वि.सं. २०१९ कटंगी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०८-१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०७-१९९२, आषाढ़ शुक्ल ५ वि.सं. २०४९ शनिवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
संघस्थ (पूर्व में)	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२१-०८-२००८, शुक्रवार, भाद्रपद शुक्ल १वि.सं. २०३५ प्रात: ८:१२, रांझी जबलपुर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अतिशयमति माता जी

अंतिम घडियों में प्रभु सुमिरन, बिरला ही कर पावे।
इक तरुवर से दूजे पर फिर पंछी नीड़ बनावे।।

आर्यिका श्री १०५ अनुभवमति माता जी

घने वनों में वास सो, विविध तपों का धार।
उपसर्गों का सहन भी, समता बिन निस्सार ॥ ८९ ॥

आर्यिका श्री १०५ अनुभवमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	श्री पल्टूराम जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सुंदरबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती मैना २. ब्र. गुलाबचंद शास्त्री
(जन्म के क्रम से)		३. स्व. श्री राकेश ४. आपका क्रम
		५. श्रीमती स्नेहलता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०७-१९७१, शुक्रवार, पौष शुक्ल ५
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२७ पिंडरुआ, जिला - सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		पपौरा जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९९१ मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	०७-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मंगलवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ आनंदमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ आनंदमति माता जी

माना मन माना करे, मन का धर्म गरुर।
मानतुंग के स्मरण से, मानतुंग हो चूर ॥ ५८ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनिता जी
पिता का नाम	:	श्री मिन्टूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मगन बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सरोज २. आपका क्रम ३. स्व. श्रीमती बबीता ४. श्री ऋषि कुमार ५. नीतू कुमारी ६. श्रीमती पूनम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६८ अशोकनगर जिला - गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, थूवौन जी गुना म.प्र.।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १९८८ मढ़िया जी, जबलपुर ।
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०७-१९९२ आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २०४९ मंगलवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह में
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२९-०३-२०२१ सोमवार, चैत्र कृष्ण १ वी.नि.सं. २५४७, वि.सं. २०७७, दोपहर १:४५ बजे श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पपौरा जी टीकमगढ़ (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ सिध्दांतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सिद्धांतमति माता जी

चिन्तन मन्थन मनन जो, आगम के अनुसार।
तथा निरन्तर मौन भी, समता बिन निस्सार ॥ ९० ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना जी	
पिता का नाम	:	श्री चुन्नीलाल जी जैन	
माता का नाम	:	श्रीमती बीना देवी जी जैन	
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री विनोद	२. श्री राजाबाबू
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती कान्ती	४. श्री विनय भैया
		५. श्रीमती कमलेश	६. श्री विपिन
		७. आपका क्रम	८. श्री शरद
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०८-१९६९, बुधवार, श्रावण कृष्ण ९ वि.सं. २०२६ पिंडरई, जिला - मण्डला (म.प्र.)	
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी	
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)	
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	आठ प्रतिमा, १९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०११-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)	
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज	
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।	

आर्यिका श्री १०५ अकलंकमति माता जी

विजितमना हो फिर हुए, महामना जिनराज।
हिम्मत बन अरे! मतवाला मत आज॥ ९१॥

आर्यिका श्री १०५ अकलंकमति माता जी

पूर्व का नाम	: बाल ब्रह्मचारिणी साधना जी
पिता का नाम	: श्री धर्मचंद जी जैन (एडवोकेट)
माता का नाम	: श्रीमती प्रेमवती जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	: १. सुषमा २. मीना ३. आपका क्रम ४. रोमा ५. श्री राजेश ६. हंसा
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	: ०४-१०-१९६४, रविवार, आश्विन कृष्ण १४ वि.सं. २०२१ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	: हायर सेकेण्डरी बी.ए. /शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	: ०१-०५-१९८१, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	: ८ प्रतिमा, १९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.) ९ प्रतिमा, जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	: २५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	: आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निकलंकमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ निकलंकमति माता जी

छुआछूत की बात क्या? सुनो और तो और।
फरस रूप से शून्य हूँ, देखूं भोर विभोर॥ ९६॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी बबीता जी
पिता का नाम	:	श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रेम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सरोज २. श्रीमती उमा ३. श्री सुनील ४. आपका क्रम ५. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१४-०१-१९६८, मंगलवार पौष शुक्ल १४ वि.सं. २०२४ रात्रि १२ बजे खिमलासा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में खुरई में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-०४-१९८५ खुरई, जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री निराकुलसागर जी, चचेरे भाई मुनि श्री निर्वाणसागर जी महाराज एवं चचेरी बहिन आर्यिका श्री विनीतमति माता जी हैं जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी

कहीं कभी भी ना हुआ, नदियों का संघर्ष।
मनुजों में संघर्ष क्यों? दुर्लभ क्यों है हर्ष॥ ७०॥

आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुधा जी
पिता का नाम	:	श्री खेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केशर बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री हेमचंद २. स्व. श्री टेकचंद ३. श्रीमती शशि ४. श्रीमती किरण ५. श्री अजित ६. आपका क्रम ७. श्री सुमत ८. श्रीमती सरोज ९. श्रीमती राजकुमारी १०. श्रीमती साधना ११. श्री दिलीप
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०६-११-१९६२, शुक्रवार, कार्तिक शुक्ल ५ वि.सं. २०१९, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-०७-१९८४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री आगममति जी, आर्यिका श्री सौम्यमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बुआ भतीजी है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ स्वाध्यायमति माता जी

शास्त्र पठन जा, गुणन से निज में हम खो जाए।
कटि पर ना, पर अंक में, माँ के शिशु सो जायें॥ ७०॥

आर्यिका श्री १०५ स्वाध्यायमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कुमकुम जी
पिता का नाम	:	श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रकाश बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विजय २. श्रीमती बैजयंती माला ३. श्री पवन ४. श्रीमती बीना ५. श्रीमती सुषमा ६. श्रीमती नीलम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	३०-०७-१९५९, श्रावण कृष्ण ४, बुधवार वि.सं.२०१९ मैनपुरी (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-१०-१९८४, दीपावली, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ नम्रमति माता जी

दृश्य नहीं दर्शन भला, ज्ञेय नहीं है ज्ञान।
और नहीं आतम भला, भरा सुधा मृत-पान॥७२॥

आर्यिका श्री १०५ नम्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी इंद्रा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.पदम चंद २. आपका क्रम ३. ऋषभ कुमार ४. अभिनंदन ५. श्रीमति रानी ६. आशीष
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०५-१२-१९६८, मंगलवार पौष कृष्ण १३/१४ वि.सं. २०२५, बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इन्टरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल द्वार ललितपुर, (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१८-०५-१९८७, सात प्रतिमा सिंरोज (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुल मति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री 105 विनम्रमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विनम्रमति माता जी

समरस अब तो चख जरा, सब रस सम बन जाय।
नयनों उपनयन हो, हरा हरा दिख दिख जाए ॥ ७३ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्नेह जी
पिता का नाम	:	श्री राजकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.स्व. श्रीमती पुष्पलता २. आपका क्रम ३. श्रीमती ममता ४. श्री राजू ५. श्री प्रसन्न
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-१२-१९६८ रविवार, पौष कृष्ण ११ वि.सं. २०२५, बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुलमति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ अतुलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अतुलमति माता जी

दूषण ना भूषण बनो बनो देश के भक्त।
उम्र बढ़े देश की, देश रहे अविभक्त ॥ ७९ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी
पिता का नाम	:	श्री हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती किरण २. श्रीमति ज्योति ३. श्री जिनेन्द्र ४. आपका क्रम ५. श्री जसवंत ६. श्री ऋषभ ७. श्रीमती रेखा ८. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१०-१९६८ बुधवार, आश्विन शुक्ल १३ वि.सं. २०२५ बन्ट, ललितपुर (उ.प्र.) (बाद में ललितपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मिडिल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०५-१९८७ रविवार वैशाख कृष्ण १२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपाल द्वार, ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मुक्तागिरि जी, जिला - बैतूल (म.प्र.) सन् १९९१ में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३, माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका नम्रमति जी, आर्यिका अतुलमति जी, आर्यिका विनम्रमति जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ विशदमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विशदमति माता जी

सुधी पहिनता वस्त्र को, दोष छुपाने भ्रात।
किन्तु पहिन यदि मद करे, लज्जा की है बात॥ ७४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री कुंदन लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री जिनेन्द्र २. श्री महेन्द्र ३. श्री वीरेन्द्र ४. श्री राजेन्द्र ५. श्रीमति फमला ६. श्रीमति चंदा ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०७-०३-१९६९, चैत्र कृष्णा ३ वि.सं. २०२५, रविवार, टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८६, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् १९९२, कुण्डलपुर जी जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पुराणमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ पुराणमति माता जी

ज्ञानोदधि के मथन से, करूँ निजामृत-पान।
पार भवोदधि जा करूँ, निराकार का मान॥ ७१॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मालती जी
पिता का नाम	:	श्री जगन्नाथ प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अभय जैन २. ब्र. संतोष भैया ३. श्रीमती मुन्नी बाई ४. आपका क्रम ५.श्री राजेन्द्र ६. श्री नरेन्द्र ७. श्री महेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२०-०८-१९६७ रविवार, श्रावण शुक्ल १५ रक्षाबंधन, वि.सं. २०२४ झलौन (बाद में जबलपुर) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	प्राथमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरिजी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 विनतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विनतमति माता जी

रही संपदा, आपदा, प्रभु से हमें बचाय।
रही आपदा संपदा, प्रभु से हमें रचाय॥ ५५॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी उषा जी
पिता का नाम	:	श्री जिनेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री देवेन्द्र २. श्री रवीन्द्र ३. श्रीमती प्रभा ४. श्रीमती सुशीला ५. आपका क्रम ६. ब्र. मैना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९-०७-१९६३, शुक्रवार, श्रावण कृष्ण १४ वि.सं. २०२०, शिवपुरी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अंग्रेजी)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	अक्टूबर १९८७, थूवौन जी, गुना (म.प्र.) श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, थूवौन जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विपुलमति माता जी

हित-मित-नियमित-मिष्ठ ही, बोल बचन मुख बोल।
वरना सब संपर्क तज, समता में जा खोल॥ ७५॥

आर्यिका श्री १०५ विपुलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आभा जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममतारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती विभा ३. श्रीमती निशा ४. श्रीमती नीतू ५. श्री अंशुल ६. श्रीमती श्वेता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२०-०१-१९७०, मंगलवार, पौष शुक्ल-१३, वि.सं.२०२६, तेंदूखेड़ा, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०३-१९८९, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोनी जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९२, तीन प्रतिमा, कुण्डलपुरजी जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मधुरमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ मधुरमति माता जी

भार उठा दायित्व का, लिखा भाल पर सार।
उदार उर हो फिर भला, क्यों ना ? हो उद्धार ॥ ७६ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री गोवर्धन जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री राजकुमार २. श्रीमति कल्पना ३. श्री राजेन्द्र ४. श्रीमति शिरोमणि ५. आपका क्रम ६. श्री संजीव ७. श्री ऋषभ
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०९-१०-१९६९, आश्विन शुक्ल ६/७, सोमवार, वि. सं.२०२४, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-११-१९९१ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, ०१-०६-१९९२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ प्रसन्नमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ प्रसन्नमति माता जी

आगम का संगम हुआ, महापुण्य का योग।
आगम हृदयगम तभी, निश्छल हो उपयोग॥ ७७॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेखा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमतीजी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विनोद २. श्रीमती सुनीता ३. श्री प्रमोद ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१७-०७-१९६७, आषाढ़ शुक्ल ११, सोमवार वि. सं. २०२४, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. पूर्वार्द्ध
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०९-१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ प्रशममति माता जी

अर्थ नहीं परमार्थ की, और बढ़े भूपाल।
पालक जनता के बनें, बनें नहीं भूचाल ॥ ७८ ॥

आर्यिका श्री १०५ प्रशममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सीमा जी
पिता का नाम	:	श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती निर्मला २. आपका क्रम ३. श्री राजेश ४. श्रीमती मनीषा ५. कु. नीतू ६. श्री नीरज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१६-०८-१९६७,बुधवार, श्रावण शुक्ल ११, वि. सं.२०२४, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१०-१९९१ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा,०६-०२-१९९२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अधिगममति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अधिगममति माता जी

नहीं गुणों की गृाहिका, रही इन्द्रिया और।
तभी जितेन्द्रिय जिन बने, लखते गुण की ओर॥ ८०॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विमल २. श्रीमती किरण ३.आपका क्रम ४. श्री विनोद ५. ब्र. चंदा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-०१-१९६८, सोमवार, माघ कृष्ण ७ वि. सं. २०२४, अनन्तपुरा, जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में नागपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-११-१९८९, रविवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	०३-०९-१९९१ पहली, दूसरी प्रतिमा मुक्तागिर एवं तीन प्रतिमा २०-०१-१९९३ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मुदितमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ मुदितमति माता जी

सब सारों में सार है, समय-सार उरधार।
सारा सार सार सो, विसार तू संसार॥ ८१॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रमिला जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नन्नूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती भंवरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ज्ञानचंद २. श्रीमती पुष्पा ३. श्रीमती सीता ४. श्री महेश ५. श्रीमती गुणमाला ६. श्रीमती निर्मला ७. आपका क्रम ८. श्रीमती रंजना ९. श्री मनोज
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२६-०९-१९६४ आश्विन कृष्ण ५ वि.सं. २०२१ शाढ़ौरा, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. फाइनल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-११-१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी

साक्षी बनकर विषय का, करते मुनिवर भोग।
पूर्व कर्म की निर्जरा, हो तब शुचि उपयोग॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणि शिरोमणी जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नेमीचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री महेन्द्र २. श्री देवेन्द्र ३. श्री जयकुमार ४. श्री राजकुमार ५. श्री मनीष ६. श्रीमती अनीता ७. श्रीमती ममता ८. श्रीमती अर्चना ९. आपका क्रम १०. बा.ब्र. सरिता (वर्तमान में आ. श्री धवलमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-०६-१९७२, ज्येष्ठ शुक्ल १४ सं.२०२९, रविवार पथरिया जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०६-१९८८ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर में।
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, ०८-०२-१९९२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री१०५ धवलमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अनुगममति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अनुगममति माता जी

दास दास ही न रहे, सदा-सदा का दास।
कनक कनक पाषाण हो, ताप मिले प्रभु पास॥ ९७॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती निर्मला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. पुष्पा दीदी २. श्री सुरेन्द्र ३. आपका क्रम ४. आजाद कुमार
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९७० बीना जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के चचेरे भाई मुनि श्री १०८ विमलसागर जी महाराज है जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अमंदमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अमंदमति माता जी

सागर सम गंभीर बनैं, बनू चन्द्र-सम शान्त।
गगन तुल्य स्वाश्रित रहूँ, हरूँ दीप सम ध्वांत॥ १॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मंजू जी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष २. श्रीमती रानी ३. आपका क्रम ४. श्री विजय ५. श्रीमती सुनीता ६. श्रीमती वंदना ७. श्री राकेश ८. श्री मुकेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२५-०९-१९६९, गुरुवार भाद्रपद शुक्ल १५ वि.सं.२०२६ मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८७
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र थूवौन जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अभेदमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अभेदमति माता जी

चिर संचित सब कर्म को, राख करूँ बन आग।
तप्त आत्म को शान्त भी, करूँ बनूँ गतराग॥ २॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री धर्मचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुलोचना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुधा २. श्रीमती मंजू ३. बा.ब्र. सुनीता दीदी (वर्तमान में आ. श्री अखंडमति माता जी) ४. आपका क्रम ५. श्री प्रदीप जैन ६. बा.ब्र. रविता दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९७२, शनिवार आषाढ़ कृष्ण ५ वि.सं. २०२९ गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक/नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०७-१९८५
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा १९-०६-१९९७ नेमावर, पाँच प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला- दमोह १९९० सात प्रतिमा भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री अभेदमति माता जी एवं आर्यिका श्री अखण्डमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है और एक ही गुरू से दीक्षित है।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ एकत्वमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ एकत्वमति माता जी

हर बार बदल देता मधुवन, हर बाद नगरिया बदली है।
हर बार कफनिया के धागे, हर बार चंदरिया बदली है॥

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी अंगूरी जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री कंछेदी लाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती तेजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्रीमती फूल बाई २. श्रीमती गेंदा बाई ३. श्रीमती क्रांति बाई ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०१-१९५२, मंगलवार माघ कृष्ण ३ वि.सं. २००८ नई गड़िया, बेगमगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	छटवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८१ जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३, माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	०१-१२-२००१, शाम ५:४५ बजे मार्गशीर्ष कृष्ण ११ वि.सं. २०५८ भोपाल (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ कैवल्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ कैवल्यमति माता जी

रस से रीता हूं रहा, ममता की ना गन्ध।
सौरभ पीता हूँ सदा, समता का मकरन्द ॥ ९९ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कुसुम जी (दानी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री मुलायम चंद जी जैन (दानी)
माता का नाम	:	श्रीमती पम्मी बाई जी जैन (दानी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री कमल २. श्री अशोक ३. श्रीमति शकुन ४. आपका क्रम ५. श्री राकेश ६. ब्र. अनीता (वर्तमान में आर्यिका श्री शुभ्रमति माता जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०७-१९६२, आषाढ़ शुक्ल ४, वि. सं. २०१९, मंगलवार, गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-१२-१९८५ अहार जी में महावीर भगवान के निर्वाण दिवस पर श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, १९८९, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका कैवल्यमति जी और आर्यिका शुभ्रमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं और आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ संवेगमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संवेगमति माता जी

तव-मम तव-मम कब मिटे, तरतमता का नाश।
अन्धकार गहरा रहा, सूर्योदय ना पास॥१००॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्नेह जी
पिता का नाम	:	श्री साधुलाल जी जैन (दानी)
माता का नाम	:	श्रीमती जगरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुभाष २. श्रीमती सरस्वती ३. श्रीमती विद्या ४. श्री जिनेन्द्र ५. श्रीमती माया ६. श्रीमती ममता ७. श्री धर्मेन्द ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६६ गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	गोटेगाँव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१८-०२-१९८९ बुधवार
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति माता जी

नमूं भारती भ्रम मिटे, ब्रह्म बनूं मैं बाल।
भार रहित भारत बने, भास्वत भारत भाल॥ ३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता जी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद जी जैन (दानी)
माता का नाम	:	श्रीमती ममता रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति अनीता २. आपका क्रम ३. बा.ब्र. मीनू दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री निकटमति माता जी) ५. श्री सुदीप ६. श्री सोनू
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०७-१९७२, आषाढ़ शुक्ल ५, वि. सं. २०२९, शनिवार, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-२-१९८९, गोटेगाँव जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०१-१९९३ माघ शुक्ल ३ वि.सं. २०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ निर्वेगमति जी एवं आर्यिका श्री १०५ निकटमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित हैं, आपने अनेक पूजन, कविताओं की रचना की हैं।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

जिन शिव सूरि श्रुती श्रमण, जैन धर्म जिन बैन।
चैत्य-चैत्यगृह देव नव, नमूँ जैन दिन रैन॥

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

पूर्व का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी जैन
पिता का नाम	:	श्री
माता का नाम	:	श्रीमती
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती
(जन्म के क्रम से)		४.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	सन् १९१४
दिन/ स्थान/समय		सुकंली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	प्रायमरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१९-०८-१९९३ गुरुवार प्रथम भाद्रपद शुक्ल २
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं.२०५०
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
संघस्थ (पूर्व में)	:	
विशेष	:	
समाधि	:	२१-०८-१९९३ प्रथम भाद्र शुक्ल चतुर्थी शनिवार वि.सं. २०५० प्रात: ५:५५ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर (महा.) (७९ वर्ष की उम्र में समाधि हुई)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ शांतिमति माता जी

वीतराग नव देव ही, शाश्वत सुख आधार।
इनकी पूजा भक्त को, करती भवदधि पार॥

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ शांतिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	श्रीमती मैनाबाई जी जैन
पति का नाम	:	श्री हजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	सन् १९०७ पनागर जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दूसरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	उत्फत राव बाबा जी से
क्षुल्लिका दीक्षा	:	आचार्य श्री सुमति सागर जी से थूवौन जी में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०८-१९९३ रविवार भाद्रपद शुक्ल ५/६ वि.सं. २०५०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
संघस्थ (पूर्व में)	:	
विशेष	:	
समाधि	:	२१-०९-१९९३, मंगल द्वितीय भाद्रपद शुक्ला ६ वि.सं. २०५० मंगलवार को रात्रि १०:५०
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महा.)

आर्यिका श्री १०५ सूत्रमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सूत्रमति माता जी

एक साथ सब कर्म का, उदय कभी ना होय।
बूंद-बूंद कर बरसते, घन, वरना सब खोय॥ २०॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सोना जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हल्कूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मथुरा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री नन्हेलाल २. श्रीमति गुणमाला
(जन्म के क्रम से)		३. श्री सनत ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०७-१९६८, भाद्र कृष्ण १२, वि. सं. २०२५,
दिन/स्थान/समय		सोमवार, बंडा बेलई, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०१-०४-१९८७
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		पिपरिया,तह.-बंडा, जिला-सागर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी जी में १९९७,नासिक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी है, आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति जी आप दोनों चचेरी बहिनें हैं एवं आप सभी एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुनयमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुनयमति माता जी

मन्द-मन्द मुस्कान ले, मानस हंसा होय।
अंश अंश प्रतिअंश में, मुनिवर हंसा मोय।। ८६।।

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी लक्ष्मी जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री चंद्रसेन जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुमिता २. श्री सुरेशचंद्र ३.स्व. श्री मोहनलाल ४. श्रीमती विमला ५.श्रीमती सुनीता ६.श्री सुनील ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०८-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरीजी, जिला - बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.) १९८०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र रेवातट नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२९-१२-२०१९ रविवार, पौष शुक्ल ३ वि.सं. २०२६, भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ सकलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सकलमति माता जी

सन्त पुरुष से राग भी, शीघ्र मिटाता पाप।
उष्ण नीर भी आप को, क्या न बुझाता आप॥ ९४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आशा जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हजारीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गिरजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री इमरती बाई २. श्रीमती काशी बाई ३. स्व. श्री विनीत ४. श्रीमती तारा बाई ५.स्व. श्री संतोष ६. श्री कस्तूरचंद ७. श्रीमती भारती ८. ब्रा.ब्र. कमलेश (वर्त. में आर्यिका श्री सत्यमति जी) ९. श्रीमती राजकुमारी १०. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	११-०२-१९६६, फाल्गुन कृष्ण ४, वि. सं.२०२३, बुधवार रात्रि ८:०० बजे हिनोती जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३, ईसरी (झारखंड)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९८९ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला - दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आ. श्री १०५ सत्यमतिमाता जी है। आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ सविनयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सविनयमति माता जी

खुला खिला हो कमल वह, जब लौ जल संपर्क।
छूटा सूखा धर्म बिन, नर पशु में ना फर्क ॥ ८५ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री खेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती उजियारी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री शिखर चंद २. श्री खुशाल ३. श्री कैलाश ४. श्री प्रकाश ५. श्री केवलचंद ६. मिठ्ठू लाल ७. श्रीमती सुशील ८. विमला ९. सुलोचना १०.मनोरमा ११. इंदिरा १२. माधुरी १३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६९ शाहपुर, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	माध्यमिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८६,शाहपुर जिला - सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९९२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ वृषभमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन है। (आर्यिका श्री १०५ विज्ञानमति जी के संघ में दीक्षित)

आर्यिका श्री १०५ सतर्कमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सतर्कमति माता जी

दिखा रोशनी रोष ना, शत्रु मिल बन जाय।
भावों का बस खेल है, शूल फूल बन जाय॥ १०॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती समुद्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती आशा २. श्रीमती ऊषा ३. श्रीमती राजकुमारी ४. श्रीमती सविता ५. आपका क्रम ६. राकेश ७. राजेश ८. मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	अप्रैल १९६९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८८, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कोनी जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संयममति माता जी

पारस मणि के परस से, लोह हेम बन जाए।
पारस के तो दरश से, मोह क्षेम बन जाए॥ ८॥

आर्यिका श्री १०५ संयममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरोंजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री सुरेन्द्र २. बा.ब्र. प्रवीण जी (वर्तमान में मुनि श्री समतासागर जी) ३. श्रीमती माया ४. बा.ब्र. सुनीता (आ. श्री स्वभावमति माता जी) ५. बा.ब्र. बबीता
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९६७ नन्हीं देवरी, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री सिद्ध क्षेत्र तारंगा जी
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ समतासागर जी एवं बहिन आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति जी हैं, जो आपके गुरु से ही दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ समयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ समयमति माता जी

तीरथ जिसमें अघ धुले, मिलता भव का तीर।
कीरत जग भर में घुले, मिटती भव की पीर॥ ९७॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नंदिनी जी
पिता का नाम	:	श्री जमुना प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विजय रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष २. श्री विमल ३. श्री वीरेन्द्र ४. श्री राजेन्द्र ५. श्रीमति नीलम ६. श्रीमति निरंजना ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०१-१९६७, मार्गशीर्ष कृष्ण ५, वि. सं. २०२३, शनिवार बीना (इटावा) जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. द्वितीय वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७ ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९३
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं.२०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री 105 शोधमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ शोधमति माता जी

नमूं भारती तारती, उतारती उस तीर।
सुधी उतारे आरती, हरती खलती पीर॥ ५॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हरीशचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कपूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.पुष्पा २. किरण ३. सुमन ४. आपका क्रम ५. करूणा ६. शांत कुमार ७. नीलम ८. मीना ९. श्रेयांस कुमार
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९-०९-१९६४, शनिवार भाद्रपद शुक्ल १३, वि.सं. २०२१ नौगाँव जिला- छतरपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-१०-१९, मंगलवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, थूवौन जी जिला अशोकनगर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	६-६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शाश्वतमति माता जी

कौरव रव में गए, पाण्डव क्यों शिव धाम।
स्वार्थ तथा परमार्थ का, और कौन परिणाम॥ ७॥

आर्यिका श्री १०५ शाश्वतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कामिनी जी
पिता का नाम	:	श्री कमलकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती किरण जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमति कविता २. श्री सुधीर ३. आपका क्रम ४. अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२२-०७-१९७२, आषाढ़ शुक्ल १ वि. सं. २०२९ शनिवार, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९९६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़, (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सरलमति माता जी

दीनों के दुर्दिन मिटे, तुम दिनकर को देख।
सोया जीवन जागता, मिटता अघ अविवेक ॥ 6 ॥

आर्यिका श्री १०५ सरलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार २. आपका क्रम ३. श्री चन्द्रेश ४. ब्र. संगीता (वर्तमान में आर्यिका श्री शीलमति माता जी है)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१८-०७-१९६६, सोमवार, प्रथम श्रावण कृष्ण १, वि. सं. २०२३, प्रात: ९ बजे, गुना (म.प्र.),
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०४-१९९१, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात, कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री शीलमति माता जी है आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ शीलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ शीलमति माता जी

सुर नर यति पति पूजते, सुध बुध सभी विसार।
गुरू गौतम गणधर नमूं, उमंग से उर धार॥ ४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संगीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार जी २. ब्र. अनीता (सरलमति माताजी) ३. श्री चन्द्रेश जी ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२२-१२-१९७२, पौष कृष्ण २/३, वि. सं. २०२९, शुक्रवार, रात्रि १२ बजे, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०६-१९९१, सोमवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९५, चार प्रतिमा, कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री सरलमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ सुशीलमति माता जी

भार रहित मुझे भारती, कद दो सहित सुमाल।
कौन संभाले माँ बिना, माँ! यह है वाल॥ ३२॥

आर्यिका श्री १०५ सुशीलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुषमा जी
पिता का नाम	:	श्री धर्मचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति अजंता २. श्री दिनेश ३. श्रीमति सुमन ४. श्रीमतिबेबी ५. आपका क्रम ६. श्री धन्य कुमार ७. श्री सुकुमाल
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१२-०६-१९६४, ज्येष्ठ शुक्ल ३, वि. सं. २०२१ शुक्रवार चरगुंवा, जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. अर्थशास्त्र
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०६-१९९० श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, १९९६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शैलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ शैलमति माता जी

शत-शत सुर-नर-पति करें, वंदन शत-शत वार।
जिन बनने जिन चरण रज, लूँ मैं सिर पर सार॥ ३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता जी
पिता का नाम	:	श्री रामगोपाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अभय २. श्रीमती अनीता ३. आपका क्रम ४. श्रीमती आभा ५. श्री अरूण ६. श्रीमती अंजू
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०३-१०-१९६८, आश्विन शुक्ल १२, वि. सं. २०२५ गुरुवार बरेला, जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. ए. प्रथम वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-१२-१९९० गुरूवार, पौष शुक्ल ११ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी जिला- नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १९९७ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी जी (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शीतलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री जानकी प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती नन्थी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कोमलचंद २. श्रीमती अनंतकुमारी ३. श्री वीर कुमार ४. श्री ऋषभ कुमार ५. आपका क्रम ६. श्री प्रकाशचंद ७. श्री बालचंद
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१७-०७-१९७०, शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल १३/१४, वि.सं. २०२७ शाहगढ़ (बाद में बंडा बेलई) जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-०३-१९८७ बंडा, जिला सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी, जिला- जूनागढ़ (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शीतलमति माता जी

तन की गरमी तो मिटे, मन की भी मिट जाए।
जहां पर उभय सुख, अमिट अमित मिल जाय॥ ९१॥

आर्यिका श्री १०५ श्वेतमति माता जी

अंत किसी का कब हुआ, अनंत सब ये सन्त।
मिटता सा लगे, पतझड़ पुनः बसन्त॥ ६०॥

आर्यिका श्री १०५ श्वेतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता जी
पिता का नाम	:	श्री धनपाल जी जैन (मेहता)
माता का नाम	:	श्रीमती कंचनबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती इन्द्रा २. श्री राजेन्द्र ३. श्री कमलेश ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-०२-१९७१, सोमवार, माघ शुक्ल ७, वि. सं. २०२७, बागीदौरा, जिला- बांसवाड़ा (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ए.टी.सी. शिक्षिका
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुरजी, जिला - दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, सन् १९९४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सारमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सारमति माता जी

क्रूर भयानक सिंह भी, फना उठाते नाग।
तीर्थ जहाँ पर शान्त हो, लपटों वाली आग॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री लक्ष्मीचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्री विजय २. श्रीमती राजकुमारी ३. श्री महेन्द्र ४. स्व. देवकुमारी ५. श्रीमती चमेली ६. श्रीमती मालती ७. श्री ऋषभ ८. श्रीमती माला ९. श्री राजेश १०. श्रीमती माधु ११. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२८-०६-१९७१, आषाढ़ शुक्ल ६, वि.सं. २०२८, सोमवार डोंगरगाँव जिला-राजनांदगाँव (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए., एल.एल.बी. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतंगी जी, नासिक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सत्यार्थमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सत्यार्थमति माता जी

संग रहित बस! अंग है, यथा जात शिशु ढ़ंग।
श्रमण जिन्हें मम् नमन हो, मानस में न तरंग॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री कपूरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अर्चना जैन २. श्रीमती अनीता जैन ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अलका जैन ५. श्रीमती कविता जैन ६. श्री रविकांत जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१२-०२-१९७४, माघ कृष्ण ६, वि.सं. २०३०, मंगलवार, कटनी (म.प्र.) (बाद में नागपुर)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०१-१९८९, अतिशय क्षेत्र पनागर जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.) १९९०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	०४-०१-२०२१ सोमवार, पौष कृष्ण ६ वीर निर्वाण संवत् २५४७ वि.सं. २०७७, जबलपुर (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ सिद्धमति माता जी

क्या था, क्या हूँ, क्या बनूँ ? रे मन! अब तो सोच।
वरना मरना वरण कर, बार-बार अफसोस॥

आर्यिका श्री १०५ सिद्धमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति जी
पिता का नाम	:	श्री बसंत कुमार जी दरबार जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती राजकुमारी जी दरबार जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. श्री सुनील ३. आपका क्रम ४. श्रीमती दीपा ५. श्री सुशील ६. श्री सुधीर
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२४-०१-१९७२, पौष कृष्ण १२, वि. सं. २०२७, रविवार, विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१०-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी (०६-०२-१९९२ श्वेत वस्त्र) मुक्तागरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा बड़ोदरा गुजरात में १६-०१-१९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सुसिद्धमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सुसिद्धमति माता जी

पुनः भस्म पारा बने, मिले खटाई योग।
बनो, सिद्ध पर मोह तज, करो शुद्ध उपयोग॥ ८९॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वंदना जी
पिता का नाम	:	श्री शीतल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुदर्शन २. श्री सुरेश ३. श्री नरेन्द्र ४. श्रीमति अंजना ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१२-२-१९७०, माघ शुक्ल ७, गुरुवार, वि. सं. २०२६ शहपुरा (भिटौनी), जिला- जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०६-१९९०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, सन् १९९४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विशुद्धमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विशुद्धमति माता जी

काया का कायल नहीं, काया में हूँ आज।
कैसे काया कल्प हो, ऐसा कर तप काज॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पलता जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेश चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सविता २. श्रीमती अभिलाषा ३. श्रीमती हेमलता ४. आपका क्रम ५. श्री नीलेश ६. श्रीमती रीना ७. श्रीमती रीना ८. श्रीमती रेखा ९. कु. रिंकी १०. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-०८-१९७५, श्रावण शुक्ल १०, वि. सं. २०३२, शनिवार केवलारी जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	जनवरी १९९२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १५-०५-१९९७ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिद्धवर कूट जी खण्डवा (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

तभी फूल जब शूल हो, पूजन साधन सार।
संत संगति का फल मिले, भव सागर पार॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आशा जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन (सब इंजीनियर)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती अर्चना ३. डॉ. बा.ब्र. नीलम जी ४. श्री जितेन्द्र ५. श्रीमती नेहा
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२३-०८-१९६९, शनिवार श्रावण शुक्ल ११ वि.सं. २०२६, जैतपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत प्रथम वर्ष), एम.कॉम., प्राकृतिक चिकित्सा कोर्स, विशारद
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०९-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, सन् १९९४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

थक जाना ना हार है, पर लेना है श्वास।
रवि निशि में विश्राम ले, दिन में करे प्रकाश॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्वाति जी
पिता का नाम	:	श्री टेकचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सवित्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संजय २. आपका क्रम ३. श्री स्वास्तिक ४. श्री स्वरित
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१७-०७-१९७२, प्रात: १०:३० बजे आषाढ़ शुक्ल ७, वि.सं. २०२९, सोमवार जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-११-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

देह गेह का नेह तज, आतम हो अनुभूत।
स्नेह जले दीपक तभी, करे उजाला पूत॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती विमलेश २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री मनोज ४. सुधा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-०३-१९६७, माघ कृष्ण ८, वि.सं. २०२३,
दिन/स्थान/समय		शनिवार, मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. प्रथम वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०-०१-१९८९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मण्डी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		सिद्धवर कूटजी क्षेत्र (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट
		नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

प्रभु चरणों में हार कर, शस्त्र डालकर काम।
विनीत हो पूजक बना, झुक-झुक करें प्रणाम॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निर्मला जी
पिता का नाम	:	श्री मन्नू लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र २. श्रीमती आशा ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता ५. श्रीमती अंजना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-०६-१९६५, आषाढ़ कृष्ण ८, वि.सं. २०२२ मंगलवार, मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-१२-१९८९ मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, २०-०४-१९९७ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूटजी क्षेत्र खण्डवा (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

नाम बने परिणाम तो, प्रमाण बनता मान।
उपसर्गों से क्यों डरो ? पार्श्व बने भगवान॥ २६॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरोज जी
पिता का नाम	:	श्री हेम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति कंचन २. श्रीमती उषा ३. श्रीमती आशा ४. श्रीमती सुधा ५. आपका क्रम ६. श्री मुकेश ७. श्री मनोज ८. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१६-०६-१९६७, द्वितीय आषाढ़ शुक्ल ०७ वि.सं. २०२६, बुधवार, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर, (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, सन् १९९६ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

ज्ञान तथा वैराग्य ये, शिव पथ साधक दोय ।
खडगढाल से भूप ज्यों, श्री यश धारक होय॥

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री शांतिलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति स्वर्णलता २. श्री कैलाश ३. अनीता जैन ४. आपका क्रम ५. श्री ललित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०८-१९७४, श्रावण शुक्ल १४, गुरूवार वि.सं. २०३१, खजुरिया जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढिया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, सन् ०७-०२-१९९६ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पावागढ़ जी क्षेत्र (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

दोष रहित आचरण से, चरण पूज्य बन जाय।
चरण धूल तक सिर चढ़े, मरण पूज्य बन जाय॥

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेखा जी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी बजाज
माता का नाम	:	श्रीमती शशि बाई जी बजाज
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सीमा २. आपका क्रम ३. श्री अमित ४. श्रीमती अंजली
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१४-१२-१९७४, शनिवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १ वि.सं. २०३७, अशोकनगर, जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०५-१९९५ सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, १४-०१-१९९७ भरूच (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुधारमति माता जी

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुधारमति माता जी

मदन माल का मूल मन, मूल मिटा प्रभु आप।
मदनजयी, जित मान हो, पावन अपने आप॥ २३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवल चंद्र जी कठ्रया
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी कठ्रया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति कुसुम २. श्रीमति गीता ३. श्रीमति निर्मला ४. श्री प्रमोद ५. आपका क्रम ६. श्री प्रवीण ७. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०४-०१-१९६४, रविवार, माघ कृष्ण ५ वि.सं.२०२० अशोकनगर, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०१-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला- बैतूल (म.प्र.) अक्षय तृतीया
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, १९९४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
पूर्व में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
समाधि	:	१८-०८-२०१९, रविवार, भाद्रपद कृष्ण ३ वि.सं. २०७६ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो जिला-छतरपुर (म.प्र.)
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

उच्च फूलों में जनम ले, नदी निम्मना होय।
शान्ति, पतित को भी मिले भाव बड़ो का होय॥

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी
पिता का नाम	:	श्री लखमीचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री शिखरचंद २.श्रीमति कमला ३. श्रीमति सरोज ४. श्री प्रमोद ५. आपका क्रम ६. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०१-१९६३ सोमवार, माघ कृष्ण ११वि.सं. २०१९ सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८०,सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, १९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक विधान, अनुष्ठान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा के कार्य संपन्न हुए। रजत के विशेष मंगल द्रव्य जिन मंदिर में स्थापित हुये।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नलिनी जी 'नीलू'
पिता का नाम	:	श्री जय प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती द्रोपदी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री विकास
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१७-०५-१९६६, ज्येष्ठ कृष्ण १२, मंगलवार वि.सं. २०२३, दिल्ली
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (12वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-१०-१९८३ ईसरी (झारखंड)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, ०१-०१-१९९७ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके सानिध्य में अनेक महाविधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि मांगलिक कार्य हुए। आपके द्वारा मूकमाटी पर विशेष रचना की गयी है। भगवती आराधना ग्रंथ पर आचार्य श्री की वाणी का कार्य जारी है।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

जिनवर आंखे अध खुली, जिनमें झलके लोक।
आप दिखे सब देख ना, स्वस्थ रहे उपयोग॥

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

मानव का फल फल नहीं, कल कल नदी निनाद।
पंछी का कलरव रूचे, मानव तज उन्माद॥ १३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी किरण जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सरस्वती २. डा. मुन्नालाल जैन ३. श्रीमति सरला ४. आपका क्रम ५. ब्र.बा. सविता ६. श्रीमति संध्या
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१०-०४-१९६५, चैत्र शुक्ल ९, शनिवार वि.सं. २०२२ बंडा बेलई, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०९-१९८५,शनिवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, सन् १९९२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। गृहस्थ जीवन के आपके चचेरे भाई मुनि श्री १०८ निरामयसागर जी आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

सूर्योदय से मात्र ना, ऊष्मा मिले प्रकाश।
सूरदास तक को मिले, दिशा बोध अविनाश॥

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रश्मि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री सिंघई के.सी. जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती कांता बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति उषा २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०७-०४-१९७१, चैत्र शुक्ल १२, शुक्रवार (महावीर जयंती) जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-१०-१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् १९९० नरसिंहपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. ब्र. विमल २. आपका क्रम ३. ब्रा.ब्र. सविता (वर्तमान में अनुत्तरमति जी) ४. बा.ब्र. अंजू जी (आ. अगाधमति जी) ५. श्री विनोद ६. श्रीमती सुनीता ७. ब्र. मीना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०८-०१-१९६८ सोमवार, पौष शुक्ल ८, वि.सं. २०२४ पिपरिया (वर्तमान में बांदकपुर), जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी (अक्षय तृतीय) जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. श्री १०५ अनुत्तर मति जी, आ. श्री १०५ ओंकारमति जी एवं आ. श्री १०५ अगाधमति माताजी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं आपके पिता श्री क्षुल्लक अनुग्रह सागर जी है, आप सभी एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

सार सार का ग्रहण हो, असार को फटकार।
नहीं चालनी तुम बनो, करो सूप सत्कार॥

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

नहीं व्यक्ति को पकड़ तू, वस्तु धर्म को जान।
मान तथा बहुमान दे, विराटता का गान॥

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संध्या जी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. स्व. साधना ३. स्व. सुरभि ५. स्व. श्री मनोज ५. सविता ६. श्री मनीष ७. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२४-०९-१९६९, भाद्र शुक्ल १४, बुधवार दोप. ०१:०४ वि.सं.२०२६, वनगाँव, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०१-१९८८, श्री दिगम्बर जैन क्षेत्रपाल मंदिर ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

चाव भाव से धर्म कर, उज्ज्वल कर ले भाल।
माल नहीं पर भाव सेवन तू मालामाल॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री नवीन २.श्री सुनील ३.श्रीमती सुषमा ४. आपका क्रम ५. श्री सतीश ६. श्री जिनेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-१०-१९६८, रात्रि १० से ११ बजे बुधवार माघ कृष्ण ९, वि.सं. २०२४ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०१-१९९०, मंगलवार (म.प्र.) १३-०७-१९९२, श्वेत वस्त्र धारण श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा,७-८-१९९७ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन)श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

यम-संयम-दम-नियम ले, कर आगम अभ्यास।
उदास जग दास बन, प्रभु का सो सन्यास॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विद्युत जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री मुकेश ३. श्रीमती सुमन ४. श्री विवेक
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२८-०६-१९७०, प्रातः ६:३० रविवार अषाढ़ कृष्ण १० वि.सं. २०२६ टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०३-१९९०, पथरिया, जिला-दमोह (म.प्र.) १३-०७-१९९२, श्वेत वस्त्र धारण कुण्डलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, १२-०२-१९९२ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४ सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उचितमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ उचितमति माता जी

वश में हो सब इन्द्रियाँ, मन पर लगे लगाम।
वेग बढ़े निर्वेग का, दूर नहीं फिर धाम॥ ३५॥

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम :	स्व. श्री केवल चंद जी जैन
माता का नाम :	श्रीमती सोना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१.आपका क्रम २. ब्र. अनीता ३. श्री मनोज ४. विनीता ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय :	०७-१०-१९७३, सोमवार आश्विन शुक्ल ५ वि.सं. २०३०, अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	०४-०५-१९९३ मंगलवार, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बीना वारह जी जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, (गुजरात), १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

स्वयं तिरे ना तारती, कभी अकेली नाव।
पूजा नाविक की करो, बने पूज्य तब नाव॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती जी
पिता का नाम	:	श्री मधुकर राव जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिभा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मंगला २. श्रीमती नलिनी ३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता ५. श्री प्रशांत ६. श्रीमती सरिता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१६-०७-१९६९, आषाढ़ शुक्ल १०, रविवार वि.सं. २०२६, काटोल, जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.(हिन्दी), डी.एड. एवं बी.ए. बी.एड., शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-०७-१९९० नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, १९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

गुरू चरणों की शरण में, प्रभु पर हो विश्वास।
अक्षय सुख के विषय में, संशय का हो नाश॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अर्चना जी
पिता का नाम	:	श्री उत्तम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनीता २. आपका क्रम ३. श्रीमती संगीता ४. श्री सुनील ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२६-११-१९७३, आश्विन कृष्ण १२, सोमवार वि.सं. २०३०, अभाना, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् १९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट जी क्षेत्र
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

जठरानल अनुसार हो, भोजन का परिणाम।
भावों के अनुसार ही, कर्म बंध-फल काम॥

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सविता जी
पिता का नाम	:	श्री नंदराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती आशा २. स्व. जिनेन्द्र ३. श्रीमती सुनीता ४. श्री नरेन्द्र ५. स्व. अनीता ६. आपका क्रम ७. श्रीमती संगीता ८. श्री धर्मेन्द्र ९. श्री सत्येन्द्र १०. कु. सपना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२-०९-१९७४, गुरुवार, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण ११, १२:३० रात्रि वि.सं. २०३१ कंदवा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०९-१९९५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.) १८-०६-१९९७, श्वेत वस्त्र धारण नेमावर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी जी क्षेत्र में १९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

सब में वह ना योग्यता, मिले न सबको मोक्ष।
बीज सीझते सब कहाँ, जैसे टर्रा मोठ॥

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी श्रीमती लक्ष्मी बाई जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री राय बहादुर प्यारेलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गिरिजा बाई जी जैन (पति स्व. श्री डॉ. सुमेरचंद जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्रीमती ललिता बाई २. श्रीमती चंपा ३. स्व. श्रीमती मालती बाई ४. श्री प्रकाशचंद्र ५. स्व. श्री कैलाश चंद्र ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२५-०८-१९४० रविवार सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ (मुनि श्री क्षमासागर जी से) जिला-दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, गुजरात में १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
पूर्व में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२५-०५-२०१८ गुरुवार प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल १० वी.नि.सं. २५४४ प्रात: ११:१५ व्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.)

आर्यिका १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि दीदी
पिता का नाम	:	श्री धन्ना लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २.राकेश ३.सुनीता ४. श्री राजेश ५. श्री सुनील
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९६१, मोराजी सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (11वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा , श्री सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.) सात प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

शत-शत सुर नर पति करे, वंदनशत्-शत् बार।
जिन बनने जिन चरण रज, लूँ मैं सिर पर सार॥ ३॥

आर्यिका १०५ तथ्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ तथ्यमति माता जी

सार-सार दे शारदे, बनूं विशारद धीर।
सहारा दे तार दे, उतार दे उस तीर॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी	
पिता का नाम	:	श्री बुधमल जी जैन (चौधरी)	
माता का नाम	:	श्रीमती बादामी बाई जी जैन	
भाई-बहिन के नाम	:	१. स्व. श्री सुगन जैन	२. श्रीमती शशि
(जन्म के क्रम से)		३. श्री अनिल	४. श्रीमती गुणमाला
		५. श्री सुनील	६. श्रीमती ममता
		७. श्री संजय,	८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८-०१-१९७२, शनिवार, माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०२८, गुना (म.प्र.)	
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)	
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०९-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेद्ध मुक्तागिरी जिला-बैतूल (म.प्र.)	
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, ०९-१२-१९९७ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)	
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज	
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।	

आर्यिका १०५ वात्सल्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ वात्सल्यमति माता जी

तन मन को तप से तपा, स्वर्ण बनूं छविमान।
भक्त बनू भगवान को, भजूं बने भगवान॥

पूर्व का नाम :	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम :	स्व. श्री गुलझारी लाल जी जैन
माता का नाम :	स्व. श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से) :	१. श्री अभय, २. श्री विनय, ३. श्रीमती अनीता, ४. श्रीमती सुनीता, ५. आपका क्रम, ६. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय :	१५-०६-१९६५, मंगलवार आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं. २०२२, शाहपुर, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१२-०७-१९८४, चतुर्दशी, गुरुवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ) :	श्री सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान :	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष :	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पथ्यमति माता जी

शीत करूँ सब पाप को, हरूँ ताप वन शान्त।
गति आगति रति मिटे, मिले आप निज प्रान्त॥

आर्यिका १०५ पथ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रजनी दीदी
पिता का नाम	:	श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती उज्जवला २.आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती प्रीति ४. श्री सुमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०१-१९७२, माघ कृष्ण ८, शनिवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२८ गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०५-१९९१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, खेड़ाग्राम
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ जागृतमति माता जी

चेतन का जब जतन हो, सो तन की हो धूल।
मिले सनातन धाम सो, मिटे तनातन भूल॥

आर्यिका १०५ जागृतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संतोष दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री माणिकचंद जी पाटौदी
माता का नाम	:	श्रीमती तारा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती कनकलता २. श्रीमती विमला ३. श्री आनंद ४. श्रीमती किरणलता ५. श्री अशोक ६. आपका क्रम ७. श्री अनिल ८. राजकुमार ९. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१९६८, कुचामन सिटी, नागौर (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एच.एस.सी. (आर्ट्स)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३-१२-१९८३
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२,७,८,९ प्रतिमा सन् १९८४ में
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

फूल राग का घर रहा, काय रहा विराग।
तभी फूल का पतन हो, राग त्याग तू जाग॥ ३९॥

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. श्रद्धा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री वन्शीधर जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चमेली बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री गुलाब जी, २. श्रीमती अंगूरी, ३. श्री विनोद जी, ४. श्री वीरेन्द्र जी, ५. स्व. श्रीमती पद्मा, ६. श्री अहमेंन्द्र, ७. आपका क्रम, ८. बा. ब्र. सुनंदा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०५-०७-१९७२, बुधवार, पिपरिया, आषाढ़ कृष्ण ९ वि.सं. २०२९ (बाद में बंडा में निवास) जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. डवल (हिन्दी, संस्कृत), डी.एन.वाय.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०७-१९९३, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी एवं आर्यिका श्री १०५ सूत्रमतिमाता जी आपके गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन है जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

जीव जिलाना, जालना, दिया जलाना कार्य।
भूल भुलाना, भूलना, शिव-पथ में अनिवार्य॥ ४५॥

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. देविका जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती आशारानी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.श्री विनय जी ३. श्रीमती रेणुका जी ४.श्रीमती सृजुला
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०४-११-१९६९, शनिवार, कार्तिक कृष्ण १४ वि.सं. २०२९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (डवल) एम.ए.एन.डी. आस्टिमोपैथी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

विकसित हो जीवनलता, विसलित गुण के फूल।
ध्यानी मौनी सूंघता, महक उठे आमूल॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना दीदी
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सरोज २. श्री अनिल ३. श्रीमती शशि ४. श्री आजाद ५. आपका क्रम ६. श्रीमती मंजू ७. श्री सुनील ८. श्री संतोष ९. श्रीमती सीमा १०. श्रीमती सपना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९६६, गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९६, सूरत (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

रसना रस गुण को कभी, ना चख सकती भ्रात।
मधुरादिक पर्याय को, चख पाती हो ज्ञात॥ ६०॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पद्मश्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुडचे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुडचे) जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.बा.ब्र.राजश्री (वर्तमान में आर्यिका विरतमति जी) ३. श्री बाहुबली जी ४. कु.भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०७-१९७८, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं. २०३५, जुगूल, जिला बेलगाँव, कर्नाटक
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मार्च २००१ करेली, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका विरतमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और दोनों बहन एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

सीधे सीझे शीत हैं, शरीर बिन जीवन्त।
सिद्धों को शुभ नमन हो, सिद्ध बनूं श्रीमन्त॥ १॥

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी राजश्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुड़चे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुड़चे) जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.बा.ब्र.पद्म श्री (वर्तमान में आर्यिका निष्काममति जी) २.आपका क्रम ३. श्री बाहुबली जी ४. कु. भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२०-११-१९७९, मंगलवार, मार्गशीर्ष शुक्ल-१ वि.सं. २०२६, जुगूल, जिला बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, जिला-देवास म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मार्च २००१ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आर्यिका निष्काममति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और ये एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

प्रभु दिखते तब और ना, और समय संसार।
रवि दिखता तो एक ही, चन्द्र साथ परिवार॥ २०॥

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी राखी दीदी
पिता का नाम	:	श्री नवीन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिमा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्री नितिन
(जन्म के क्रम)		३. श्री नीलेश ४.कु. रचना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-०६-१९७६ शुक्रवार,आषाढ़ कृष्ण ८
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३५, विदिशा,(म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०४-१९९८, भाग्योदय, सागर(म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, २०००
		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

शिवपथ नेता जितमना, इन्द्रिय जेता धीश।
तथा प्रणेता शास्त्र के, जय जय जय जगदीश॥ ३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती ममता २.श्रीमती रंजना ३. श्री मनीष
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री मनोज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०८-१९७२, रविवार श्रावण शुक्ल ४
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२९ पिंडरई, जिला - मण्डला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१२-१२-१९९०, रामटेक (महाराष्ट्र)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, विदिशा (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन आर्यिका श्री शुक्लमति माता जी है जो आपके ही गुरु से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

प्रतिभा की इच्छा नहीं, आभा मिले अपार।
प्रतिभा परदे की प्रथा, आभा सीधी पार॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी बबीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री अजित कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री राजीव ३. श्री संजीव
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२-१२-१९७१, गुरुवार मार्गशीर्ष शुक्ल १५ (पूर्णिमा) सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाज शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०९-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र रेवातट नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

मूर्तिक इन्द्रिय विषय भी, मूर्तिक है पर्याय।
तभी सुधी उपयोग का, करते हैं स्वाध्याय॥ ६३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी श्वेता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री वंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनिता ३. श्रीमती विनीता ४. श्रीमती बबीता ५. श्री दीपक ६. बा.ब्र.दिलीप जी (वर्तमान में मुनि श्री निर्वेगसागर जी) ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-११-१९७५, शनिवार कार्तिक कृष्ण २, वि.सं. २०३२, छिंदवाड़ा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा (विदिशा)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी है एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

तभी मनोरथ पूर्ण हो, मनोयोग थम जाय।
विद्या रथ पर रूढ़ हो, तीन लोक नम जाय॥ ९२॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. मीनू दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री शिखर चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनीता २. बा.ब्र. विनीता जी (वर्तमान में आर्यिका श्री निर्वेगमति जी) ३. आपका क्रम ४. श्री संदीप ५. श्री सुदीप
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०२-११-१९७४, शनिवार, कार्तिक शुक्ल ३ वि.सं. २०३१ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डबल एम.ए. (संस्कृत, फिलासफी), एन.डी.वाई. एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०८-१९९५, वि.सं. २०६२ श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	नहीं
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका निर्वेगमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

सौरभ के विस्तार हो, नीरस न रस कूप।
नमूं तुम्हें तुम तम हरो, रूप दिखाओ धूप॥ ९४॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रीति दीदी
पिता का नाम	:	श्री विमल कुमार जी सतभैया
माता का नाम	:	श्रीमती आशारानी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजकुमार २. बा.ब्र. संजय जी ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१३-०५-१९६९, मंगलवार ज्येष्ट कृष्ण १२ वि.सं. २०२६, नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. डी.बी.एम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०८-१९९३, महावीर जयंती रामटेक महाराष्ट्र
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा १९-०६-१९९७ नेमावर (म.प्र.) ७ प्रतिमा भाग्योदय तीर्थ सागर, (म.प्र.) (मुकुट सप्तमी)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

धर्म धनिकता में सदा, देश रहे बल जोर।
भवन वही बस चिर टिके, नीव नहीं कमजोर॥ ८८॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मनीष २. स्व.अरविंद जी ३. आपका क्रम ४. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	११-०८-१९८०, सोमवर, श्रावण शुक्ल १, वि.सं २०३७ कदवाँ (बाद में बण्डा) सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०५-१९९६, शाहपुर जिला- सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, ०१-०८-२००५, मढ़िया जी जबलपुर
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

इसी भांति सब इन्द्रियाँ, ना जाने गुण-शील।
इसीलिए उपयोग में, रमते सुधी सलील॥ ६२॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेणु दीदी
पिता का नाम	:	श्री आनंद प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वदेश जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनीता २. आपका क्रम ३. श्री राजेश ४. श्री कमल
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२३-१२-१९६७, शनिवार, पौष कृष्ण ७, वि.सं. २०२४
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी), बी.एड. डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०८-१९८८
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	६ प्रतिमा, २००४ अमरकंटक (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चैत्यमतिमाता जी

साधु-सन्त कृत शास्त्र का, सदा करो स्वाध्याय।
ध्येय, मोह का प्रलय हो, ख्याति-लाभ व्यवसाय॥ ७२॥

आर्यिका श्री १०५ चैत्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरोजनी (पप्पी) दीदी
पिता का नाम	:	श्री महेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अन्नपूर्णा २. आपका क्रम ३. श्री अविनाश ४. रेश्मा ५. श्री पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८-१०-१९७०, आश्विन शुक्ल १ वि.सं. २०२७ सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३०-१२-१९९३, रामटेक
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् २०००, अमरकण्टक (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पृथ्वीमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ पृथ्वीमति माता जी

चेतन में ना भार है, चेतन की ना छांव।
चेतन की फिर हार क्यो ? भाव हुआ दुर्भाव॥ १००॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना दीदी
पिता का नाम	:	श्री खुशाल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती आशारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री श्रेयांश २. श्री पारस ३. साधना ४. अर्चना ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-१२-१९७६, गुरुवार मार्गशीर्ष शुक्ल ११ वि.सं. २०३३ गनेशगंज शाहपुर जिला सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०७-१९९७, कटनी, (म.प्र.) (पंचकल्याणक में)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, नेमावर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निर्मदमति माता जी

विशद पूर्ण मम हो, विभाव मुझसे दूर ।
ध्यान विषय का तव स्मरुँ, स्वभाव सुख पूर ॥३७॥

आर्यिका श्री १०५ निर्मदमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मनीषा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री राजकुमार जी देवड़िया
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती चंद्रप्रभा जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजू २. श्रीमती बबली ३. आपका क्रम ४. श्रीमती मेनका ५. श्री पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२२-०२-१९७५, शनिवार माघ शुक्ल ११ वि.सं. २०३१ नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०३-२००३, नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	पहली प्रतिमा, सन् २००३ नेमावर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई ।

आर्यिका श्री १०५ पुनीतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ पुनीतमति माता जी

जिनबिम्ब दर्शन से जिन्होंने, मोह मिथ्यातम हरा।
उन भव्य जीवों को मिला है, एक दिश शिव सुख खरा॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी दीपा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री फूलचंद जी सिंघई
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती विमला जी सिंघई
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्री विजय २.श्रीमती सुनीता ३. श्रीमती सुषमा ४.श्री अनिल ५. श्री प्रदीप ६. श्रीमती संगीता ७. श्री संजय, ८. श्री शैलेष ८. आपका क्रम १०. श्रीमती सरिता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२६-१०-१९७२, शुक्रवार, कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) वि. सं. २०३० खुरई, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य), (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०५-१९९८ भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई

आर्यिका श्री १०५ विनीतमति माता जी

दीप कहाँ दिनकर कहां, इन्दु कहां खद्योत।
कूप कहां सागर कहां, यह तोता प्रभु पोत॥ ८७॥

आर्यिका श्री १०५ विनीतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना जी गुरहा (जैन)
पिता का नाम	:	स्व. श्री भागचंद जी गुरहा (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुमन २. श्रीमती सुधा ३. अखिलेश ४. श्रीमती साधना ५. रजनी ६. आपका क्रम ७. श्रीमती मंजू
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२४-०१-१९७५ गुरुवार, माघ कृष्ण १० वि.सं. २०३१ खुरई जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. हिन्दी साहित्य
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९९६, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, गोम्मटगिरी इंदौर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ निकंलकमति जी आपकी गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन है, चचेरे भाई मुनि श्री १०८ निर्वाण सागर जी महाराज एवं भतीजे मुनि श्री १०८ निराकुल सागर जी है आप सभी एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ मेरुमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ मेरुमति माता जी

हुआ पतन बहु बार है, पा करके उत्थान।
वही सही उत्थान है, हो न पतन सम्मान॥ ९३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संगीता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री पवन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंद्रप्रभा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.श्रीमती मोनिका ३.श्रीमती अभिलाषा ४.अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०८-१९७४, प्रथम भाद्रपद शुक्ल ८ वि.सं. २०३१ खुरई जिला - सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९९६, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	पाँच प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आप्तमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ आप्तमति माता जी

क्रोध कांपता, बिचकता, मान भूल निज भाव।
लोभ लौटता दूर से, मेरे देख स्वभाव॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीरा दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.आपका क्रम २.श्रीमती सीमा ३.श्री योगेश ४.श्री नरेन्द्र ५. श्री अखिलेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०७-१९७६, गुरुवार, आषाढ़ शुक्ल १ वि.सं. २०३३ बरा, तह. बण्डा (बेलई) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-१२-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दूसरी प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उपशममति माता जी

योग, भोग, उपयोग में, प्रधान हो उपयोग।
शिव पथ में उपयोग का, सुधी करे उपयोग॥ ५९॥

आर्यिका श्री १०५ उपशममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वाणी श्री दीदी
पिता का नाम	:	श्री देवकुमार जी जैन नैनार
माता का नाम	:	श्रीमती विजय लक्ष्मी जी जैन नैनार
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. जय श्री २. आपका क्रम ३. अजित प्रसाद
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२६-०५-१९७९, ज्येष्ठ शुक्ल १, शनिवार, वि.सं. २०३६ चैय्यार, जिला- तिरूवन्नामल (तमिलनाडु)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४-०२-१९९९, पुन्नूर मलै (तमिलनाडु)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, सन् २००० वि.सं. २०६२ पुन्नूर मलै (तमिलनाडु)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ध्रुवमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ ध्रुवमति माता जी

गगन गहनता गुम गई, सागर का गहराव।
हिला हिमालय दिल विभो। देख सही ठहराव॥ ९६॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी पम्मी दीदी		
पिता का नाम	:	स्व. श्री सतीश कुमार जी जैन		
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती संतोषलता जी जैन		
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम	२. कल्पना	३. राजेश
(जन्म के क्रम से)		४. नेहा	५. ललित	६. कपाली
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०६-०६-१९६५, सोमवार, ज्येष्ठ शुक्ल ९, वि.सं.		
दिन/ स्थान/समय		२०२२ काँसाबेल जिला- जसपुर (छत्तीसगढ़)		
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. बायोलॉजी		
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८२, कुनकुरी, (छत्तीसगढ़)		
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान				
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	रामटेक (महाराष्ट्र)		
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५		
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र		
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)		
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज		
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।		

आर्यिका श्री १०५ असीममति माता जी

आर्यिका श्री १०५ असीममति माता जी

नहीं सर्वथा व्यर्थ हैं, गिरना भी परमार्थ।
देख गिरे को, हम जगे, सही करें पुरूषार्थ॥ ९५॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मनीषा दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. राजेश २.श्रीमती राजकुमारी ३.श्रीमती रजनी ४.श्रीमती संध्या ५.श्रीमती अनीता ६. आपका क्रम ७. श्रीमती राखी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-०१-१९७६, बुधवार, पौष शुक्ल १२ वि.सं. २०३२ जिला-दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९५, बीना बारहा तीर्थक्षेत्र (म.प्र.) ड्रेस चेंज श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला- बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा,करेली, जिला-नरसिंहपुर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ गौतममति माता जी

ज्ञायक बन गायक नहीं, पाना है विश्वास।
लायक बन नायक नहीं, जाना है शिव धाम॥

आर्यिका श्री १०५ गौतममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २. श्री सनत ३. आपका क्रम ४. श्री आनंद ५. श्रीमती प्रीति
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१९-०७-१९७७, मंगलवार, श्रावण शुक्ल ३, वि.सं. २०३४ पथरिया जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात, सन् २००२, बण्डा जिला-सागर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संयतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संयतमति माता जी

परघर में क्यों घुस रही, निज घर तज यह भीड़।
पर नीड़ो में कब घुसा, पंछी तज निज नीड़॥ ६९॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंपा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. अजय २. आपका क्रम ३. श्रीमती नीतू ४. श्रीमती रानी ५. सोनू ६. अमित
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२६-०६-१९७४, शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ९ वि.सं. २०३१, कुंभराज जिला - गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी, समाजशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-११-१९९२, कुण्डलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	७ प्रतिमा, सन् १९९९ तिलवारा, जबलपुर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अगाधमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अगाधमति माता जी

ना दे अपने पुण्य को, पर के ना ले पाप।
पाप-पुण्य से हैं परे, प्रभु अपने में आप॥ ४९॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. ब्र. विमल भैया २.बा.ब्र. ममता दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री ऊँकारमति जी) ३.बा. ब्र. सविता (वर्तमान में आर्यिका श्री अनुत्तरमति जी) ४. आपका क्रम ५.विनोद ६. श्रीमती सुनीता ७. ऋषभ ८. बा.ब्र.मीना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२९-१२-१९७४, रविवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १५ वि.सं. २०३१ पिपरिया, जिला-दमोह(म.प्र.) (बाद में बांदकपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, सन् २००४, बिलासपुर, (छ.ग.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. श्री १०५ अनुत्तरमति जी, आ. श्री १०५ ऊँकारमति जी एवं आ. श्री १०५ अगाधमति माता जी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं आपके पिता श्री क्षु. अनुग्रह सागर जी है, आप सभी एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

प्रभु को लख हम जागते, वरना सोते घोर।
सूर्योदय प्रभु आप हैं, चन्द्रोदय है और॥ २३॥

आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जी जैन बड़कुल
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती नीलम २. नीलेश ३. आपका क्रम ४. प्रीति ५. राखी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२४-०९-१९७८, रविवार, आश्विन कृष्ण-८ वि.सं. २०३५, चरगुवां जिला-जबलपुर (म.प्र).
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (आर्ट्स)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०३-२००२ परसोरिया जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, ३१-०४-२००४, बिलासपुर (छ.ग.) सात प्रतिमा जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ मंगलमती माता जी आपकी गृहस्थ अवस्था की छोटी बहन है एवं आपके गुरु से ही दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ मार्दवमति माता जी

दुबला पतला हूँ नहीं सवल समल ना मूढ़।
रूढ़ नहीं हूँ प्रौढ़ ना, व्यक्त नहीं हूँ गूढ़॥ ४०॥

आर्यिका श्री १०५ मार्दवमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी वंदना दीदी
पिता का नाम	:	श्री कुन्दन लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती संतोष रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. विनीत कुमार २. श्रीमती विनीता जैन
(जन्म के क्रम से)		३. विनय जैन ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१०-०७-१९७६, शनिवार आषाढ़ शुक्ल १४
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३३, चरगँवा, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१६-३-२००२, परसोरिया (आजीवन व्रत)(ड्रेस चेंज)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, अमरकंटक (म.प्र.)
		३१-०७-२००४
आर्यिका दीक्षा	:	१३-२-२००६, सोम. माघशुक्ल १५, वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.))
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मंगलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ मंगलमति माता जी

धन जब आता बीच में, वतन सहज हो गौण।
तन जब आता बीच में, चेतन होता मौन॥ ३८॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रीति दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जैन बड़कुल
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती नीलम २. नीलेश ३.बा.ब्र. ज्योति ४.आपका क्रम ५. राखी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०३-१९८१, शनिवार, चैत्र कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३७ चरगवाँ,जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७-०२-२०००, करेली, नरसिंहपुर, (म.प्र.) १६-०३-२००२, परसोरिया (म.प्र.) ड्रेस चेंज
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा रामटेक, तीन प्रतिमा दयोदय जबलपुर, सात प्रतिमा श्री कुण्डलपुर सिद्धक्षेत्र (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका १०८ मंगलमति जी एवं आर्यिका १०८ निर्वाणमति जी आप दोनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ परमार्थमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ परमार्थमति माता जी

आने वाला आयेगा, जग दो दिन का खेल।
रैनबसेरा है अरे! परिजन का यह मेल॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी कीर्ति दीदी
पिता का नाम	:	श्री बवनराव जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २.आरती
(जन्म के क्रम से)		३. पंकज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०१-१९८३, गुरुवार पौष शीर्ष कृष्ण-१४
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०३९, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (अंग्रेजी)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२१-१०-२००२, (काकेगाँव)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		शरद पूर्णिमा, नेमावर तीर्थ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, रामटेक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ध्यानमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ ध्यानमति माता जी

राग बिना आतम दुखे, आतम बिन ना राग।
धूम बिना तो आग हो, धूम नहीं बिन आग॥ ४६॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मधु दीदी
पिता का नाम	:	श्री महेन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. नीलेश २. श्रीमती मंजू
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती प्रीति ५. नीरज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२७-०९-१९७८, बुधवार आश्विन कृष्ण १०
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३५ , टड़ा, जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०२-०३-२००२, बण्डा पंचकल्याणक
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, २७-०९-२००२, नेमावर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विदेहमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विदेहमति माता जी

खोया जो है अहम में, खोया उसने मोल।
खोया जिसने अहम को, खोजा धन अनमोल॥ ६५॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री दयाचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांति जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. कुसुम २. श्री संतोष ३. श्री विजय ४. श्रीमती सरोज ५. श्रीमती शकुन ६. आपका क्रम ७. बा.ब्र. विनोद जी ८. ब्रा.ब्र. शिरोमणि दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१३-०९-१९७२, रविवार वैशाख शुक्ल -१२ वि.सं. २०३० जैतपुर, (डोमा) जिला-सागर, (म.प्र.) (बाद में नागपुर में निवास रहा)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०४-२००४ गुरुवार (अक्षय तृतीया)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, 28 फरवरी, रामटेक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अवायमति माता जी

त्रिभुवन जेता काम भी, दोनों घुटने टेक।
शीश झुकाते दिख रहा, जिन चरणों में देख॥ ७६॥

आर्यिका श्री १०५ अवायमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नीलम दीदी
पिता का नाम	:	श्री सुभाषचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सीमा २. शैलेन्द्र ३. आपका क्रम ४. धर्मेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	३१-१२-१९८३, शनिवार पौष कृष्ण १२ वि.सं. २०४० पिंडरूवा जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०३-२००२, बण्डा, जिला-सागर, (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, सन् २००५, श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र बीना वारह जी, जिला सागर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पारमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ पारमति माता जी

कानों से तो हो सुना, आँखों देखा हाल।
फिर भी मुख से न कहे, सज्जन का यह ढाल॥ ८६॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ममता दीदी
पिता का नाम	:	श्री हरप्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. अरविन्द २. श्रीमती माया
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती मनोरमा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०७-१९७७, श्रावण शुक्ल १ वि.सं. २०३४
दिन/ स्थान/समय		बहेरिया (गौरझामर) जिला- सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१७-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१८-०४-२००२, भोपाल
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	०९-०७-२००४, रामटेक, (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आगतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ आगतमति माता जी

न्यायालय में न्याय ना, न्यायशास्त्र में न्याय।
झूठ छूटता, सत्य पर, टूट पड़े अन्याय ॥ ५५ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री नन्हूराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केसरबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री मुन्ना ३. श्री राकेश ४. श्रीमती अनीता ५. श्री अरविन्द ६. श्रीमती किरण ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१४-०७-१९७६, बुधवार श्रावण कृष्ण ३ वि.सं. २०३३ गढ़ाकोटा, जिला-सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (फिजिक्स), एम.ए. (संस्कृत) पी.जी.डी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-०१-२००३, सागर (म.प्र.) आजीवन व्रत
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	०९-०७-२००४, रामटेक (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माता जी

निर्धनता वरदान है, अधिक धनिकता पाप।
सत्य तथ्य की खोज में, निर्गुणता अभिशाप ॥ ६२ ॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी जूली दीदी
पिता का नाम	:	श्री ज्ञानचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अल्पना २. बा.ब्र. प्रदीप जी (वर्तमान में मुनि श्री अचलसागर जी) ३. आपका क्रम ४. श्री आलोक
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०७-१९७८, शनिवार आषाढ़ शुक्ल १० वि.सं. २०३५ बहेरिया जिला-सागर, (म.प्र.) (बाद में रामपुरा सागर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (मानव शास्त्र), एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०५-१९९८, भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.) १८-०५-२००४, रामटेक (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा सन् २००४ में 'दयोदय तीर्थ' जबलपुर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ अचलसागर जी हैं एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अदूरमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ अदूरमति माता जी

धोओ मन को धो सको, तन को धोना व्यर्थ।
खोओ गुण में खो सको, धन में खोना व्यर्थ॥ ७५॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम	:	श्री मिट्ठनलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती समुद्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री धन्यकुमार २. श्री आनंद ३. श्रीमती राशि ४.श्रीमती अनीता ५. आपका क्रम ६. सुशीला
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०७-१९६३, सोमवार श्रावण कृष्ण ९ वि.सं. २०२० शहपुरा (भिटौनी) जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-१०-१९८८ मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, ०२-११-२००१ तिलवारा, जबलपुर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ स्वभावमति माता जी

आप अधर में भी अधर, आप स्ववश हो देव।
मुझे अधर में लो उठा, परवश हूँ, दुर्दैव॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती चिरोंजा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र १. बा.ब्र. प्रवीण (वर्तमान में मुनि समतासागर जी) ३.श्रीमती माया ४. बा.ब्र. ममता जी (आर्यिका संयममति जी) ५. आपका क्रम ६. बा.ब्र. बबीता जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०८-१९७०,शुक्रवार श्रावण शुक्ल ५ वि.सं. २०२७ (नागपंचमी) नन्हीं देवरी जिला-सागर.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७, नैनागिरी जी तीर्थ सागर (म.प्र.) २०००, भाग्योदय (सागर)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, अमरकंटक (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ समतासागर जी एवं बहिन आर्यिका संयममति माता जी है। आप तीनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ धवलमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ धवलमति माता जी

तन-मन से औ वचन, पर का कर उपकार।
नीति रीति तू पाल ले, शाश्वत शिव उपहार॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नेमिचंद्र जी फट्टा
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती लक्ष्मी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री महेन्द्र जी २. श्री देवेन्द्र जी ३. श्रीमती अनीता ४. श्रीमती ममता ५. श्रीमती अर्चना ६.बा.ब्र. शिरोमणी दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री सहजमति माता जी) ७. श्री मनीष ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०१-१९७६,पौष कृष्ण अमावस्या वि.सं. २०३२ पथरिया, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-१०-१९९७, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.) कुण्डलपुर (आजीवन व्रत)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	कुण्डलपुर, दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री १०५ सहजमति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ विनयमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ विनयमति माता जी

प्रतिदिन दिनकर दिन करे, फिर भी दुर्दिन आय।
दिवस रात या रात दिन, करनी का फल पाय॥ १३॥

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आकांक्षा दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री इन्द्राज २. श्रीमती सुनीता ३. श्रीमती साधना ४. श्री प्रदीप ५. श्री सुनील ६.मनीष ७.आपका क्रम ८. आराधना
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१५-०८-१९७८, मंगलवार, श्रावण शुक्ल ८ वि.सं. २०३५ शाहपुर, गनेशगंज जिला- सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-११-१९९८, रविवार भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समितिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सपना दीदी
पिता का नाम	:	श्री खूबचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मालती बाई जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती अल्पना २. श्री राजेश
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्री महेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२४-०९-१९७८, बुधवार आश्विन कृष्ण ११
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३७ मझगुंवा, शाहपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (इतिहास)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०६-०६-२००५, कुण्डलपुर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं.२०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समितिमति माता जी

स्वर्गों में ना भेजते, पटके ना पाताल।
हम तुम सबको जानकर, प्रभु तो जाननहार॥

आर्यिका श्री १०५ अमितमति माता जी

भूल नहीं पर भूलना, शिव पथ में वरदान।
नदी भूल गिरि को करे, सागर का संधान॥ १९॥

आर्यिका श्री १०५ अमितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम	:	श्री लालचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभारानी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सरोज २. श्री प्रमोद ३. श्रीमती संध्या ४. आपका क्रम ५. राजेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१-०१-१९७२, शनिवार माघ कृष्ण १ वि.सं. २०२८ जिला दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९२, कुण्डलपुर, (म.प्र.) (आजीवन व्रत)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, कुण्डलपुर, जिला-दमोह, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ परममति माता जी

कटुक मधुर गुरूवचन भी भविक चित्त हुलसाय।
तरूण अरूण की किरण भी सहज कमल विकसाय॥ ५६॥

आर्यिका श्री १०५ परममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	श्री सनत कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुमन जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री संजीव २. श्री सुदीप
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती सपना ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०४-१९८२, शनिवार वैशाख कृष्ण ८
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३९, कर्रापुर, सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९६, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१४-०२-२००६ गुरुवार
		बण्डा जिला-सागर (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चेतनमति माता जी

सत्ता का सातन्य सो, सत्य रहा है, तथ्य।
सत्ता का आश्रय रहा, शिव पथ में है पथ्य॥ ५७॥

आर्यिका श्री १०५ चेतनमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रियंका दीदी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुन जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति सुमन २. नितिन कुमार
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१६-०६-१९८६, शुक्रवार ज्येष्ठ कृष्ण १४
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०४३ सांगा, जिला दमोह, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.(इलेक्ट्रानिक्स)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१६-०७-२००५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र, बीना वारहा जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	जिला-सागर, (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ मननमति माता जी

अमर उमर भर भ्रमर बन, जिन पद में हो लीन।
उ पद में पद चाह बिन, बनने नमूँ नवीन॥

आर्यिका श्री १०५ मननमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निधि दीदी
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. नेहा ३. श्री नवीन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०३-१९८२, रविवार चैत्र शुक्ल ३ वि.सं. २०३९ राँझी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम., एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०२-२०००, करेली (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५, वि.सं. २०६२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ चारित्रमति माता जी

वेग बढ़े इस बुद्धि में, नहीं बढ़े आवेग।
कष्टदायिनी बुद्धि है, जिसमें जा संवेग॥ ६७॥

आर्यिका श्री १०५ चारित्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी स्वाति दीदी
पिता का नाम	:	श्री ज्ञानचंद्र जी जैन (बजाज)
माता का नाम	:	श्रीमती चंपा बाई जी (बजाज)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.श्रीमती सुनीता २. मनोज ३. राकेश ४. राजेश ५. राजीव ६. आपका क्रम ७. राहुल
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१६-०१-१९७९, मंगलवार माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०३५, जैसीनगर जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी), एम.ए. (संस्कृत प्रिवियस)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-१०-२००४, तिलवारा जिला-जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ श्रद्धामति माता जी

क्षेत्र काल के विषय में, आगे पीछे और।
ऊपर नीचे देखता, ओर दिखे न छोर॥

आर्यिका श्री १०५ श्रद्धामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी ज्योति दीदी
पिता का नाम	:	श्री जयकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती राजमति जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती प्रतिभा २. श्रीमती रश्मि ३. आपका क्रम ४. श्रीमती रोशनी ५. राजेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२८-०४-१९८२, बुधवार वैशाख शुक्ल ५ वि.सं. २०३९ जैसीनगर जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत) प्रीवियस
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७-१२-२००५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उत्कर्षमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी
पिता का नाम	:	श्री देवचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती रेशम जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. सतीश २. आपका क्रम ३. ब्र. अनीता ४. नीतेश ५. रंजीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-०६-१९८०, बुधवार द्वितीय ज्येष्ठ कृष्ण १३ वि.सं. २०३६ जैतपुर कोपरा, देवरी,सागर, (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.(गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०००, बीना बारह, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१७-०३-२००५ श्री दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र बीना बारह, देवरी सागर, (म.प्र.)(आजीवन व्रत)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उत्कर्षमति माता जी

पुण्य कर्म अनुभाग को, नहीं घटाता भव्य।
मोह कर्म की निर्जरा, करना है कर्तव्य॥ ९२॥

आर्यिका श्री १०५ संगतमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ संगतमति माता जी

ज्योर्तिमुख को नित नमूँ, छूटे भव-भव जेल।
सत्ता मुझको मम दिखे, ज्योति-ज्योति का मेल॥ ३६॥

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी सूर्यकुमारी (दीदी)
पिता का नाम	:	श्री अपौडे राज जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गांधर्व मति जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री उदयन कुमार २. आपका क्रम ३. चन्द्रा ४. इन्द्रा ५. श्री पृथ्वीराज
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-१०-१९४५, बुधवार आश्विन शुक्ल ४ वि.सं. २००२ काँचीपुरम् (तमिलनाडु)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८०, पुन्नूरमलई, (तमिलनाडु)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	१९९९, पुन्नूरमलई, तमिलनाडु
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ लक्ष्यमति माता जी

आर्यिका श्री १०५ लक्ष्यमति माता जी

जब भी मुझे गम की धूप में झुलसता पाते है।
गुरू बन के घटा आकाश पे छा जाते है॥

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी सुशीला बाई जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री हजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती पूना बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती गजरा बाई २. श्री शीलचंद्र ३.आपका क्रम ४. श्री लक्ष्मीचंद्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१३-०१-१९४१, सोम पौष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं १९९८ ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पाँचवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८७, ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा गंजपंथा (महाराष्ट्र) आचार्य सुमतिसागर जी से
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोमवार, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी प्रभा सिंघई
पिता का नाम	:	श्री सेठ हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमति क्रांति ३. श्रीमति सरोज ४. श्रीमति सुशीला ५. श्रीमती विनोद ६. श्रीमती सुधा ७. ब्र. हेमलता (आर्यिका श्री प्रभावनामति माता जी) ९. श्री राकेश ९. ब्र.राजुल (आर्यिका श्री भावनामति माता जी) १०. श्री सुनील ११. श्रीमति अंतिम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२२-०१-१९४६, माघवदी ६, वि.सं.२००२ पिठौरिया, तह.खुरई (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (अर्थशास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	पति-पत्नि दोनों ने स्वयं
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, जबलपुर चातुर्मास २००४
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६,सोमवार, माघसुदी १ वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका श्री १०५ भावनामति, श्री १०५ प्रभावनामति, आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें हैं एवं आप तीनों एक ही गुरू से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ भक्तिमति माता जी

रग-रग में करुणा भरे, दुःखी जनों को देख।
विश्व सौख्य में अनुभवूँ, स्वार्थ सिद्धि की रेख॥ ४१॥

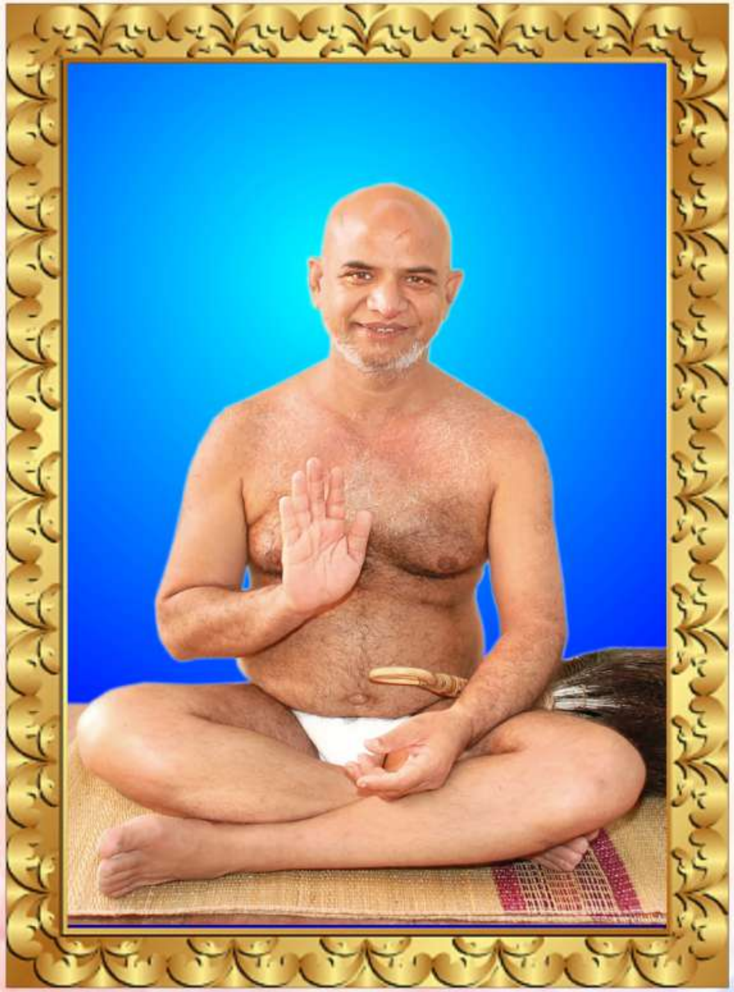

समाधिस्थ एलक श्री १०५ निःशंकसागर जी महाराज

हजारों रोज जन्मते हैं, हजारों ही वे मरते हैं।
कोई-कोई ही यहाँ आकर के, अच्छा काम करते हैं॥

समाधिस्थ एलक श्री १०५ निःशंकसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महेश जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री राजधरलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ज्ञानीदेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश चंद जी २. श्रीमती चंदा जैन ३. श्रीमती कल्पना जैन ४. आपका क्रम ५. श्री कमलेश जी ६. बा.ब्र. मुन्नी जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	११-०८-१९६२ शनिवार (रक्षाबंधन) श्रावण शुक्ल 15 वि.सं. २०१९ बंडा (बेलई) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि जी जिला- छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३ प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३ गुरूवार वि.सं. २०३९,सम्मेद शिखर जी (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई है। आपके सानिघ्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य संपन्न हुए। अनेक कृतियों का सृजन हुआ।
समाधि	:	१६-१२-२०१४,सोमवार पौष कृष्ण ९ वि.सं. २०७१ रात्रि २ बजे लगभग बंगला चौराहा, मुँगावली जिला-अशोकनगर (म.प्र.)

एलक श्री १०५ दयासागर जी महाराज

एलक श्री १०५ दयासागर जी महाराज

धुन के पक्के कर्मठ मानव, जिस पथ पर बढ़ जाते हैं।
एक बार तो नरक को भी स्वर्ग बना दिखलाते हैं॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सतीश जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रभा चन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. बा.ब्र. सुमन दीदी (वर्तमान में आर्यिका श्री गुरूमति माता जी) २. आपका क्रम ३. श्री सुशील ४. श्री सुरेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	३०-१२-१९५७, सोमवार पौष शुक्ल ९ वि.सं. २०१४ खटौरा (कला) (बाद में बण्डा में निवास) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिर जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३, गुरुवार फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३९ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी मधुवन, जिला-गिरडीह (बिहार)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी है, जो आपके गुरू से ही दीक्षित है। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा पाठशाला, शिविर आदि कार्य संपन्न हुए। अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

एलक श्री १०५ निश्चयसागर जी महाराज

एलक श्री १०५ निश्चयसागर जी महाराज

खेती पाती विनती, परमेश्वर को जाप।
पर हाथों कीजै नहीं, कीजे आपों आप॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. ऋषभ कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री उत्तमचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सूरज देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुनील २. श्रीमती अंजना ३. आपका क्रम ४. श्रीमती मीना ५. श्री राजेश
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२५-०८-१९६२ शनिवार, भाद्रपद कृष्ण ११ वि.सं. २०१९ जैसीनगर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०२-१९८५, सोमवार बीना जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ल १२ वि.सं. २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०७-१९९८ आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४ मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज आपके गृहस्थ जीवन के मौसी के लड़के है और आपके ही गुरू से दीक्षित है। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि कार्य संपन्न हुए। अनेक कृतियों का सृजन किया।

एलक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज

एलक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज
पर वाह नहीं अगर जमाना खिलाफ हो।
रास्ता वही चलेगा जो नेक और साफ हो॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. सुमन कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री गुलजारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीला देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कस्तूरचंद जी २. श्री आपका क्रम ३. श्रीमती शकुन जैन ४. श्रीमती लीलावती
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-१९५८ गुरुवार, द्वितीय श्रावण कृष्ण १४ वि.सं. २०१५ गढ़ाकोटा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८-०३-१९७८, मंगलवार पटेरिया जी, गढ़ाकोटा जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१,गुरुवार वैशाख शुक्ल ३, वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला, पाठशाला आदि के कार्य संपन्न हुए। आपने अनेक कृतियों का सृजन किया।

एलक श्री १०५ संपूर्णसागर जी महाराज

जिंदगी के वास्ते कोई रोग लगा ले।
जिंदगी कटती नहीं सेहत के सहारे॥

एलक श्री १०५ संपूर्णसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री शीतलचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सतेन्द्र जी २. श्री सुदर्शन जी ३. ब्र. सुषमा दीदी ४. ब्र. सुभाषिनी जी ५. बा.ब्र. अर्चना (वर्तमान में आ. श्री विलक्षणा मति माता जी) ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१२-०६-१९६६ रविवार, आषाढ़ कृष्ण ९ वि.सं. २०२३ टड़ा, (बाद में सागर में निवास) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८३, (ईसरी) बिहार (झारखंड)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१,गुरुवार, वैशाख शुक्ल ३, (अक्षय तृतीया) वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४, वि.सं. २०४८, गुरूवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री१०५ विलक्षणामति माताजी हैं जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

एलक श्री १०५ नम्रसागर जी महाराज

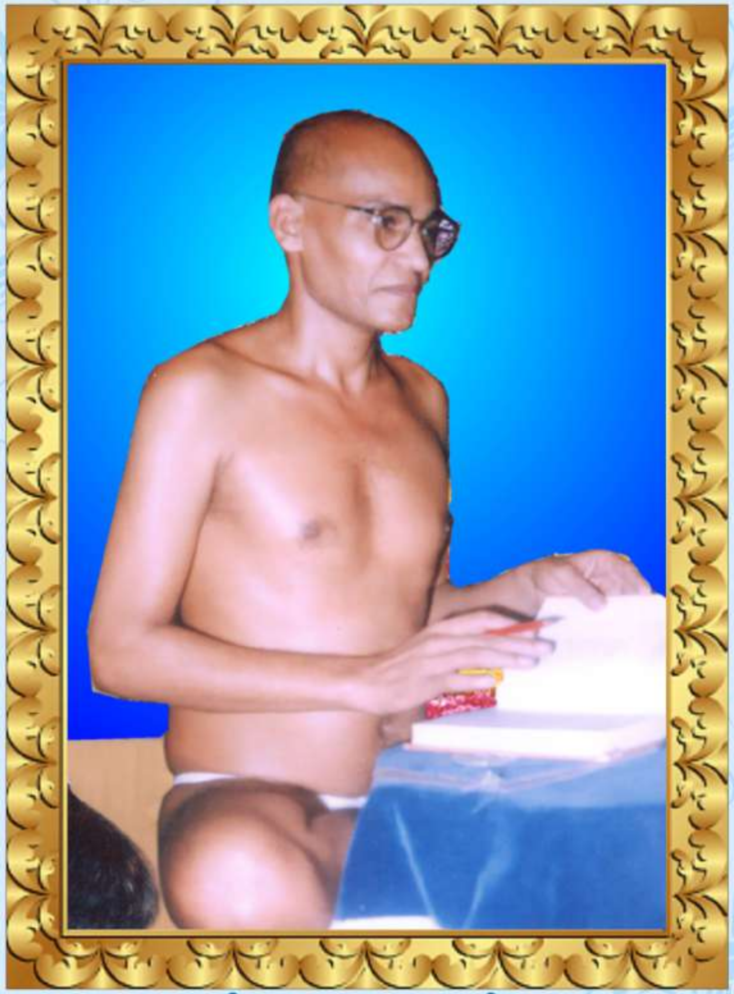

एलक श्री १०५ नम्रसागर जी महाराज

एक अक्षर यदि ज्ञान का, जो गुरू देय बताय।
दुनिया में कोई वस्तु नहीं, जो देकर चुक जाए॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केतकी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री दुलीचंद २. श्री विजय ३. आपका क्रम ४. श्री राजेश ५. श्री संदीप ६. श्रीमती राजकुमारी ७. श्रीमती राजमति ८. श्रीमती मीना ९. श्रीमती लाला
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२४-०९-१९६९, बुधवार, भाद्र शुक्ल १४, वि.सं. २०२६ धनौरा, जिला-सिवनी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, घंसौर, जिला-सिवनी (म.प्र.) (मुनि श्री १०८ सरल सागर जी से)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१, गुरुवार आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१२-०७-१९९४, आषाढ़ शुक्ल १४, वि.सं.२०५१, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि के कार्य संपन्न हुए। आपने अनेक कृतियों का सृजन किया।

समाधिस्थ एलक श्री १०५ आनंदसागर जी महाराज

देव दृष्टि आधार हैं, शास्त्र बोध आगार।
गुरूसमुद्र पतवार हैं, जग जन तारणहार।।

समाधिस्थ एलक श्री १०५ आनंदसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. गोरेलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री चतुर्भुज प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ३. श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९६८ भाद्रपद शुक्ल १४ वि.सं. तारई जिला-अशोक नगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	तीसरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०४-१९९९ मंगलवार, चैत्र कृष्ण ८ वि.सं. २०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१३-०४-१९९७ रविवार, चैत्र शुक्ल ६ वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२१-०४-१९९७ मंगलवार, चैत्र शुक्ल चतुर्दशी वि.सं. २०५४ रात्रि १०:२५ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)
विशेष	:	२१-०४-१९९७ को संलेखना में आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं ८१ पिच्छीधारी साधु उपस्थित थे।

एलक श्री १०५ विवेकानंदसागर जी महाराज

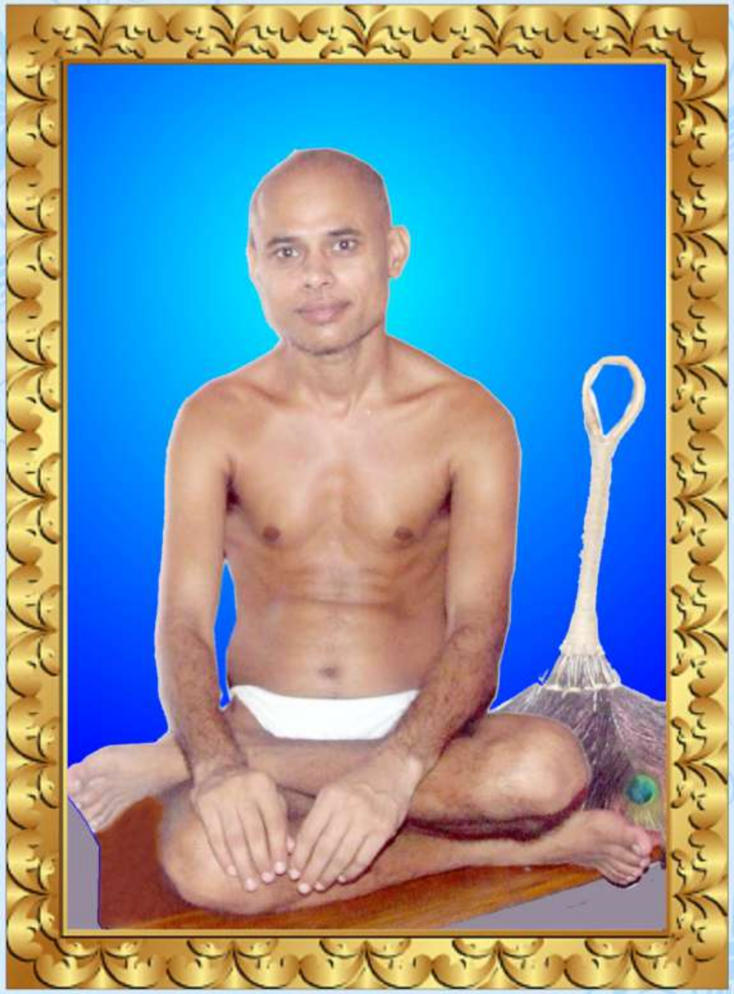

एलक श्री १०५ विवेकानंदसागर जी महाराज

गुरू से शिष्य की कौन सी बात अनजानी है ?
सागर को मालूम है बूँद में कितना पानी है ?

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अरूण कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चन्द्र जी जैन (सिंघई)
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. आपका क्रम ३. श्रीमती अनीता ४. श्री अमित ५. श्रीमती अर्चना ६. श्री आशीष ७. श्रीमती अनुभूति ८. श्री अखिलेश
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७-०२-१९७१ बुधवार, फाल्गुन कृष्ण ७ वि.सं. २०२७ , मजंगुआ देवरी, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (द्वितीय वर्ष) गणित
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०२-१९९३, श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)(मुनि श्री सरलसागर जी से)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-०२-१९९७, शनिवार, माघ शुक्ल १५ वि.सं. २०५३, पटना, बुजुर्ग रहली, जिला-सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरू	:	मुनि श्री सरल सागर जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०२-२००८,शुक्रवार, माघ शुक्ल ९, वि.सं. २०६४ पंचकल्याणक में, तप कल्याणक के दिन, गंज बासौदा जिला-विदिशा (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला, पाठशाला आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए। अनेक कृतियों का सृजन किया। आप व्याकरण, न्याय में दक्ष है।

एलक श्री १०५ उपशमसागर जी महाराज

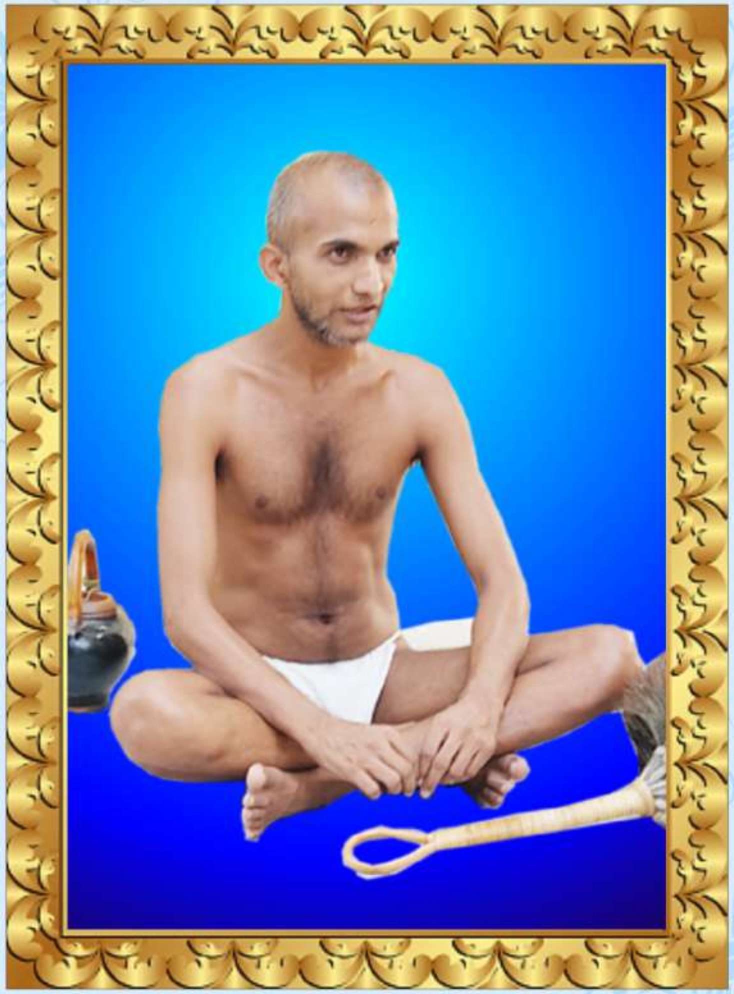

एलक श्री १०५ उपशमसागर जी महाराज

शांति प्रभु की भक्ति ही, मम जीवन आधार।
युगों युगों तक में नहीं, भूलूगाँ उपकार॥

पूर्व का नाम	:	**सचिन बाबूराव गिताजे**
पिता का नाम	:	श्री बाबूराव जिन्नपा गिताजे
माता का नाम	:	श्रीमती सुवर्णा बाबूराव गिताजे
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुकान्त जी २. श्रीमती मंगला जी ३. श्री संजय जी ४. श्रीमती सुरेखा जी ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०४-०४-१९८३ सोमवार, फाल्गुन कृष्ण ७, वि.सं. २०३९ प्रातः ८ बजे, आलास तहसील शिरोल जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (इतिहास)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६-०५-२०११, ज्येष्ठ कृष्ण ९
क्षुल्लक दीक्षा	:	१४-०२-२०१३, गुरुवार माघ शुक्ल ४ आलास तहसील शिरोल जिला कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	मुनि श्री १०८ अर्हदबलि जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०४-२०२१ चैत्र कृष्ण ११, बुधवार वी.नि.सं. २५४७ वि.सं. २०७७, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपका क्षुल्लक अवस्था में श्री १०५ समताभूषण जी महाराज नाम था।

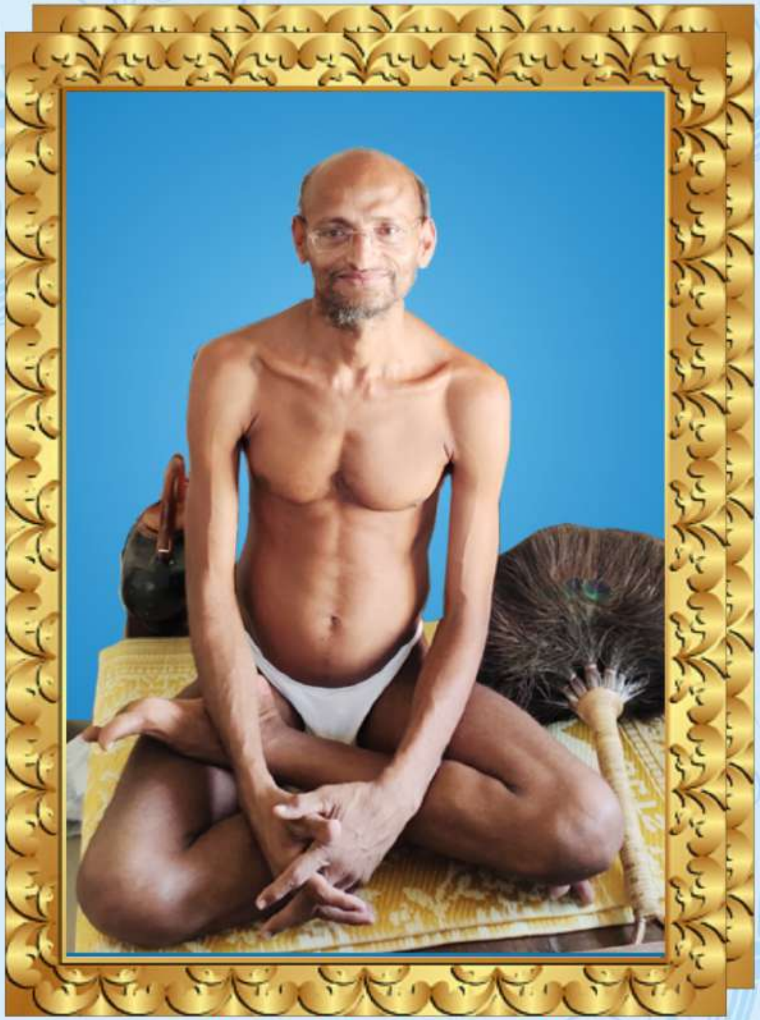

एलक श्री १०५ निजानंदसागर जी महाराज

धर्म अहिंसा की पूजा, व्रत को करना साथ।
धर्म अहिंसा भी पालो, यही मुक्ति का राज॥

एलक श्री १०५ निजानन्दसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री दिनेश कुमार जैन
पिता का नाम	:	श्री केवलचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मीना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमति सपना जैन २) श्री आशीष कुमार जैन ३) आपका क्रम ४) श्री रजनीश कुमार ५) श्री राहुल कुमार जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-१२-१९७७, देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९६, पठारी जिला- विदिशा (म.प्र.) मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज
क्षुल्लक दीक्षा	:	१७-१२-१९९८ लटेरी जिला-विदिशा (म.प्र.) नाम- क्षुल्लक श्री १०५ देवानंदसागर जी महाराज
क्षुल्लक दीक्षा गुरु		मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-०२-२०२२, माघ शुक्ल पंचमी (बसंत पंचमी) शनिवार, वी.नि.सं. २५४८ वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प. पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने ब्रह्मचर्य साधना रहस्य, संभलो और संभालो, नारी के गुण एवं कर्त्तव्य, प्रकृति का वरदान हमारा खानपान, जैनाचार नियमावली आदि कृतियों का सृजन किया हैं।

एलक श्री १०५ धैर्यसागर जी महाराज

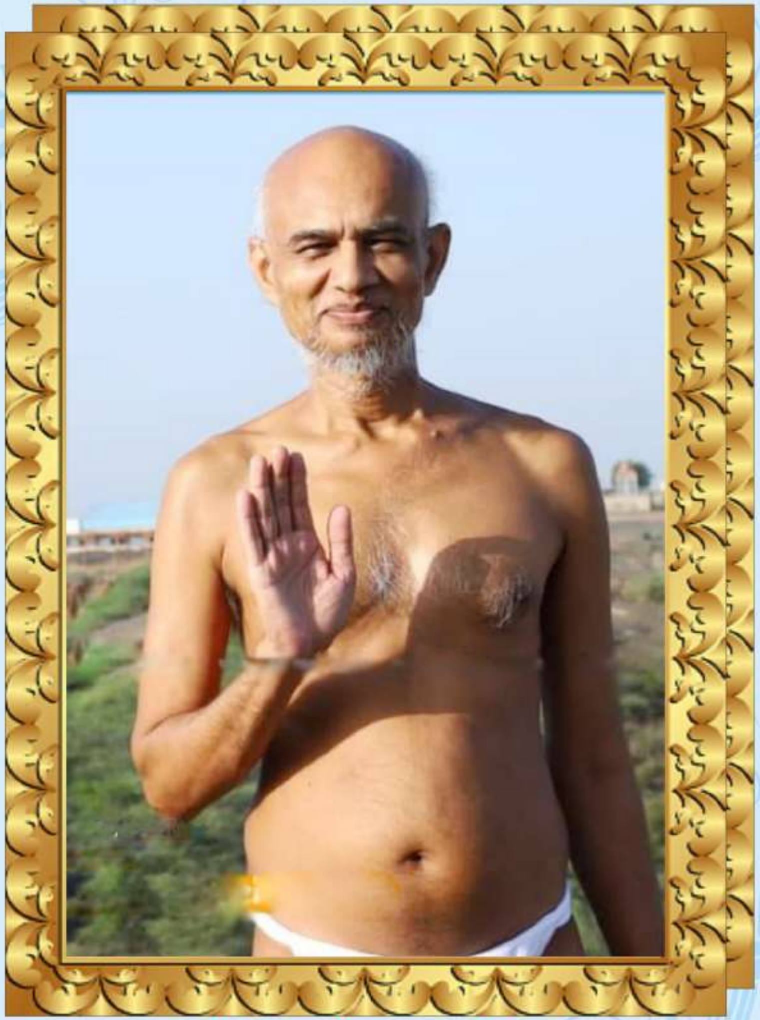

एलक श्री १०५ धैर्यसागर जी महाराज

कोई तरस रहा उजियारे को, कोई सूरज बांधे सोता है।
ऐसा भी होता है, जग में ऐसा भी होता है॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. संजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री राजीव जैन २. श्री संजीव जैन ३. श्री आपका क्रम ४. श्री राजेश जैन ५. श्रीमती रश्मि जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२२-११-१९६६ गुरुवार भाद्रपद शुक्ल ८ वि.सं. २०२३ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९८७ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, माघ शुक्ल १२, वि.सं. २०४३, मंगलवार, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०३-२०२२, मंगलवार, फाल्गुन कृष्ण १४ वी.नि.सं. २५४८, वि.सं. २०७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	प.मू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप अच्छे चिंतक, प्रभावक है आपके मार्गदर्शन में विभिन्न ग्रंथों का साहित्य का प्रकाशन, अनुष्ठान संपन्न हुये हैं। आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला, पाठशाला आदि प्रभावक कार्य संपन्न हुए। अनेक कृतियों का सृजन हुआ।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ चारित्रसागर जी महाराज

देव शास्त्र गुरू पूज्य हमारे, रत्नत्रय आधार रहे।
भव सागर से पार उतरने, हमको दृढ़ पतवार रहे॥

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ चारित्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री देवचंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नन्हें लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केशर बाई जी
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०६-१९२०
दिन/ स्थान/समय		दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९७६
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	०२-११-१९७६ मंगलवार कार्तिक शुक्ल ११
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जी (म.प्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१७-१२-१९९६ मंगलवार मार्ग शीर्ष शुक्ल ८ वि.सं. २०५३ अलीगढ़ (उ.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ सिद्धांतसागरजी महाराज

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज

हे जिन! तुम श्रद्धा से दर्शन, बोध आपके प्रवचन से।
सच्चारित मिला गुरूवर से, शिवपथ मिला आप त्रय से॥

पूर्व का नाम	:	श्री जिनेन्द्र कुमार जी जैन (वर्णी)
पिता का नाम	:	स्व. श्री जय भगवान जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. २. ३. ४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-०५-१९२२ रविवार
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	रेडियो इंजीनियरिंग डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	सन् १९५७
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०४-१९८३, गुरुवार चैत्र शुक्ल ९ वि.सं. २०४० ईसरी (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२४-०५-१९८३ मंगलवार वैशाख शुक्ल १३ वि.सं. २०४० को ईसरी जिला-गिरिडीह (झारखंड) आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सानिध्य में समाधि हुई।
विशेष	:	आपने जैनेन्द्र सिद्धांत कोष भाग १, २, ३, ४ एवं अन्य ग्रंथों का संकलन, संपादन किया था।
समाधि	:	(१७ अप्रैल १९८३ से संलेखना प्रारंभ हुई क्रमश. साधना करते हुये ३५-३६ दिन का समाधि काल रहा)

क्षुल्लक श्री १०५ ध्यानसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ ध्यानसागर जी महाराज

अंधा है, व्याकरण बिना बहिरा कोस विहीन।
लूला बिन साहित्य के, मूक तर्क से हीन॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रकाश चन्द्र जी पाण्डया
पिता का नाम	:	श्री प्रेमचन्द्र जी पाण्डया
माता का नाम	:	श्रीमती सावित्री देवी जी पाण्डया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती भारती २. आपका क्रम ३. श्री अश्विनी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	०९-०४-१९६२, सोमवार चैत्र शुक्ल ५ वि.सं. २०१५ भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.बी.बी.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-११-१९८४, जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-११-१९८५, शुक्रवार कार्तिक कृष्ण १० वि. सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी जिला- टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा आदि प्रभावक कार्य हुए। आपने अनेक ग्रंथों का सृजन किया। आप व्याकरण में विशेष प्रवीण है।

क्षुल्लक श्री १०५ नयसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ नयसागर जी महाराज

मुझी में रहे मुझसे मस्तूर होकर।
बहुत पास निकले बहुत दूर होकर॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जिनेन्द्र भैया जी जैन
पिता का नाम	:	श्री भैया लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती यशोदा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री मुन्नालाल २. श्री कैलाशचन्द्र
(जन्म के क्रम से)		३. श्री प्रकाशचंद ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-१२-१९६५ रविवार, मार्ग शीर्ष कृष्ण
दिन/ स्थान/समय		बड़ागाँव (धसान) जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-११-१९८५, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		आहार जी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७, मंगलवार माघ शुक्ल १२, वि.सं. २०४३ वी.नि.सं. २५१३,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ गंभीरसागर जी महाराज

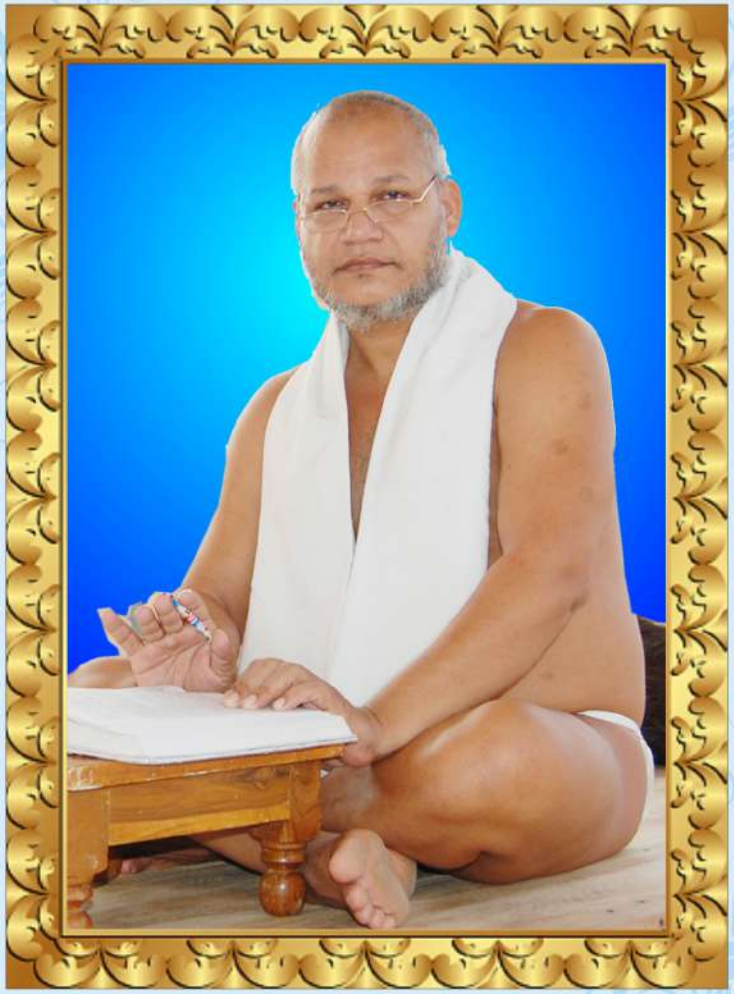

क्षुल्लक श्री १०५ गंभीरसागर जी महाराज

जिंदगी मिलती है, कुछ कर गुजरने के लिए।
मुस्कान मिलती है, बनकर बिखरने के लिए॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राकेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री कपूर चन्द्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कस्तूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुलोचना २. श्रीमती किरण ३. श्री सुरेश ४. श्री महेश ५. आपका क्रम ६. श्री दिनेश जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१३ अगस्त १९६१, बुधवार भाद्रपद कृष्ण ५ वि. सं. २०१८ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०१-१९८४ जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८७, मंगलवार माघ शुक्ल १२, वि.सं. २०४३ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, गौशाला, पाठशाला, शिविर संपन्न हुए। एवं अनेक ग्रन्थों का प्रकाशन हुआ।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

वीतराग सर्वज्ञ हितंकर, सच्चे देव हमारे हैं।
चउतिस अतिशय प्रातिहार्य वसु, नंत चतुष्टय धारे हैं॥

समा. क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री धरमचंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री नाथूराम जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती फूलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९१८
दिन/ स्थान/समय		विनेका पाटन (बंडा) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	मुनि श्री नेमिसागर जी से ७वीं प्रतिमा
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	२३-०७-१९९४ शनिवार श्रावण कृष्ण ८ (वीर
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		शासन जयंती) वि.सं. २०५१ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९-०८-१९९४ सोमवार भाद्रपद कृष्ण ८ वि.सं. २०५१ सायं ७ बजे रामटेक जिला-नागपुर (महा.)
विशेष	:	(७६ वर्ष की उम्र में आपकी समाधि हुई)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ पुनीतसागर जी महाराज

अष्टदश दोषों को जीता, लोकालोक सभी जाना।
तीर्थंकर के छ्यालिस गुणसे, अनंतगुण किसविध गाना॥

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ पुनीतसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री परसराम जी 'बाबाजी'
पिता का नाम	:	श्री धीरज सिंह जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्यारी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	ई.सं. १८९९ वि.सं. १९५६
दिन/ स्थान/समय		खनिया धाना, जिला-शिवपुरी (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पहली
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	२३-०९-१९९५ शनिवार आश्विन कृष्णा १४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ आचार्य श्री विद्यासागर जी
समाधि दिनांक/दिन	:	२६-०९-१९९५ आश्विन शुक्ल द्वितीया वि.सं.
तिथि/स्थान		२०५२ मंगलवार दोपहर १२:१९ बजे
समाधि स्थल	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी दमोह (म.प्र.)
विशेष	:	(९६ वर्ष की आयु में समाधि हुई, आपके २९ उपवास हुये १ से २७ अगस्त के बीच १० उपवास, १४ सितम्बर १९९५ को उपवास, १६ सितम्बर १९९९ को छाछ एवं जल के अतिरिक्त सभी प्रकार के आहार का त्याग)

क्षुल्लक श्री १०५ स्वाध्यायसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ स्वाध्यायसागर जी महाराज

वीतराग नव देव ही, शाश्वत सुख आधार।
इनकी पूजा भक्त को, करती भवदधि पार॥

पूर्व का नाम	:	व्रती फूलचंद जी लुहाड़िया
पिता का नाम	:	स्व. श्री शंकरलाल जी लुहाड़िया
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती देऊबाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री कपूरचंद जी २. श्री विजय कुमार जी ३. श्रीमति विमला जी ४. श्रीमति शांताबाई जी ५. श्रीमति शशि बाई जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	सन् १९३७, खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	आठवीं
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा १९८८, कुण्डलपुर (म.प्र.) ७ प्रतिमा, कुण्डलपुर (म.प्र.) १० प्रतिमा २०१५, पंचकल्याणक खातेगाँव (म.प्र.) (सभी प्रतिमा व्रत प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन	:	
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में अधिष्ठाता उदासीन आश्रम इन्दौर, अधिष्ठाता आचार्य ज्ञानसागर आश्रम नेमावर, महामंत्री श्री दिगम्बर जैन श्राविका आश्रम इन्दौर (म.प्र.) में रहे हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ प्रशांतसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ प्रशांतसागर जी महाराज

नव देव चक्र मेरे उर में सदा बसो।
मोहान्धकार नाशने को सूर्य सम लसो॥

पूर्व का नाम	:	व्रती शांतिलाल जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री नाना लाल जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मथुरी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	सन् १९४०, खाद ग्राम बाद में निवास खादूं कालौनी वांसबाड़ा (राज.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	नवमीं
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		७ प्रतिमा २०१४, नेमावर ९ प्रतिमा, २०१६, भोपाल १० प्रतिमा बीना जी बारह प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०१४ नेमावर प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ मौनसागर जी महाराज

दृष्टि मिले जिनदेव से, मिले शास्त्र से ज्ञान।
मिले चरित्र गुरुदेव से, रत्नत्रय शिवयान॥

क्षुल्लक श्री १०५ मौनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती ताराचंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री नाथूराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुंदरबाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री शीलचंद जी २. श्री रामभरोसे जी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१०-१२-१९३८ मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मिडिल
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा अमरकंटक ७ व १० प्रतिमा, नेमावर (सभी व्रत प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	तारंगा जी (गुजरात)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ चिंतनसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ चिंतनसागर जी महाराज

कल्याणक के क्षेत्र जो, और साधना स्थान
सभी क्षेत्रमंगल रहे, जिनगृह जहाँ महान॥

पूर्व का नाम	:	व्रती सत्येन्द्र जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री श्रीराम जी जैन, रेवाड़ी (हरियाणा)
माता का नाम	:	श्रीमती गुलाबदेवी जी
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	१. स्व. श्री ओमप्रकाश जी २. स्व. श्रीमति चमनलता जी ३. स्व. श्रीमति स्वर्णलता जी ४. श्रीमति बीना जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०५-१९५१, बैसाख सुदी ३, १९०८ *रेवाड़ी (हरियाणा)*
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा २००८ कुण्डलपुर आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से ४ प्रतिमा २००९ आचार्य श्री १०८ वर्धमान सागर जी महाराज से ८ प्रतिमा बीना बारह जी १० प्रतिमा, २०२१ नेमावर प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९४, रेवाड़ी, आर्यिका श्री दृढ़मती माता जी से
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अगम्यसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अगम्यसागर जी महाराज

गगन चूमते शिखर हैं, जिनमंदिर शिव द्वार।
कृत्रिमा कृत्रिम लोक के, नमूँ भक्ति उरधार॥

पूर्व का नाम	:	व्रती अशोक कुमार जी जैन (पाण्ड्या),
पिता का नाम	:	स्व. श्री मूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सूरजबाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. स्व. श्रीमति चंदाबाई जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१८-१२-१९४२, पारौला जलगाँव (महा.) बाद में वानपुरा होशंगाबाद (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	११वीं
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा २००० अमरकंटक ३ प्रतिमा बीना बारह जी ७ प्रतिमा २०१६ नेमावर ९ प्रतिमा २०२१ नेमावर (सभी प्रतिमा प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०००, अमरकंटक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में ट्रस्टी सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, १९९७ एवं अध्यक्ष, दिगम्बर जैन समाज, बानापुरा (३० वर्षों तक) रहे।

क्षुल्लक श्री १०५ अटलसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अटलसागर जी महाराज

धर्म सभा तीर्थेश की, समवशरण गुणनाम।
यशोगान उसका करूँ, जिन महिमा अभिराम॥

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश जी जैन ''नायक''
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मल चंद जी जैन ''नायक''
माता का नाम	:	स्व.श्रीमती कमला जी ''नायक''
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	१. श्री राकेश जी २. श्री नरेन्द्र जी २. श्री अरविन्द जी ३. श्रीमति रक्षा जी ५. श्रीमति चंदा जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८ सितंबर १९७१ जैसीनगर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	उत्तर मध्यमा
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा डोगरगढ़ (छ.ग.) ७ प्रतिमा २०१७ टड़ा (म.प्र.) ९ प्रतिमा २०२१ नेमावर (म.प्र.) सभी व्रत प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९९०, जबलपुर (म.प्र.) प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ वैराग्यसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ वैराग्यसागर जी महाराज

जन जन में आनंद हो, रोग शोक मिट जाये।
सुर कृत अतिशय बाह्य है, जिनवर पुण्य सहाय॥

पूर्व का नाम	:	व्रती भागचंद जी दोसी
पिता का नाम	:	स्व. श्री शोभागमल जी दोसी
माता का नाम	:	स्व.श्रीमती उगमा देवी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री प्रकाशचंद जी २. श्री सुभाषचंद जी ३. श्री धर्मचंद जी ४. श्रीमति भवरी देवी जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३० जून १९५७, संखोन जिला- जयपुर (राज.) बाद में मदनगंज किशनगढ़ (राज.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा विदिशा, ५ प्रतिमा भोपाल ७ प्रतिमा डोंगरगढ़, २० प्रतिमा २०२१, नेमावर प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१ वर्ष के लिए १०१२, किशनगढ़ आर्यिका श्री विज्ञानमति माता जी से
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		आजीवन, २०१४, आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	२०१७, डोंगरगढ़ चारित्र शुद्धि व्रत १२३४ का संकल्प, २०२१, नेमावर में केशलौंच का संकल्प लिया था।

क्षुल्लक श्री १०५ निकटसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ निकटसागर जी महाराज

औषधि अमृतमय वचन सुने भव्य धर ध्यान।
प्रातिहार्य जिनदेव का, करे लोक कल्याण॥

पूर्व का नाम	:	व्रती संतोष जी पाण्ड्या
पिता का नाम	:	स्व. श्री रामेश्वर लाल जी पाण्ड्या
माता का नाम	:	स्व.श्रीमती चंदादेवी जी
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	१. सुरेशचंद जी २. श्री नरेन्द्र जी ३. श्री विमल जी ४. श्रीमति मंजू जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९-०६-१९५१ गया (बिहार)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		रांची प.पू.मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज से
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०३-२००७ राजगृही, पंचकल्याणक में माता-पिता बनने पर
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप बिहार प्रांतीय युवा दिगम्बर जैन परिषद के ५ वर्ष तक पदाधिकारी रहे हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ परीतसागर जी महाराज

अर्हच्चक्र उपासना, जो करते भवि जीव।
वे रत्नत्रय प्राप्त कर, पाते सौख्य सदीव॥

क्षुल्लक श्री १०५ परीतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती बसंतलाल जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री सुखलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व.श्रीमती मोतीबाई जी
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री कन्हैयालाल जी (२) स्व. श्री लक्ष्मीचंद जी (३) स्व श्री दलीचंद जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-१०-१९४९ बागीदौरा (राज.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा ३१-०५-२०१५, जबलपुर ८ प्रतिमा २०१८, खजुराहो १० प्रतिमा १०-१२-२०२०, नेमावर (सभी व्रत प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-१०-२०१६, बागीदौरा निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०६-२०२१ ज्येष्ठ कृष्ण १४, बुधवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर तहसील खातेगांव जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ तत्त्वसागर जी महाराज

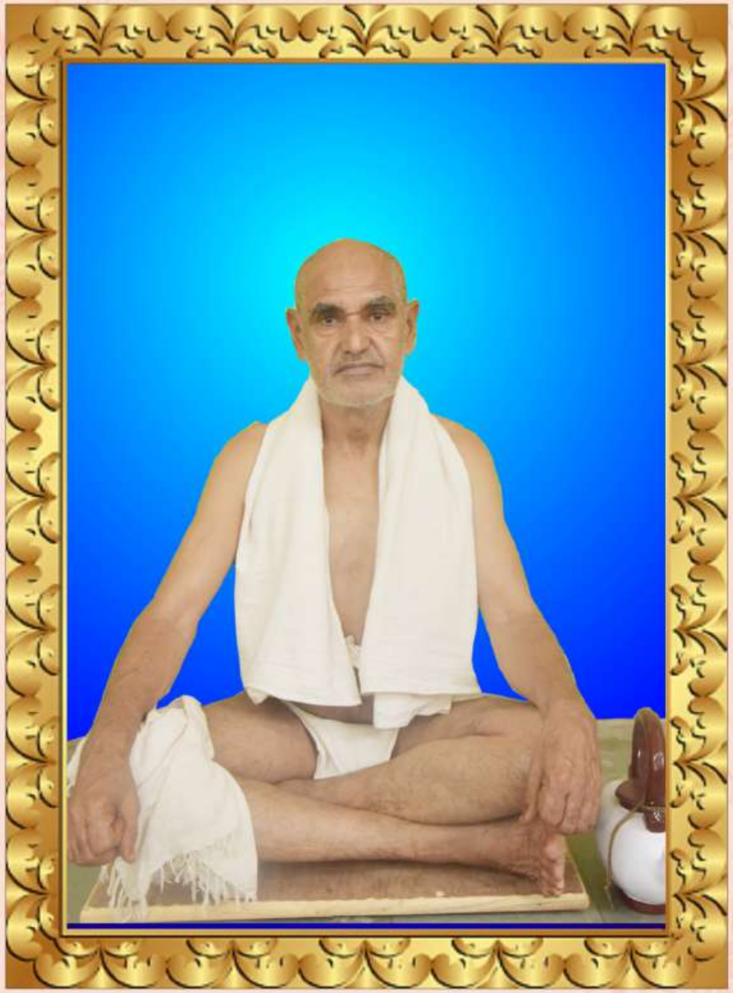

क्षुल्लक श्री १०५ तत्त्वसागर जी महाराज

दिन में केवल एक बार ही, लेते हो तुम स्वल्पहार जी।
एक भुक्ति को पाले सन्ता, पूजूँ हे गुरु आप महन्ता॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री मल्लकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री गुलझारीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बूदी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री केवलचंद (२) श्री सुरेशचंद (३) श्री विमलचंद (४) श्री महेन्द्र कुमार (५) स्व. श्रीमती लीलादेवी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०१-१९५१ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक, बी.एस.सी. (कृषि), एम.ए., एल.एल.बी.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	अमरकंटक (म.प्र.),
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा रामटेक (महा.) में प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	पूर्व में आप गौशाला जबलपुर कोषाध्यक्ष, मंत्री दयोदय महासंघ, अध्यक्ष, पूर्णायु ट्रस्टी रहे। जब आपके पुत्र का आई.ए.एस. के लिए इटरव्यू चल रहा था और आप कुंडलपुर में बड़े बाबा के समक्ष जाप कर रहे थे इसके प्रभाव से पुत्र की २४ वीं रैंक आयी थी। वर्तमान में गृहस्थ जीवन का पुत्र केद्रींय मंत्री के मुख्य सचिव है।

क्षुल्लक श्री १०५ तत्त्वार्थसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ तत्त्वार्थसागर जी महाराज

सोना चाँदी इत्यादिक को, छोड़ गहा है तप का धन।
नाम ''तपोधन'' आर्य आपका, रमा आपमें सबका मन॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री अजयकुमार जी जैन (मुन्ना)
पिता का नाम	:	स्व. श्री हीरालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति स्व. कपूरी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री विजय कुमार (२) स्व. श्री जय कुमार (३) श्री मणी जैन (४) श्रीमति किरण जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०९-१९५९
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)	:	सन् २००७ पंचकल्याणक महोत्सव शिवनगर जबलपुर में भगवान के माता पिता बनने पर
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		श्री पंचकल्याणक महोत्सव दूसरी प्रतिमा सिलवानी २००८, प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से रामटेक में तीसरी प्रतिमा
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने श्री दिगम्बर जैन संरक्षिणी सभा में विशेष योगदान दिया।

क्षुल्लक श्री १०५ तात्पर्यसागर जी महाराज

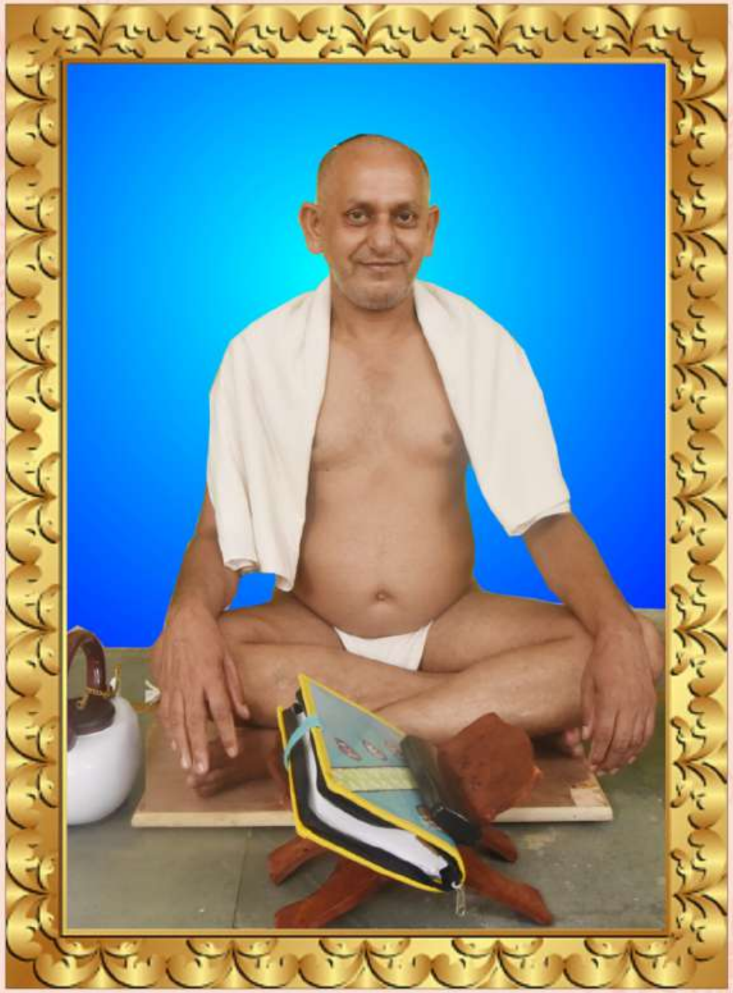

क्षुल्लक श्री १०५ तात्पर्यसागर जी महाराज
कठिन कठिन तप करके तुमने, ''तप-नायक'' पद पाया है।
तुमरी गाथा सुनकर मेरे, मन में भी तप भाया है॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री विजयकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री मुलायमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति स्व. चम्पा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम	:	(१) स्व. श्रीमति कल्लन बाई जैन (२) श्री निर्मल कुमार जैन
जन्म के क्रम से		(३) श्री विमल कुमार जैन
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-०६-१९६३
दिन/ स्थान/समय		बेलखेडा जिला- जबलपुर (म.प्र.) (बाद में जबलपुर में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	ग्यारहवीं (मेट्रिक)
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)	:	सन् २००९ पंचकल्याणक गंगानगर, जबलपुर में भगवान के माता पिता बनने पर
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२ प्रतिमा, सन् २००९, रामटेक, सातवीं प्रतिमा प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर
दिन/ स्थान/समय		निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने श्री १००८ दि. जैन शांतिनाथ जिनालय, भेडाघाट जबलपुर (म.प्र.) में विशेष योगदान दिया।

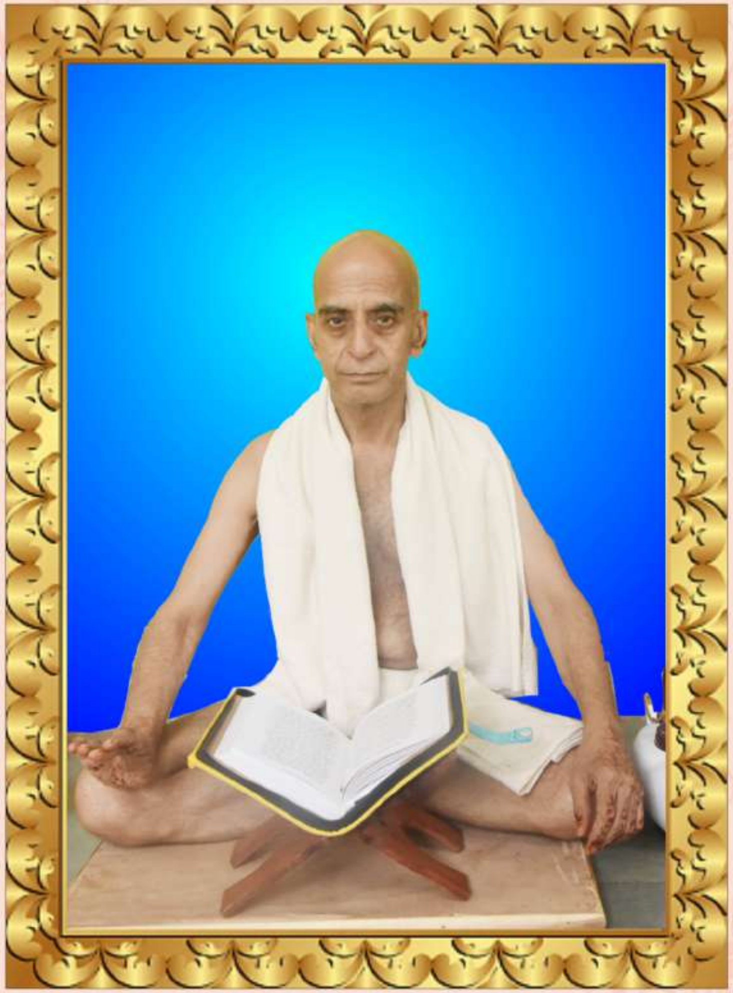

क्षुल्लक श्री १०५ वर्धनसागर जी महाराज

जैसा मिलता दातारों से, जो-जो दे-दे दाता जन।
ले लेते सो नाम "सुभिक्षुक", पूजे धर पद माथा हम॥

क्षुल्लक श्री १०५ वर्धनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री संतोषकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री छोटेलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति स्व. चम्पा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री प्रकाशचंद जैन (२) श्रीमति रेखा जैन (३) श्रीमति सुषमा जैन (४) श्री संजय जैन (५) श्रीमति सीमा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०३-०१-१९६२
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)	:	सन् १९८०, नैनागिर जी तीर्थ क्षेत्र
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		१७ मार्च २०२१, नेमावर जी प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में बैंक में कार्यरत थे। आपने पूर्व बटियागढ़ में अपने कार्यकाल में मंदिर जी निर्माण एवं श्री १००८ आदिनाथ जी प्रतिमा विराजमान कराने में सहयोग प्रदान किया।

क्षुल्लक श्री १०५ वरदानसागर जी महाराज

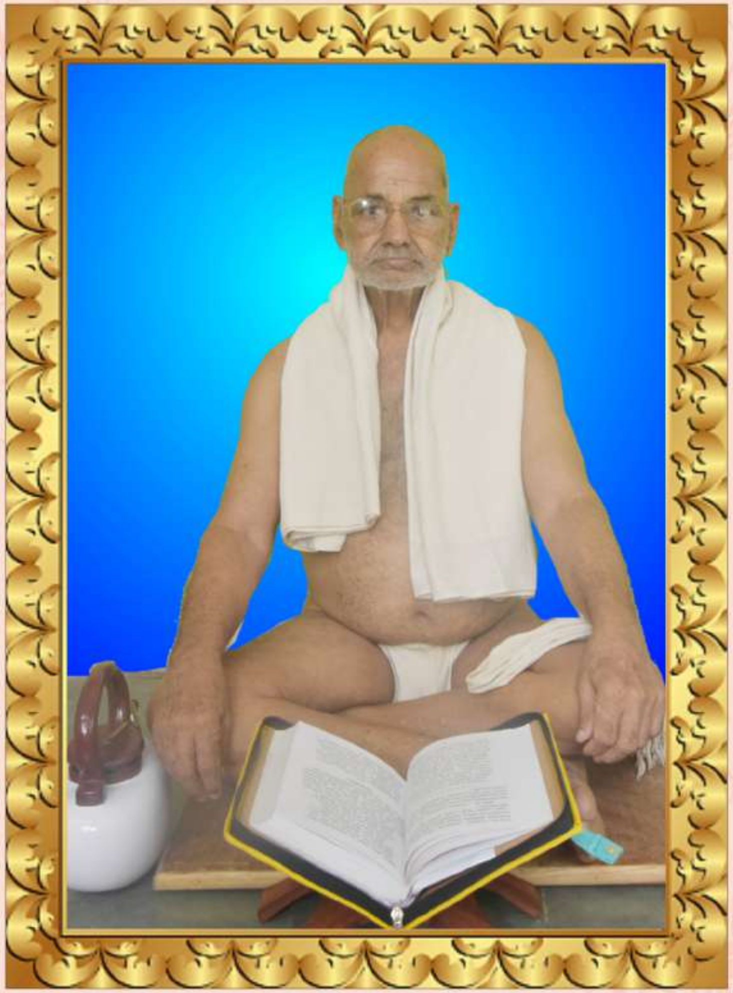

क्षुल्लक श्री १०५ वरदानसागर जी महाराज

जैनधर्म के सत्य धर्म के, पक्ष मात्र में रहते हैं।
''पाक्षिक'' तुमरा नाम सुसार्थक, इन्द्र चक्रि भी भजते हैं॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री कोमलचंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री लक्ष्मन प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति मुलाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्रीमति चिरौजाबाई (२) स्व. श्रीमति चंपाबाई (३) स्व. श्रीमति ताराबाई (४) समाधिस्थ श्री प्रेमचंद जी (५) श्री कोमलचंद (६) श्री निर्मल कुमार (७) श्री हेमचंद (८) स्व. श्री रूपचंद (९) श्री सुरेश चंद (१०) श्री ऋषभ जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	ग्राम नईगडिया, तह. बेगमगंज जिला- रायसेन (म.प्र.) (सागर म.प्र. में बाद में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. संस्कृत, विशारद मोराजी सागर (म.प्र.)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९९३, सागर (म.प्र.)
प्रतिमा/कहाँ/किससे		प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से दो प्रतिमा- व्रती आश्रम, नेमावर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिन/स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के आर्शीवाद से आस्ट्रेलिया दीप मेनवोन सिटी में आदिनाथ जिन चैत्यालय की स्थापना करवायी थी।

क्षुल्लक श्री १०५ अनुग्रहसागर जी महाराज

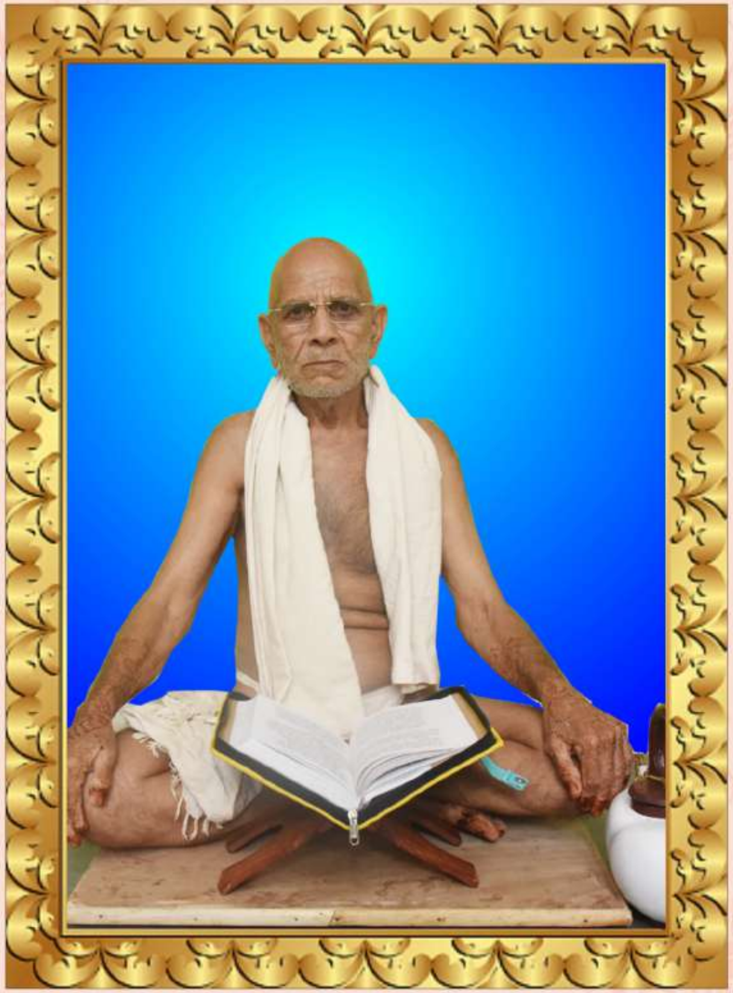

क्षुल्लक श्री १०५ अनुग्रहसागर जी महाराज

निन्दा तुमरी कौन करेगा, सहे परीषह कठिन अहो।
नाम ''अनिन्द्यं'' पाय लिया सो, कैसे होंगे मलिन कहो॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री मुलायमचंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री दीपचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति वेनीबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री कोमलचंद जी (वर्तमान में मुनि श्री) (२) श्री रमेश चंद (३) श्री कुसुम बाई (४) श्री गेदा बाई
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०१/०४/१९४२ पिपरिया साहनी (बाँदकपुर जिला-दमोह (म.प्र.) बाद में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	सातवीं
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार) (आजीवन)	:	सन् १९८६, पपौरा जी तीर्थ क्षेत्र जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.) सन् १९९२ श्री कुण्डलपुर तीर्थ क्षेत्र (म.प्र.)
प्रतिमा/कहाँ/किससे		१९८५ दो प्रतिमा पूज्य १०८ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
क्षुल्लक दीक्षा दिन/स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की पुत्री आर्यिका श्री अनुत्तरमति जी, आर्यिका श्री ओंकार मति जी, आर्यिका श्री अगाधमति जी आपकी गृहस्थ जीवन की पुत्री है एवं आपके ही दीक्षा गुरू से दीक्षित हैं। एक पुत्री ब्र. मीना दीदी प्रतिभा स्थली में है, पुत्र ब्र. विमल कुमार है।

क्षुल्लक श्री १०५ उपकारसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ उपकारसागर जी महाराज

आमिष भोजन औषध आदिक, पूर्ण रूप से त्याग दिये।
आप "निरामिष-भोजी" ओहो, हिंसा से भी पार गये॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री शीतलचंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नन्हेलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति पार्वती बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री ज्ञानचंद जी (२) श्री राजकुमार जी (३) श्री मति चंदाबाई (४) श्री मति राजकुमारी (५) श्रीमति इंद्राबाई (६) श्रीमति अंजनाबाई (७) श्रीमति ममताबाई
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	ज्येष्ठ शुक्ल ५ वि. सं. २००१ सोडरपुर (म.प्र.) (सिलवानी म.प्र. में बाद में निवास)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	सातवीं
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	करीब ३५ वर्ष पहले सिलवानी (म.प्र.) में
(आजीवन)		पिच्छी परिवर्तन सिलवानी (म.प्र.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		गिरनार जी में २ प्रतिमा, बीना वारहा में तीसरी प्रतिमा, २००८ में ७ प्रतिमा सिलवानी (म.प्र.) पूज्य १०८ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी दो पुत्रियों ने प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से ब्रह्मचर्य व्रत लेकर अपना जीवन साधनामयी बनाया है।

क्षुल्लक श्री १०५ सहयोगसागर जी महाराज

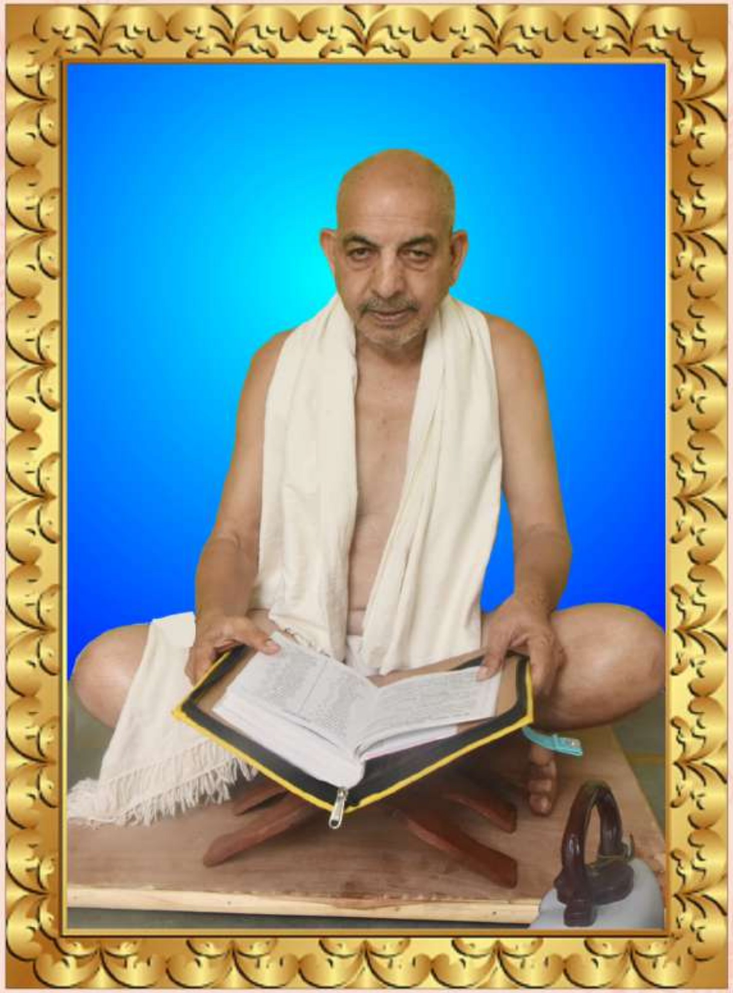

क्षुल्लक श्री १०५ सहयोगसागर जी महाराज

भय नाहीं है मरणों का तो, अस्त्र शस्त्र क्यों राखो जी।
आप ''निरायुध'' सब जीवों की, रक्षा में चित पागो जी॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री महेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री डालचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति जमुना बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री विमल कुमार जी जैन (२) स्व. श्री प्रद्युमन जैन (३) स्व. श्री जयकुमार जी जैन (४) स्व. श्रीमती प्रभादेवी जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२८/१२/१९४८ तेन्दूखेडा सागौनी जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	१२ वी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		परम पूज्य समाधिस्थ मुनि श्री स्वभाव सागर जी महाराज से प्रथम प्रतिमा, दूसरी प्रतिमा मुनि श्री प्रणम्य सागर जी से २०१० में, सातवीं प्रतिमा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से ८ मार्च २०१८ को राजमार्ग में
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ उपयोगसागर जी महाराज

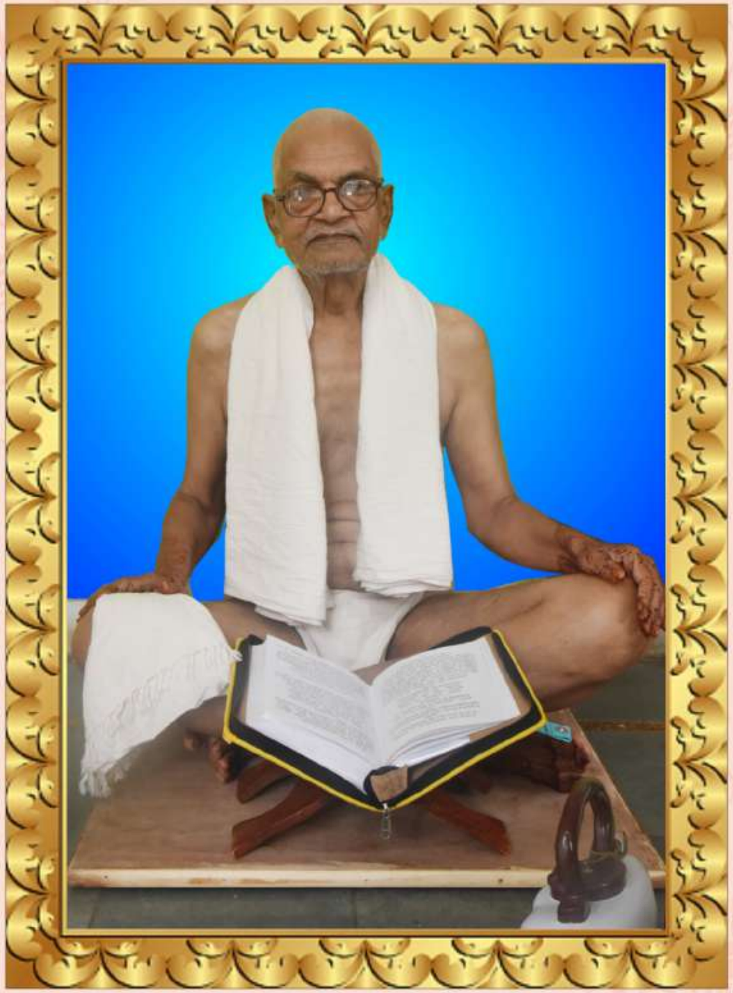

क्षुल्लक श्री १०५ उपयोगसागर जी महाराज

सौ सौ भाग्यं जगे साथ में, तभी बने हो महाव्रती।
नमूँ तुमें 'सौभाग्यशालि' जी, नाहिं बनूँ अब पापमती॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री कौशल किशोर जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री जसवन्त राय जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमति शांति देवी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री मोहन लाल जी जैन (२) श्री रमेश चंद जी जैन (३) श्रीमति सरला देवी (४) श्रीमति उषा देवी (५) श्रीमति पंचवटी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७/०८/१९५२ कोलकाता (प.बं.) (बाद में निवास-आगरा (उ.प्र.))
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०१० बीना बारह
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे		२७-११-२०१७ सोनागिरी (म.प्र.) आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप प्रबन्धक पद (आवश्यक वस्तु निगम) उ.प्र. में कार्यरत रहें।

क्षुल्लक श्री १०५ सुयोग्यसागर जी महाराज

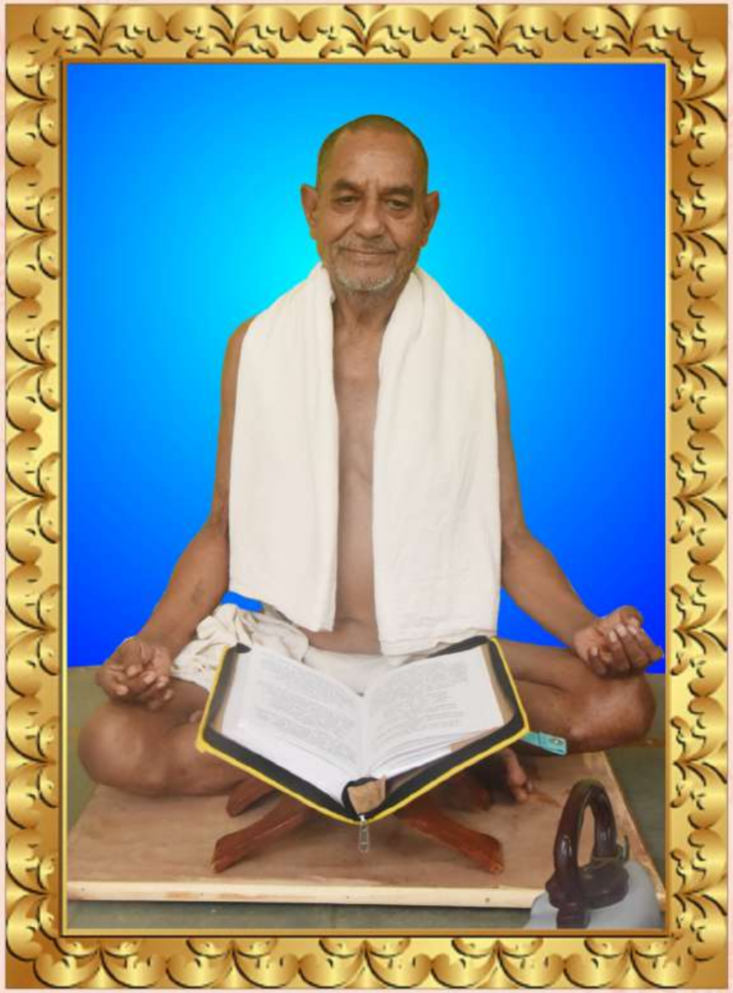

क्षुल्लक श्री १०५ सुयोग्यसागर जी महाराज

यम में राजित आप सो, नाम रहा "यमराज"।
गुरुवर तुमरी पूजा से, सधते सगरे काज॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री नेमिचंद जी बंड (जैन)
पिता का नाम	:	श्री भगवंतराव जी बंड (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमति इंदिराबाई बंड (जैन)
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री वामन (२) श्री आदिकुमार (३) श्री विजय कुमार (४) श्री अशोक कुमार (५) श्री राजेन्द्र कुमार (६) सौ. सुवंत उमेश चंद (७) सौ. छाया प्रभाकर
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३०/१०/१९४४ दिन- सोमवार कार्तिक कृष्ण अमावस्या वरुड जिला- अमरावती (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (फायनेंस)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	प.पू. मुनि श्री विनीत सागर जी से ०९/०७/२००९ महावीर जयंती सन् २०१३ अमरकंटक (म.प्र.) प. पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	प.पू. मुनि श्री प्रमाणसागर जी द्वारा १८/९/२००९ मधुवन (गुणायतन), सप्तम प्रतिमा १३/१०/२०१९ नेमावर, प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने वन विभाग (महाराष्ट्र) राज्य अध्यक्ष वन विभाग कर्मचारी संघटना अमरावती वृंत अध्यक्ष संस्थापक परमहंस (फॉरेस्ट) गृह निर्माण संस्था अमरावती में कार्य किया है।

क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज

बल यौवन का जाति का, प्रज्ञा कुल का मान।
मिटा अतः निर्मान हो, पूजूँ बन "निर्मान"॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री प्रेमचंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री दिलीपचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमति राजकुमारी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री सुकमाल चंद जैन (२) श्री प्रेमचंद जैन (३) श्रीमति शकुन्तला जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०/०७/१९४४ चिलकाना
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	१०वी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् २००८ गुणायतन श्री सम्मेद शिखर जी (झारखण्ड) में मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज से
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	प.पू. मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज से सहारनपुर, देहारादून, सागर, बडागांव
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ सुधर्मसागर जी महाराज

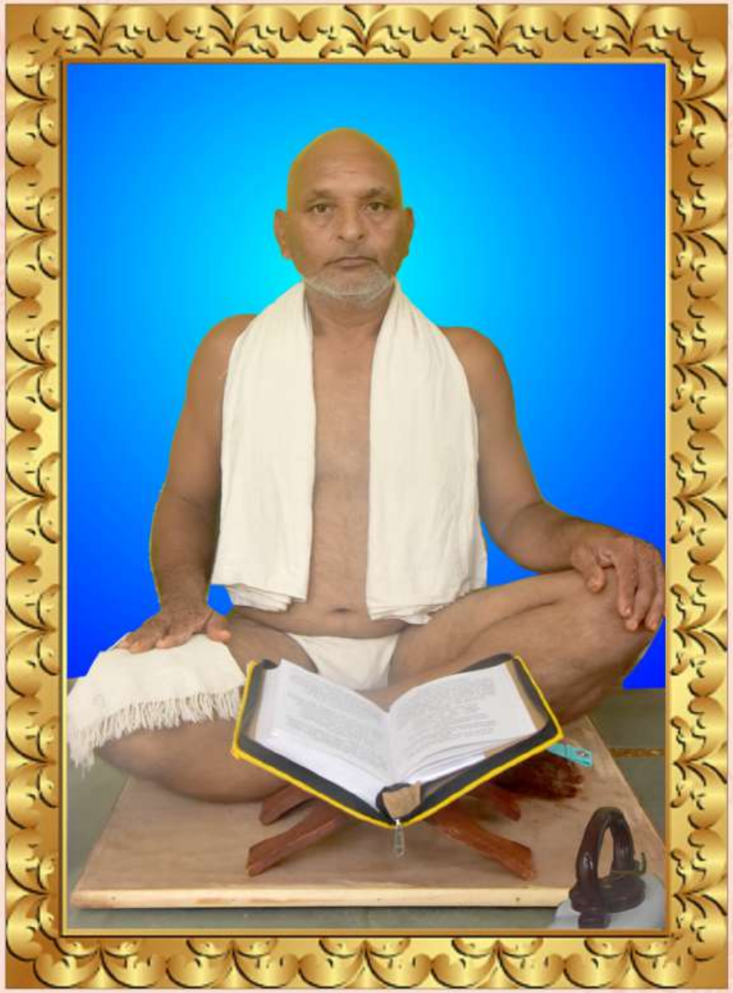

क्षुल्लक श्री १०५ सुधर्मसागर जी महाराज
माया छल से छिद्र से, दूर रहे अति दूर।
निश्छल "आर्जव" धर्म को, धारा है भरपूर॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री चमनलालजी जैन
पिता का नाम	:	स्व.श्री स्वरूपचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व.श्रीमति सुमति रानी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	(१) स्व. श्रीमति ममता जैन
जन्म के क्रम से		(२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२९/०८/१९६७, मंगलवार
दिन/ स्थान/समय		जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	११ वी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२ प्रतिमा मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज से
		प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	७ प्रतिमा सन् २०२०, नेमावर में
		प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर
दिन/ स्थान/समय		निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८
		पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ सुगमसागर जी महाराज

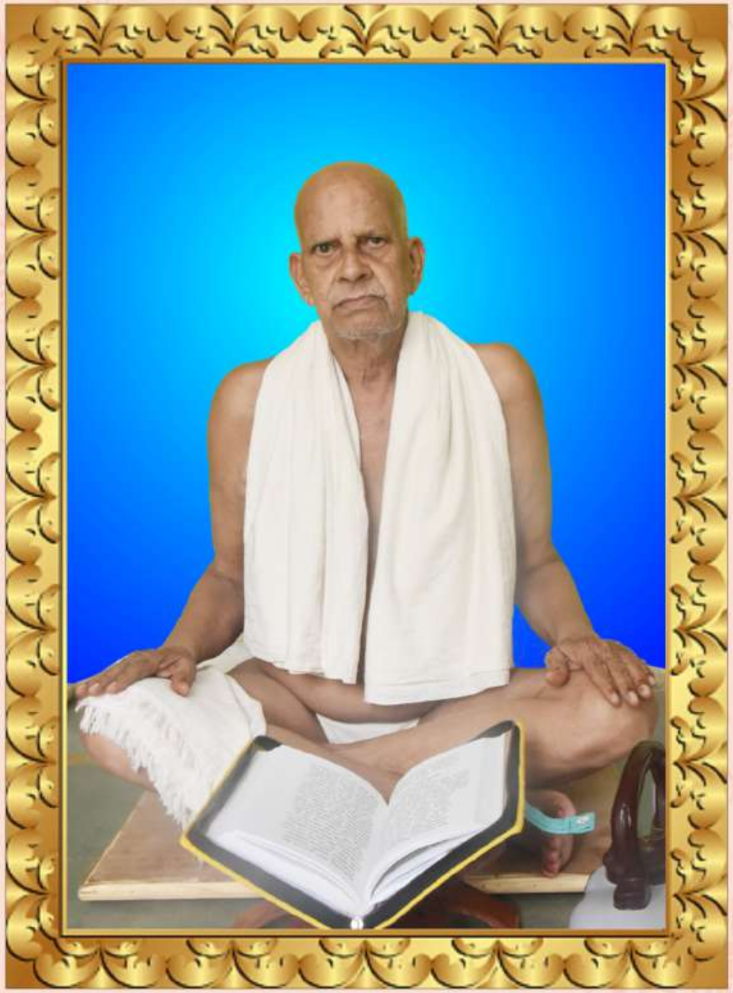

क्षुल्लक श्री १०५ सुगमसागर जी महाराज

मृदुता है नवनीत सी, वृद्धों का सम्मान।
''विनयवान'' करते तभी, हम करते सम्मान॥

पूर्व का नाम :	व्रती श्री रमेश चंद जी जैन
पिता का नाम :	स्व.श्री जे.एफ. जी जैन
माता का नाम :	श्रीमति कोशा बाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से :	(१) स्व. श्री बाबूलाल जैन (२) श्री फूलचंद जैन (३) श्री शिवलाल जैन (४) श्री देवेन्द्र जैन (५) श्रीमती कमला बाई जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय :	१५/०८/१९४३ शाहपुर, गनेशगंज, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक) :	एम.कॉम., बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार) :	सन् २००७ अमरकंटक (म.प्र.) में प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)	२०२० पवाजी सिद्धक्षेत्र जिला-ललितपुर (उ.प्र.) पंचकल्याणक में भगवान के माता-पिता बनने पर
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे :	२८ अप्रैल २०१७ डोगरगढ (छ.ग.)
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय :	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु :	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष :	आप पूर्व में लेक्चरार चिरमिरी (छ.ग.), दिगम्बर जैन समाज कोषाध्यक्ष १९८२ से २००५ तक रहे।

क्षुल्लक श्री १०५ प्रशमसागर जी महाराज

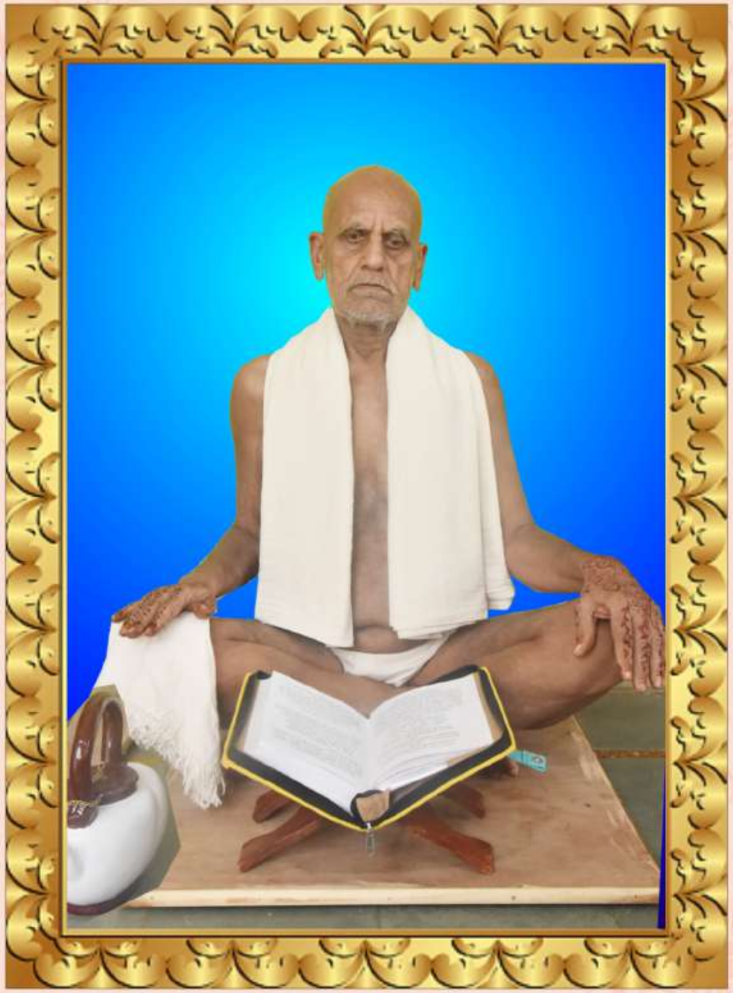

क्षुल्लक श्री १०५ प्रशमसागर जी महाराज

लालच है शिवनार का, विषयों का ''ना लोभ''।
इसीलिए तो आप में, ना दिखता है क्षोभ॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री ज्ञानी चंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मिश्रीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमति जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री ज्ञानीचंद जैन (२) श्री शिखरचंद जैन (३) श्री सुरेशचंद जैन (४) श्री विनोद कुमार (५) श्री संतोष कुमार जैन (६) श्रीमती चंद्रकान्ता (७) श्रीमती मीना जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५/०२/१९४२ शाढोरा, जिला- अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९९९ में प.पू. मुनि श्री सुधासागर जी महाराज से (अलवर चतुर्मास में)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	दर्शन प्रतिमा प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से विदिशा में और ३ प्रतिमा प.पू. मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज से शाडोरा जिला- अशोकनगर (म.प्र.) में।
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ परमसागर जी महाराज

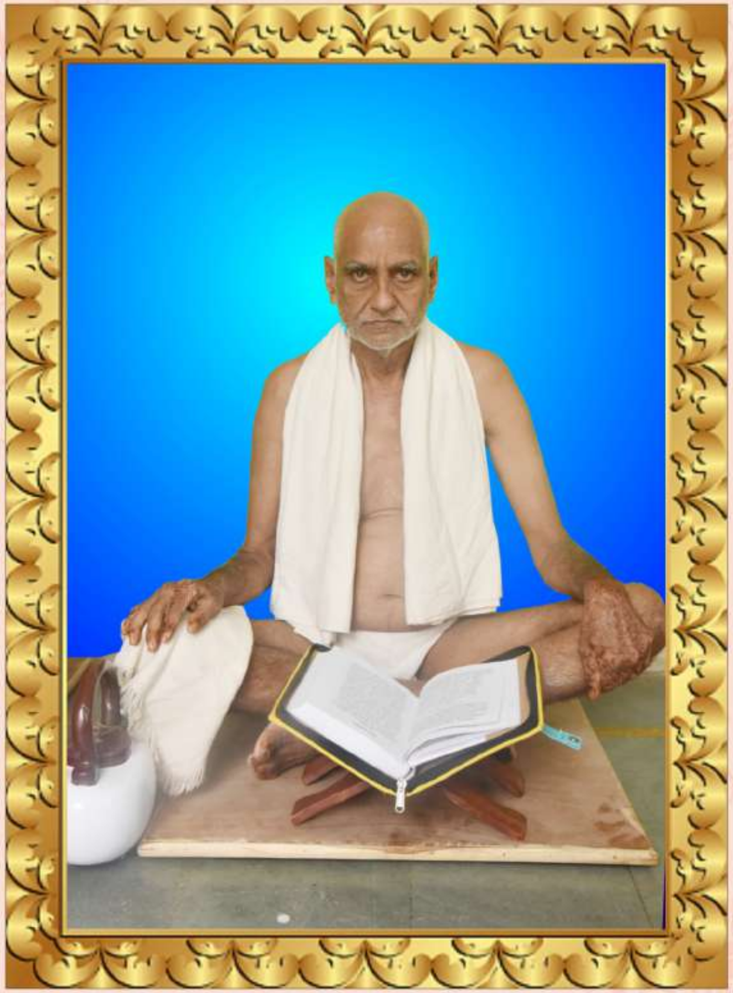

क्षुल्लक श्री १०५ परमसागर जी महाराज

झूठ वचन वो बोलता, तन धन से हो नेह।
''सतवादी'' क्या देह से, रख सकता है स्नेह॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री नन्हेलाल जी जैन (बडकुल)
पिता का नाम	:	श्री घासीराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती केशरबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री हेमचंद जैन (२) श्री गोकुलचंद जैन (३) श्री विजय जैन (४) श्री अजय जैन (५) श्रीमती गेंदाबाई जैन (६) श्रीमती सोनाबाई जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४/०८/१९५० खमकुआ जिला-सागर (म.प्र.) (बाद में निवास नागपुर (महा.))
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	सन् २००८ रामटेक (महा.)
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		सन् २०१५ रामटेक (महा.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	सातवीं प्रतिमा, सन् २००८, रामटेक (महा.) प. पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी गृहस्थ जीवन की पुत्री प्रतिभा मंडल में है।

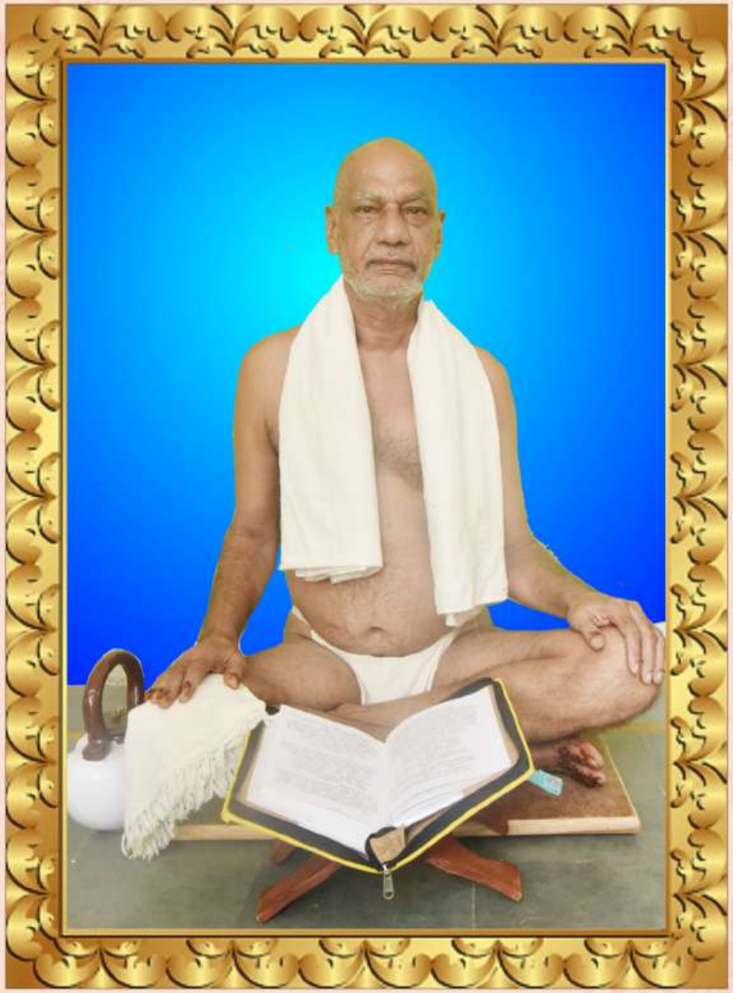

क्षुल्लक श्री १०५ साम्यसागर जी महाराज

चउ "आराधन साधते", चतु नाशन के हेत।
तुमसे साधक देख हम, दाँतों अंगुलि देत॥

क्षुल्लक श्री १०५ साम्यसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री निर्मल कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री वंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से जन्म के क्रम से	:	(१) श्री नरेन्द्र कुमार जैन (२) श्री गुलाबचंद जैन (३) श्री मुलायमचंद जैन (४) श्री प्यारेलाल जैन (५) श्री संतोष कुमार (६) श्रीमती इन्द्रा जैन (७) श्रीमती शीला जैन (८) श्रीमती मुन्नीबाई जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०२/०४/१९५१ सिलवानी जिला-रायसेन (म.प्र.) (बाद में निवास बरेली जिला- रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५/१०/२०१३ सिद्ध क्षेत्र श्री शिखर जी
प्रतिमा/कहाँ/किससे	:	२४/०१/२०१५ श्री १०८ पूज्य मुनि श्री श्रेयांश सागर जी महाराज के सानिध्य में पंचकल्याणक में भगवान के माता पिता बने
क्षुल्लक दीक्षा दिन/स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ समकितसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री सुभाष चंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री हुकुमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांतिबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री उदयचंद जैन (२) स्व. श्री प्रकाशचंद जैन (३) स्व. श्री प्रमोद कुमार जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१/११/१९५० शहपुरा (भिटौनी) जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	८ वीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	फरवरी २०१६
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

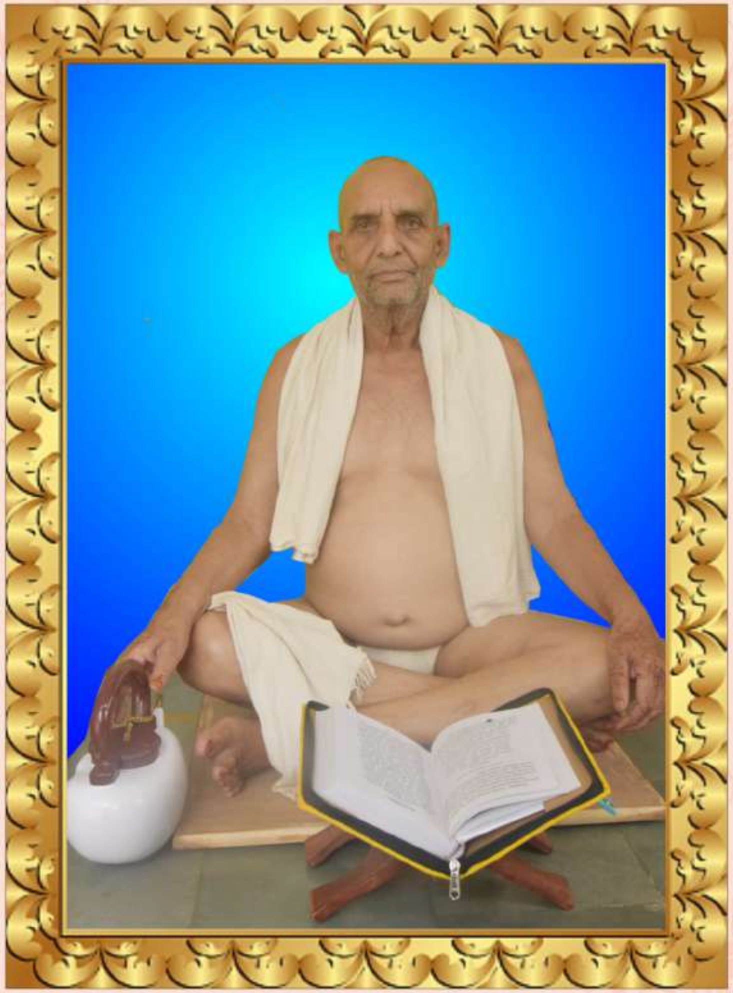

क्षुल्लक श्री १०५ समकितसागर जी महाराज

''लघुता'' का ना पार है, लाघव गुण भरपूर।
तुमरे चरणा जो पड़े, उसकी विधि हो चूर॥

क्षुल्लक श्री १०५ संगतसागर जी महाराज

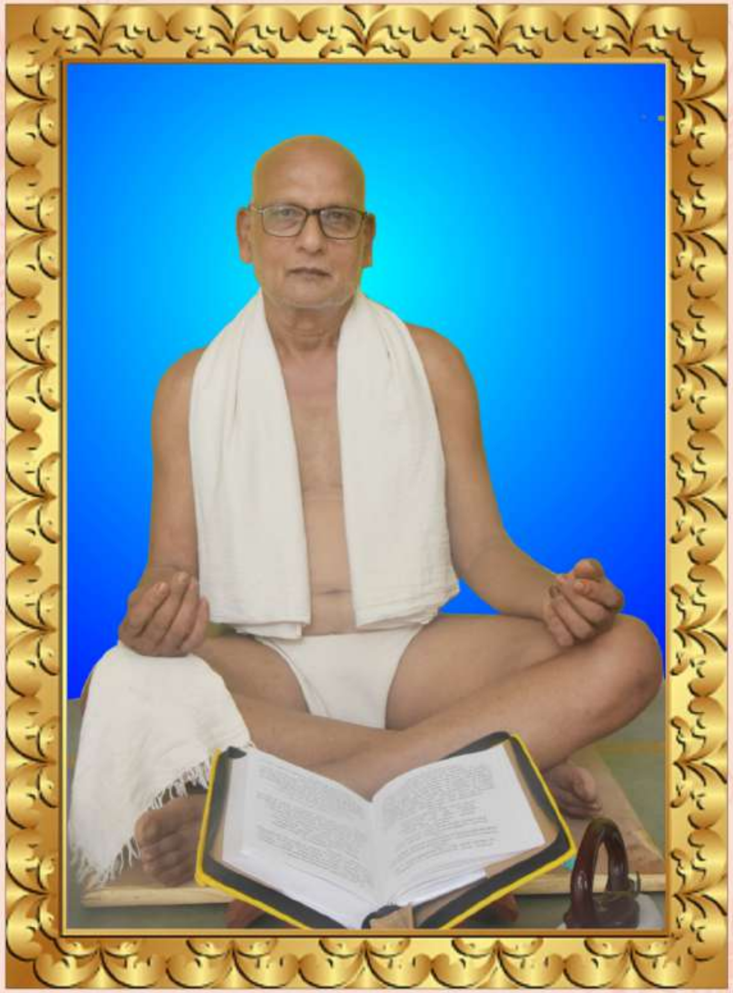

क्षुल्लक श्री १०५ संगतसागर जी महाराज

करी साधना ''साधु'' कहाते, गुरुवर तुमको हम भी ध्याते।
भक्ति भाव से चरणा आवे, मिथ्या तजकर समकित पावे॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री अभय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री भागचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सोनाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री नेमीचंद जैन (२) श्रीजयकुमार जैन (३) श्रीमती कांती बाई जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०४/०५/१९५० जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	शांति निकेतन उदासीन आश्रम ईसरी
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		सुवर्णभद्र कूट सम्मेद शिखर जी प. पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	महावीर जयंती सन् २०१३ अमरकंटक (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में सेवा निवृत, भारत सरकार रक्षा मंत्रालय में रहे हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ औचित्यसागर जी महाराज

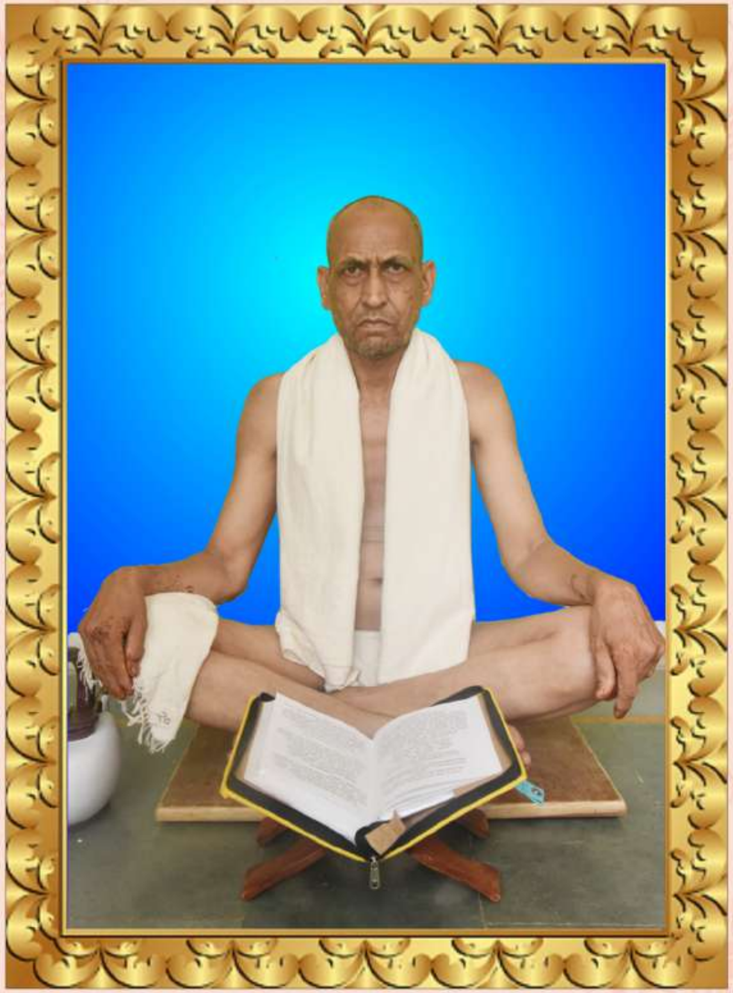

क्षुल्लक श्री १०५ औचित्यसागर जी महाराज

वन में रहते सो ''वनवासी'', सच पूछो तो हो निजवासी।
वनचर भी तो शरणा आवे, मिथ्या तजकर समकित पावे ॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री निर्मल चंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रेमचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इमरतीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री देवचंद जैन (२) श्री स्वरूप चंद जैन (३) श्री रामचंद्र जैन (४) श्री शीलचंद जैन (५) श्री उत्तम चंद जैन (६) श्रीमती कुसुम बाई जैन (७) श्रीमती कमला बाई जैन (८) श्रीमती विमला बाई जैन (९) श्री मती किरण जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४/०४/१९५६ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	२००१ प्रतिभा स्थली जबलपुर (म.प्र.)
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		सन् २००७ में पंचकल्याणक में भगवान के माता पिता बनने पर, बड़ा आमगांव, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	२००७
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ भाग्यसागर जी महाराज

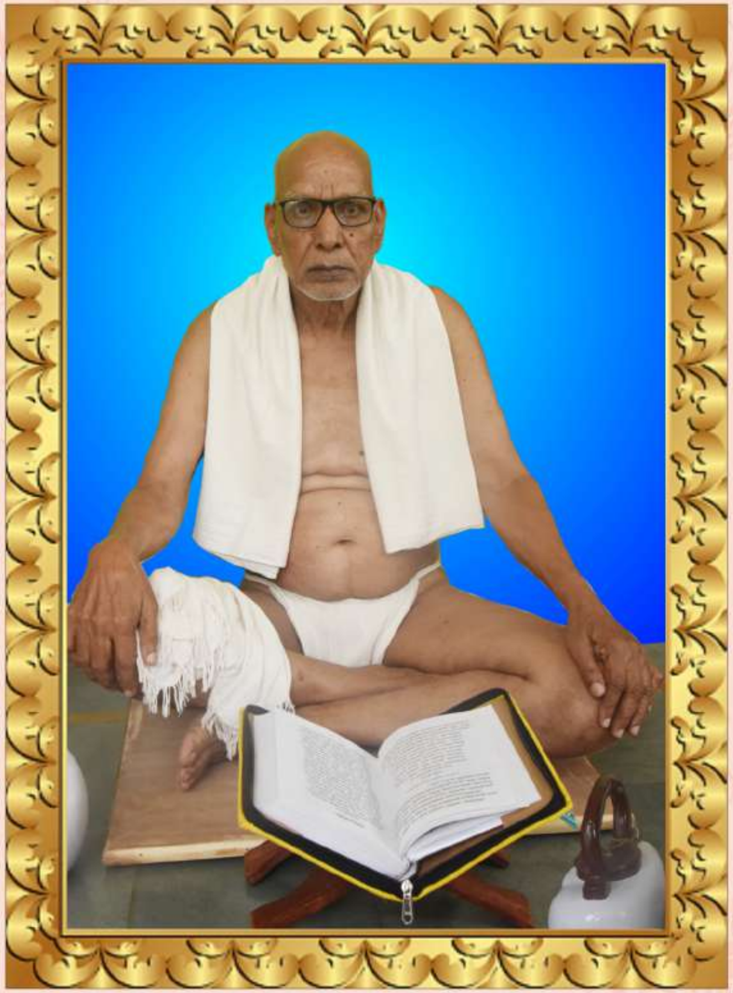

क्षुल्लक श्री १०५ भाग्यसागर जी महाराज

सभी परिग्रह त्याग दिये हैं, अद्भुत तुमने काम किये है।
''निष्परिग्रह'' हो नाम सुध्यावे, मिथ्या तजकर समकित पावे॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री स्वदेशी सुन्दरलाल जी जैन
पिता का नाम	:	स्वदेशी श्री भैयालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्रीमती मथुराबाई जैन (२) स्व. श्रीमती चमेलीबाई जैन (३) श्री मती पुष्पाबाई जैन (४) श्री मती उर्मिला जैन (५) श्री सुरेश कुमार (६) श्री वीरेन्द्र कुमार (७) श्री राजकुमार जैन (८) स्व. श्री नरेश कुमार जैन (९) श्री संजय जैन (१०) श्री संतोष जैन (११) श्री सुनील जैन (१२) श्री प्रवीण जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१३/११/१९४५ सहजपुर जिला- सागर (म.प्र.) (बाद में निवास इंदौर (म.प्र.))
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	सन् २०१९ माह सितम्बर पर्यूषण पर्व (उपरांत) आचार्य श्री १०८ सौभाग्य सागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त शाजापुर रहे हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ आरोग्यसागर जी महाराज

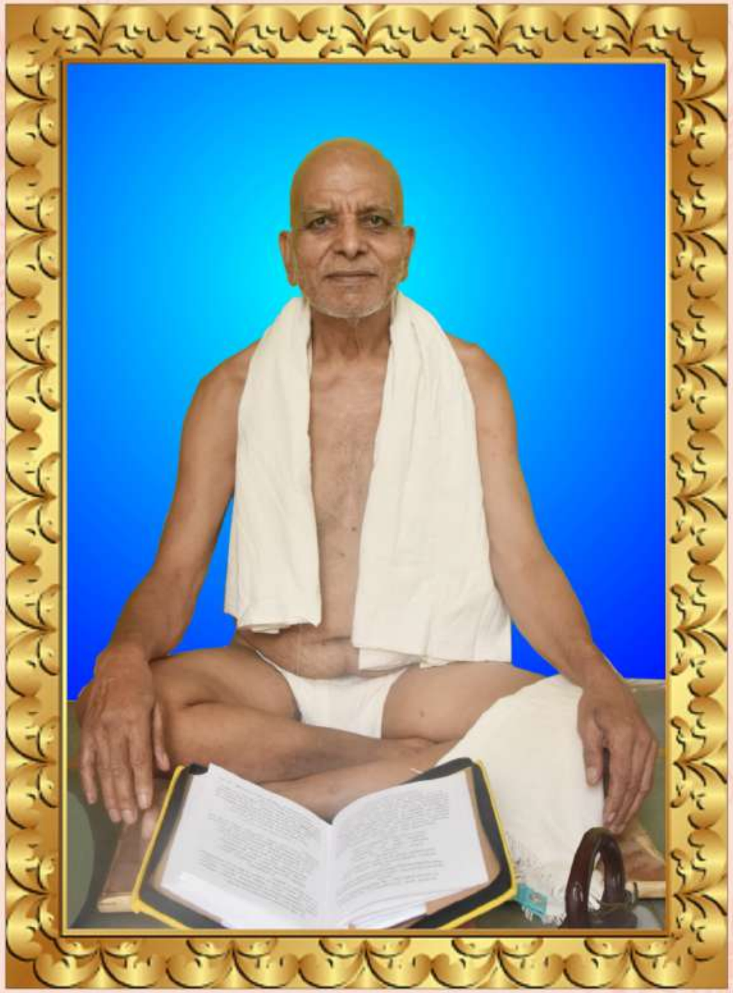

क्षुल्लक श्री १०५ आरोग्यसागर जी महाराज

''आरंभ सारभ छोड़ दिये हैं,'' जग के नाते तोड़ दिये हैं।
थाल सजा के पूजन गावे, मिथ्या तजकर समकित पावे॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री स्वदेशी सुरेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्वदेशी श्री भैयालाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती बेनीबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्रीमती मथुराबाई जैन (२) स्व. श्रीमती चमेलीबाई जैन (३) श्री मती पुष्पाबाई जैन (४) श्री मती उर्मिला जैन (५) श्री सुन्दरलाल (६) श्री सुरेश कुमार (७) श्री वीरेन्द्र कुमार (८) श्री राजकुमार जैन (९) श्री नरेश कुमार जैन (१०) श्री संजय जैन (११) श्री संतोष जैन (१२) श्री सुनील जैन (१३) श्री प्रवीण जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२९/०८/१९४७ तेदूखेंड़ा जिला-नरसिंहपुर (बाद में निवास इंदौर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०/०१/२०१२, मुनि श्री चिन्मयसागर जी से
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	सन् २०१३ माह सितम्बर पर्यूषण पर्व (उपरांत) आचार्य श्री १०८ आरोग्य सागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त शाजापुर रहे हैं।

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ शुक्लसागर जी महाराज

अम्बर छोड़े पर ना शरमं, ब्रह्मचर्य को पाया परमं।
''निर-अम्बर'' को हम कब पावे, मिथ्या तजकर समकित पावे॥

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ शुक्लसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री वीरेन्द्र कुमार जी नायक
पिता का नाम	:	श्री बी.एल. नायक
माता का नाम	:	श्रीमती बेटीबाई
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री धरमचंद जैन (२) श्री वीरेन्द्र जैन (३) स्व.श्री सुरेन्द्र जैन (४) स्व. श्री राजेन्द्र जैन (५) श्री संतोष जैन (६) श्री नवीन कुमार जैन (७) श्री सतीश कुमार (८) श्रीमती कमला बाई
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५/०७/१९४४ जैसीनगर जिला- सागर (म.प्र.) (बाद में निवास खुरई जिला-सागर (म.प्र.))
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए., बी.एड., विशारद
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२८.११.२००६ दयोदय तीर्थ जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	३०.१२.२०१८, खुरई जिला- सागर प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में प्राचार्य पद पर रहे हैं।
समाधि	:	दयोदय तीर्थ जबलपुर (म.प्र.)

क्षुल्लक श्री १०५ श्वेतसागर जी महाराज

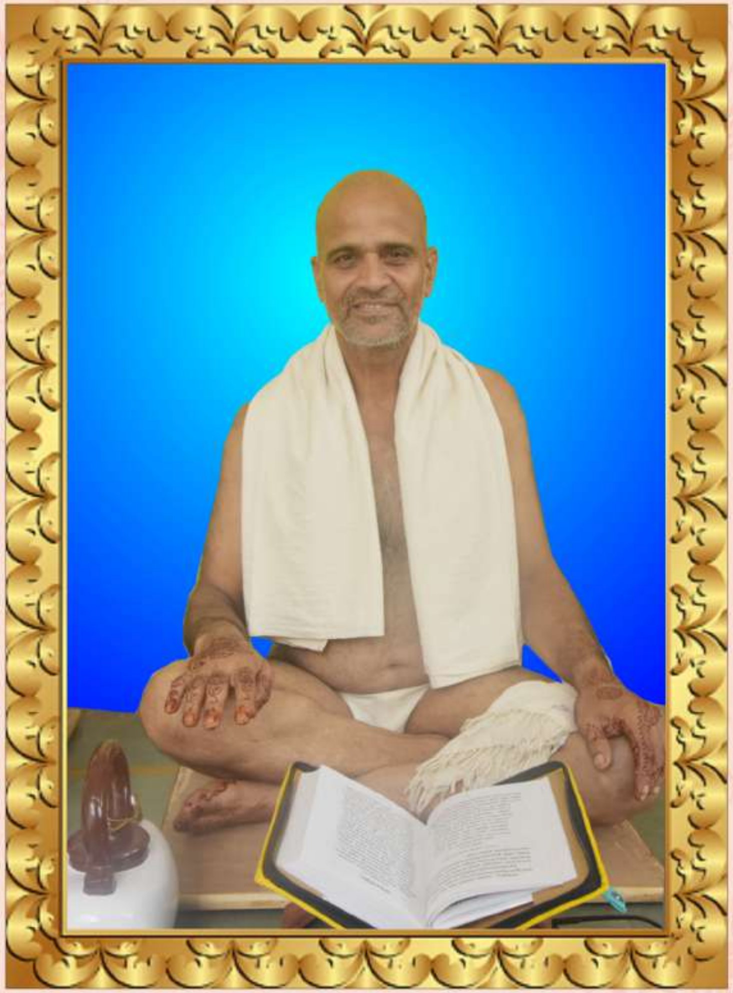

क्षुल्लक श्री १०५ श्वेतसागर जी महाराज

भव सागर में कर्णधार बन, भवि को पार उतारत हो।
रक्षा करते भव भ्रमणों से, तभी आप भव "तारक" हो॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री प्रकाश चंद जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मानिक चंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती श्यामबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्रीमती मुन्नी बाई जैन (२) श्री मुन्नालाल जैन (३) श्रीमती क्रांति बाई जैन (४) आपका क्रम (५) श्रीमती विमला बाई जैन (६) श्रीमती अंगूरी बाई (७) श्रीमती मीना जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०३/०६/१९६२ (बाद में निवास भोहारी, परसोरिया जिला-सागर (म.प्र.))
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०१९ बिजौलिया जी (राज.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	दूसरी प्रतिमा
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विनयसागर जी महाराज

दुष्ट रहा हो पाप लिप्त हो, व्यसनों में अति डूबा हो।
''शरण-दातृ'' की शरण गहे तो, भव भोगों से ऊबा हो॥

क्षुल्लक श्री १०५ विनयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री प्रेमचंद जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री हरदास जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लच्छोबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्री गुलाबचंद जैन (२) श्री आनंदीलाल जैन (३) श्री तुलसीराम जैन (४) श्रीमती केसर छोटी बाई जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१/१०/१९५२ बांदकपुर जिला- दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.एम.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	२००१ बांदकपुर
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		१३/१०/२०१८ खजुराहो
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	२३/१०/२०१८ खजुराहो प. पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं. २०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विरतसागर जी महाराज

उत्तम बढ़िया नेक नेक सब, गुण गण से तुम अन्वित हो।
''शस्यक'' तुमरा पूजक झट से, बन जाता गुण अर्चित औ॥

क्षुल्लक श्री १०५ विरतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री अशोक कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व.श्री हुकुमचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुमरानी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	(१) श्री अजय कुमार जैन
जन्म के क्रम से		(२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८/०१/१९५९, बुधवार, जबलपुर (म.प्र.)
दिन/ स्थान/समय		बाद में निवास बांदकपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	११ वीं
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	सन्२००९ जबलपुर में
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		आर्यिका श्री पूर्णमति माता जी से दयोदय तीर्थ जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	१३/०८/२०२१, प्रतिमा दयोदय तीर्थ जबलपुर (म.प्र.) प. पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज से
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अपारसागर जी महाराज

स्वार्थ छोड़ परमार्थ आपने, साध लिया सो हे स्वामी!।
सच्चे 'स्वार्थी' आप कहाये, पूज करे हम अभिरामी॥

क्षुल्लक श्री १०५ अपारसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री महेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व.श्री कोमलचंद जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सूरजबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) स्व. श्री राजेन्द्र जैन (२) श्री गुलाबचंद जैन (३) श्रीमती ममता जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२७/१२/१९५३
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. आई.टी.आई. (सी.टी.आई.)
ब्रह्मचर्य व्रत (प्रथम बार)	:	२००९ अमरकंटक (म.प्र.)
ब्रह्मचर्य व्रत (आजीवन)		२०१९ शहडोल (म.प्र.)
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	पूर्व में आप आई.टी.आई. कॉलेज शहडोल (म.प्र.) में प्रिसिंपल रहे हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ शमदम सागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ शमदमसागर जी महाराज

स्वभाव अच्छा आपका, श्रेष्ठ शील कहलाय।
नाम 'शमदम' पूजते, भव के कल्मष जाय॥

पूर्व का नाम	:	व्रती श्री सटरूलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मुन्नालाल जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सूरजबाई जैन
भाई-बहिन के नाम जन्म के क्रम से	:	(१) श्रीमती जमुना बाई जैन (२) श्रीमती पंथा बाई जैन (३) श्री नन्नूलाल जैन (४) श्री शांतिलाल जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	वैशाख १९४३
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	८ वीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
प्रतिमा/ कहाँ/ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-२०२१ श्रावण शुक्ल ६, शनिवार, वीर निर्वाण संवत २५४७, वि.सं.२०७८ पूर्णायु, जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ औचित्यसागर जी महाराज-२
जीव न छोटा मानते, सभी बराबर जान।
मन से करायें हिंसा ना, बारंबार प्रणाम ॥

क्षुल्लक श्री १०५ औचित्यसागर जी महाराज-२

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री राहुल भैया जी
पिता का नाम	:	श्री रविन्द्र जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मैना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. बा.ब्र. श्री मनीष भैया जी (वर्तमान में मुनि श्री श्रमणसागर जी महाराज) २. श्री बसंत जैन ३. श्री आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-१०-१९८८ सिहोरा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (आई.टी.)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	श्री महावीर स्वामी ज्ञान कल्याणक २०१४ (आजीवन) नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२४.०९.२०१४, दो प्रतिमा विदिशा (म.प्र.) २०१७, दशहरा, आठ प्रतिमा, रामटेक (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ गहनसागर जी महाराज

हिंसा कार्य कराने का, देते ना उपदेश।
रक्षा जीवों की करी, धर्म अहिंसा वेश॥

क्षुल्लक श्री १०५ गहनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री राजेश भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री दीपचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदाबाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री महेन्द्र कुमार जैन २. श्रीमती सुधा जैन ३. श्रीमति सुनीता जैन ४. श्रीमती संगीता जैन ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२८-०५-१९८०, ज्येष्ठ शुक्ल चर्तुदशी, बुधवार सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ई.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०.०५.२००९ (आजीवन) सागर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में भारत संचार निगम लिमिटेड में उपमंडल अभियंता के पद पर कार्य किया है। सन् २००९ में व्याख्याता हेतु एम.पी.पी.एस.सी. द्वारा द्वितीय क्रम पर चयनित हुए थे।

क्षुल्लक श्री १०५ सुधारसागर जी महाराज

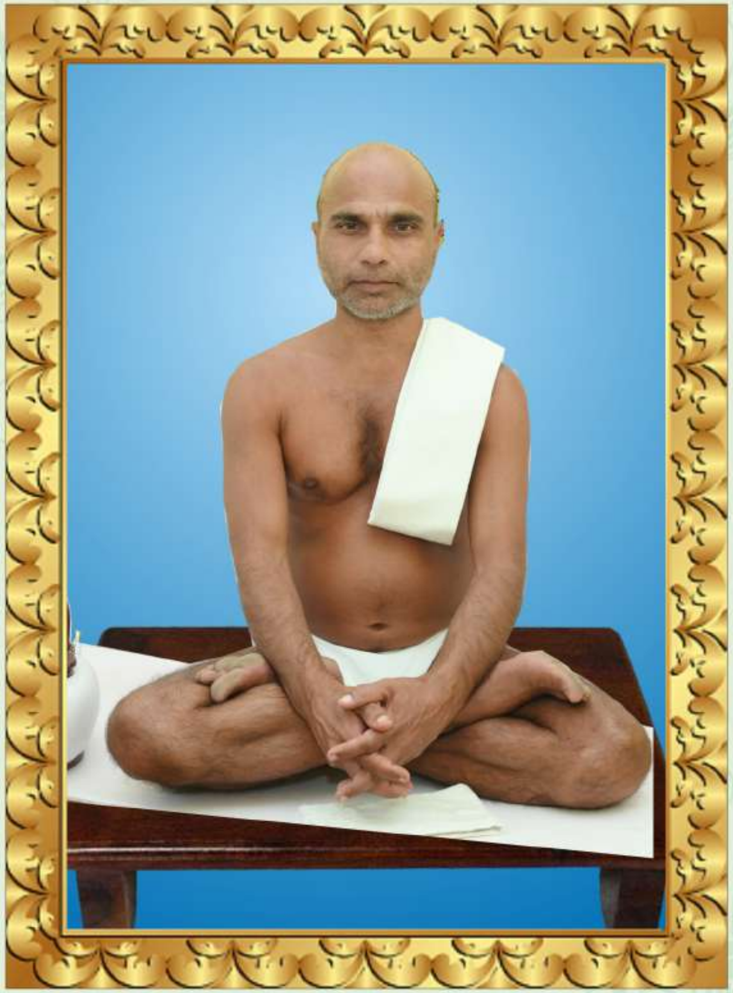

क्षुल्लक श्री १०५ सुधारसागर जी महाराज

वचनों से संयम रखें, करते ना अनुमोद।
वचनों से रक्षा करें, करें आत्म का शोध॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री भूपेन्द्र भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मलचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीलादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री नरेन्द्र कुमार जैन २. श्रीमती रेखा जैन ३. श्री महेन्द्र कुमार जैन ४. श्री सुरेन्द्र कुमार जैन ५. श्री शैलेन्द्र कुमार ६. श्रीमती रेखा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७-०८-१९७५, श्रावण शुक्ल एकादशी, रविवार ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१.०६.२००६ (प्रथम बार) बहोरीबंद तीर्थक्षेत्र १८.०२.२००८ (आजीवन) गंजबासौदा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	२८.०९.२०२० दो प्रतिमा, इन्दौर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ मंथनसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ मंथनसागर जी महाराज

वचन से कह ना कराते हैं, पूर्ण अहिंसा पाल।
जीव रक्षा शुभ धर्म है, छूटे जग जंजाल॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सुमित भैया जी
पिता का नाम	:	श्री सुरेशचंद्र जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्नेहलता जैन (रानी जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सचिन जैन २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-०१-१९९०, बुधवार गुना (म.प्र.) प्रात: ११.१०
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम., सी.ए. आइ.पी.सी.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१.१०.२०१७ (प्रथम बार), रामटेक जिला-नागपुर (महाराष्ट्र) २०१८ (आजीवन) श्री तीर्थक्षेत्र पपौरा जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने २ वर्ष तक बीना बारहा जी में सेवाएं दी, हथकरधा का कार्य किया एवं दुग्ध योजना में सहयोग प्रदान किया। संयम स्वर्ण महोत्सव में विशेष सहयोग दिया।

क्षुल्लक श्री १०५ कैवल्यसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ कैवल्यसागर जी महाराज
पर काया से ना कराते, काले पापों को नशाते।
काया में संयम आया, रक्षा का भाव बनाया॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री मयूर भैया जी
पिता का नाम	:	श्री मुकेश कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मालारानी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती दर्शना जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२८-०५-१९९४,ज्येष्ठ कृष्ण चर्तुर्थी, शनिवार विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (सिविल), एम.ई. (पर्यावरण)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७.११.२०१६ (प्रथम बार), भोपाल (म.प्र.) २३.०७.२०२० (आजीवन) श्रावण शुक्ल तृतीया, गुरुवार, प्रतिभा स्थली इन्दौर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री तथा मति माता जी है।

क्षुल्लक श्री १०५ चैत्यसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५चैत्यसागर जी महाराज
वचनों पर संयम है आया, हिंसा कर्म नहीं करवाया।
वच कारित हिंसा को छोड़ा, निजआतम से नाता जोड़ा॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. श्री ईश्वरदास भैया जी सोधिया (ईशु भैया)
पिता का नाम	:	श्री महेन्द्र कुमार जैन सोधिया (जैन)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती ममता जैन सोधिया (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री मयूर जैन सोधिया २. श्री अंकित कुमार जैन सोधिया ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-१२-१९९१, पौष कृष्ण पंचमी, बुधवार महाराजपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (मल्टी मीडिया एण्ड एनीमेशन) डिप्लोमा गेम डिजाइन।
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०११ (प्रथम बार), २०१५ (आजीवन) धनतेरस बीना बारहा जी तीर्थ क्षेत्र जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने ६ वर्ष तक हथकरघा बीना बारहा में विशेष योगदान दिया। आपके गृहस्थ जीवन के माता-पिता को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पिच्छी लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

क्षुल्लक श्री १०५मननसागर जी महाराज
व्रत के ही प्रारंभ में, धर्म अहिंसा बताय।
चारित शुद्धि हो तभी, धर्म अहिंसा पाय॥

क्षुल्लक श्री १०५ मननसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सचिन भैया जी (प्रिंस)
पिता का नाम	:	श्री प्रमोद कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुमन जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री शुभम जैन ३. श्री शशांक जैन ४. श्री यश जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२-०७-१९९१,आषाढ़ कृष्ण पंचमी मुंगावली जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (सी.एस.)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१.०६.२०१३ (प्रथम बार) अमरकंटक (म.प्र.) ०७.०८.२०१७ (आजीवन) श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, रक्षाबंधन रामटेक जिला-नागपुर (महा.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं. २५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में पुणे बैंक में कार्यरत रहे। हथकरघा कुंडलपुर में ६ माह तक योगदान दिया। एवं तीन वर्ष तक शांतिधारा गौशाला बीना बारहा में सेवाएं दी।

क्षुल्लक श्री १०५ सुदृढ़सागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ सुदृढ़सागर जी महाराज

सत्य राह पर जो चले, मुक्त मंजिल पाये।
सत्य बिना सुख ना मिले, प्रभु जी यही बतायें॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री मानस भैया जी (बाकलीवाल)
पिता का नाम	:	श्री मुकेश कुमार जैन (बाकलीवाल)
माता का नाम	:	श्रीमती रश्मि जैन (बाकलीवाल)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. मानसी जैन २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०४-१९९७ इन्दौर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एम.एस. (मार्केटिंग), एम.बी.ए. (पी.जी.पी.एफ.एम.बी.)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में मोनित पेपर एंड केमीकल्स प्रायवेट कंपनी में निर्देशक के पद पर कार्य किया।

क्षुल्लक श्री १०५ अपारसागर जी महाराज-२

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सचिन भैया जी
पिता का नाम	:	श्री गुलाबराव चंद्रनाथ जैन (वरवंटे)
माता का नाम	:	श्रीमती विमलबाई गुलाबराव जैन (वरवंटे)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुनील गुलाबराव जैन (वरवंटे) २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०४-१९९०, चैत्र बारस पुसंद (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२८.०९.२०२० (आजीवन) इन्दौर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अपारसागर जी महाराज-२

ना करती ना करवाती, दोषों को दूर भगाती।
बाधा काया ना डाले, सद्धर्म के हैं रखवाले॥

क्षुल्लक श्री १०५ समुचितसागर जी महाराज

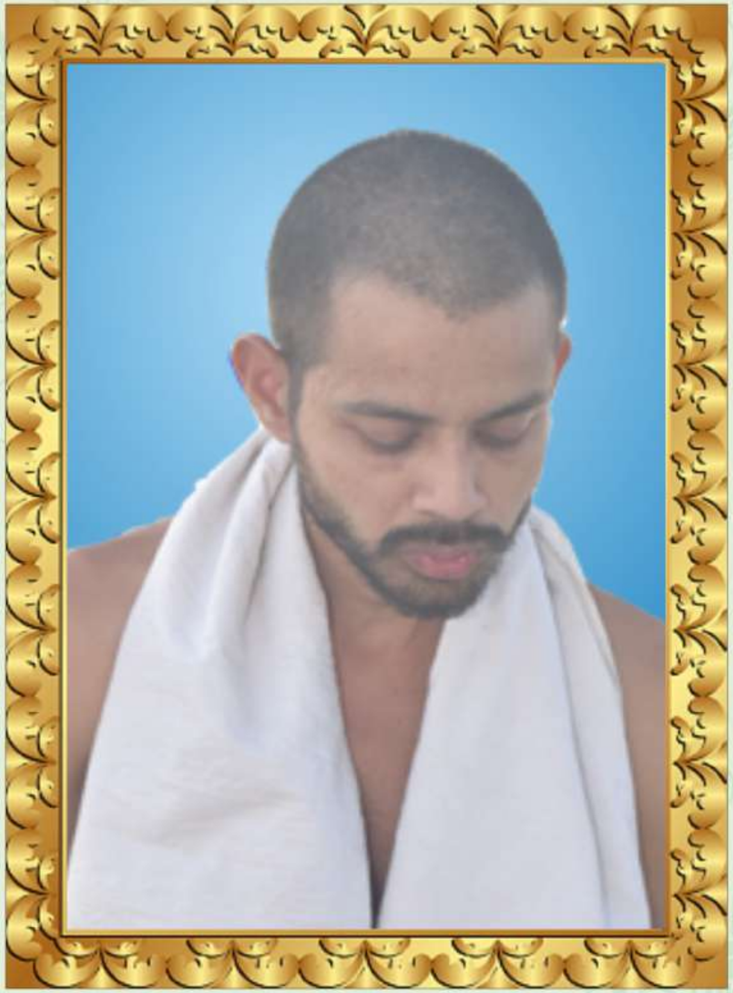

क्षुल्लक श्री १०५ समुचितसागर जी महाराज
तृष्णा करता करवाये, इसमें ही पाप कमायें।
मन कारित लोभ भगाना, यदि आतम शुद्ध बनाना॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री प्रांशुल भैया जी
पिता का नाम	:	श्री अनिल कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शशिकांता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अभिजीत जैन २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०५-०५-१९९१, रविवार, वैशाख कृष्ण षष्ठी सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (सिविल), एम.टेक (ट्रांसपोटेशन इंजी.)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०.०२.२०१९ (प्रथम बार) भाग्योदय सागर १८.०९.२०२० (आजीवन) इन्दौर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री विजितमती माता जी हैं व पूर्व में आपने इंजीनियरिंग कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी हैं।

क्षुल्लक श्री १०५ विचारसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विचारसागर जी महाराज

पर की निंदा पाप है, निंदा से रहो दूर।
प्रभु शरण में बैठ जा, होवे सुख भरपूर॥

पूर्व का नाम	:	**बा. ब्र. श्री अविचल भैया जी** (चंचल भैया)
पिता का नाम	:	श्री राजेन्द्र कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरोज जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री आशीष कुमार जैन ३. अर्पित कुमार जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३१-०७-१९७८, सोमवार गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१७.०२.२००६ (प्रथम बार) श्री सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.) १७.०४.२००८ (आजीवन) विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ मगनसागर जी महाराज

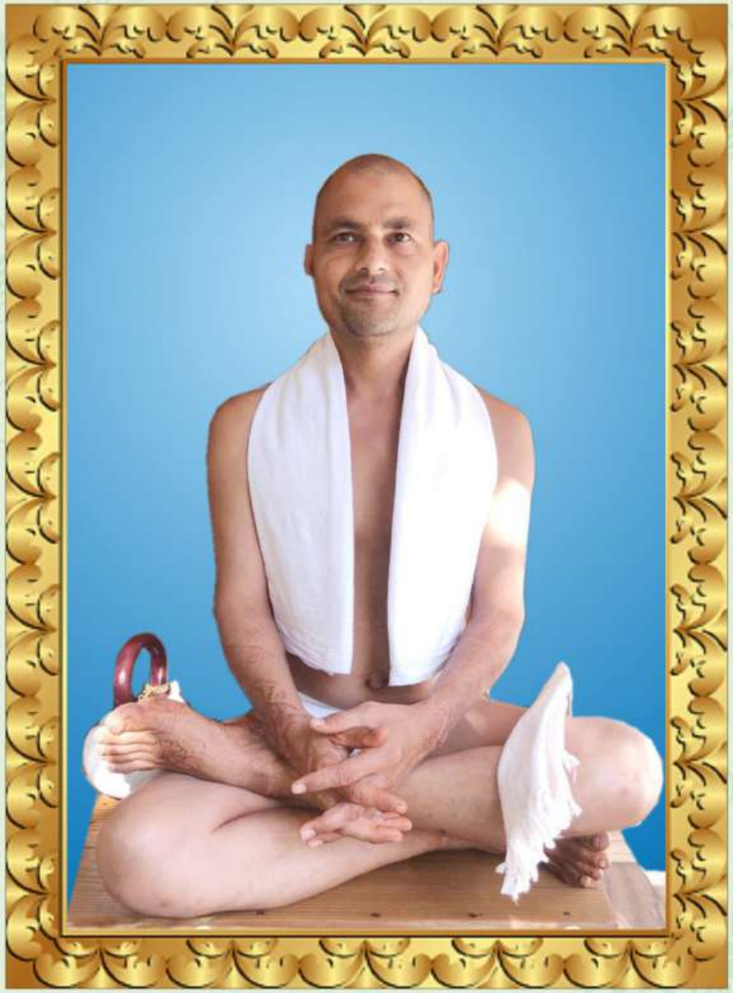

क्षुल्लक श्री १०५ मगनसागर जी महाराज

पाप की जड़ अभिमान बताया, पापों की सेना को, लेकर के आया।
पर की निन्दा वो, भाव बिगाड़े, सत्य महाव्रत ही, निज को सुधारे॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री संदीप भैया जी मोदी (राजा भैया)
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जैन मोदी
माता का नाम	:	श्रीमती चंचल मोदी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री प्रदीप कुमार २. श्रीमती मंजू जैन ३. श्रीमती प्रतिभा जैन ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१५-०२-१९७९, गुरुवार खिमलासा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०६.०६.२००० (प्रथम बार) श्रुतपंचमी अमरकंटक जिला-अनूपपुर (म.प्र.) १८.०२.२००८ (आजीवन) गंजबासौदा जिला- विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में गुरु आशीष से मंदिर निर्माण और साधकों की सल्लेखना करवाने में सहयोग प्रदान किया।

क्षुल्लक श्री १०५ तन्मयसागर जी महाराज

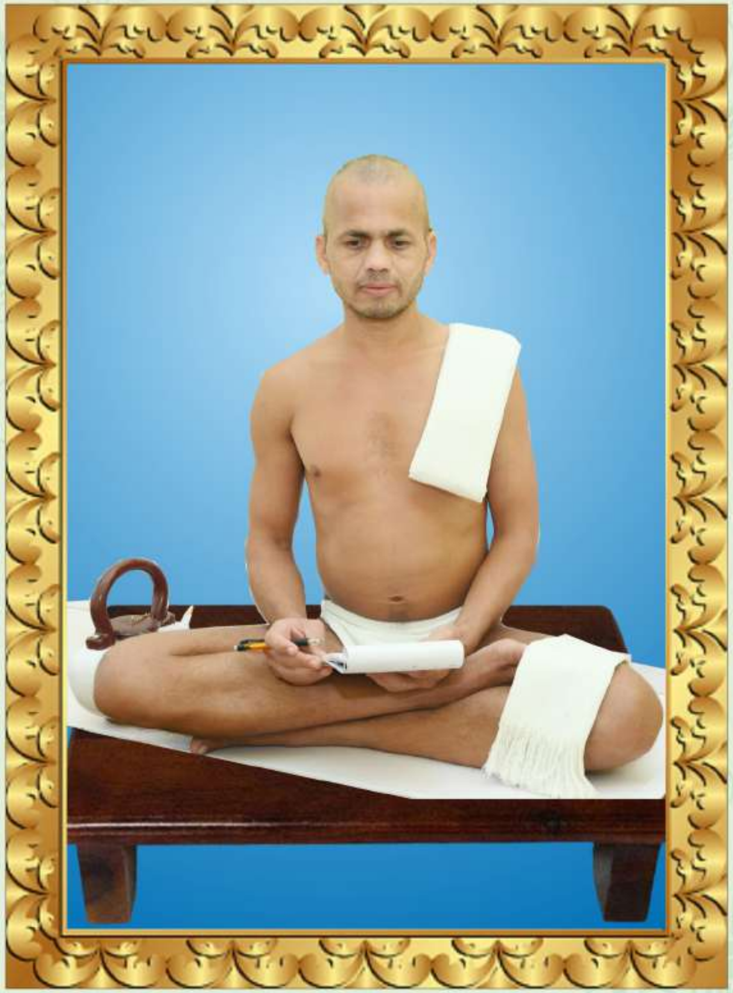

क्षुल्लक श्री १०५ तन्मयसागर जी महाराज
सत्य सूर्य को पाना है, सत्य महाव्रत धार।
आत्म सत्य मिल जायेगा, है जीवन का सार॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अमित भैया जी मोदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री कल्याणचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कल्पना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती कीर्ति जैन २. आपका क्रम ३. श्री आशीष कुमार जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१३-०२-१९८३, गुरुवार ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२६.०६.२०१७ (आजीवन) डोंगरगढ़ जिला- राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	दो प्रतिमा ०६-०४-२०२१ नेमावर
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के चाचा पूज्य मुनि श्री १०८ अनंतसागर जी महाराज और पूज्य मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज हैं। आप सभी एक ही गुरु से दीक्षित है।

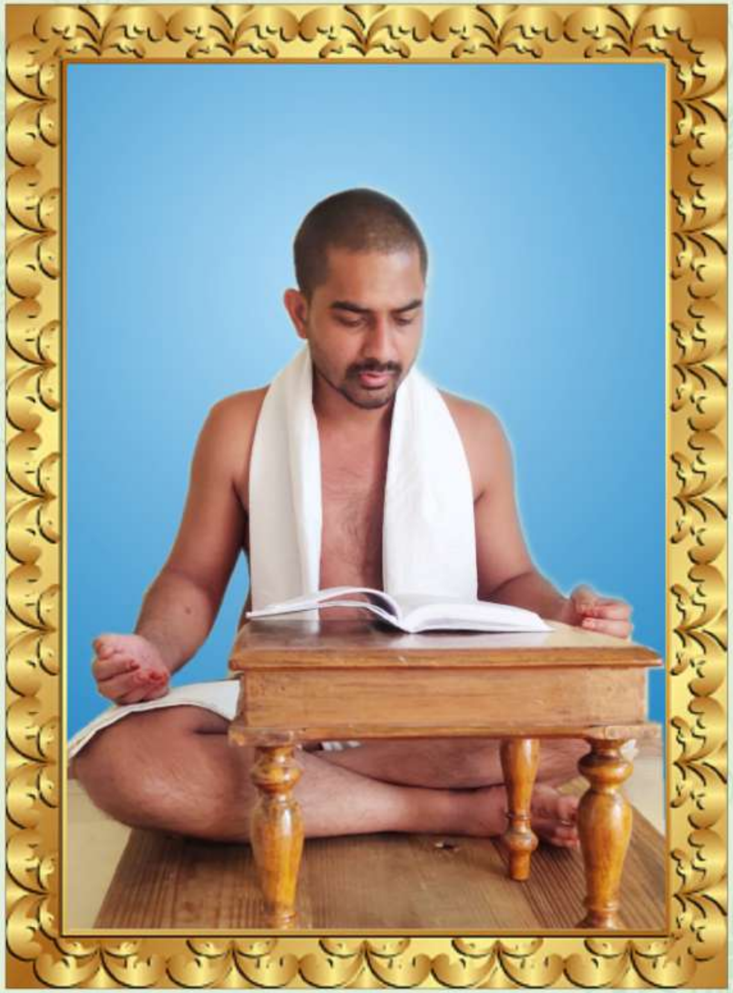

क्षुल्लक श्री १०५ उचितसागर जी महाराज

काया पर संयम छाया, नहि परिग्रह ने भरमाया।
न लेते और न देते, वे व्रत अचौर्य को धरते॥

क्षुल्लक श्री १०५ उचितसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. मूयर भैया जी
पिता का नाम	:	श्री मुकेश कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरिता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री शुभम जैन ३. आकांक्षा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-०६-१९९३ सुरखी जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२७.०१.२०१९ (प्रथम बार) भाग्योदय तीर्थक्षेत्र सागर (म.प्र.) १९.०२.२०१९ (आजीवन) माघ शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार, सुरखी जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली।
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अथाहसागर जी महाराज

कोई वस्तु से ना आशा, इससे ना होय निराशा।
अनुमोदन चोरी की त्यागी, क्योंकि निज आतम जागी॥

क्षुल्लक श्री १०५ अथाहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अर्पित भैया जी
पिता का नाम	:	श्री ब्रजेश कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मंजू जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अंकिश जैन २. आपका क्रम ३. श्री हर्षित जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१६-०१-१९९०, मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी फिरोजाबाद (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एल.एल.बी., सीएस.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२४.०९.२०१९ (आजीवन) नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ उत्साहसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ उत्साहसागर जी महाराज
तन को संस्कारित कीना, तन अनुमोदना न कीना।
काया भी धर्म करावे, पापों से दूर भगावे॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री चंदन भैया जी
पिता का नाम	:	श्री शामलाल जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मधु जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री दीपक जैन २. श्री मनिक जैन ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०२-१९८८, फाल्गुल शुक्ल चतुर्थी फिरोजपुर (पंजाब)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०१३ (प्रथम बार) रामटेक जिला नागपुर (महा.) ०७.०८.२०१८ (आजीवन) खजुराहो जिला- छतरपुर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली।
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में एक्सिस बैंक, मोगा पंजाब में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्य किया।

क्षुल्लक श्री १०५ अमापसागर जी महाराज

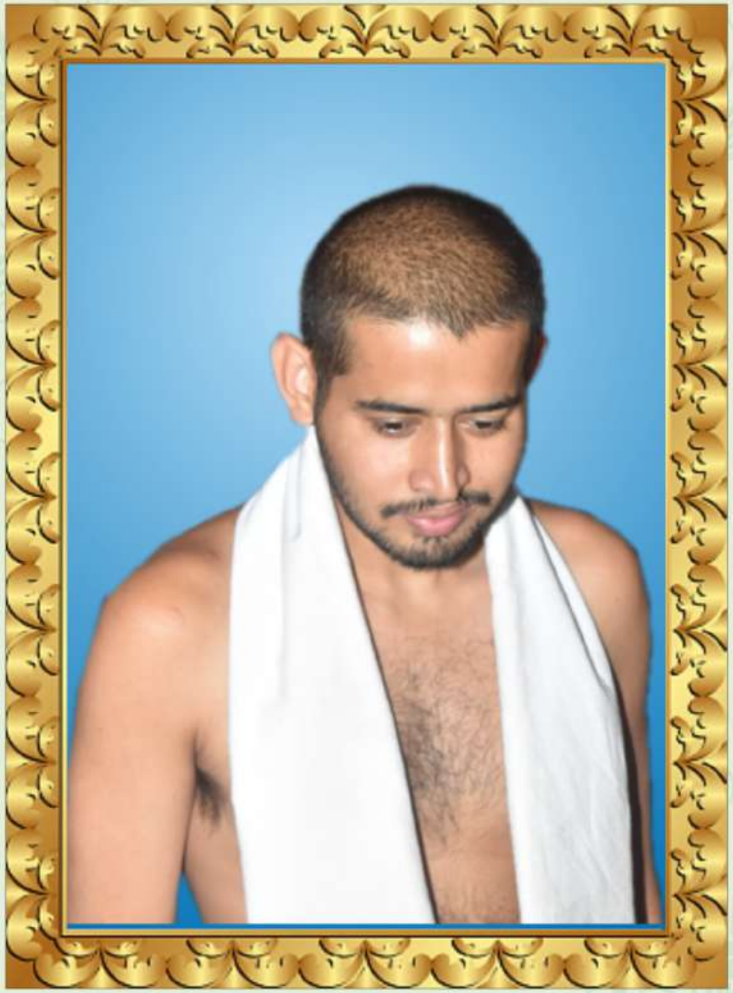

क्षुल्लक श्री १०५ अमापसागर जी महाराज
पूर्ण ब्रह्मचर्य को धरा, आतम ध्यान लगाय।
इसी को पा मुक्ति गये, पाने शीश झुकायें॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री कार्तिक भैया जी
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती नेहा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति काजल जैन २. आपका क्रम ३. श्री अभिषेक जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	०७-०७-१९९३, श्रावण शुक्ल तृतीया, मंगलवार दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	सी.ए.डीआईएस ए, एफ ए एफ डी, कानकरेंट ऑडिटर, बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०.०८.२०२१ (आजीवन) दयोदय तीर्थ, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	नहीं ली
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विरलसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विरलसागर जी महाराज

मन विकार विषयों में रमते, पर जिनवर रस नाही लेते।
रसना इन्द्रिय को वश कीना, ब्रह्मचर्य मन से धर लीना॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सौरभ भैया जी
पिता का नाम	:	श्री मुन्नालाल जी जैन (वर्तमान में मुनि श्री अकंपसागर जी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती सुनीता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुलेखा जैन २. श्री सचिन जैन ३. श्रीमती प्रीति जैन ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१४-०८-१९९० सागर (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	नवमीं
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०१७ (प्रथम बार) डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) २०१९ (आजीवन) नेमावर जी में (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०२-२०२२, फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, रविवार वी.नि.सं.२५४८ वि.सं. २०७८ पंचकल्याणक महोत्सव, तप कल्याणक, श्री १००८ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर जिला-दमोह (म.प्र.)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ स्वागतसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ स्वागतसागर जी महाराज-२

बनत अंकडी जगत में, विद्यासागर संत।
सब जग के गुरुवर बने, हैं भावी अरहंत॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. श्री नीतेश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री बसंत लाल जी शाह (वर्तमान में क्षु. श्री परीतसागर जी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती चमेली देवी जी शाह (समाधिस्थ क्षु. श्री विश्वसिद्धि माता जी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संदीप कुमार जी २. बा.ब्र. बिंदु दीदी जी ३. श्रीमती किरण जैन ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०३-०९-१९८३ बागीदौरा जिला-बांसवाड़ा (राजस्थान)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	प्रथम बार सन् २००८, जबलपुर (म.प्र.) आजीवन, ०४/०८/२०१० श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिधाम, बीना बारह तहसील-देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	दो प्रतिमा नेमावर, ५ प्रतिमा महावीर जयंती, नेमावर, ७ प्रतिमा वैशाख कृष्ण अमावस्या नेमावर, १० प्रतिमा वैशाख शुक्ल सप्तमी नेमावर।
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ आगतसागर जी महाराज

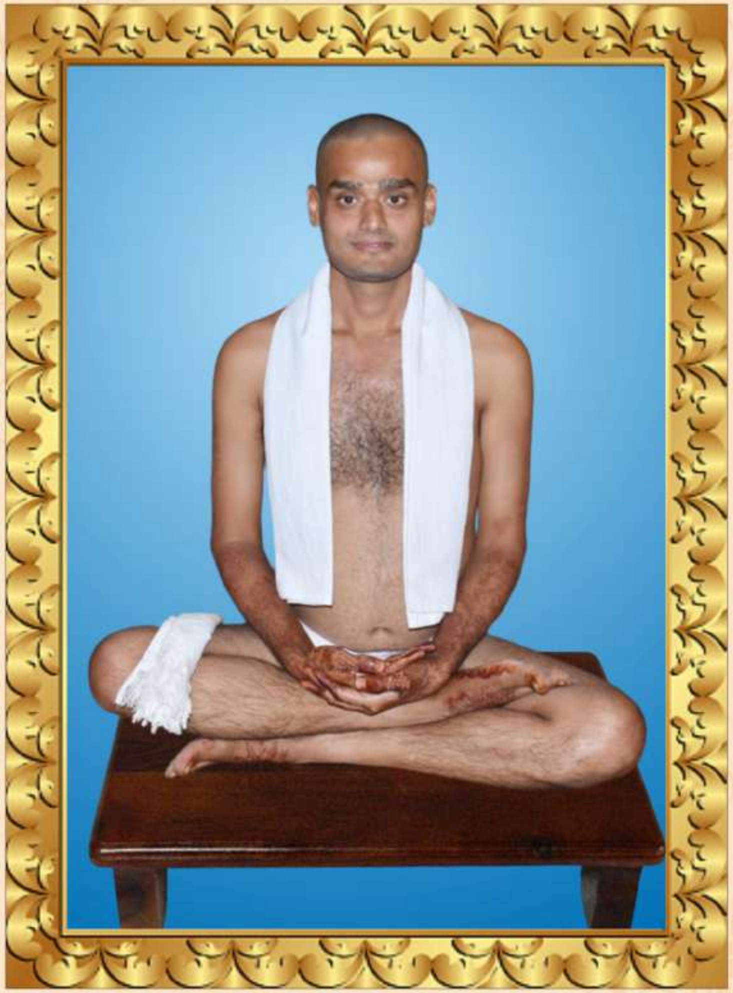

क्षुल्लक श्री १०५ आगतसागर जी महाराज

बंद अंखड़ी चल पड़ा, विद्यासागर संग।
पा जाऊँगा मुक्ति मैं, रंगना है गुरु रंग॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. यशपाल (गोलू) भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री अनिल कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरोज जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती अनुपमा जैन २. श्रीमती इंद्रा जैन ३. आपका क्रम ४. श्रीमती दीपा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०८/०१/१९८६, पौष कृष्ण १३ दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	प्रथम बार सन् २००८, रामटेक (महाराष्ट्र) आजीवन, ३०-११-२०११ दुर्ग (छत्तीसगढ़)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	सात प्रतिमा जनवरी २०२२ कुंडलपुर सिद्धक्षेत्र (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ भास्वतसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ भास्वतसागर जी महाराज

अंगवाना विद्यागुरु, मनुज जन्म सौभाग्य।
चलना गुरु संग मार्ग में, वीरों का है कार्य॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री सौरभ भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री संतोष कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीला जैन (अष्टम प्रतिमाधारी)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री संदीप जैन २. श्रीमती रानू जैन ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३१/०१/१९७९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम,एम.बी.ए., जे.ए.आई.आई.बी.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	प्रथम बार, २६ जनवरी २००५ पनागर, जबलपुर आजीवन दीपावली के दिन २००८ रामटेक (महा.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	द्वितीय प्रतिमा ४ जनवरी २०१८, चंद्रगिरी डोंगरगढ़ (छ.ग.) तीसरी प्रतिमा - २०२० इन्दौर (म.प्र.) चौथी प्रतिमा - २९ जुलाई २०२१ पनागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	अपकी गृहस्थ जीवन की माता जी पूज्य आचार्य श्री जी के आशीर्वाद से साधिका आश्रम सागर में साधनारत् है। आप पूर्व में आई बी एफ के सदस्य रहे हैं आपने १३ वर्षों तक महिंद्रा फाइनेंस और आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड में रीजनल मैनेजर के पद पर कार्य किया है।

क्षुल्लक श्री १०५ स्वास्तिकसागर जी महाराज

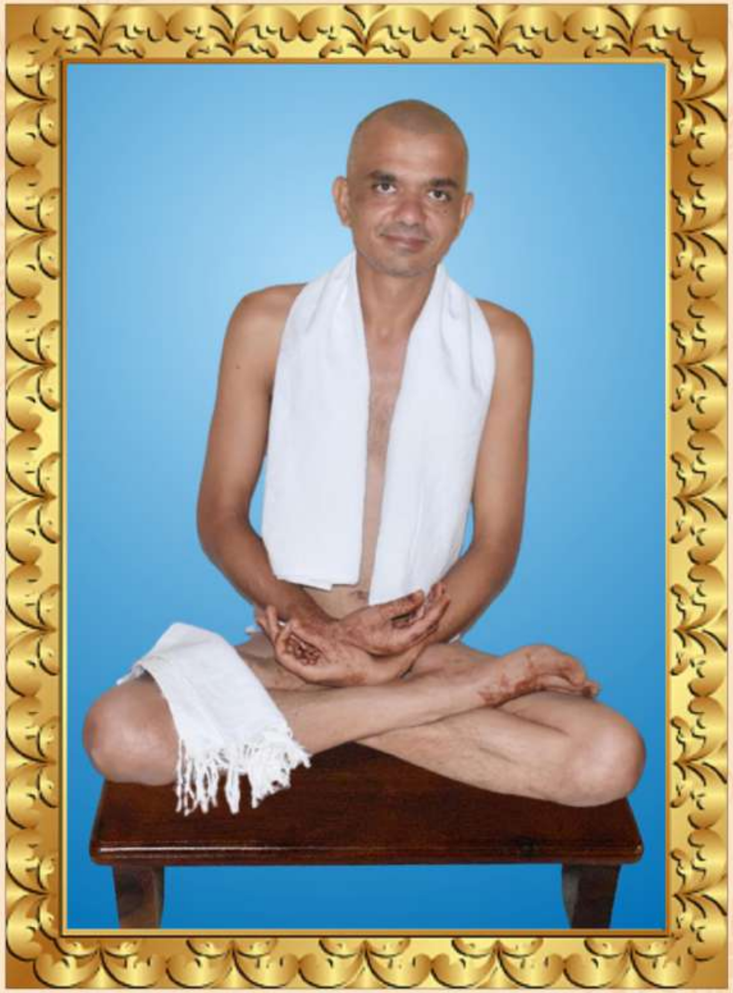

क्षुल्लक श्री १०५ स्वास्तिकसागर जी महाराज
नैनों में अंजन लगे, कैसा बढ़ता नूर।
विद्यागुरु मम नयन बसे, भले हूँ उनसे दूर॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. श्रवण (लकी) भैया जी
पिता का नाम	:	श्री संतोष कुमार सिंघई
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला सिंघई
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री शैलेंद्र जैन (२) श्री सोमिल सिंघई ३) श्रीमती स्वेता सिंघई (४) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२९/०८/१९८६ दमोह (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीकॉम, एमकॉम,
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार), २५ जनवरी २०१७
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के पिता श्री कुंडलपुर सिद्धक्षेत्र (म.प्र.) के अध्यक्ष 18 वर्ष तक रहे और इन्ही की अध्यक्षता में कुंडलपुर सन् 2022 का महामहोत्सव संपन्न हुआ था।

क्षुल्लक श्री १०५ भारतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. सौरभ भैया जी
पिता का नाम	:	व्रती श्री संतोष कुमार जैन
माता का नाम	:	व्रती श्रीमती रजनी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्रीमती स्वाति जैन (२) ब्र. शुभि दीदी ३) श्रीमती रानू जैन (४)आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२७/०२/१९९६, सिलवानी जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीकॉम, सी. ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-सन् २०१० बीना बारह जी (म.प्र.) (आजीवन)-१३ दिसंबर २०१६, सिलवानी जिला - रायसेन (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२ प्रतिमा नेमावर, ३ प्रतिमा शिरपुर (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

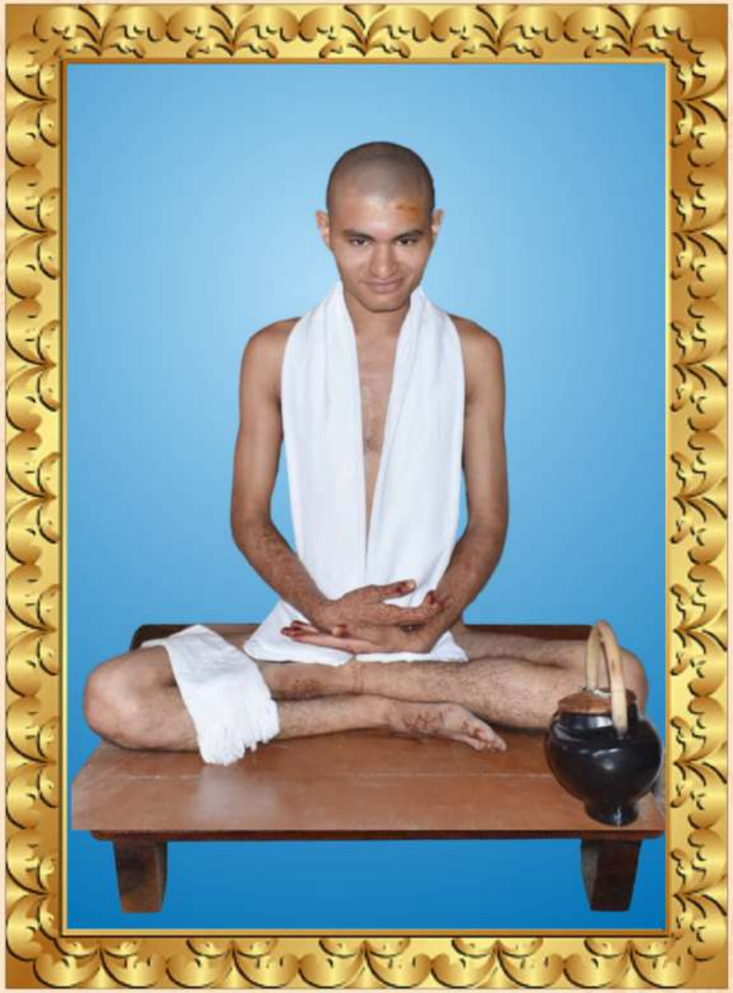

क्षुल्लक श्री १०५ भारतसागर जी महाराज

अंत:पुर में ले चलो, विद्यागुरु भगवान।
शरण आपकी आ गया, सुन लो दयानिधान॥

क्षुल्लक श्री १०५ जाग्रतसागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५जाग्रतसागर जी महाराज

वेश दिगम्बर ही सदा, है अंतक संसार।
विद्यासागर की शरण, करती है उद्धार॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. शुभम भैया जी
पिता का नाम	:	श्री रमेश कुमार जैन
माता का नाम	:	व्रती श्रीमती सविता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) ब्र. स्वेता दीदी जी (२) श्रीमती स्वाति जैन (३) श्रीमती सुरभि जैन(४) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२/०१/१९९७ सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	सी. ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०३ मार्च २०२२ कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२ प्रतिमा, शिरपुर (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ उद्यमसागर जी महाराज

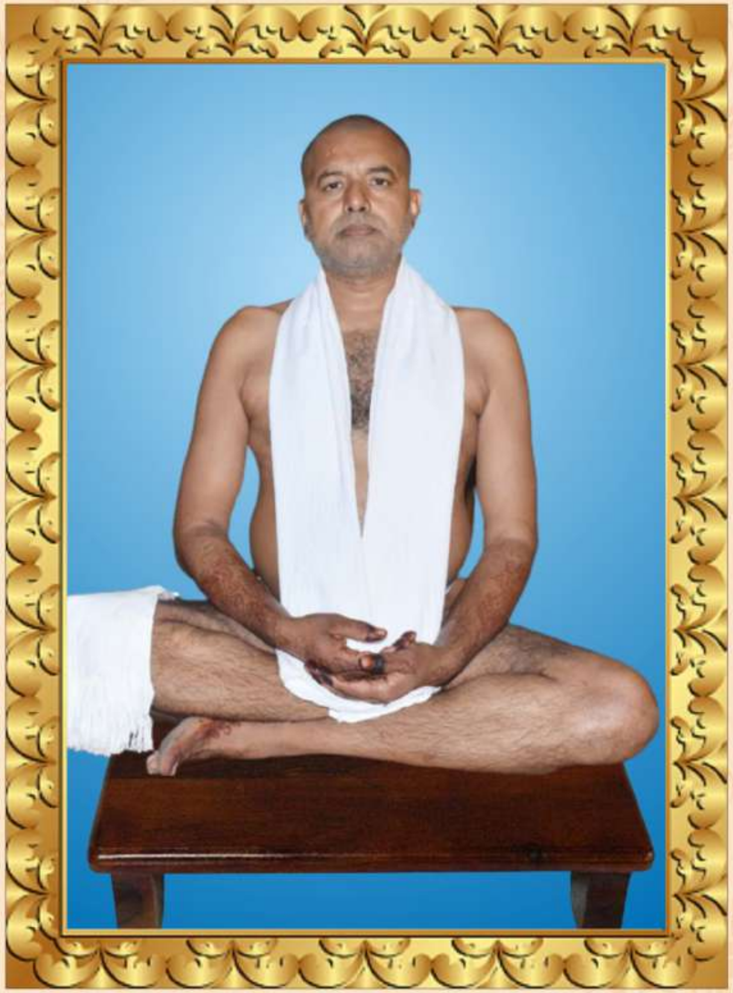

क्षुल्लक श्री १०५ उद्यमसागर जी महाराज
अंतर्दर्शी पूज्य गुरु, हरते जग की पीर।
देते दीक्षा शिष्य को, वर्तमान महावीर॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. शैलेंद्र (शालू) भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री नेनचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती रामकली जैन (समाधिस्थ श्रृद्धा श्री मां)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री अशोक कुमार जैन (२) स्व.श्री विनोद कुमार जैन (३) स्व. श्रीमुकेश कुमार जैन (४) श्रीमती संध्या जैन (५) श्रीमती साधना जैन (६) ब्र. संजीव भैया जी (७) श्रीमती सीमा जैन (८) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१/१०/१९७५, कटंगी जिला जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	(प्रथम बार)-सन् २००६ बहोरीबंद तीर्थक्षेत्र (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		(आजीवन)- २००९ भाग्योदय सागर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२ प्रतिमा श्रुत पंचमी-कुंडलपुर (मध्य प्रदेश) और ७ प्रतिमा- सागर (म.प्र.), ८ प्रतिमा - शिरपुर (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ गरिष्ठसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. स्वतंत्र (बौद्धिक) भैया जी
पिता का नाम	:	श्री जिनेश कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती रेखा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) आपका क्रम (२) डॉ. स्वतक जैन (३) सुव्रत जैन (४) श्रीमती डॉ साक्षी जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२/०२/१९८३ विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीकॉम
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-०७अक्टूबर २०१४ विदिशा (म.प्र.) (आजीवन)-२६ जून २०१७ डोंगरगढ़ (छ.ग.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२ प्रतिमा शिरपुर (महा)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ गरिष्ठसागर जी महाराज

अंतर्दृष्टि जीव पर, पड़े धर्म की छाप।
शरण चरण विद्यागुरु, हाथ पकड़ लो आप॥

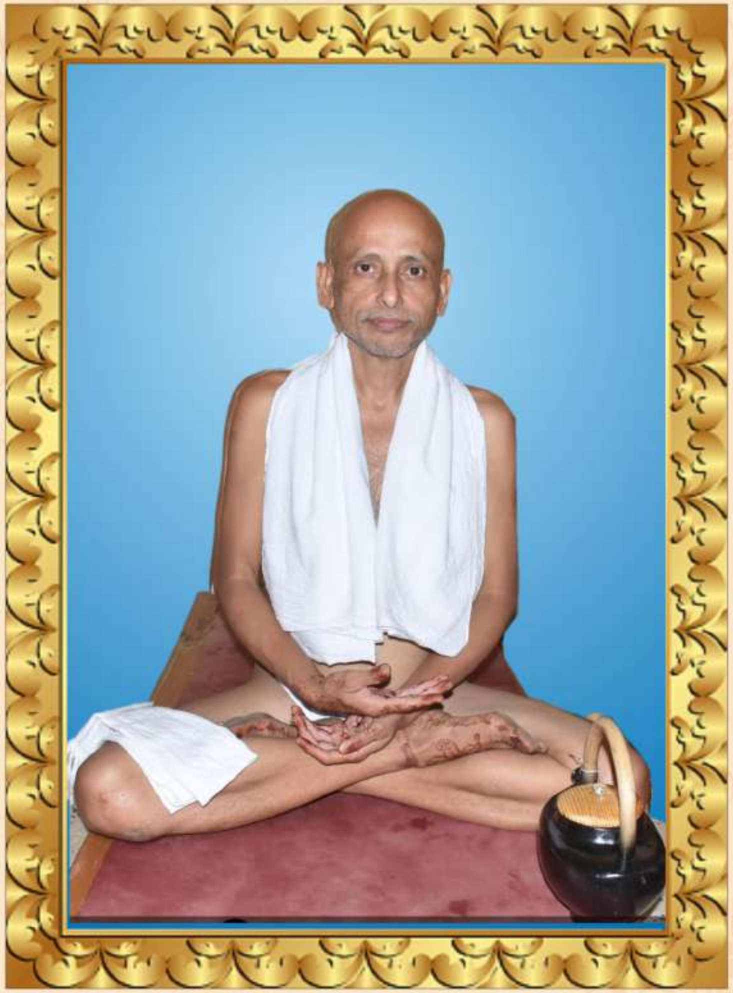

क्षुल्लक श्री १०५ आदरसागर जी महाराज

भक्तों के हैं सामने, पर हैं अंतर्धान।
निज में लीन सदा रहें, विद्यागुरु भगवान॥

क्षुल्लक श्री १०५ आदरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री संजय भैया जी जैन छाबड़ा
पिता का नाम	:	स्व. श्री ज्ञानचंद जी जैन छाबड़ा (समाधिस्थ क्षु. श्री ज्ञानसागर जी)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांतिदेवी जै न छाबड़ा (समाधिस्थ क्षु. श्री विश्वसिद्धिश्री माता जी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अशोक जी २. श्री विनोद जी ३. श्रीमती बीना झांझरी ४. श्री सुनील जी ५. स्व. श्रीमती सरिता जैन ६. आपका क्रम ७. श्रीमती ज्योति रारा ८. श्री अभय जी ९. श्री आलोक जी
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१८-११-१९६९ गया (बिहार) बाद में पटना (बिहार)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	प्रथम बार सन् १९९९ इन्दौर (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	दो प्रतिमा पपौरा जी टीकमगढ़ (म.प्र.) अप्रैल २०१८ सात प्रतिमा, इन्दौर २०२०
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में १८ वर्ष तक हिण्डालको कंपनी मुबई में सर्विस की है।

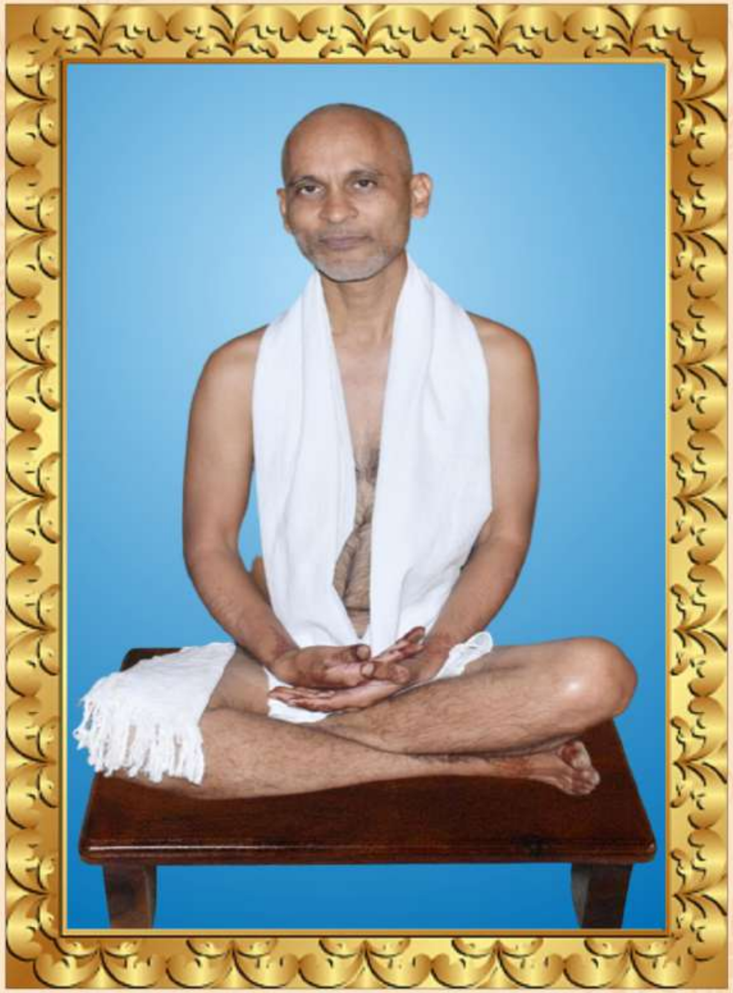

क्षुल्लक श्री १०५ समादरसागर जी महाराज

गुरु विद्यासागर मेरे, मानो तीर्थ समान।
बाहर क्या हो देखते, अंतर्निहित लो जान॥

क्षुल्लक श्री १०५ समादरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. किरीट (गोनू) लुहाड़िया भैया जी
पिता का नाम	:	स्व.श्री प्रेमचंद जी जैन लुहाड़िया
माता का नाम	:	श्रीमती चंदा देवी जैन लुहाड़िया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री कीर्ति कुमार जैन (२) आपका क्रम (३) श्री सुनील जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०२/०१/१९७४ खातेगांव जिला देवास (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकंडरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-१६ दिसंबर १९९२ मढिया जी जबलपुर (म.प्र.) (आजीवन)- दिसंबर १९९६, श्री सिद्धक्षेत्र गिरनार जी गुजरात
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	३ सितंबर २०१९, २ प्रतिमा -क्षमावाणी के दिन नेमावर, ७ प्रतिमा -मई २०२० नेमावर
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ चिद्रूपसागर जी महाराज

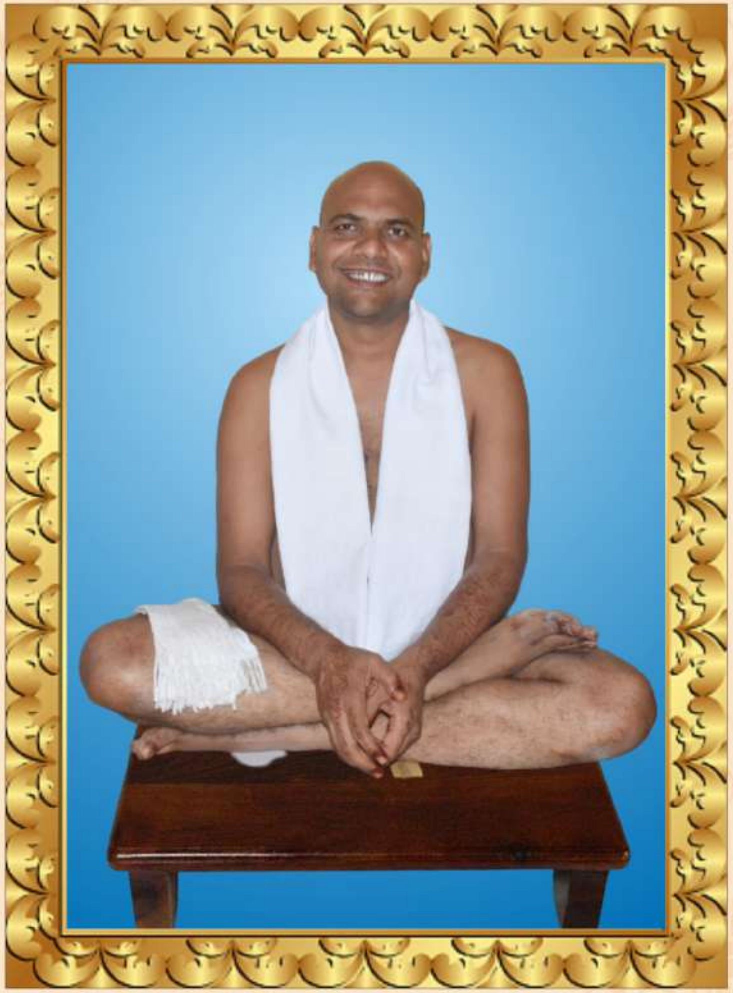

क्षुल्लक श्री १०५ चिद्रूपसागर जी महाराज
अंतर्बोध जगा गुरु, त्यागा जग का मोह।
बन विद्यासागर गुरु, त्यागी व्रती समूह॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. अभिषेक भैया जी
पिता का नाम	:	श्री अशोक कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती छाया जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री आशीष जैन (२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९/०९/१९८५ भाद्र शुक्ल पंचमी गोटेगांव जिला नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार) -सन् २०११ डोंगरगढ़ (छ.ग.) (आजीवन)- १७ जनवरी २०१६ रहली
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ स्वरूपसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. पुनीत भैया जी
पिता का नाम	:	श्री हरीश चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री विनीत जैन (२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१८/११/१९८९ शनिवार मार्गशीर्ष कृष्ण ६ शाहगढ़ जिला सागर (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई (कंप्यूटर साइंस)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-३० मई २०१८ पपौरा जी (म.प्र.) (आजीवन)- २७ सितंबर २०२२ शिरपुर महाराष्ट्र
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप ने पूर्व में 11 वर्ष तक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर हैदराबाद में पैनासोनिक कंपनी में जॉब की है।

क्षुल्लक श्री १०५ स्वरूपसागर जी महाराज

शुद्ध हृदय सुमिरन करूँ, विद्यागुरु महान।
अंतर्भाव विराजते, बसते उनमें प्रान॥

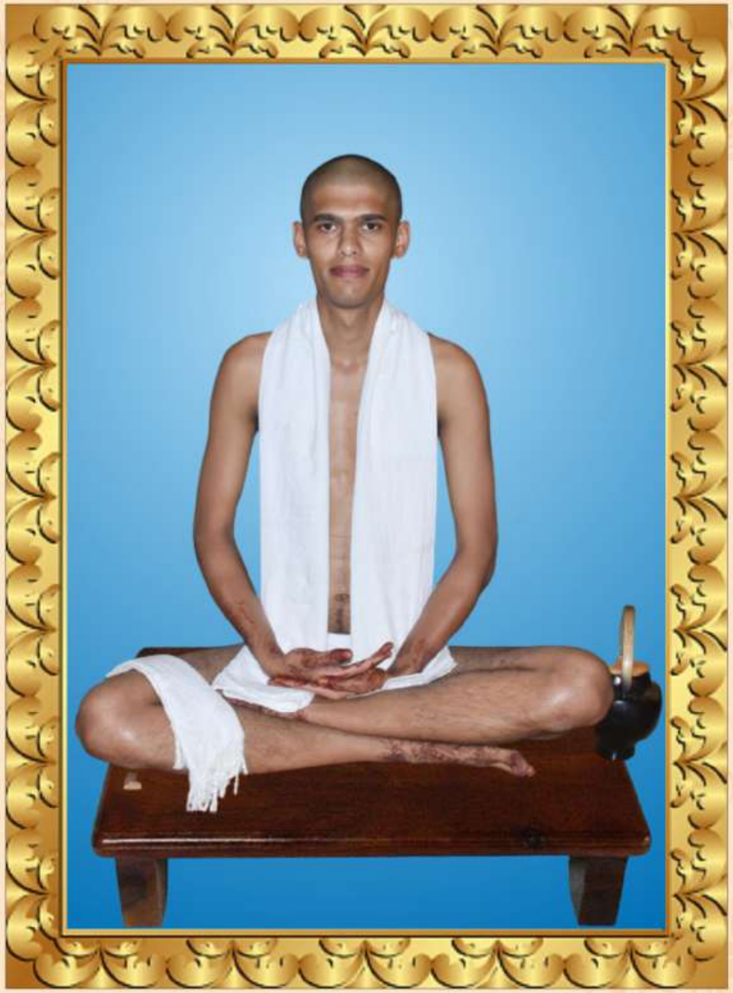

क्षुल्लक श्री १०५ सुभगसागर जी महाराज

प्रातः अंतर्भावना, गुरु दर्शन की आस।
दर्श मिले गुरुदेव के, तभी मिटेगी प्यास॥

क्षुल्लक श्री १०५ सुभगसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. जयेश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री भूषण सरोदय जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंजली भूषण सरोदय जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री तेजस भूषण सरोदय जैन (२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७/०७/२००० वीर शासन जयंती वर्धा (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.टेक (मेक्निकल इंजीनियरिंग)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-सन् १८ मार्च २०१८ पपौराजी अतिशय क्षेत्र, टीकमगढ़ (म.प्र.) (आजीवन)-२७ सितंबर २०२२आश्विन शुक्ल दोज शिरपुर (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ अनुनयसागर जी महाराज

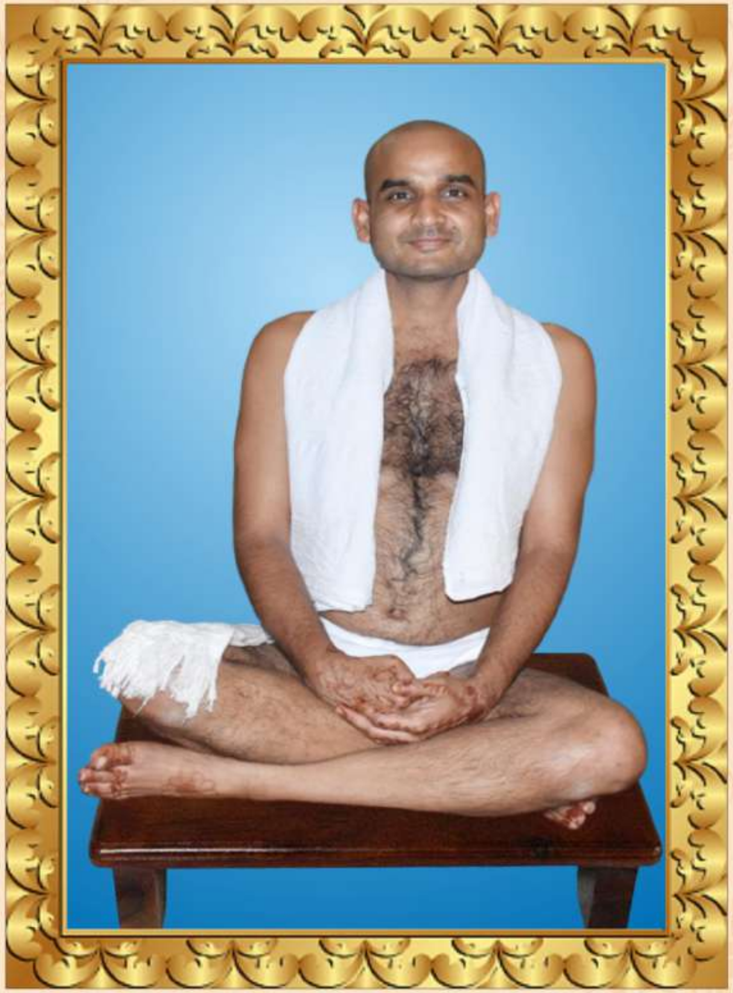

क्षुल्लक श्री १०५ अनुनयसागर जी महाराज

विद्यासागर सूर्य हैं, अंधकार हर लेत।
सोई किस्मत जागती, हाथ अगर सर देत॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. चंद्रप्रकाश भैया जी
पिता का नाम	:	श्री महावीर प्रसाद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शकुंतला देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्रीमती सरिता जैन (२) श्रीमती तृप्ति जैन (३) ब्र. गायत्री दीदी (४) ज्योति जैन (५) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१७/१०/१९८३, आश्विन शुक्ल एकादशी ग्वालियर (म.प्र.) बाद में निवास -पुणे (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.टेक (आईटी), एमएएनआईटी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	(प्रथम बार)-२००३, मुनि श्री जिनसेन जी महाराज से भिंड (म.प्र.) ,(द्वितीय बार)-सन् २००६ जबलपुर (म.प्र.), आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज (आजीवन)- ७ दिसंबर २००८ नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	६ मार्च २०२२ अभाना जिला दमोह (म.प्र.) ५ सितंबर, २०२२, ७ प्रतिमा,शिरपुर (महा)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में 30 लाख साल की नौकरी 4जी टेलीकॉम कंपनी मे आर एंड डी, में काम किया है । आपको एनसीसी एवं राज्य स्तरीय जूडो स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। शुद्ध दूध के लिए 4 वर्ष गौशाला का संचालन पुणे महाराष्ट्र में किया, आपने दक्षिण कोरिया की विदेश यात्रा की है ।

क्षुल्लक श्री १०५ सविनयसागर जी महाराज

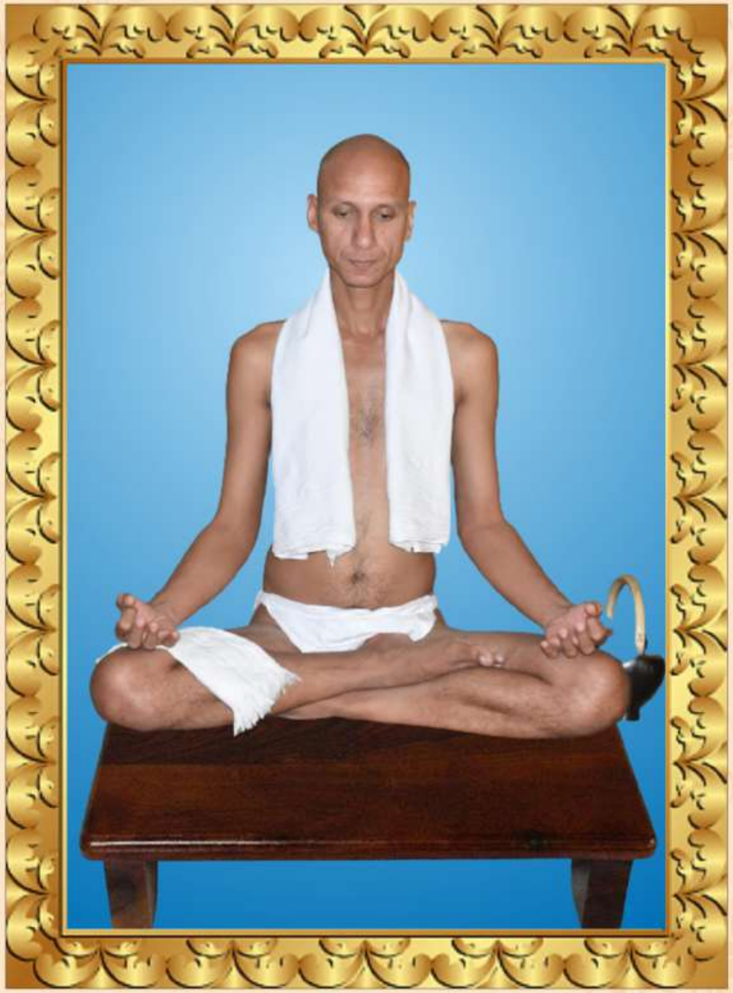

क्षुल्लक श्री १०५ सविनयसागर जी महाराज

धरती अंबर कर रहे, गुरु की जय जयकार।
विद्यासागर जगत में, मोक्ष मार्ग आधार॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. मधुर भैया जी
पिता का नाम	:	श्री राजकुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुनीता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) आपका क्रम (२) ब्र. मयूर भैया
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१२/०२/१९८३ गंजबासौदा जिला विदिशा (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	दो प्रतिमा जनवरी २०२१ ७ प्रतिमा ५ सितंबर २०२२ शिरपुर महाराष्ट्र
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू.आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में आईबीएम पुणे कंपनी में की है, प्राचीन जैन शास्त्रों के संरक्षण के लिए विशेष योगदान दिया ,दक्षिण के २०० मंदिरों गुफाओं का जीर्णोद्धार करवाया ,दक्षिण के ६ राज्यों में कोरोना काल में ६००० दिगंबर जैन परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया, पुणे में दिगंबर जैन पाषाण के मंदिर बनवाए।

क्षुल्लक श्री १०५ समन्वयसागर जी महाराज

चरणामबुज विद्यागुरु, पूजूँ मन वच काय।
लगन लगी तुमसे प्रभु, आपहि शरण शहाय॥

क्षुल्लक श्री १०५ समन्वयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. विक्रम भैया जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री विनोद कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मीना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्रीमती बबीता जैन (२) आपका क्रम (३) विकास जैन (४) विपिन जैन
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	०६/१०/१९८२ बुधवार आश्विन कृष्ण चतुर्थी तारादेही, जिला दमोह (मध्यप्रदेश) (बाद में निवास - जबलपुर)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीकॉम, एलएलबी, एमकॉम
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार) ०४ जुलाई २००५ कुंडलपुर सिद्धक्षेत्र (म.प्र.) आजीवन)-१४ मार्च २००९ तारादेही जिला दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	५ सितंबर २०२२ शिरपुर (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू.आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में जबलपुर हाईकोर्ट मे एडवोकेट रहे एवं 8 वर्ष तक फाइनेंस कंपनी में ब्रांच मैनेजर रहे।

क्षुल्लक श्री १०५ हीरकसागर जी महाराज

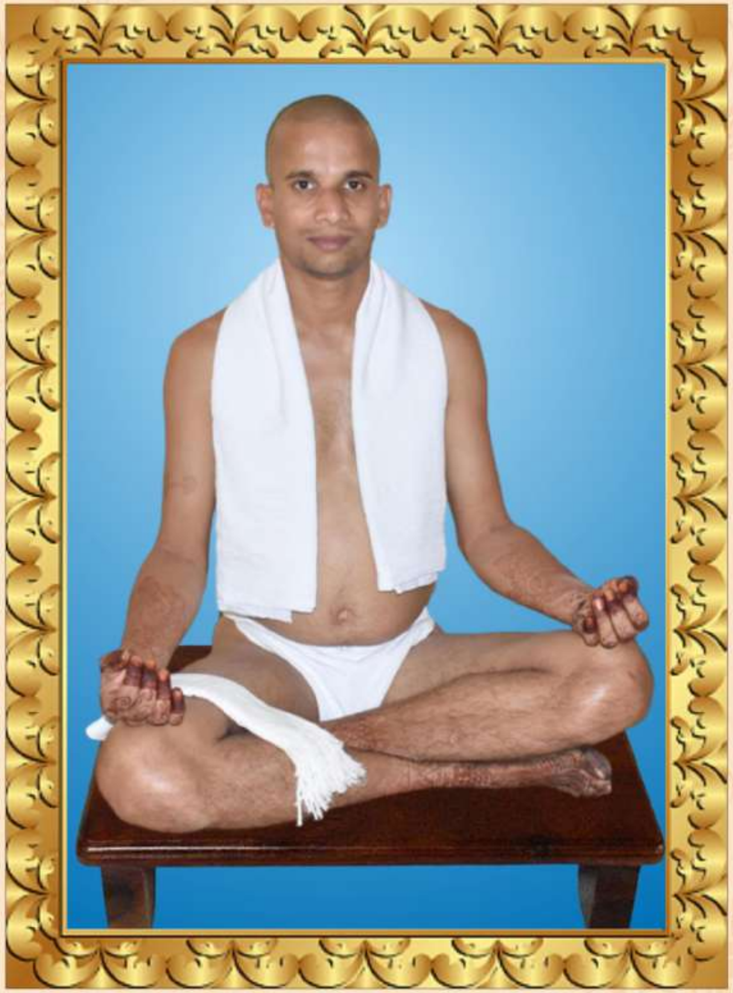

क्षुल्लक श्री १०५ हीरकसागर जी महाराज

इतना गुरु में ज्ञान है, जितना अंबुधि नीर।
निर्मद हैं विद्यागुरु, सदा रहें गंभीर॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. विजेंद्र भैया जी
पिता का नाम	:	श्री नरेंद्र कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती दुलारी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्रीमती सीमा जैन (२) श्रीमती वर्षा जैन (३) श्रीमती जयंती जैन (४) श्रीमती अवन्ती जैन (५) आपका क्रम (६) श्रीमती अंजना जैन (७) श्री वर्धमान जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२०/०४/१९८८ भोपाल (मध्यप्रदेश)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम, एम.कॉम,एल.एल.बी ,पी.जी.डी.सी.ए
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार)- ०७ अक्टूबर २०१६, भोपाल (आजीवन)-२५ नवंबर २०१६ भानपुर, भोपाल
प्रतिमा कब, कहाँ किससे	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप पूर्व में. बंसल हॉस्पिटल में सीनियर अकाउंटेंट, महावीर हॉस्पिटल एंड मेडिकल कालेज में सीनियर अकाउंटेंट,पीएनजी कंपनी में क्वालिटी सुपरवाइजर पद पर कार्यरत रहे, आपको स्काउट गाइड्स में राज्यपाल से पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

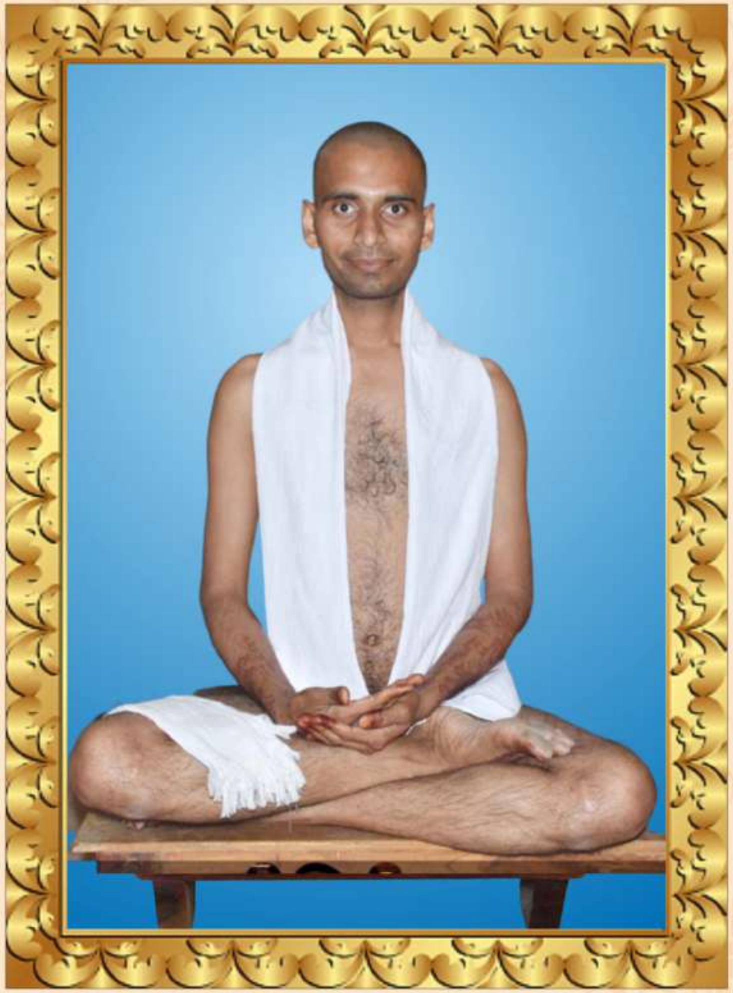

क्षुल्लक श्री १०५ निर्धूमसागर जी महाराज

राह अकंटक हो यदि, ना गुरुवर हर्षायें।
कंटक पंथ पर भी गुरु, निर्विकल्प बढ़ जायें॥

क्षुल्लक श्री १०५ निर्धूमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	ब्र. दीपक भैया जी
पिता का नाम	:	श्री शीलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कल्पना जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्रीमती रेणुका जैन (२) श्री चक्रेश जैन (३) श्री सन्मति जैन (४) श्री राहुल जैन (५) आपका क्रम (६) श्री आयुष जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१२/१०/१९९५ गुरुवार कार्तिक कृष्ण चतुर्थी खुरई जिला सागर (म.प्र.) बाद में निवास-मड़ावरा जिला ललितपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बीकॉम , एलएलबी, एल.एल.एम
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार) ०७ जनवरी २०२० इंदौर (आजीवन)-१५ नवंबर २०२२ आजेगांव (महा.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ वरिष्ठसागर जी महाराज

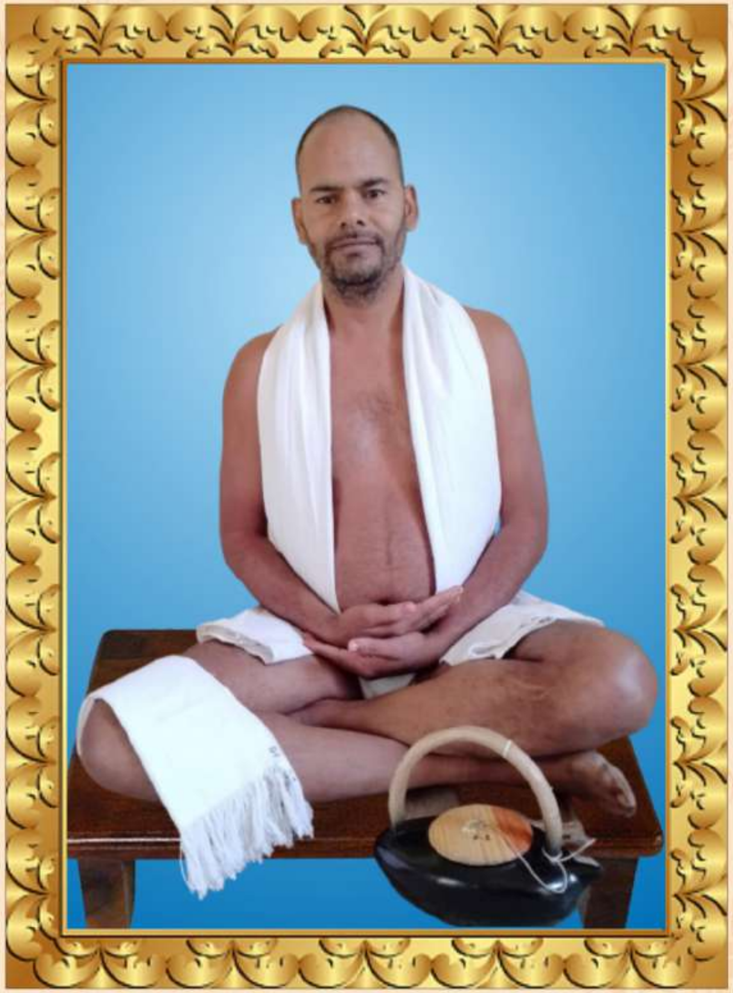

क्षुल्लक श्री १०५ वरिष्ठसागर जी महाराज

लिख पाऊँ तुम पर गुरु इतना नहीं संपन्न।
लिख डालूँ यदि ग्रंथ भी, लगता अँजुरी अन्न॥

पूर्व का नाम	:	ब्र. खुशाल भैया जी
पिता का नाम	:	श्री निर्मल कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री टेकचंद जैन (२) आपका क्रम (३) श्री मती वंदना जैन (४) श्री दीपक जैन (५) श्रीमती अंजना जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१०/१०/१९८२ पथरिया जिला दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए (जैन दर्शन संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार)-सन् २००६ अमरकंटक (म.प्र.) (आजीवन)-१५ अगस्त २००९अमरकंटक (म.प्र.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	२ प्रतिमा २८ जुलाई २०२२ शिरपुर (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ गौरवसागर जी महाराज

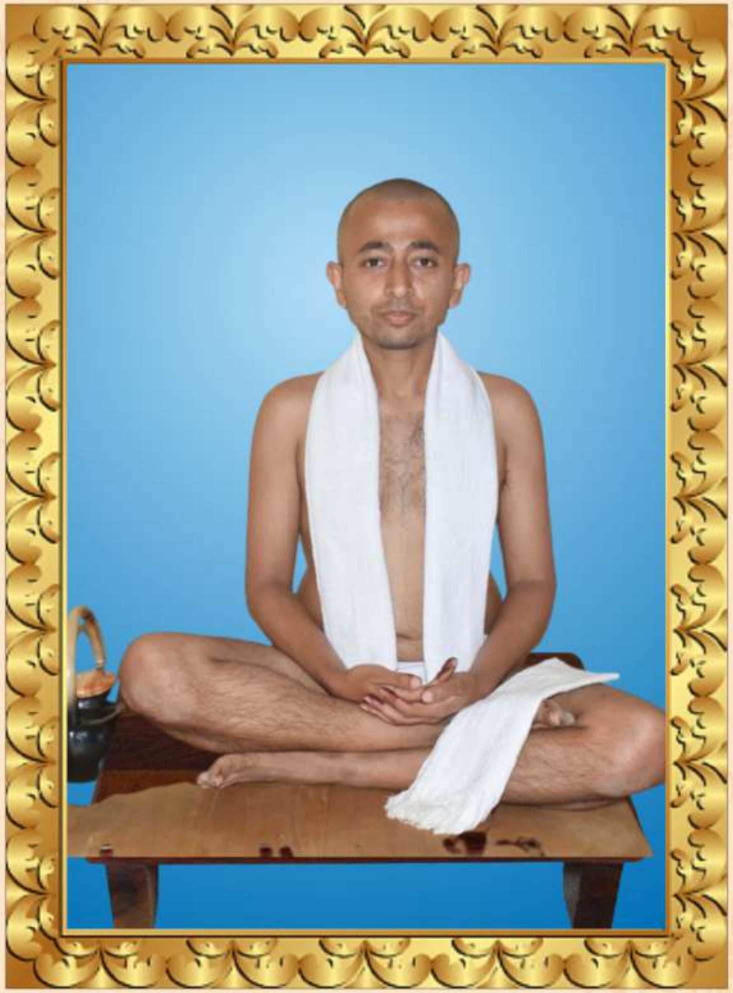

क्षुल्लक श्री १०५ गौरवसागर जी महाराज

छवि इतनी अकराल है, मन में लिया बसाय।
बंद आँख दर्शन करूँ, त्यागूँ सभी कषाय॥

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. जयंत (गोल्डी) भैया जी
पिता का नाम	:	श्री राजीव कुमार जैन
माता का नाम	:	श्री मती सविता जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) आपका क्रम (२) शिविका जैन (३) अभिनय जैन
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	०५/०७/१९८५ ग्राम सुलतानपुर जि.सहारनपुर (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.सी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार) ०८-११-२०२० इंदौर (म.प्र.) (आजीवन)-२५/०९/२०२२दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र अंतरिक्ष पार्श्वनाथ, शिरपुर जिला वाशिम (महाराष्ट्र)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू. आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री १०५ विदेहसागर जी महाराज

अधरों पे तेरा नाम हो, जब हो जीवन अंत।
सौम्य छवि मन में बसी, विद्यागुरु भगवंत॥

क्षुल्लक श्री १०५ विदेहसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. रोहित भैया जी
पिता का नाम	:	श्री राजेश कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती उषा जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) मोनिका जैन (२) मोहित जैन (३) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	२७/०१/१९९० टीकरी, बड़ौत (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत कब, कहाँ किससे	:	(प्रथम बार) - ०८/११/२०२० इंदौर (म.प्र.) (आजीवन) - २७/०९/२०२२ शिरपुर (महा.)
प्रतिमा कब, कहाँ किससे कितनी	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-१२-२०२२, पौष कृष्ण १३, बुधवार वी.नि.सं. २५४९ वि.सं. २०७९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शिरपुर जिला-वाशिम (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता गुरु	:	सर्वश्रेष्ठ साधक प.पू.आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने पूर्व में ७ वर्ष गुड़गांव में आई टी कंपनी में कार्य किया है।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ संयमश्री माता जी

निज आतमा को साधते हैं, ज्ञान दर्शन चरित से।
वे साधु गिरने से बचाते, थामते व्रत त्वरित से।।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ संयमश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	श्री बेनीबाई जी
पिता का नाम	:	श्री
माता का नाम	:	
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. २. ३. ४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९०५ में सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-११-१९८५ शुक्रवार कार्तिक शुक्ल दशमी वि.सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	०८-१२-१९५८ रविवार मार्ग शीर्ष कृष्ण एकादशी वि.सं. २०४२ रात्रि १२:१५ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, अहार जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
विशेष	:	(८० वर्ष की उम्र में समाधि हुई) (क्षुल्लिका दीक्षा के पूर्व आपने अन्न का त्याग कर दिया था सिर्फ जल आदि ही लेती रहीं ३ दिसम्बर १९८५ को चारों प्रकार के आहार का त्याग कर दिया था और ५ उपवास के साथ समाधि हुई)

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ आत्मश्री माता जी

जिन धर्म को जिसने धारा वह, उठ गया संसार से।
शाश्वत सुखी हो मुक्ति पायी, सर्वथा दुख क्षार से॥

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ आत्मश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	ब्रह्मचारिणी रत्ती बाई जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री मुन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सोना बाई जी जैन
पति का नाम	:	स्व. श्री दीपचंद जी जैन, रीवा (म.प्र.)
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	भाद्रपद शुक्ल १३ ई.सन् १९२१ वि.सं. १९७९ सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
क्षुल्लिका दीक्षा	:	१६-०९-१९९१ गुरुवार प्रातः ६ बजे भाद्रपद शुक्ल ११ वि.सं. २०४८ (उत्तम तप धर्म)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१९-०९-१९९१ गुरुवार भाद्रपद शुक्ल एकादशी वि.सं. २०४८ (उत्तम तप धर्म) प्रातः ११ बजे
	:	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
विशेष	:	७० वर्ष की उम्र में समाधि हुई।

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ समाधिश्री माता जी

जिनवचन अमृत औषधी सम, मानकर जिसने पिये।
उसने विषय सुख कर विरेचित, आत्मसुख अपने किये॥

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ समाधिश्री माता जी

पूर्व का नाम	:	श्री दराखा बाई जी जैन (मेहता)
पिता का नाम	:	श्री सुखलाल जी जैन (मेहता)
माता का नाम	:	श्रीमती सुंदर बाई
भाई-बहिन के नाम	:	१. २. ३.
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६. ७.
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९२०
दिन/ स्थान/समय		संतरामपुरा, पंचमहल, गोधरा (गुजरात)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पांचवी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लिका दीक्षा	:	२८-१२-१९९२ सोमवार पौष शुक्ल ४ वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४९ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	०६-०१-१९९३ बुधवार पौष शुक्ल १३ वि.सं. २०४९ को प्रात: १०:२० बजे श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
विशेष	:	(७४ वर्ष की उम्र में समाधि हुई आप जबलपुर ब्राह्मी विद्याश्रम की संचालिका रही, गुरू आज्ञा में रहकर करीब ३० दिन तक समाधि साधनारत रही आपकी समाधि के समय ११० पिच्छीधारी साधु उपस्थित थे)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज
१३ मार्च २०१५ दिन शुक्रवार चैत्र कृष्ण ७ ज्येष्ठा
नक्षत्र वि.सं. २०७१, सागर (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागर जी महाराज
१४ जून १९८४ मंगलवार ज्येष्ठ शुक्ल १४
वि.सं. २०४१ , भेलपुर, वाराणसी (उ.प्र.)

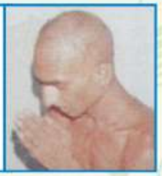

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभावसागर जी महाराज
११-०८-२०१७ शुक्रवार, भाद्रपद कृष्ण 4 वि.सं. २०७४
मालथौन जिला-सागर (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ वैराग्यसागर जी महाराज
०९-०९-१९८५ भाद्रपद कृष्ण दशमी वि.सं. २०४२
श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज
१८-१०-२०१९, आश्विन शुक्ल ५, शुक्रवार वि.सं. २०२६
जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागर जी महाराज
२० अक्टूबर २००५, गुरूवार, तृतीया
समडोला, जिला अंजली (महाराष्ट्र)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागर जी महाराज
२९ नवम्बर २००३, शनिवार, मगसिर शुक्ल ६
कटनी (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ सुमतिसागर जी महाराज
०८ मार्च २००९,रविवार फाल्गुन शुक्ल १२ वि.सं. २०६५
अशोकनगर (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ पुष्पदन्तसागर जी महाराज
२५-०४-२०१९ गुरुवार, वैशाख कृष्ण ६ वि.सं. २०७५-७६
श्री सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी (झारखंड)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज
१३-८-२०१४, बुधवार, भाद्रपद कृष्ण-३ वि.सं. २०७१
विदिशा (म.प्र.)

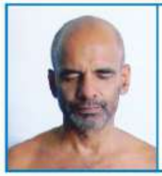

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ धीरसागर जी महाराज
१०-१-२०१७ मंगलवार, पौष शुक्ल १३ रोहिणी/ मृग नक्षत्र
गुना (म.प्र.)

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ निकलंकसागर जी महाराज
२६-०४-२०२१, चैत्र शुक्ल १४, सोमवार, वि.सं. २०७८
श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र बजरंगगढ़ जिला-गुना (म.प्र.)

समाधिस्थ निर्यापक मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज
१३-०२-२०२३, फाल्गुन कृष्ण ७, सोमवार, वि.सं. २०७९
श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र चंपापुर (झारखंड)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ जिनमति माता जी
२९-११-२००१ गुरूवार, कार्तिक शुक्ल १४ वि.सं. २०५६
खिमलासा जिला-सागर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ उज्जवलमति माता जी
११-१२-२०१९ बुधवार मार्गशीर्ष शुक्ल १४ वि.सं. २०७६
श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जिला नागपुर (महा.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ प्रभावनामति माता जी
०८-०५-२०१८ मंगलवार, प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण ८ वी.नि.सं. २५
अशोकनगर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अतिशयमति माता जी
२१-०८-२००८, शुक्रवार, भाद्रपद शुक्ल १वि.सं. २०३५
रांझी जबलपुर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ आनंदमति माता जी
२९-०३-२०२१ सोमवार, चैत्र कृष्ण १ वि.सं. २०७७
श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पपौरा जी टीकमगढ़ (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ एकत्वमति माता जी
०१-१२-२००१, मार्गशीर्ष कृष्ण ११ वि.सं. २०५८
भोपाल (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ निर्वाणमति माता जी
२१-०८-१९९३ प्रथम भाद्र शुक्ल चतुर्थी शनिवार वि.सं. २०५०
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, नागपुर (महा.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ शांतिमति माता जी
२१-०९-१९९३, द्वितीय भाद्रपद शुक्ला ६ मंगलवार वि.सं. २०५०
श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र रामटेक जिला-नागपुर (महा.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुनयमति माता जी
२९-१२-२०१९ रविवार, पौष शुक्ल ३ वि.सं. २०२६
भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री 105 सत्यार्थमति माता जी
०४-०१-२०२१ सोमवार, पौष कृष्ण ६ वि.सं. २०७७
जबलपुर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री 105 सुधारमति माता जी
18-08-2019, रविवार, भाद्रपद कृष्ण 3 वि.सं. 2076
श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो जिला-छतरपुर (म.प्र.)

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी
२५-०५-२०१८ गुरुवार प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल १०वि.सं. 2075
व्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.)

समाधिस्थ एलक श्री १०५ नि:शंकसागर जी महाराज
समाधि :१६-१२-२०१४,सोमवार पौष कृष्ण ९ वि.सं. २०७१
बंगला चौराहा, मुँगावली जिला-अशोकनगर (म.प्र.)

समाधिस्थ एलक श्री १०५ आनंदसागर जी महाराज
समाधि :२१-०४-१९९७ मंगलवार, चैत्र शुक्ल चतुर्दशी वि.सं. २०५४
श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जिला खरगोन (म.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ चारित्रसागर जी महाराज
समाधि:१७-१२-१९९६ मंगलवार मार्ग शीर्ष शुक्ल ८
वि.सं. २०५३ अलीगढ़ (उ.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ सिद्धांतसागर जी महाराज
समाधि:२४-०५-१९८३ मंगलवार वैशाख शुक्ल १३
वि.सं. २०४० ईसरी जिला-गिरिडीह (झारखंड)

समा. क्षुल्लक श्री १०५ धर्मसागर जी महाराज
समाधि:२९-०८-१९९४ सोमवार भाद्रपद कृष्ण ८
वि.सं. २०५१, रामटेक जिला-नागपुर (महा.)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ पुनीतसागर जी महाराज
समाधि :२६-०९-१९९५ आश्विन शुक्ल द्वितीया वि.सं. २०५२
श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी दमोह (म.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लक श्री १०५ शुक्लसागर जी महाराज
समाधि : १३-१२-२०२२ पौष कृष्ण ५ मंगलवार, वि.सं. २०७९
श्री दयोदय तीर्थ क्षेत्र जबलपुर (म.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ संयमश्री माता जी
८-१२-१९५८ रविवार मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी वि.सं. २०४२
श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, अहार जी जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)

समाधिस्थ क्षुल्लिका श्री १०५ आत्मश्री माता जी
१९-०९-१९९१ गुरुवार भाद्रपद शुक्ल एकादशी वि.सं. २०४८
श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)

समा. क्षुल्लिका श्री १०५ समाधिश्री माता जी
समाधि:०६-०१-१९९३ बुधवार पौष शुक्ल १३ वि.सं. २०४९
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)